THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 141 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.9 2083 शुक्रवार, 21 अगस्त-2026 प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

तरुण तेजपाल ने बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। पत्रकार तरुण तेजपाल ने गुरुवार को 2013 के यौन उत्पीड़न मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट के 10 साल जेल के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। उन्हें 6 अगस्त को सजा सुनाई गई थी। हाईकोर्ट ने पांच साल पहले ट्रायल कोर्ट से बरी करने के फैसले को पलट दिया था। तेजपाल पर 2013 में गोवा में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान होटल की लिफ्ट में जूनियर सहकर्मी से रेप करने का आरोप था। गोवा सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट में तेजपाल को उम्रकैद की सजा देने की मांग की है ।

कोर्ट परिसर में गैंगस्टर की गोली मारकर हत्या

साथी गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

हिसार, 20 अगस्त (एजेंसियां)। हिसार अदालत परिसर के मुख्य गेट के सामने वीरवार दोपहर करीब पौने तीन बजे उस समय भारी दहशत फैल गई, जब दो हथियारबंद हमलावरों ने अंधाधुंध फायरिंग कर थुराना गांव निवासी गैंगस्टर विनोद काना की हत्या कर दी।

इस गोलीबारी में एक अन्य व्यक्ति भी गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसे उपचार के लिए नजदीकी निजी अस्पताल में दाखिल कराया गया है। वारदात के बाद मौके पर मौजूद पुलिस व लोगों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो में से एक हमलावर को मौके पर ही दबोच लिया।

प्रत्यक्षदर्शी एडवोकेट सुखदीप के अनुसार, दोपहर के समय वकील व लोग खाना खाकर लौट रहे थे, तभी हमलावरों ने अचानक गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। करीब 30 सेकंड के भीतर 15 से 20 राउंड फायर किए गए। हमलावरों ने सबसे पहले कोर्ट के पार्किंग एरिया में विनोद काना पर फायरिंग शुरू की। इसके बाद उसे दौड़ाते हुए मुख्य गेट के पास लाकर गोलियों से भून दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

वारदात को अंजाम देने वाले हमलावरों की संख्या दो बताई जा रही है। इनमें से एक हमलावर को पुलिस ने मौके पर ही हिरासत में ले लिया है, जबकि दूसरे की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। प्राथमिक जांच में हमलावर कुख्यात पानू गैंग से जुड़े बताए जा रहे हैं। आपसी गैंगवार और पुरानी रंजिश के चलते इस वारदात को अंजाम दिए जाने की आशंका है।

हिंसा की जांच के लिए समिति

जस्टिस आर सुभाष रेड्डी करेंगे अगुवाई

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने स्टूडेंट प्रोटेस्ट के दौरान दिल्ली के जंतर-मंतर और देश के अन्य हिस्सों में हुई हिंसा की जांच के लिए पांच सदस्यीय हाई पावर्ड इंक्वायरी कमेटी गठित की है। सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज जस्टिस आर सुभाष रेड्डी इसकी अगुवाई करेंगे। उनके अलावा इस समिति में चार सदस्य होंगे, जिसमें पूर्व दो जज, एक पूर्व सीबीआई डायरेक्टर, एक पूर्व डीजीपी सदस्य के रूप में काम करेंगे।

स्टूडेंट प्रोटेस्ट के दौरान हिंसा की जांच करेगी समिति

लाइवलॉ की एक रिपोर्ट के अनुसार सुप्रीम कोर्ट ने पिछले महीने 20 जुलाई को संसद चलो मार्च के दौरान हुई हिंसा की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज आर सुभाष रेड्डी की अध्यक्षता में उच्च अधिकार प्राप्त समिति गठित की है, जो हिंसा को लेकर लगाए जा रहे सभी आरोपों की जांच करेगी।

जांच समिति के अन्य चार सदस्य कौन हैं

जस्टिस आर सुभाष रेड्डी के अलावा इस समिति के बाकी चार सदस्यों में पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस रवि शंकर झा, दिल्ली हाई कोर्ट की पूर्व जज जस्टिस शलिंदर कौर, पूर्व सीबीआई डायरेक्टर ऋषि कुमार शुक्ला और मेघालय के पूर्व डीजीपी एलआर बिश्नोई को भी मेंबर बनाया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस समिति से कहा है कि वह पुलिस पर लगी बर्बरता के आरोपों के साथ ही प्रदर्शनकारियों की ओर से की गई हिंसा की भी जांच करे।

सुप्रीम कोर्ट ने न्याय के हित में गठित की जांत समिति

सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्देश में कहा है कि उसके सामने जो कुछ भी तथ्य रखे गए हैं और उसको लेकर जो विभिन्न तरह के विस्तृत सुझाव दिए गए, उसको देखते हुए सर्वोच्च अदालत न्याय के हित में उच्च अधिकार प्राप्त जांच समिति (HPEC) का गठन करना उचित समझती है।

सुप्रीम कोर्ट ने शुरू से ही दिया निष्पक्ष जांच कराने का संकेत

सुप्रीम कोर्ट में भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने स्टूडेंट प्रोटेस्ट के दौरान हुई हिंसा पर कई रिट याचिकाओं का निपटारा किया है। अदालत ने शुरू में ही कह दिया था कि इस मामले में दोनों ओर से जो आरोप लगाए गए हैं, उसे देखते हुए एक स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की आवश्यकता है।

बांग्लादेश के नए राष्ट्रपति

मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर बने

जमात उम्मीदवार ओली अहमद को हराया

ढाका, 20 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के उम्मीदवार मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल की है। उन्हें 255 वोट मिले। वहीं, बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाले गठबंधन के उम्मीदवार कर्नल (रिटायर्ड) ओली अहमद को 88 वोट मिले। राष्ट्रपति चुनाव के मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव अधिकारी एएमएम नासिर उद्दीन ने संसद में तीन घंटे तक चली वोटिंग के बाद नतीजे घोषित किए। राष्ट्रपति चुनाव के लिए वोटिंग आज शाम 5:00 बजे खत्म हुई। एएमएम नासिर उद्दीन ने बताया कि सभी 349 सांसदों ने तीन पारदर्शी मतपेटियों में अपने वोट डाले। जारी किए गए मतपत्रों में से 343 का इस्तेमाल हुआ और छह का इस्तेमाल नहीं हुआ। नासिर उद्दीन ने कहा कि इस्तेमाल किए गए सभी 343 मतपत्र वैध माने गए। राष्ट्रपति चुनाव अधिनियम, 1991 की धारा 10 के तहत चार मतपत्र बदले गए। वोटिंग और गिनती के दौरान तीन चुनाव आयुक्त और चुनाव आयोग के सचिव मौजूद थे।

मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर बीएनपी के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले महासचिव रहे हैं। वे ठाकुरगांव-1 निर्वाचन क्षेत्र से सांसद हैं। तारिक रहमान के नेतृत्व वाली सरकार में स्थानीय सरकार, ग्रामीण विकास और सहकारी मंत्री रूप में कार्यरत हैं । अपने पिछले कार्यकाल में, 2001 से 2006 तक, उन्हें कृषि मंत्रालय और बाद में नागरिक उड्डयन और पर्यटन मंत्रालय के प्रभारी राज्य मंत्री भी नियुक्त किया गया था। फखरुल इस्लाम आलमगीर ढाका विश्वविद्यालय से छात्र राजनीति में सक्रिय हुए। वे तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान छात्र संघ (ईपीएसयू) के सदस्य थे। इसे अब बांग्लादेश छात्र संघ के नाम से जाना जाता है।

भ्रूण लिंग परीक्षण वाले मामलों की जांच पुलिस नहीं करेगी

सुप्रीम कोर्ट बोला- अस्पताल पर छापा मारने का अधिकार भी नहीं, अब स्पेशल टीम ही कार्रवाई करेगी

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि भ्रूण लिंग परीक्षण-पीसीपीएनडीटी एक्ट के तहत दर्ज मामलों की जांच पुलिस नहीं कर सकती। कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों में कानून के तहत नियुक्त अधिकारी ही कार्रवाई करेंगे।

प्री कॉन्सेप्शन एंड प्री नेटल डायग्नोस्टिक टेक्निक्स (पीसीपीएनडीटी) एक्ट का मकसद भ्रूण का लिंग पता लगाने के लिए प्रसव से पहले की जाने वाली जांच तकनीकों के इस्तेमाल पर रोक लगाना है। यह फैसला जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने सुनाया। कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पीसीपीएनडीटी एक्ट से जुड़े मामले तकनीकी होते हैं। >14

कांग्रेस का पूरा वंदे मातरम न गाना देशविरोधी : शाह

चेन्नई, 20 अगस्त (एजेंसियां)। गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को चेंगलपट्टू में कहा कि कांग्रेस का वंदे मातरम पूरा न गाने का फैसला हैरान करने वाला और देशविरोधी है। 1937 में कांग्रेस ने जो फैसला लिया था, उसे पीएम मोदी ने सुधारा है। उन्होंने कहा- कांग्रेस ने 1937 में राष्ट्रगीत के दो टुकड़े कर मुस्लिम तुष्टीकरण किया था। उस फैसले से दो-राष्ट्र सिद्धांत को मजबूती मिली और आगे चलकर देश का विभाजन हुआ।

शाह के बयान पर कांग्रेस ने पलटवार किया। पार्टी के सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा- वंदे मातरम स्वतंत्रता संग्राम का हिस्सा था। यह हमारे लिए भावनात्मक मुद्दा है। बीजेपी स्वतंत्रता संग्राम का हिस्सा नहीं थी। उनके लिए यह राजनीतिक मुद्दा है।

दरअसल, कांग्रेस वर्किंग कमेटी ने बुधवार को ऐलान किया कि पार्टी अपने सभी कार्यक्रमों में वंदे मातरम के 6 में से सिर्फ शुरुआती दो पैरा गाएगी। यह फैसला 15 अगस्त को कांग्रेस मुख्यालय में वंदे मातरम के गायन को लेकर हुए विवाद के बाद आया। अमित शाह ने कहा, कांग्रेस का सिर्फ दो पैरा वंदे मातरम गाने का फैसला तुष्टीकरण और वोट बैंक की राजनीति है। देश में अब तुष्टीकरण की राजनीति नहीं चलेगी। 1937 में कांग्रेस ने वंदे मातरम को दो हिस्सों में बांटने का फैसला किया था। आज कांग्रेस उसी पुराने फैसले को फिर लागू कर रही है। देश की जनता को कांग्रेस के इस फैसले के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। बीजेपी इसका जनता के बीच और संसद और विधानसभा में भी जोरदार विरोध करेगी।

वंदे मातरम विवाद पर भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस ने वोट बैंक की राजनीति के लिए राष्ट्रीय गीत का अपमान किया है। कांग्रेस अब नई मुस्लिम लीग बन गई है। यह फैसला वंदे मातरम को अपने मन में रखकर बलिदान देने वाले शहीदों का अपमान है।

वंदे मातरम को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच विवाद 15 अगस्त को शुरू हुआ। बीजेपी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस मुख्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान पूरा वंदे मातरम गाए जाने पर सोनिया गांधी ने इसे रोकने की कोशिश की।

35 साल बाद भी मां के दर्द को नहीं भूले राहुल

सोनिया की किताब पर हुए भावुक; बोले- 'पापा आज मुस्कुरा रहे होंगे

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। सोनिया गांधी की आत्मकथा 'बिलॉन्गिंग: अ जर्नी ऑफ लव' नवंबर में प्रकाशित होने जा रही है। राहुल गांधी ने इस मौके पर अपनी मां के संघर्ष, साहस और निजी जीवन को याद करते हुए भावुक संदेश लिखा है। आत्मकथा में सोनिया गांधी के इटली के बचपन, राजीव गांधी से प्रेम और विवाह, गांधी परिवार में प्रवेश, इंदिरा और संजय गांधी की मौत, राजनीति में आने के कारणों और 2004 में प्रधानमंत्री पद ठुकराने जैसे महत्वपूर्ण प्रसंग शामिल हैं। किताब के जरिए वह छह दशकों के भारत के सामाजिक और आर्थिक बदलावों को भी अपने निजी अनुभवों की नजर से सामने रखेंगी।

नवंबर में आएगी सोनिया गांधी की आत्मकथा

सोनिया गांधी इस नवंबर में अपनी आत्मकथा लेकर आ रही हैं। इसमें वह भारत के सबसे प्रभावशाली राजनीतिक परिवारों में से एक में शादी के बाद अपने जीवन, अपने पति राजीव गांधी की उस त्रासद मौत के बारे में बताएंगी, जिसने उन्हें राजनीति की 'सार्वजनिक दुनिया' में ला खड़ा किया, और 2004 में प्रधानमंत्री पद स्वीकार करने से इनकार करने समेत अपने जीवन के कई अनछुए पहलुओं को साझा करेंगी।

अमेरिकी प्रकाशक पेंगुइन रैंडम हाउस की इम्प्रिंट अल्फ्रेड ए. नॉफ ने मंगलवार को घोषणा की कि 'बिलॉन्गिंग: अ जर्नी ऑफ लव' 10 नवंबर को बाजार में आएगी। हालांकि, पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने भारत में किताब के प्रकाशन की तारीख की अभी पुष्टि नहीं की है। >14

आरएसएस पर राहुल गांधी का हमला

'कोई कैसे जान सकता है 1.5 अरब लोगों की सच्चाई?' स्वराज-शिक्षा व्यवस्था पर भी बरसे

नई दिल्ली , 20 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली में 'हरा भरा स्वराज: राजीव गांधी के विजन को श्रद्धांजलि' कार्यक्रम में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरएसएस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि किसी एक समूह या व्यक्ति को यह मानने का अधिकार नहीं है कि वह देश की 1.5 अरब आबादी की सच्चाई जानता है। राहुल गांधी ने कहा "यही आरएसएस के साथ मेरी समस्या है। आरएसएस ने तय कर लिया है कि वह 1.5 अरब लोगों की सच्चाई जानता है। मैं कहता हूं कि केवल 1.5 अरब लोग ही अपनी सच्चाई जान सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर वह यह मान लें कि वह किसी दूसरे व्यक्ति की सच्चाई जानते हैं तो यह गलत होगा, क्योंकि उन्होंने उस व्यक्ति के अनुभवों और परिस्थितियों को नहीं देखा है।

राहुल गांधी ने कहा कि आज देश में वैचारिक लड़ाई सिर्फ

पर्यावरण, राजनीति या स्वतंत्र मीडिया जैसे मुद्दों तक सीमित नहीं है। उनके मुताबिक, असली सवाल यह है कि क्या कोई समूह यह तय कर सकता है कि देश के हर व्यक्ति की सच्चाई वही जानता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के छात्रों से जुड़े एक बयान का जिक्र करते हुए कहा कि इसका मतलब यह संदेश देना है कि "मैं सब कुछ जानता हूं, आप कुछ नहीं जानते।

राहुल गांधी ने कहा कि जब छात्रों ने विरोध किया तो मोहन भागवत की ओर से भी छात्रों पर हमला नहीं करने की बात कही गई, लेकिन उनके अनुसार छात्रों पर लगातार हमला इसलिए हो रहा है क्योंकि कुछ लोग मानते हैं कि वे उनकी सच्चाई जानते हैं।

राहुल गांधी ने 'स्वराज' को लेकर क्या कहा?

राहुल गांधी ने कहा कि अगर देश के हर कारोबार का मालिक एक ही व्यक्ति हो तो बड़ी आबादी के लिए स्वराज संभव नहीं है। उन्होंने कहा "अगर एक व्यक्ति इस देश के हर एक कारोबार का मालिक है तो भारतीय लोगों की बड़ी आबादी के लिए स्वराज की कोई संभावना नहीं है।" राहुल गांधी ने कहा कि देश में कुछ लोगों के पास एयरपोर्ट, बंदरगाह और कंपनियां होनी चाहिए, जबकि दूसरे लोग ऐसे नौकरशाह होने चाहिए जो अपनी बात स्वतंत्र रूप से रख सकें और किसी कारोबारी के प्रभाव में आकर काम करने के लिए मजबूर न हों।

राहुल गांधी ने कहा कि गांधीजी का विजन कुछ बुनियादी व्यवस्थाओं के बिना पूरा नहीं हो सकता। उन्होंने महंगी शिक्षा व्यवस्था और असमान परीक्षा प्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यह विजन ऐसी वित्तीय व्यवस्था के साथ भी संभव नहीं है, जिस पर दो-तीन लोगों का एकाधिकार हो। राहुल गांधी ने राजनीतिक व्यवस्था की पहुंच गांवों और पंचायतों तक होने की जरूरत बताई।

6 साल के बच्चे की हार्टअटैक से मौत

क्लास में टीचर थप्पड़ मारती दिखी; बच्चा रोता-रोता गिर पड़ा

विशाखापट्टनम, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। विशाखापट्टनम के वन टाउन इलाके में गुरुवार को 6 साल के बच्चे की हार्टअटैक से मौत हो गई। परिजन का आरोप है कि क्लास में टीचर ने उसके कपड़े उतारने की कोशिश की और थप्पड़ मारा था। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक लिटिल गार्डन्स स्कूल के यूकेजी में पढ़ने वाला प्रणय तेजा को जब टीचर ने उसे मारा तो वह रोता हुआ टीचर के ऊपर ही गिर पड़ा। उसे किंग जॉर्ज अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बच्चे के परिवार और रिश्तेदारों ने अस्पताल के बाहर प्रदर्शन किया। उनका आरोप है कि टीचर की मारपीट के कारण बच्चे की मौत हुई।

घटना का पता तब चला जब क्लास का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर सामने आया। फुटेज में टीचर बच्चे को अपनी ओर खींचती हुई दिखाई दे रही है। वह उसके कपड़े उतारने की कोशिश भी करती दिखाई दी। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि यह सब होमवर्क न करके लिए बच्चे को शर्मिंदा करने के लिए किया जा रहा था। बच्चा रोते हुए टीचर को रुकने का इशारा करता दिखाई दे रहा है। हालांकि टीचर कुछ देर रुकती है। बच्चे से कुछ कहती है। इसके बाद वह गाल पर थप्पड़ मारती है। बच्चा कुछ पल तक बिना हिले खड़ा रहता है और फिर शिक्षक से टकराकर गिर जाता है।

पुलिस ने बच्चे की मौत की वजह की जांच शुरू कर दी है। अधिकारी सीसीटीवी फुटेज और मौत से जुड़ी परिस्थितियों की जांच कर रहे हैं। जांच में यह भी देखा जा रहा है कि बच्चे को पहले से कोई बीमारी थी या नहीं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की जानकारी सामने आएगी। परिवार ने बच्चे की मौत के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

राम मंदिर निर्माण समिति अध्यक्ष ने मनमानी की : चंपत राय

पूर्व आईएएस नृपेंद्र मिश्रा ने सलाह कभी नहीं मानी, अपनी पसंद के लोग चुने

अयोध्या, 20 अगस्त (एजेंसियां)। अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट से इस्तीफे के बाद चंपत राय ने गुरुवार को 9 पन्नों का दूसरा लेटर जारी किया। इसमें उन्होंने मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष और पूर्व आईएएस अधिकारी नृपेंद्र मिश्र की भूमिका को लेकर कई दावे किए हैं।

चंपत राय ने कहा, 'राम मंदिर निर्माण के लिए बने ट्रस्ट में 15 ट्रस्टी थे और नृपेंद्र मिश्र को निर्माण समिति का अध्यक्ष बनाया गया था। मिश्र के सुझाव पर लार्सन एंड टूब्रो को मंदिर निर्माण की जिम्मेदारी दी गई। भवनों के डिजाइन और निर्माण से जुड़े काम के लिए नोएडा की डिजाइन एसोसिएट फर्म का चयन भी किया। चंपत राय ने कहा कि नृपेंद्र मिश्र ने निर्माण समिति में अपनी पसंद के लोगों को शामिल किया। इनमें से कुछ लोग छह साल के दौरान केवल एक-दो बार ही अयोध्या आए। पूर्व एनबीसीसी

चेयरमैन अनूप मित्तल लगातार नृपेंद्र मिश्र के साथ निर्माण समिति की बैठकों में शामिल होते थे।

चंपत राय ने चढ़ावा चोरी का मामला सामने आने के बाद 26 जून को महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया था। 6 जुलाई को ट्रस्ट की बैठक में इस्तीफा मंजूर किया गया था। उसी दिन चंपत राय ने एक लेटर जारी कर ट्रस्टी अनिल मिश्र पर गंभीर आरोप लगाए थे।

चंपत राय ने कहा कि मंदिर निर्माण से जुड़े फैसले समिति की बैठकों में लिए जाते थे, लेकिन कई मामलों में बाद में बदलाव किए गए और नृपेंद्र मिश्र के फैसलों को प्राथमिकता दी गई। कई मामलों में समिति के अन्य सदस्यों के सुझावों या फैसलों को महत्व नहीं दिया गया।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद केंद्र सरकार ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र नाम से स्वतंत्र ट्रस्ट का गठन किया। इसमें कुल 15 ट्रस्टियों की व्यवस्था की गई। एक स्थान निर्मोही अखाड़ा और एक स्थान अनुसूचित जाति/जनजाति प्रतिनिधित्व के लिए सुरक्षित रखा। अयोध्या के जिलाधिकारी, उत्तर प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार के प्रतिनिधि के तौर पर आईएएस अधिकारियों को पदेन न्यासी बनाए गया। विश्व हिंदू परिषद के दिवंगत नेता अशोक सिंहल के मंदिर निर्माण से जुड़े सुझाव नृपेंद्र मिश्र को बताए गए। मंदिर निर्माण के लिए लार्सन एंड टुब्रो का चयन किया गया। निर्माण की निगरानी के लिए टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स को चुना गया। मंदिर परिसर के दूसरे भवनों की डिजाइन के लिए नोएडा की डिजाइन एसोसिएट फर्म और उसके प्रमुख जय काकतीकर को जिम्मेदारी दी गई।

आरएसएस चीफ मोहन भागवत का अमेरिका में क्यों हो रहा विरोध?

एंटी-इंडिया अभियानों के पीछे अमेरिकी नेटवर्क

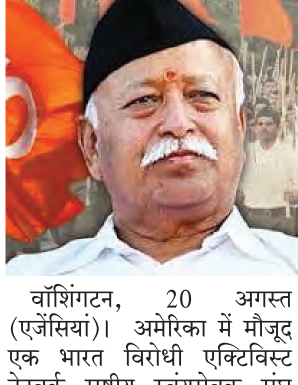

वॉशिंगटन, 20 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका में मौजूद एक भारत विरोधी एक्टिविस्ट नेटवर्क राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत के खिलाफ मुहिम चला रहा है। यह एक्टिविस्ट नेटवर्क मोहन भागवत की अमेरिका यात्रा का विरोध कर रहा है। इस नेटवर्क को 'इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल'चला रही है, जिसे 'हिंदूज फॉर ह्यूमन राइट्स' (एचएफएचआर) का समर्थन हासिल है। इसने पहले भी भारत में अल्पसंख्यकों के अधिकारों, जातिगत भेदभाव और कथित मानवाधिकार उल्लंघनों जैसे मुद्दों पर बार-बार कैंपेन चलाए हैं।

इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल और हिंदूज फॉर ह्यूमन राइट्स (एचएफएचआर) अमेरिका में रहने वाले भारतीय समुदाय के बीच भारत के विवादास्पद राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों को उठाते रहे हैं। आईएएमसी की स्थापना 2002 में गुजरात दंगों के बाद हुई थी और यह एक रजिस्टर्ड 501(c)(3) संगठन के तौर पर काम करता है, जिसके पूरे अमेरिका में कई चैप्टर हैं। यह भारत और भारतीय-अमेरिकी समुदाय पर केंद्रित मानवाधिकार और वकालत के ढांचे के तहत अपना काम करता है। एचएफएचआर की स्थापना 2019 में हुई थी। यह अमेरिका स्थित एक एडवोकेसी ग्रुप है जिसके प्रमुख सुनीता विश्वनाथ और राजू राजगोपाल हैं। यह अमेरिका स्थित उन अन्य समूहों के साथ मिलकर काम करता है जो भारत-विरोधी विचार रखते हैं। इसने पहले सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स, स्टेट डिपार्टमेंट और यूएससीआईआरएफ के लिए ब्रीफिंग आयोजित की हैं ताकि भारत को 'कंट्रीज ऑफ कंसर्न' (चिंताजनक देशों) की सूची में शामिल किया जा सके। इसने सीएए , अनुच्छेद 370 को हटाने आदि के खिलाफ कैंपेन चलाया है और भारत में भीमा-कोरेगांव मामले में आतंकी आरोपों का सामना कर रहे लोगों का समर्थन किया है।

यह भारत में प्रतिबंधित आतंकी संगठन स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया से जुड़े इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल के साथ भी काम करता है। इसके अलावा इसके संबंध काउंसिल ऑन अमेरिकन-इस्लामिक रिलेशंस, यूएपीए के खिलाफ अभियान चलाने वाले इंडिया सिविल इंटरनेशनल, भारतीय राजनीतिक दलों और प्रवासी भारतीयों को फासीवादी बताने वाले कोएलिशन अगेंस्ट फासिज्म इन इंडिया, धार्मिक स्वतंत्रता और अल्पसंख्यक अधिकार को लेकर झूठ फैलाने वाले डरेशन ऑफ इंडियन अमेरिकन क्रिश्चियन ऑर्गेनाइजेशन्स ऑफ नॉर्थ अमेरिका से भी है।

इस एक्टिविस्ट नेटवर्क में भारत में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के छात्र आंदोलन के दौरान भी अमेरिका में विरोध प्रदर्शन आयोजित किए थे। आईएएमसी के चैप्टर और एचएफएचआर ने एक साथ मिलकर कैम्ब्रिज और हार्वर्ड स्क्वायर, न्यूयॉर्क का यूनियन स्क्वायर और सैन होजे में भारत विरोधी प्रदर्शनों में हिस्सा लिया था। इन विरोध-प्रदर्शनों को कथित दमन के खिलाफ एक बड़े संघर्ष के हिस्से के तौर पर पेश किया गया, जिसमें भारत की घटनाओं को मानवाधिकारों से जुड़े पहले से मौजूद नैरेटिव में शामिल किया गया।

वेस्ट मैनेजमेंट पर सुप्रीम कोर्ट का फरमान
नियमों का पालन करें, वरना कटेगी बिजली-पानी

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। वेस्ट मैनेजमेंट यानी कचरा प्रबंधन को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने पूरे देश की लोकल बॉडीज को आदेश दिया है कि जो लोग बहुत ज्यादा कचरा फैलाते हैं उन्हें लिखित में ये बात बताएं और कहें कि वे नियमों का पालन करें, वरना उनके पानी और बिजली की सप्लाई बंद कर दी जाएगी। जस्टिस एसवीएन भट्टी और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने यह आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर वे सॉलिड वेस्ट को अलग-अलग नहीं करते, स्टोर नहीं करते और सही तरीके से नहीं सौंपते हैं, तो उनका पानी और बिजली का कनेक्शन अस्थायी रूप से काट दिया जाएगा।

जस्टिस एसवीएन भट्टी और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने कहा कि सप्लाई काटने का आदेश संबंधित जिला कलेक्टर की स्पेशल सेल देगी। बेंच ने कहा कि जब कचरा पैदा करने वाला व्यक्ति अनुपालन का सर्टिफिकेट जमा कर देगा, तब सप्लाई वापस चालू कर दी जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने स्कूल और उच्च शिक्षा विभागों को भी निर्देश दिया कि वे स्कूल के पाठ्यक्रम में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट की थ्योरी और प्रैक्टिकल तुरंत शामिल करें। कोर्ट ने कहा कि छात्रों को अपने परिवार के लोगों को सिखाने के लिए ट्रेनिंग दी जाए। इसके अलावा शिक्षकों को भी ट्रेनर के रूप में तैयार किया जाए।

ये प्रशिक्षित छात्र घर-घर में सुपरवाइजर का काम करेंगे। ये आदेश भोपाल म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन द्वारा सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट नियम, 2016 के पालन से जुड़े एनजीटी के आदेशों के खिलाफ दायर दो अपीलों की सुनवाई के दौरान दिए गए।

सुप्रीम कोर्ट ने जिला शिक्षा विभागों को भी समय-समय पर ऑडिट करने और रिपोर्ट जिला कलेक्टरों को सौंपने का आदेश दिया। कोर्ट ने अधिकारियों से कहा कि जमा हुए कचरे की जियो-टैग फोटो और हर महीने की रिपोर्ट अपलोड करने के लिए मौजूदा ऑनलाइन पोर्टल का इस्तेमाल करें। ये रिपोर्ट जिला कलेक्टर से राज्य सचिवों और फिर केंद्रीय मंत्रालयों तक पहुंचाई जाएंगी।

एससी से सरकारी कर्मचारियों को राहत, रहेंगे लेबर एक्ट के दायरे में

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। देश भर के सरकारी विभागों के कर्मचारियों, स्कूल-हॉस्पिटल कर्मचारियों के लिए राहत की खबर है। सुप्रीम कोर्ट से उन्हें राहत मिल गई है। वो लेबर एक्ट के दायरे में बने रहेंगे। 9 में से 6 जजों ने माना है कि यह मामला 9 सुनवाई के योग्य था। उद्योग की पहचान के लिए 1978 के फैसले में दिया गया ट्रिपल टेस्ट समय की कसौटी पर खरा उतरा है। फिर भी उसके कुछ हिस्सों को और स्पष्ट करने की जरूरत है। विस्तृत फैसले में ट्रिपल टेस्ट को नए तरीके से समझाया जा रहा है कोर्ट ने कहा जिन मामलों में अंतिम फैसला आ चुका है, वह दोबारा नहीं खुलेंगे।

जो मामले अभी औद्योगिक विवाद अधिनियम के तहत अदालत, ट्रिब्यूनल या श्रम प्राधिकरण में लंबित हैं। वह भी 1978 वाले फैसले के आधार पर तय किए जा सकते हैं। 1978 में सुप्रीम कोर्ट ने उद्योग की ऐसी व्यापक परिभाषा तय की थी जिसके दायरे में स्कूल, अस्पताल और सरकारी विभागों सहित लगभग हर उस जगह को 'उद्योग' मान लिया गया था, जहां मालिक और कर्मचारी का संबंध हो।

दिल्ली-एनआरसी में बारिश
एमपी के कई जिलों में बाढ़ के हालात:प्रयागराज में 5 फीट पानी भरा, 2000 स्टूडेंट्स ने हॉस्टल छोड़ा; उत्तराखंड में 4 मौतें

भोपाल/पटना/लखनऊ/जयपुर, 20 अगस्त (एजेंसियां)। देश के कई राज्यों में लगातार बारिश जारी है। दिल्ली-एनसीआर में गुरुवार सुबह तेज बारिश हुई। एयरपोर्ट रोड पर द्वारका अंडरपास समेत कई इलाकों में पानी भर गया, जिससे लोगों को मुश्किल हुई। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चार दिनों से बारिश हो रही है। पिछले तीन दिन में 205 मिमी पानी गिरा। शहर के कई इलाकों में 5 फीट तक पानी भर गया। घरों-हॉस्टल में पानी भर गया। बुधवार को करीब 2000 छात्र हॉस्टल छोड़कर चले गए। आज भी 9 जिलों में रेड अलर्ट है। वाराणसी में घाटों के किनारे 100 से ज्यादा मंदिरों में गंगा का पानी घुस गया है। हरिश्चंद्र घाट पर गलियों और सीढ़ियों में, जबकि मणिकर्णिका घाट में छत पर अंतिम संस्कार हो रहा है। मध्य प्रदेश के कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। सतना में भारी बारिश से चित्रकूट की गुप्तगोदावरी में जलस्तर बढ़ गया। डिंडोरी में नदी-नाले उफान पर हैं और 12 से ज्यादा गांवों का संपर्क टूट गया। पन्ना के कई गांवों में भी पानी भर गया।

जेन ज़ी प्रोटेस्ट की वायरल गर्ल रिया अहीर के खिलाफ वापस होगा केस!

मुंबई, 20 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में जुलाई 2026 में 'जेन जी' प्रदर्शन के दौरान पुलिस वाहन को रोकने के बाद वायरल हुई मॉडल रिया अहीर ने पुलिस से उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर को वापस लेने की अपील की है। अहीर ने साथ ही सोशल मीडिया पर उन्हें कथित तौर पर धमकी देने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की भी मांग की है। मुंबई युवा कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर (लॉ एंड ऑर्डर) मनोज शर्मा से मुलाकात की और अहीर के खिलाफ दर्ज एफआईआर और उनके ऑनलाइन हैरेसमेंट को लेकर चिंता जताई। युवा कांग्रेस के नेताओं के मुताबिक शर्मा ने प्रतिनिधिमंडल को भरोसा दिलाया कि एफआईआर वापस लेने की प्रक्रिया जल्द ही शुरू की जाएगी और पुलिस अहीर को धमकी भरे संदेश भेजने के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करने के लिए जांच करेगी।

अहीर ने शर्मा से मुलाकात के बाद कहा कि प्रोटेस्ट के बाद से ही उन्हें सोशल मीडिया पर अपशब्द और धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। सिंह ने एफआईआर वापस लेने में हुई देरी पर सवाल उठाया और कहा कि विरोध प्रदर्शन में शामिल छात्रों के खिलाफ मामले वापस लेने के लिए पहले ही अधिसूचना जारी हो चुकी है।

पति की दुकान में काम करने वाले युवक से पत्नी को हुआ प्यार; बर्थडे पार्टी के बहाने रची साजिश, उतारा मौत के घाट

काशीपुर, 20 अगस्त (एजेंसियां)। प्रतापपुर क्षेत्र में कार में खून से लथपथ मिले टेंट व्यापारी संजीव की मौत के मामले में मृतक की पत्नी की संलिप्तता सामने आई है। पत्नी के कहने पर ही उसी की दुकान पर काम करने वाले दो किशोरों ने अवैध तमंचे से गोली मारकर संजीव की हत्या की थी। किशोर ने हत्या के बाद मृतक की पत्नी यानि प्रेमिका काम होने का मैसेज किया। मोबाइल की काल डिटेल और मैसेज से पुलिस ने हत्या का पर्दाफाश किया।

एसएसपी अजय गणपति ने मामले का पर्दाफाश करते हुए बताया कि 17 अगस्त को कार में मृत मिले 24 वर्षीय संजीव कुमार के पंचनामे के दौरान गले पर मिले चोट के निशान दुर्घटना से अलग व संदिग्ध प्रतीत हुए। मृतक की पत्नी निशा की तहरीर के आधार पर कोतवाली काशीपुर में प्राथमिकी पंजीकृत की।

स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारी करें वाईएसआरसीपी अध्यक्ष जगन ने कहा

कडप्पा, 20 अगस्त (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में होने वाले स्थानीय निकाय चुनावों के लिए प्रचार का बिगुल फूंकते हुए, वाईएसआरसीपी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस। जगन मोहन रेड्डी ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से निर्णायक जीत के लिए प्रयास करने को कहा। उन्होंने दावा किया कि एनडीए गठबंधन सरकार के खिलाफ जनता में बढ़ रही नाराजगी ने वाईएसआरसीपी की वापसी का माहौल बना दिया है। राजमुंदरी ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के स्थानीय निकाय प्रतिनिधियों और प्रमुख कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए, जगन ने कहा कि समाज का हर वर्ग जिसमें किसान, छात्र, महिलाएं, कर्मचारी और व्यापारी शामिल हैं मुख्यमंत्री एन। चंद्रबाबू नायडू के प्रशासन से ठगा हुआ महसूस कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सरकार सत्ता में अपने पहले दो वर्षों के भीतर अपने मुख्य चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रही है। जगन ने कार्यकर्ताओं को तुरंत ज़मीनी स्तर की रणनीतियां तैयार करने का निर्देश दिया और कहा कि आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में जीत हासिल करना ही पार्टी का एकमात्र लक्ष्य है।

उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि जनता में बढ़ रही नाराजगी को चुनावी सफलता में बदलने के लिए लोगों से लगातार संपर्क और ज़मीनी स्तर पर पहुंच बनाना बहुत ज़रूरी है। वाईएसआरसीपी प्रमुख ने आरोप लगाया है कि राज्य में रेत, मिट्टी और शराब माफिया बेखौफ होकर काम कर रहे हैं और स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि पुलिसकर्मी भी गांजे की अवैध तस्करी में शामिल पाए गए हैं।

जेठवानी मामले में आपत्तियों के कारण सुनवाई 2 दिन के लिए टली

विजयवाड़ा, 20 अगस्त (एजेंसियां)। वाई सीपी नेता कुक्का विद्यासागर (केवीएस) ने मुंबई की एक्ट्रेस कादंबरी जेठवानी के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। आपत्तियों पर सुनवाई दूसरी तारीख तक टाल दी गई। विद्यासागर की शिकायत थी कि उनसे ब्लैकमेल करके करोड़ों रुपये वसूले गए।

इस मामले में जेठवानी के साथ-साथ उनके माता-पिता आशा जेठवानी, नरेंद्र कुमार जेठवानी और भाई अंबरीश जेठवानी भी आरोपी हैं। सीआईडी ने कादंबरी जेठवानी को छोड़कर बाकी लोगों को आरोपियों की सूची से हटा दिया और कोर्ट को इसकी जानकारी दी। इस पर आपत्ति जताते हुए केवीएस ने सीआईडी कोर्ट में याचिका दायर की। मामले की जांच हुई। कोर्ट ने इस याचिका पर बहस अगले महीने की दूसरी तारीख तक के लिए टाल दी।

बेटी की शादी की रस्मों के बीच सादी वर्दी में आई पुलिस ने पिता को किया गिरफ्तार, चला हाई वोल्टेज ड्रामा

फरीदकोट, 20 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब के फरीदकोट के गांव संधवां में एक शादी समारोह के दौरान उस वक्त हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला, जब आनंद कारज की रस्मों के बीच पुलिस ने लड़की के धर्म पिता को कथित तौर पर हिरासत में ले लिया। पुलिस की कार्रवाई का परिवार के सदस्यों ने विरोध किया। इसके बाद मौके पर जमकर हंगामा और धक्का-मुक्की हुई। पुलिस टीम शादी समारोह के दौरान सिविल कपड़ों में मौके पर पहुंची और लड़की के धर्म पिता गरीब सिंह उर्फ राजू को अपने साथ ले गई। गिरफ्तारी के दौरान परिवार के लोगों और पुलिसकर्मियों के बीच हाथापाई की स्थिति बन गई।

विरोध में एक व्यक्ति पुलिस की गाड़ी के आगे लेट गया। आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने उसे कथित तौर पर घसीटकर रास्ते से हटाया और गरीब सिंह को अपने साथ ले गए। इस दौरान एक पुलिसकर्मी के हाथ में पिस्तौल भी दिखाई दी। लड़की के भाई के मुताबिक, उसकी बहन की शादी थी और आनंद कारज की रस्में चल रही थीं। इसी दौरान कुछ लोग, जिन्होंने खुद को गिद्दड़बाहा पुलिस का कर्मचारी बताया और सिविल कपड़ों में थे।

स्टील कंपनी ने बैंक से 24 करोड़ रुपये से ज़्यादा की धोखाधड़ी की
विज़ाग सीबीआई ने केस दर्ज किया

विजयवाड़ा, 20 अगस्त (एजेंसियां)। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ़ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) की विशाखापत्तनम रेंज ने ओंकारा विजयलक्ष्मी स्ट्रिप्स प्राइवेट लिमिटेड, उसके चार डायरेक्टरों और अज्ञात सरकारी कर्मचारियों व प्राइवेट व्यक्तियों के ख़िलाफ़ केस दर्ज किया है। इस पर आरोप है कि उन्होंने गलत फाइनेंशियल जानकारी देकर, स्टॉक और बुक डेट्स (बकाया रकम) को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाकर और वित्तीय कंपनियों के ज़रिए लोन का पैसा दूसरी जगह भेजकर यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया के साथ 24.81 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की। यह केस यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया, विजयवाड़ा ज़ोनल ऑफ़िस के असिस्टेंट जनरल मैनेजर चिनारी श्रीकांत पात्रो की 14 जुलाई, 2026 को दी गई लिखित शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया। मुख्य आरोपियों की पहचान कोटा भानु प्रसाद (ए2), कोटा श्रावणी (ए3), कोटा पृथ्वी वेंकट तेजा (ए4) और कोटा राहुल साई बालाजी (ए5) के तौर पर की गई है।

शिकायत के अनुसार, 2017 में बनी ओंकारा विजयलक्ष्मी स्ट्रिप्स कंपनी, जो ईआरडब्ल्यू और गैल्वेनाइज्ड पाइप और दूसरे स्टील प्रोडक्ट बनाती है, ने 2024 में बैंक की सूर्यरावपेटा ब्रांच से संपर्क किया ताकि वह करूर वैश्य बैंक से अपना लोन यहाँ ट्रांसफर करवा सके।

आरोप है कि कंपनी ने गलत फाइनेंशियल स्टेटमेंट और दूसरे डॉक्यूमेंट जमा किए। इन डॉक्यूमेंट्स के आधार पर, बैंक ने 22 फरवरी, 2024 को कुल 24.98 करोड़ रुपये की फंड-बेस्ड और नॉन-फंड-बेस्ड क्रेडिट सुविधाएँ मंज़ूर कीं। इन सुविधाओं में टर्म लोन, कैश क्रेडिट लिमिट और बैंक गारंटी/लेटर ऑफ़ क्रेडिट शामिल थे। कंपनी ने प्राइमरी सिक्योरिटी के तौर पर स्टॉक, बुक डेट्स और प्लांट व मशीनरी, और कोलेटरल (गिरवी रखने के लिए) के तौर पर अचल संपत्ति की पेशकश की थी। हालाँकि, बाद में हुई जांच में उधार लेने वाली कंपनी द्वारा बताए गए स्टॉक और असल में मौजूद स्टॉक के बीच बड़ी गड़बड़ी का पता चला।

जहाँ कंपनी ने 28 मई, 2025 को 23.85 करोड़ रुपये का स्टॉक बताया था, वहीं 27 जून, 2025 को ऑडिट के दौरान सिर्फ़ 25 लाख रुपये का स्टॉक मिला। आरोप है कि कंपनी बुक डेट्स और देनदारों (डेटर्स) की जानकारी देने में उम्र-वार जानकारी के लिए ज़रूरी डॉक्यूमेंट भी नहीं दे पाई। बैंक ने यह भी आरोप लगाया कि बिना बिक्री से हुई वास्तविक कमाई के ही करूर वैश्य बैंक को बड़ी रकम भेजी गई। आरोप है कि लेन-देन करंट अकाउंट के ज़रिए किए गए और इसमें कुछ चुनिंदा संस्थाओं के साथ संदिग्ध सौदे शामिल थे।

बाहर निकलने की कोशिश कर रही थी महिला और अचानक नीचे की ओर चल पड़ी लिफ्ट, हुई मौत

प्रकाशम, 20 अगस्त (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले में एक रिहायशी इमारत में लिफ्ट के एक हादसे में 50 साल की महिला की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि लिफ्ट के दरवाज़े खुले होने के बावजूद वह नीचे की ओर चलने लगी, जिससे महिला उसमें फंस गई और गंभीर रूप से घायल हो गई। पीड़िता की पहचान वनिता के तौर पर हुई, जिनकी बाद में इलाज के दौरान मौत हो गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह अपनी बेटी और पोते के साथ लिफ्ट में गई थीं। बेटी और पोता तो बाहर निकलने में कामयाब रहे, लेकिन जब वनिता बाहर निकलने की तैयारी कर रही थीं तभी लिफ्ट अचानक नीचे की ओर चलने लगी।

अपार्टमेंट के रहने वाले और अन्य लोग तुरंत घटना स्थल पर पहुंचे और उन्हें बचाते हुए इमरजेंसी इलाज के लिए अस्पताल ले गए। हालांकि, खबर है कि उनकी हालत बिगड़ गई और बाद में इलाज के दौरान चोटों की वजह से उसने दम तोड़ दिया। इस घटना ने अपार्टमेंट बिल्डिंग में लिफ्ट की सुरक्षा, रखरखाव और सुरक्षा सिस्टम के काम करने के तरीके को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर में दफ़नाया गया शव

तिरुपति, 20 अगस्त (एजेंसियां)। रेनिगुंटा के बालाजी मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर में एक शव दफ़नाया हुआ मिला। जेसीबी से खुदाई के दौरान मिट्टी में दबा हुआ शव मिला। अस्पताल के कर्मचारियों से सूचना मिलने के तुरंत बाद पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक की पहचान एक पुरुष के तौर पर हुई है। बताया जा रहा है कि शव की पहचान नहीं हो पा रही है।

पुलिस को शक है कि शव को लगभग एक महीने पहले दफ़नाया गया होगा। रेनिगुंटा ग्रामीण पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मौत के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि शव अस्पताल परिसर में कैसे पहुंचा। पुलिस मृतक की मौत की वजह का पता लगाने में जुटी है।

'वंदे मातरम' विवाद पर कांग्रेस को भाजपा नेताओं का जवाब
बोले- 'भारत माता के अपमान को बर्दाश्त नहीं करेगा देश'

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। 'वंदे मातरम' के गायन को लेकर कांग्रेस के हालिया फैसले पर सत्तापक्ष ने कड़ा ऐतराज जताया है। भाजपा नेताओं ने कहा कि कांग्रेस वोटबैंक की घटिया राजनीति कर रही है। भारत माता के इस अपमान को देश बर्दाश्त नहीं करेगा। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को पटना में कहा, हजारों क्रांतिकारियों ने 'वंदे मातरम' का उद्घोष किया था, जिन्होंने खुशी-खुशी फांसी का फंदा चूमा और देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी। 'वंदे मातरम' भारत का गौरव है। पूरा 'वंदे मातरम' न गाना सिर्फ 'वंदे मातरम' का अपमान नहीं है। यह भारत माता का अपमान है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की लीगी मानसिकता अभी तक बदली नहीं है।

1937 में मुस्लिम लीग के दबाव में कांग्रेस ने यह फैसला लिया था कि पूरा 'वंदे मातरम' गीत नहीं गाया जाएगा। आज भी कांग्रेस भारत की संस्कृति, जीवन मूल्य, परंपराओं और जड़ों से जुड़ी हुई नहीं है। वह वोटबैंक की घटिया राजनीति कर रही है। केंद्रीय मंत्री ने सवाल पूछा, क्या कांग्रेस संसद से ऊपर है और क्या संविधान से ऊपर है? शिवराज सिंह ने कहा, भारत माता के इस अपमान को देश बर्दाश्त नहीं करेगा। कांग्रेस को देश कभी माफ नहीं करेगा। वहीं, भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, कांग्रेस ने आखिरकार मान लिया है कि वह वंदे मातरम का विरोध करती रहेगी। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) ने निर्णय लिया है कि कांग्रेस 'वंदे मातरम' का दो छंद ही गाएगी।

कांग्रेस अपने को देश और संविधान से ऊपर मानती है। संसद जब कोई कानून पारित करता है तो देशवासियों को मानना पड़ता है संविधान यही कहता। संविधान का अपमान, नहीं सहेगा हिंदुस्तान। बिहार सरकार में मंत्री विजय सिन्हा ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, कांग्रेस मानसिक तौर पर गुलाम है और कांग्रेस में बैठे लोग बंधुआ मजदूर की तरह हैं। सोनिया गांधी जो भारतीय कल्चर से बहुत दूर हैं, 'वंदे मातरम' का अर्थ भी जिन्हें समझ में नहीं आता उनके इशारे पर इस तरह के तुष्टिकरण के निर्णय उनके लिए आत्मघाती होगा। जो भारत माता का सम्मान ना करे यह देश उसे स्वीकार नहीं करेगा।

फरार तृणमूल नेता और तरकेश्वर नगर पालिका के पूर्व प्रमुख उत्तम कुंडु गिरफ्तार

कोलकाता, 20 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के हुगली ग्रामीण जिला पुलिस ने तरकेश्वर नगर पालिका के पूर्व प्रमुख उत्तम कुंडु को गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि कुंडु काफी समय से फरार चल रहा था। उत्तम कुंडु अभी तृणमूल कांग्रेस के रीतब्रत बनर्जी गुट के साथ हैं। उस पर भ्रष्टाचार, जबरन वसूली और अन्य कई आरोप हैं। गुरुवार को ही उसे हुगली की जिला अदालत में पेश किया जाएगा। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुंडु कोलकाता में छिपा है। इसके बाद हुगली ग्रामीण जिला पुलिस की टीम बुधवार देर रात कोलकाता पहुंची और शहर में एक ठिकाने से उसे दबोच लिया। पुलिस के मुताबिक उत्तम कुंडु पर कोलकाता के कारोबारी राजेश अग्रवाल से 40 लाख रुपए जबरन वसूलने का आरोप है। यह घटना ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पिछली तृणमूल सरकार के समय की बताई जा रही है।

इसके अलावा उस पर एक निर्माणाधीन फ्लैट पर जबरन कब्जा करने और अवैध जमीन हड़पने के आरोप भी हैं। पता चला है कि हाल में हुए पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद राजेश अग्रवाल की शिकायत पर हुगली ग्रामीण पुलिस ने पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को करारी हार मिली थी। एफआईआर के बाद से ही उत्तम कुंडु फरार था। एक समय कुंडु तृणमूल कांग्रेस के ट्रेड यूनियन विंग आईएनटीटीयूसी का अध्यक्ष था। उस समय रीतब्रत बनर्जी राज्य अध्यक्ष थे।

जेल में बंद कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार का निधन, 1984 दंगों में मिली थी उम्रकैद

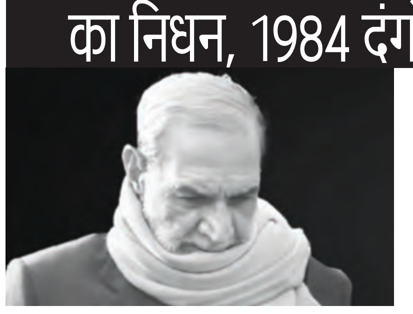

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व सांसद और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सज्जन कुमार का निधन हो गया है। उन्हें दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल लाया गया था, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। अस्पताल के सूत्रों ने यह जानकारी दी है। फिलहाल, सज्जन कुमार के निधन के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है। सज्जन कुमार एक अनुभवी राजनेता थे और उन्होंने लोकसभा में सांसद के रूप में कार्य किया। वे 1984 के सिख विरोधी दंगों के मामले में दोषी पाए गए थे। हालांकि, हाल ही में दिल्ली उच्च न्यायालय ने दो मामलों में उन्हें बरी कर दिया था। सूत्रों का कहना है कि अस्पताल पहुंचने से पूर्व ही उनका निधन हो गया था, लेकिन इस पर अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

सज्जन कुमार के निधन से राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर है। उनके निधन के कारणों का पता चलने के बाद ही आगे की जानकारी सामने आ पाएगी। सज्जन कुमार का नाम दिल्ली में सिखों के खिलाफ दंगों को भड़काने में आता है। खासकर दिल्ली के सुल्तानपुरी, कैंट और पालम कॉलोनी जैसे इलाकों में। दंगों के पीड़ितों के मुताबिक, 1 नवंबर 1984 को दिल्ली में भीड़ को संबोधित करते हुए सज्जन कुमार को कहते सुना गया था- 'हमारी मां मार दी, सरदारों को मार दो।' सज्जन सिंह के खिलाफ दायर मामलों में कई गवाहों ने अपने बयान में कहा कि सज्जन सिंह ने निजी तौर पर सिखों के घरों की पहचान करवाकर भीड़ को हमले के लिए उकसाया था। आरोप ये भी थे कि सज्जन सिंह के समर्थकों ने दिल्ली में वोटर लिस्ट के जरिए सिखों के घर और बिजनेस की पहचान की और उनमें तोड़फोड़ की या आग लगा दी। कई सिखों को उनके घरों से निकालकर मारा गया। सज्जन कुमार का नाम 31 अक्टूबर 1984 को हुए दंगों में आता है। इस दौरान उन्होंने दिल्ली कैंट क्षेत्र में भीड़ को उकसाया था।

इस भीड़ ने कई घरों में आगजनी की घटना को अंजाम दिया। सज्जन कुमार के उकसावे के बाद दिल्ली कैंट के राजनगर इलाके में भीड़ ने पांच सिखों- केहर सिंह, गुरप्रीत सिंह, रघुवेंद्र सिंह, नरेंद्र पाल सिंह और कुलदीप सिंह की हत्या कर दी थी। पीपल्स यूनियन फॉर डेमोक्रेटिक राइट्स (पीयूडीआर) और पीपल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज के तथ्य खोजने वाली टीमों ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि दिल्ली के सुल्तानपुरी इलाके में जो दंगे हुए थे, उनमें अधिकतर सिख पीड़ितों ने कांग्रेस सांसद पर भीड़ को भड़काने का आरोप लगाया था। कई लोगों ने बाद में इस सांसद की पहचान सज्जन कुमार के तौर पर की।

दिल्ली एयरपोर्ट से 68 लाख कैश पकड़ा: सीआईएसएफ ने शक में दो को दबोचा

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के कर्मियों ने दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 68,53,500 रुपये की बेहिसाब नकदी पकड़ी है। यह नकदी दो यात्रियों से मिली, जिन्हें 20 अगस्त 2026 को रोका गया। पकड़े गए यात्रियों को आगे की जांच के लिए आयकर अधिकारियों को सौंप दिया गया है। सीआईएसएफ कर्मियों ने व्यावहारिक अवलोकन और सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण के आधार पर यह पता लगाया। एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट में अधिकारियों ने बताया कि यह नकदी गुवाहाटी और अगरतला जा रहे यात्रियों से मिली।

प्रारंभिक संदेह रैंडम एक्स-बीआईएस में बर्ताव को लेकर हुआ। इसके बाद अधिकारियों ने सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से दूसरे सहयात्री का पता लगाया। विस्तृत सामान जांच के बाद 68.53 लाख रुपये की यह राशि बरामद हुई। जब्त नकदी, सामान और यात्रा दस्तावेज आयकर अधिकारियों को सौंप दिए गए हैं। यह घटना देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डे पर सीआईएसएफ की तीव्र सतर्कता और निगरानी क्षमताओं को उजागर करती है। अधिकारियों के अनुसार, सीआईएसएफ कर्मियों को एक यात्री पर संदेह हुआ। उन्होंने उसे विस्तृत जांच के लिए चिह्नित किया। सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा के दौरान उसके साथ यात्रा कर रहे दूसरे यात्री की भी पहचान हुई। दोनों यात्री गुवाहाटी जा रहे थे और उन्हें अगरतला के लिए आगे यात्रा करनी थी। उनके सामान की विस्तृत जांच के दौरान सीआईएसएफ कर्मियों ने कुल 68.53 लाख रुपये की नकदी पकड़ी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
शुक्रवार, 21 अगस्त, 2026 3

सुविचार
वक्त सबसे बड़ा सूदखोर है । वो जो भी देता है उससे दो गुणा वापस लेता है।

डिजिटल प्लेटफॉर्म और बेहतर समन्वय से समयबद्ध न्याय संभव : मुख्य न्यायाधीश

हैदराबाद, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य न्यायिक अकादमी और तेलंगाना पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में नए आपराधिक कानून : डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से आपराधिक न्याय प्रणाली को मजबूत करना विषय पर विशेष सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में न्यायपालिका, पुलिस, अभियोजन, कारागार, फॉरेंसिक, चिकित्सा विभाग, एनआईसी और एनसीआरबी सहित आपराधिक न्याय प्रणाली से जुड़े विभिन्न संस्थानों के अधिकारियों ने भाग लिया।

सम्मेलन का उद्घाटन तेलंगाना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह ने किया। करीब 1,200 न्यायिक अधिकारियों, पुलिस, अभियोजन, कारागार, फॉरेंसिक और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने प्रत्यक्ष एवं ऑनलाइन माध्यम से हिस्सा लिया। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि न्याय संस्थाओं के सामंजस्यपूर्ण कार्य का सामूहिक परिणाम है। उन्होंने कहा कि आपराधिक मामला दर्ज होने से लेकर जांच, फॉरेंसिक, अभियोजन और न्यायिक निर्णय तक प्रत्येक कड़ी महत्वपूर्ण है। नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय और तकनीकी एकीकरण जरूरी है।

तेलंगाना राज्य न्यायिक अकादमी की अध्यक्ष न्यायमूर्ति मौशुमी भट्टाचार्य ने डिजिटल साक्षरता और बेहतर समन्वय पर जोर देते हुए कहा कि तकनीक कार्यप्रणाली को सरल बनाने वाली होनी चाहिए, अतिरिक्त बोझ बढ़ाने वाली नहीं। उन्होंने डाटा की दोहरी प्रविष्टि, गलत कोडिंग और अधूरी जानकारी के कारण होने वाली देरी को दूर करने की आवश्यकता बताई। डीजीपी सी.वी. आनंद ने कहा कि नए आपराधिक कानून केवल पुराने कानूनों का स्थान लेने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि नागरिक-केंद्रित न्याय, वैज्ञानिक जांच, डिजिटल साक्ष्य और समयबद्ध प्रक्रिया की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव हैं। उन्होंने सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म के प्रभावी उपयोग और डाटा को समय पर एवं सही तरीके से अद्यतन करने पर बल दिया। तकनीकी सत्रों में आईसीजेएस, ई-साक्ष्य, ई-एफआईआर, ई-समन, डिजिटल साक्ष्य, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, फॉरेंसिक एवं मेडिकल इंटरफेस, जेल प्रशासन तथा डिजिटल केस प्रबंधन पर प्रस्तुतियां दी गईं। डीजीपी ने नए कानूनों के क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा के लिए हाईकोर्ट के न्यायाधीश की अध्यक्षता में समन्वय तंत्र गठित करने और मासिक समीक्षा बैठकें आयोजित करने का प्रस्ताव भी रखा। सम्मेलन में हाईकोर्ट के न्यायाधीशों, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, अभियोजन अधिकारियों और अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

सांसदों ने रेल परियोजनाओं में तेजी और नई ट्रेनों की मांग उठाई

हैदराबाद, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने गुरुवार को सिकंदराबाद स्थित रेल निलयम में तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के सांसदों के साथ बैठक आयोजित की। बैठक में सांसदों ने अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में रेलवे विकास, नई रेल सेवाओं और यात्री सुविधाओं से जुड़े मुद्दे उठाए। बैठक में केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी सहित 15 सांसदों ने भाग लिया। एससीआर के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव, अपर महाप्रबंधक सत्य प्रकाश तथा वरिष्ठ रेलवे अधिकारी भी उपस्थित रहे।महाप्रबंधक ने यात्री सेवाओं, माल ढुलाई, रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास, बुनियादी ढांचे, डिजिटल एवं हरित पहलों, सुरक्षा तथा यात्री सुविधाओं के क्षेत्र में एससीआर की प्रगति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जून 2026 में पुनर्गठन के बाद एससीआर में अब सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड मंडल शामिल हैं तथा पुनर्गठन के बावजूद विकास कार्यों की गति बरकरार है।

उन्होंने बताया कि तेलंगाना में 40 रेलवे स्टेशनों का 2,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से पुनर्विकास किया जा रहा है। इनमें हाईटेक सिटी, बेगमपेट, करीमनगर और वारंगल के चार अमृत स्टेशन का उद्घाटन हो चुका है।

इसके अलावा 24,210.179 करोड़ रुपये की लागत से 1,481 किलोमीटर नई रेल लाइन, दोहरीकरण और तिहरीकरण के कार्य प्रगति पर हैं। सांसदों ने नई रेल लाइनों और ट्रेनों की मांग के साथ अतिरिक्त ठहराव, ट्रेनों के विस्तार, आरओबी और आरयूबी के निर्माण तथा यात्री सुविधाओं में सुधार का मुद्दा उठाया। उन्होंने लंबित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में तेजी लाने और उन्हें निर्धारित समयसीमा में पूरा करने का आग्रह किया।

महाप्रबंधक ने सांसदों को आश्वासन दिया कि उनके सुझावों को प्राथमिकता दी जाएगी तथा आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों और प्राधिकरणों को भेजा जाएगा।

गुंटूरपल्ली के समग्र विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मंत्री पोन्नम

हैदराबाद, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के मंत्री पोनम प्रभाकर ने कहा कि सरकार हनुमकोंडा जिले के एल्कतूर्थी मंडल के गुंटूरपल्ली गांव के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं को सीधे सुनकर मौके पर ही उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए जा रहे हैं।

मंत्री ने 'पल्ले-पल्ले को पोन्नम अन्ना-पल्ले-पल्ले में प्रजापालन' कार्यक्रम के तहत ग्राम पंचायत कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ गांव में चल रहे कल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान ग्रामीणों से व्यक्तिगत एवं सामुदायिक समस्याओं से संबंधित आवेदन भी प्राप्त किए। उन्होंने बताया कि गांव में 70 पेंशन स्वीकृत हैं और 2.15 लाख रुपये का भुगतान किया जा रहा है। तीन इंदिरम्मा मकान स्वीकृत होकर पूरे हो चुके हैं।

गृहज्योति योजना के तहत 78 परिवारों को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली दी जा रही है। किसानों के लिए रायथु भरोसा के तहत 296 परिवारों को 24.23 लाख रुपये तथा फसल ऋण माफी के तहत 62.5 लाख रुपये जारी किए गए हैं। दो किसानों के परिवारों को रायथु बीमा के तहत 10 लाख रुपये मिले हैं। मंत्री ने ग्रामीणों की मांगों पर दंडेपल्ली-गुंटूरपल्ली लिंक रोड, श्मशान घाट, दुर्गम्मा मंदिर के पास सीसी सड़क, चेकडैम, ग्राम पंचायत और वीओ भवन के निर्माण के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने जल संरक्षण पर जोर देते हुए प्रत्येक घर में सोख्ता गड्ढे बनाने की अपील की और बताया कि इसके लिए सरकार 6,500 रुपये की सहायता दे रही है। फार्म पोंड के लिए किसानों को 1.30 लाख रुपये तक सहायता दी जाएगी। उन्होंने तेल पाम की खेती और घरों पर सौर ऊर्जा प्रणाली लगाने के लिए 'सोलर घर' योजना का लाभ उठाने की सलाह दी। मंत्री ने बताया कि गुंटूरपल्ली-कशवापुर सड़क के लिए 3.5 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। गांव में वाटर प्लांट, पंचायत भवन और वीओ भवन के निर्माण के लिए भी कदम उठाए जा रहे हैं तथा ग्रामीणों की सुविधा के लिए अतिरिक्त बसें चलाने की व्यवस्था की जाएगी।

मंत्री का मतदाता सूची में अपने नामों का सत्यापन करने का आग्रह

हैदराबाद, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । सड़क एवं भवन एवं सिनेमाटोग्राफी मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने लोगों से मतदाता सूचियों के चल रहे विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के प्रति सतर्क रहने और यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि उनके नाम विधिवत पंजीकृत हों। मंत्री ने मतदाताओं को मतदाता सूची में अपना नाम ध्यानपूर्वक सत्यापित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यदि किसी मतदाता का नाम मतदाता सूची के प्रारूप में नहीं है, तो मतदाता स्थानीय बूथ स्तरीय एजेंटों (बीएलए) और बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) की सहायता से दावा या आपत्ति दर्ज करा सकते हैं और अपना वोट बहाल करवाने का प्रयास कर सकते हैं। मतदान प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है।

फीस प्रतिपूर्ति बकाया को लेकर भाजपा का आंदोलन तेज करने का ऐलान

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने महाधरना को संबोधित किया

हैदराबाद, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने कहा कि यदि तेलंगाना सरकार छात्रों की फीस प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्ति का बकाया तत्काल जारी नहीं करती है तो भाजपा छात्रों के समर्थन में आंदोलन को और तेज करेगी। उन्होंने कहा कि छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।रामचंदर राव ने करीमनगर में भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) की ओर से आयोजित 'फीस बकाया-भाजपा की लड़ाई' महाधरना को संबोधित करते हुए कांग्रेस सरकार पर छात्रों की समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने कल्याणकारी राज्य का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आने के बाद सरकार गंभीर संकट में फंस गई है।

उन्होंने कहा कि पिछली सरकार करीब 8,000 करोड़ रुपये का फीस बकाया छोड़ गई थी। इसके बावजूद वर्तमान कांग्रेस सरकार भी समय पर धन जारी नहीं कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य हाईकोर्ट की फटकार के बाद कैबिनेट ने फीस प्रतिपूर्ति के लिए 2,000 करोड़ रुपये अग्रिम रूप से जारी करने का निर्णय लिया, लेकिन अभी तक एक भी पैसा जारी नहीं किया गया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि राज्यभर में करीब 20 लाख छात्र फीस प्रतिपूर्ति के भुगतान का इंतजार कर रहे हैं। धनराशि नहीं मिलने के कारण कॉलेज प्रबंधन शिक्षकों और कर्मचारियों को वेतन देने में असमर्थ हैं तथा कई शैक्षणिक संस्थानों के बंद होने की स्थिति पैदा हो गई है।

उन्होंने कहा कि फीस नहीं भर पाने के कारण छात्र और उनके अभिभावक आर्थिक एवं मानसिक परेशानी झेल रहे हैं। रामचंदर राव ने राहुल गांधी के चुनावी 'यूथ डिक्लेरेशन' का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस ने युवाओं से किए वादों को भुला दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा छात्रों के अधिकारों के लिए तब तक संघर्ष जारी रखेगी, जब तक सरकार फीस प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्ति का बकाया जारी नहीं करती। इस अवसर पर भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष गणेश कुंडे ने कहा कि संगठन पिछले एक महीने से छात्रों के अधिकारों और छात्रवृत्ति जारी करने की मांग को लेकर जमीनी स्तर पर लगातार आंदोलन कर रहा है। उन्होंने कॉलेज प्रबंधन और छात्रों को पुलिस की ओर से नोटिस दिए जाने की कड़ी निंदा की।

कुंडे ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि छात्रों की जायज मांगें पूरी नहीं की गईं तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा तथा कलेक्ट्रेट का घेराव किया जाएगा। उन्होंने सरकार से तत्काल फीस बकाया और छात्रवृत्ति जारी करने की मांग करते हुए कहा कि ऐसा नहीं होने पर मुख्यमंत्री को अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। धरने में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी शांति कुमार, जिला अध्यक्ष सैनी मल्लेशम, नगर मेयर श्रीनिवास, उप महापौर सुनील राव, पूर्व विधायक बोडिगा शोभा सहित हजारों छात्र और युवा बड़ी संख्या में शामिल हुए।

एसबीआई में राजभाषा संगोष्ठी-सह-कार्यशाला संपन्न

हैदराबाद, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बैंक नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति हैदराबाद के तत्वावधान में भारतीय स्टेट बैंक ने राजभाषा संगोष्ठी-सह-कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें हैदराबाद स्थित सरकारी बैंक और बीमा कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी और राजभाषा अधिकारियों ने भाग लिया।

संगोष्ठी की अध्यक्षता भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य महाप्रबंधक नीलेश द्विवेदी ने की और महाप्रबंधक सतीश कुमार ने सभी सहभागियों का स्वागत किया और मुख्य अतिथि के रूप में ऋषभदेव शर्मा, परामर्शी, उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद उपस्थित थे।

संगोष्ठी में विकसित भारत में भाषा की भूमिका , व्यक्तित्व विकास एवं स्वास्थ्य", प्रभावी संप्रेषण एवं सत्र संचालन और अभ्यास विषय पर सत्र संचालित किए गए। संगोष्ठी का समन्वय भारतीय स्टेट बैंक, राजभाषा विभाग के सहायक महाप्रबंधक, अजय कुमार तिवारी, मुख्य प्रबंधक, वाई प्रसन्न कुमार, के रविंद्र हमार और सुश्री गिरिजा कुंबर ने किया। सुरजित त्रिपाठी, उप महाप्रबंधक एवं मंडल विकास अधिकारी, भारतीय स्टेट बैंक के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

कार के कुएं में गिरने से पति-पत्नी और दो बच्चों की मौत

सिद्दीपेट, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दीपेट में एक परिवार के लिए गुरुवार का दिन बेहद दुखद रहा, जब उनकी कार सड़क किनारे बने कुएं में गिर गई और परिवार के सभी चार सदस्यों की मौत हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार, परिवार के चार सदस्य (जिनमें दो बच्चे भी शामिल थे) अपनी कार से यात्रा कर रहे थे। गुरुवार तड़के डुब्बाक मंडल के अप्पनापल्ली इलाके के बाहरी इलाके में उनकी कार सड़क किनारे बने कुएं में गिर गई। जिससे पूरे परिवार की मौत हो गई। कार में सवार मृतकों की पहचान डी. राज (35), उनकी पत्नी भाग्य (22) और उनके दो बच्चों नियांश (5) और शानविका (3) के रूप में हुई है; वे बालवंतपुर के रहने वाले थे। वे सिद्दीपेट से अपने गांव जा रहे थे, तभी यह भयानक हादसा हुआ। माना जा रहा है कि कार चला रहे राज का गाड़ी पर से नियंत्रण खो गया, जिसके कारण यह हादसा हुआ। पुलिस और फायर विभाग के अधिकारियों ने घंटों की कोशिश के बाद कार को कुएं से बाहर निकाला।

जब कार को पानी से बाहर निकाला गया, तो उसमें सवार चारों लोग बेजान पाए गए। इस घटना से परिवार के सदस्य सदमे में हैं। शवों को पोस्टमार्टम के लिए डुब्बाक के सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

बारिश की कमी के बीच किसानों को फसल योजना में सावधानी बरतने की सलाह

हुजूरनगर, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने बारिश में कमी को देखते हुए किसानों से फसल की योजना बनाते समय विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सितंबर और अक्टूबर में भी बारिश सामान्य से कम रही तो स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो सकती है।मंत्री ने गुरुवार को सूर्यापेट जिले में सिंचाई कार्यों और मौजूदा जल स्थिति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने सिंचाई अधिकारियों के साथ महात्मा गांधी मुक्त्याला शाखा नहर लिफ्ट सिंचाई योजना की प्रगति का जायजा लिया।उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार बारिश, जलाशयों में पानी के स्तर और उनमें आने वाले पानी की लगातार निगरानी कर रही है। इसी आधार पर सिंचाई के लिए पानी छोड़ने का निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि लगातार बारिश की कमी का असर नागार्जुन सागर सहित प्रमुख जलाशयों में पानी की आवक पर पड़ा है।

ऐसे में उपलब्ध जल संसाधनों का विवेकपूर्ण प्रबंधन बेहद जरूरी है। मंत्री ने कहा कि मानसून की शेष अवधि में सितंबर और अक्टूबर के दौरान कम बारिश के संकेतों को कृषि एवं जल प्रबंधन से जुड़े फैसलों में ध्यान में रखना होगा।

टीजीएसपीडीसीएल तीन दिवसीय एक्सपो में विद्युत क्षेत्र की पहलों का प्रदर्शन करेगी

हैदराबाद, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । तेलंगाना दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (टीजीएसपीडीसीएल) अपनी उपलब्धियों, उपभोक्ता सेवाओं, सरकारी योजनाओं, तकनीकी पहलों और सुरक्षा उपायों को प्रदर्शित करने के लिए 22 से 24 अगस्त तक नेकलेस रोड स्थित पीपल्स प्लाजा मैदान में तीन दिवसीय सार्वजनिक प्रदर्शनी आयोजित करने की योजना बना रही है। 98.75 लाख रुपये के अनुमानित बजट से प्रस्तावित इस प्रदर्शनी में 33/11 केवी सबस्टेशन, एचटी/एलटी लाइनें, भूमिगत केबल, स्विचगियर, मीटर और बिजली वितरण में उपयोग होने वाले अन्य उपकरणों की कार्यप्रणाली प्रदर्शित करने वाले स्टॉल होंगे। आगंतुकों को मीटरिंग और बिलिंग, उपभोक्ता सेवा केंद्र, 1912 हेल्पलाइन और ईसीसीसी नियंत्रण कक्ष के संचालन के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। गृह ज्योति योजना, कृषि क्षेत्र को मुफ्त बिजली, पात्र अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति उपभोक्ताओं के लिए मुफ्त बिजली और अन्य रियायती बिजली कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सौर ऊर्जा पहल, नेट मीटरिंग, पीएम-कुसुम सौर पंप, पीएम सूर्य घर और इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन भी प्रदर्शित किए जाएंगे।

दक्षिणी राज्यों को विकसित भारत का आर्थिक केंद्र बनना होगा : मुख्यमंत्री नायडू

हैदराबाद/महाबलीपुरम, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने गुरुवार को दक्षिणी राज्यों के बीच अधिक सहयोग और समन्वय का आह्वान करते हुए कहा कि उन्हें 2047 तक एक विकसित भारत के निर्माण में एक प्रमुख आर्थिक शक्ति के रूप में उभरना होगा। तमिलनाडु के महाबलीपुरम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में आयोजित 31वीं दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की बैठक को संबोधित करते हुए नायडू ने कहा कि दक्षिणी राज्य भारत की जीडीपी में लगभग 31 प्रतिशत का योगदान करते हैं और उनकी संयुक्त अर्थव्यवस्था 2047 तक 10 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकती है। केंद्र और राज्य के बीच मजबूत सहयोग की मांग करते हुए, उन्होंने आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु को जोड़ने वाले बुलेट ट्रेन कॉरिडोर का प्रस्ताव रखा, जिसमें कुप्पम से होकर गुजरने वाला मार्ग और अमरावती, बेंगलुरु और चेन्नई को जोड़ने वाला परिवहन नेटवर्क शामिल है। उन्होंने एक साझा लॉजिस्टिक्स नेटवर्क, शुष्क बंदरगाहों और दक्षिणी बिजली ग्रिड को राष्ट्रीय ग्रिड के साथ एकीकृत करने का भी आह्वान किया। नायडू ने दक्षिणी राज्यों के विश्वविद्यालयों और कौशल विकास संस्थानों के एक संघ और समन्वित आपदा प्रतिक्रिया के लिए एक पारस्परिक सहायता बल का प्रस्ताव रखा। उन्होंने तिरुपति को काशी, अयोध्या और चार धाम से जोड़ने वाले एक साझा आध्यात्मिक पर्यटन मार्ग का भी सुझाव दिया। जल संसाधनों के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने गोदावरी-कावेरी नदी-जोड़ परियोजना के माध्यम से 500 टीएमसी से अधिक जल मोड़ने का प्रस्ताव रखा और इसे तमिलनाडु की जल आवश्यकताओं का एक संभावित स्थायी समाधान बताया।

उन्होंने अंतरराज्यीय नदी जल मुद्दों पर आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और तमिलनाडु से समन्वित प्रयासों का आह्वान किया और गंगा-कावेरी जोड़ के

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, P ASS IRAPPAN/ PATHAN ASSIRAPPAN, W/o. PATHAN DARIYA KHAN (Army No. 14304438H), resident of HNo.181, Kapula Colony Nizampatnam, Bapatla Dist, AP - 522314. have changed my name from P ASS IRAPPAN/ PATHAN ASSIRAPPAN to PATHAN ASIRIFUN and My DOB from 10-09-1955/ 20-09-1959 to 20-08-1957 vide affidavit no. BX 066378 Dt.13-08-2026 before Ranga Reddy District Court.

I, Sudesh Devi, W/o, No. 14662654A, Hav, Krishna Kumar, R/o, Vill &PO : Ramgarh, Dist: Hanumangarh, Rajasthan, changed my name from Sudesh Devi to Sudesh Rani vide Affidavit No. BU 316536 dt. 18.08.2026, before, Spl Judicial Magistrate at L B Nagar.

I, Lakshmi Rajam, W/o, No. 6907287M, Ex Hav, Mohan Rao Jagarlamudi, R/o, Dist: Prakasam, Andhra Pradesh, changed my name from Lakshmi Rajam to Jagarlamudi Lakshmirajyam, vide Affidavit No. BU 316533 dt. 18.08.2026, before Spl Judicial Magistrate at L B Nagar.

I, Lalita Verma, Mother of No. 17018805Y, Hav, Nilesh Verma,R/o, Dist : Indore, Madhya Pradesh, changed my name from Lalita Verma to Lata Verma vide Affidavit No. 995202 dt. 18.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

IN IN THE COURT OF THE HON'BLE I SENIOR CIVIL JUDGE CITY CIVIL COURT AT: HYDERABAD

S.O.P.NO. 68 OF 2026

Between
1. Meena S Shah, W/o.Sudeep M Shah
2. Niharika Singh, D/o.Sudeep M Shah,
3. Dhruv S Shah, S/o.Sudeep M Shah
Above All Are R/o.8-2-309/7/2/4, Road No.14, Banjara Hills, Hyderabad-500034.
.. Petitioners
AND
1. To all concerned
2. M/s.Suratwwala Business Group Limited, Rep. by its Managing Director, O/o:4/38 Sumangal Building Office No. 2, 1st Floor, Sahakar Colony, Behind SBI Bank, Karve Road, Erandawane, Pune
3. M/s.HEM Securities Limited, Rep. by its Managing Director, O/o: 215, Jaipur Tower MI Road, Opp. AIR Jaipur, Rajasthan.
4. Zerodha Broking Ltd., Rep. by its Managing Director, Registered Address : #153/154, 4th Cross, Dollars Colony, Opp. Clarence Public School, J.P Nagar, 4th Phase, Bengaluru.Karnataka, India
.. Respondents

To,
All Concerned,
Please take notice that the above said Petitioners have filed the above Original Petition for grant of Succession Certificate as legal heirs of Late Sundeep M shah being the wife, daughter and son in respect of Shares held by the deceased in respect ofRespondent No.2 which are in demat accounts of R.No.3 & 4 the said case is posted on **05/10/2026 at 10.30 A.M**. any person/s have got any objections for granting the Succession Certificate in respect of the Shares in Respondent **No.2 to 4 Company** can appear before the said Hon'ble Court oneither in person or through an Advocate, failing which necessary orders will be passed as per law.

BY ORDER OF THE COURT)

Sd/- KATTA SRAVYA, ADVOCATE
CHAMBERS : "KRISHNA NIVAS", 1-8-522/5, CHIKKADAPALLY, HYDERABAD

कान में सरिया घुसने से युवक की मौत

संभल, 20 अगस्त (एजेंसियां)। रजपुरा थाना के चाऊपुर डांडा गांव में मंगलवार देर शाम पत्नी पर टिप्पणी करने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया था। तब, दोनों पक्षों में लाठी-डंडों के साथ सरिया और ईंट-रोड़े चलने लगे। मारपीट के दौरान गांव निवासी कन्हैया लाल के कान में चार से पांच फुट लंबी सरिया घुस गई थी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। अब उपचार के दौरान बुधवार देर शाम बुलंदशहर में कन्हैया की मौत हो गई। स्वजन का आरोप है कि पत्नी पर टिप्पणी करने को लेकर कन्हैया लाल की बदन सिंह और ब्रजपाल से कहासुनी हुई थी। इसके बाद दोनों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि इसी दौरान उसके कान में सरिया घुसा दी गई। घटना की सूचना पर पुलिस ने तहरीर के आधार पर बदन सिंह और ब्रजपाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था।

'चंदा चोर और पेपर लीक वाले बीजेपी दफ्तर में रहते हैं'

तेजस्वी के वीडियो से बवाल

पटना, 20 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल (बीजेपी) नेता तेजस्वी यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो शेयर करते हुए बीजेपी को निशाने पर लिया। वीडियो में वह पटना बीजेपी कार्यालय की ओर इशारा करते हुए कई गंभीर आरोप लगाते नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह वीडियो उनके राजभवन मार्च के बाद का है, जिसमें पुलिस कार्रवाई के दौरान उन्हें हिरासत में लिया गया था।

वीडियो जारी करते हुए तेजस्वी यादव ने युवाओं से बीजेपी को सत्ता से बाहर करने की अपील की। वीडियो में तेजस्वी यादव बीजेपी कार्यालय दिखाते हुए कहते हैं कि चंदा चोर, पेपर लीक और डस्टबिन घोटाले वाले, छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले इसी में रहते हैं। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे लोगों को सत्ता से बाहर करने की जरूरत है। तेजस्वी यादव के इस बयान के बाद बिहार की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है।

एक्स पोस्ट में लगाए 100 से ज्यादा आरोप

तेजस्वी यादव ने एक्स पर एक लंबा पोस्ट लिखकर बीजेपी पर कई तरह के आरोप लगाए। उन्होंने बीजेपी नेताओं पर चंदा चोरी, पेपर चोरी, झाड़ू चोरी, टॉयलेट चोरी, डस्टबिन चोरी, डीजल चोरी, दवाई चोरी समेत कई मामलों में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। उन्होंने अपने पोस्ट में सृजन घोटाला, पुल-पुलिया, बालू, राशन, मिड-डे मील और अन्य योजनाओं से जुड़े मामलों का भी जिक्र किया। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार करने वाले और अपराधियों को संरक्षण देने वाले लोग बीजेपी कार्यालयों में मिलेंगे।

बीजेपी दफ्तरों पर भी साधा निशाना

आरजेडी नेता ने आरोप लगाया कि बीजेपी के कार्यालय दंगा-फसाद, नफरत और हिंसा फैलाने वाले कार्यों के अड्डे बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि अनैतिक और अवैधानिक गतिविधियों को बढ़ावा देने वालों के खिलाफ जनता को आवाज उठानी चाहिए। हालांकि बीजेपी की ओर से तेजस्वी यादव के आरोपों पर प्रतिक्रिया आना बाकी है। इससे पहले भी बिहार में आरजेडी और बीजेपी के बीच भ्रष्टाचार और शासन व्यवस्था को लेकर लगातार राजनीतिक बयानबाजी होती रही है।

बिहार की सियासत में तेज हुआ आरोप-प्रत्यारोप

तेजस्वी यादव का यह हमला ऐसे समय में आया है, जब बिहार में राजनीतिक माहौल लगातार गर्म बना हुआ है। विपक्ष सरकार और बीजेपी पर सवाल उठा रहा है, जबकि बीजेपी नेता आरजेडी के आरोपों को राजनीतिक बयानबाजी बताते रहे हैं। आने वाले चुनावों को देखते हुए भ्रष्टाचार, रोजगार और युवाओं से जुड़े मुद्दे बिहार की राजनीति के प्रमुख विषय बने हुए हैं।

गुलदार ने सात साल के बच्चे को मार डाला, सुबह खेत में मिला शव

नजीबाबाद (बिजनौर), 20 अगस्त (एजेंसियां)। नजीबाबाद क्षेत्र में गुलदार का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। ग्राम खुशहालपुर मड़का में गुलदार सात वर्षीय बच्चे को खा गया गया, जिससे ग्रामीणों में दहशत फैल गई। घटना के बाद गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों का आरोप है कि गुलदार की लगातार बढ़ती सक्रियता के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से लोगों में भय बना हुआ है। बच्चे का शव क्षत-विक्षत अवस्था में खेत में पड़ा मिला। ग्राम खुशहालपुर मडका निवासी भूदेव कश्यप का लगभग सात वर्षीय के पुत्र अनिकेत कश्यप भाई के साथ कहीं गया था। वापसी के समय दोनों भाई थोड़ा आगे पीछे हो गए।

बिहार मुक्त विद्यालयी बोर्ड के डिप्टी डायरेक्टर के 3 ठिकानों पर ईओयू की रेड

3.43 करोड़ से ज्यादा संपत्ति का मामला

पटना, 20 अगस्त (एजेंसियां)। आर्थिक अपराध इकाई ने बिहार मुक्त विद्यालयी शिक्षण एवं परीक्षा बोर्ड के डिप्टी डायरेक्टर अजय कुमार सिंह के खिलाफ कार्रवाई की। ईओयू की टीम डिप्टी डायरेक्टर के तीन अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी के लिए पहुंची। यह छापेमारी पटना और बेगूसराय जिले में की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, डिप्टी डायरेक्टर अजय कुमार सिंह के खिलाफ आर्थिक अपराध इकाई थाना में मामला दर्ज किया गया था। उनके खिलाफ 3 करोड़ 34 लाख 78 हजार 300 रुपये की आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के सबूत मिले हैं। बताया जा रहा है कि यह उनकी आय से लगभग 90.04 प्रतिशत से अधिक है। बताया जा रहा है कि यह मामला भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित 2018) की धारा 13(2) सहपठित धारा 13(1)(बी) के तहत दर्ज किया गया है। फिलहाल ईओयू की टीम तीनों ठिकानों पर डॉक्यूमेंट्स की जांच कर रही है। साथ ही बेसमेंट और पार्किंग में भी टीम की छापेमारी जारी है। जिन ठिकानों पर ईओयू की टीम छापेमारी कर रही है, उनमें पटना जिले में चंद्रतारा भवन, बीबी कॉवेज, आकाशवाणी रोड, खाजपुरा और बिहार ओपन स्कूलिंग एंड एग्जामिनेशन बोर्ड ऑफिस, मीठापुर शामिल है।

इसके अलावा बेगूसराय जिले में साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के परोर गांव का पैतृक आवास भी शामिल है। इस छापेमारी को लेकर अधिकारियों की माने तो, फिलहाल जांच-पड़ताल की जा रही है। जांच के दौरान जो भी संपत्ति से जुड़े डॉक्युमेंट्स और सामान हैं, उसकी जांच की जाएगी। उसके बाद ही मामले में विस्तार से जानकारी दी जाएगी और आगे की कार्रवाई की जाएगी।

5 बच्चों की मां प्रेमी संग फरार

भदोही, 20 अगस्त (एजेंसियां)। जिस घर में कल तक बच्चों की खिलखिलाहट गूंजती थी आज वहां सिर्फ और सिर्फ सिसकियां और सन्नाटा है।उत्तर प्रदेश के भदोही से एक ऐसी कलेजा कंपा देने वाली वारदात सामने आई है जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। दो महीने पहले मां अपने पांच मासूम बच्चों और पति को छोड़कर प्रेमी संग फरार हो गई।

पत्नी के जाने के गम और बच्चों की तन्हाई से टूट चुके लाचार पिता ने आखिरकार मौत को गले लगा लिया। अस्पताल में सांसें टूटने से ठीक पहले उस बेबस पिता के ये शब्द हर किसी के दिल में चुभ गए 'सर, मेरी बीवी दूसरे के साथ भाग गई। मैं बुलाते-बुलाते थक गया।।।'करीब दो महीने पहले लल्लू की पत्नी अपने पांच छोटे-छोटे बच्चों और पति को छोड़कर अपने प्रेमी के साथ चली गई।

हम आएंगे तो इनको देंगे 1 लाख महीना

अखिलेश यादव के ऐलान ने बढ़ाई सियासी हलचल

लखनऊ, 20 अगस्त (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने खिलाड़ियों और अलग-अलग क्षेत्रों की प्रतिभाओं को लेकर बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने पर उनकी सरकार फिर से वर्ल्ड क्लास स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करेगी। खिलाड़ियों को इंटरनेशनल लेवल की ट्रेनिंग और हर संभव सुविधा देने की बात कही। साथ ही अखिलेश यादव ने 'यश भारती' पुरस्कार और सम्मान राशि को लेकर भी बड़ा दावा किया है।

अखिलेश यादव ने गुरुवार को अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर खिलाड़ियों और प्रदेश की प्रतिभाओं को लेकर अपनी सरकार की भावी योजनाओं का खाका सामने रखा। उनके इस ऐलान में खेलों के साथ-साथ कला, शिक्षा, समाजसेवा और प्रोफेशनल क्षेत्र से जुड़े लोगों को भी शामिल किया गया है। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार आने पर एक बार फिर वर्ल्ड क्लास स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जाएगा। खिलाड़ियों को ओलंपिक और अन्य बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक दिलाने के लक्ष्य के साथ इंटरनेशनल लेवल की ट्रेनिंग उपलब्ध कराने की बात उन्होंने कही। उन्होंने दावा किया कि खिलाड़ियों को हर संभव सुविधा देने पर जोर रहेगा।

सबसे ज्यादा चर्चा 'यश भारती' सम्मान को लेकर किए गए ऐलान की है। अखिलेश यादव के मुताबिक, अभी से उन खिलाड़ियों, कलाकारों, चित्रकारों, समाजसेवियों, शिक्षाविदों, प्रोफेशनल्स और अन्य क्षेत्रों की प्रतिभाओं की सूची तैयार की जा रही है। जिन्हें भविष्य में 'यश भारती' पुरस्कार दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन प्रतिभाओं को पुरस्कार के साथ 1 लाख रुपये प्रतिमाह की सम्मान राशि देने की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा अखिलेश यादव ने अपने पिछले कार्यकाल में 'यश भारती' पुरस्कार पा चुके लोगों को लेकर भी बड़ा वादा किया। उन्होंने कहा कि पहले से 'यश भारती' सम्मान प्राप्त कर चुके लोगों की सम्मान राशि बढ़ाकर 1 लाख रुपये प्रतिमाह की जाएगी।

और सम्मान राशि की पुनर्बहाली की जाएगी। अखिलेश यादव के इस ऐलान को आगामी राजनीतिक रणनीति से जोड़कर भी देखा जा रहा है। खासतौर पर खिलाड़ियों और प्रदेश की प्रतिभाओं के लिए सम्मान राशि तथा खेल सुविधाओं का वादा चर्चा में है। हालांकि, यह योजना सत्ता में वापसी की स्थिति में लागू करने की बात के तौर पर सामने आई है।

दारोगा की करतूत : सीसीएसयू की छात्रा को प्रेमजाल में फंसाकर किया दुष्कर्म, केस दर्ज होते ही हुआ फरार

मेरठ, 20 अगस्त (एजेंसियां)। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय (सीसीएसयू) परिसर में पढ़ने वाली अनुसूचित जाति की छात्रा से दारोगा ने दुष्कर्म किया। आरोपित ने छात्रा को प्रेमजाल में फंसाया और शादी का झांसा देकर साथी दारोगा के फ्लैट पर ले गया था। छात्रा की तहरीर पर भावनपुर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। मुकदमे की सूचना मिलते ही आरोपित दारोगा छुट्टी लेकर मेडिकल थाने से चला गया। तब से वह गैरहाजिर है। गिरफ्तारी पर रोक के लिए हाई कोर्ट में अर्जी लगाने की भी चर्चा है। पुलिस ने छात्रा को बयान के लिए थाने बुलाया था। पीड़िता का आरोप है कि थाने में उस पर समझौते का दबाव बनाया गया।

कई मौके पर वह सीसीएसयू परिसर में जाता था। पिछले वर्ष शामली निवासी अनुसूचित जाति की छात्रा से दारोगा ललित की मुलाकात हुई। दारोगा ने युवती का मोबाइल नंबर ले लिया। बातचीत के बाद दोनों में दोस्ती हो गई। दो सप्ताह पहले युवती डिग्री लेने के लिए यूनिवर्सिटी कैंपस आई थी। दारोगा ने उससे मुलाकात की और शादी का प्रस्ताव रखा।

आईएएस रिंकू ने पोस्ट लिख मांगा ट्रांसफर

'संवैधानिक व्यवस्था के अनुरूप काम करना मुश्किल', विवादों से जुड़ा नाम

जालौन, 20 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश कैडर के आईएएस अधिकारी रिंकू सिंह राही ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लंबी पोस्ट लिखकर प्रदेश की मौजूदा नौकरशाही व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि पुरानी और वर्तमान सेवा के अनुभवों के आधार पर उन्हें यह स्वीकार करने में कोई संकोच नहीं है कि वह उत्तर प्रदेश की वर्तमान नौकरशाही संस्कृति के लिए उपयुक्त नहीं हैं। उन्होंने दूसरे राज्य या कैडर में जाकर सकारात्मक काम करने का अवसर मिलने की इच्छा भी जताई है। कैडर बदलने की उनकी मांग की जानकारी पहले भी सामने आ चुकी है।

राही ने अपनी पोस्ट में लिखा कि आईएएस बनने का उनका उद्देश्य उन कार्यों को करना था, जिनकी अपेक्षा जनता से किए गए वायदों को पूरा करने के लिए देश और प्रदेश का नेतृत्व प्रशासन से करता रहा है। उनका आरोप है कि उत्तर प्रदेश की नौकरशाही में संवैधानिक व्यवस्था के अनुरूप निचले स्तर तक काम करना मुश्किल बना हुआ है। उन्होंने लिखा कि भ्रष्ट नौकरशाही कभी नहीं चाहेगी कि उनके जैसे लोगों को स्वतंत्र रूप से काम करने का अवसर मिले। वहीं उन्होंने यह भी कहा कि ईमानदार लेकिन व्यवस्था में रच-बस चुके अधिकारियों के सामने भी यह अहं का सवाल हो सकता है कि यदि वे कोई काम नहीं कर पाए तो कोई दूसरा कैसे कर सकता है। राही ने पोस्ट में लिखा कि माफिया और भ्रष्टाचार से लड़ना प्रशासन का सामान्य आधारभूत दायित्व है, लेकिन ऊपर से संरक्षण मिलने पर यह संघर्ष सकारात्मक परिणाम देने के बजाय निरर्थक संघर्ष में बदल जाता है। उनके मुताबिक ऐसी स्थिति में अधिकारी की ऊर्जा व्यवस्था सुधारने के बजाय व्यवस्था को नकारात्मक दिशा में जाने से रोकने में खर्च होने लगती है।

उन्होंने कहा कि सूचना और एआई के तकनीकी दौर में बेसिक गवर्नेंस सुनिश्चित करना केवल इच्छाशक्ति और संस्थागत प्रतिबद्धता का प्रश्न रह गया है। उनका कहना है कि यदि उत्तर प्रदेश में उन्हें ऐसी तहसील तक नहीं मिल पा रही, जहां संवैधानिक व्यवस्था लागू करने पर कथित रूप से माफिया और भ्रष्टाचारियों को संरक्षण न मिले, तो भविष्य में किसी जनपद, मंडल या आमजन पर प्रभाव डाल सकने वाले विभाग में सार्थक काम कर पाना भी मुश्किल होगा।

आईएएस अधिकारी ने लिखा कि देश और मानव हित के साथ आत्मपरीक्षण के दृष्टिकोण से उनके लिए शायद बेहतर होगा कि उन्हें किसी दूसरे राज्य या कैडर में सकारात्मक कार्य करने का अवसर मिले। उन्होंने कहा कि इससे वह खुद को भी परख सकेंगे कि अनुकूल संस्थागत वातावरण में वास्तव में कितना सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

दहेज की मांग ने तोड़ा रिश्ता 7 माह की गर्भवती को पीटने और तीन तलाक देकर घर से निकालने का आरोप

महोबा, 20 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के महोबा में दहेज उत्पीड़न का एक गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि 10 लाख रुपये नकद और सोने की जंजीर की मांग पूरी न होने पर ससुरालवालों ने सात महीने की गर्भवती महिला के साथ मारपीट की। इतना ही नहीं, पीड़िता के मायकेवालों के पहुंचने पर उनके साथ भी कथित तौर पर अभद्रता और मारपीट की गई। पीड़िता का आरोप है कि इसके बाद उसके पति ने तीन तलाक देकर उसे घर से बाहर निकाल दिया। घायल महिला को जिला महिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले में पुलिस ने तहरीर लेकर जांच शुरू करने की बात कही है। मामला महोबा शहर के भटीपुरा मोहल्ले का है।

पनवाड़ी के मुल्लनपुरा निवासी नसरीन खातून की शादी 14 अक्टूबर 2025 को भटीपुरा निवासी अब्दुल कदीर के साथ हुई थी। पीड़िता के परिवार का कहना है कि शादी में अपनी हैसियत के मुताबिक दान-दहेज दिया गया था, लेकिन आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल में अतिरिक्त दहेज की मांग शुरू हो गई।

'अगर हिम्मत है तो सड़क पर उतर जनता का सामना करना चाहिए

प्रयागराज में बाढ़ से बिगड़े हाल पर बोले अखिलेश

लखनऊ, 20 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में बाढ़ को लेकर हालात बेहद ख़राब हो गए हैं। जिसकी वजह से निचले इलाकों में जल भराव हो गया है और हजारों घरों में पानी भर गया है, जिसे लेकर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर निशाना साधा और कहा कि नाम बदलने से कुछ नहीं होता अपनी नीयत बदलनी चाहिए। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर प्रयागराज की बाढ़ को लेकर सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि अगर बीजेपी में हिम्मत है तो उन्हें सड़क पर उतर जनता का सामना करने चाहिए।

अखिलेश यादव ने लिखा- 'ये है प्रयागराज के गंभीर हालात। कोई और हो तो 1 लाख करोड़ प्रयागराज के विकास के नाम पर डकार जाने के बाद, वहाँ के हज़ारों घरों का ये जलमग्न हाल देखकर शर्मिंदगी से सत्ता ही छोड़ दे। जनाब नाम बदलने से कुछ नहीं होता, बदलिए तो आप अपना भ्रष्ट काम और नीयत लेकिन अब वो भी नहीं बदलेगी, इसीलिए अब उत्तर प्रदेश और देश की जनता 'भाजपा सरकार' ही हमेशा के लिए बदल देगी। भाजपा जाएगी फिर कभी नहीं आएगी। बाढ़ के हवा-हवाई सर्वे से काम नहीं चलेगा अगर हिम्मत है तो सड़कों पर उतरकर जनता का सामना कीजिए।

आपने जो 7-8 हज़ार करोड़ लिखा-पढ़ी में और जो बीसों हज़ार करोड़ बिना लिखा-पढ़ी के अपने छवि निर्माण में, अपने को दिव्य दिखाने के लिए द्रव्य के रूप में बहाये हैं, उनसे आपकी कितनी छवि बनी है, उसका सच आपको पता चल जाएगा।' बता दें कि उत्तर भारत में मानसून सक्रिय होने की वजह से गंगा-यमुना समेत तमाम नदियों उफान पर चल रही है, जिसके चलते निचले इलाकों बाढ़ की स्थितियां हो गई हैं। प्रयागराज में भी हालात बेहद ख़राब हो गई है।

'पासी हूं इसलिए पूजा से रोका

' बीजेपी विधायक जय देवी के गंभीर आरोप बोलीं- मंदिर को डेढ़ करोड़ मैंने ही दिलाया

लखनऊ, 20 अगस्त (एजेंसियां)। मलिहाबाद से भाजपा विधायक जय देवी कौशल ने काकोरी के शीतला माता मंदिर में जीर्णोद्धार एवं भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान जातिगत भेदभाव का गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि मंदिर के कायाकल्प के लिए उन्होंने शासन से करीब डेढ़ करोड़ का बजट दिलाया, लेकिन जब वे शिलान्यास करने पहुंचीं तो उन्हें पूजा में बैठने तक नहीं दिया गया। जय देवी कौशल का आरोप है कि पासी समाज से होने की वजह से मंदिर के कुछ लोगों ने उनके साथ यह दुर्व्यवहार और भेदभाव किया। गौरतलब है कि जय देवी कौशल पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर की पत्नी हैं। जय देवी कौशल ने बताया कि वह इसकी शिकायत आलाकमान से करेंगी। उन्हें न तो अगरबत्ती जलाने दी गई और न ही नारियल फोड़ने की अनुमति मिली। उनका कहना है कि पासी समाज का होने की वजह से उन्हें मंदिर में पूजा नहीं करने दी गई जबकि मंदिर का जीर्णोद्धार उनके प्रयास से ही हुआ है।

विधायक का आरोप है कि पूजा के दौरान उन्हें खड़ा रखा गया और उनके साथ उचित व्यवहार नहीं किया गया। इस मामले पर पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर ने भी कड़ा ऐतराज जताया है। उन्होंने बताया कि विधायक ने पत्र लिखकर काकोरी के शीतला मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए 78 लाख रुपये और एक अन्य मंदिर के लिए 70 लाख रुपये स्वीकृत कराए थे। दोनों स्थलों पर शिलान्यास और भूमिपूजन होना था। कौशल किशोर ने आरोप लगाया कि मंदिर पर एकाधिकार जमाने वाले कुछ स्थानीय लोगों ने दुर्भावना व जातिगत आक्रोश के चलते विधायक की उपेक्षा की और उन्हें पूजा से दूर रखा। कौशल किशोर ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि वे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और संगठन के शीर्ष नेतृत्व को पत्र लिखकर पूरी बात से अवगत कराएंगे।

फर्जी आईएएस विप्रा शर्मा गैंग का पर्दाफाश, यूनिवर्सिटी क्लर्क भी था ठगी में शामिल

बरेली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली में खुद को आईएएस अधिकारी बताकर बेरोजगारों को सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर करोड़ो रुपये की ठगी करने वाले गैंग की परतें अब लगातार खुल रही हैं। गैंग की मुख्य आरोपी विप्रा शर्मा और उसकी बहन के बारे में पुलिस पहले ही कार्रवाई कर चुकी है। आरोप है कि दोनों बहनें खुद को आईएएस अधिकारी बताकर लोगों को सरकारी नौकरी का भरोसा देती थीं। लोगों पर रौब जमाने के लिए लग्जरी कार पर नीली बत्ती लगाकर चलने और खुद को बड़ा अधिकारी बताने का भी आरोप सामने आया था। पुलिस दोनों बहनों को कई महीने पहले जेल भेज चुकी है और गैंग से जुड़ी संपत्तियों को भी चिह्नित किया जा चुका है।

अब इस मामले में नया खुलासा रुहेलखंड विश्वविद्यालय से जुड़ा है। विश्वविद्यालय में क्लर्क के पद पर तैनात देवप्रकाश का नाम भी ठगी के एक मामले में सामने आया है। बारादरी थाने में उसके खिलाफ दोबारा रिपोर्ट दर्ज हुई है।

पटना में नीतीश कुमार से मिलने पहुंचे अनंत सिंह

हाथ जोड़कर किया अभिवादन, मोकामा के मुद्दों पर हुई चर्चा

पटना, 20 अगस्त (एजेंसियां)। गुरुवार सुबह मोकामा के विधायक अनंत सिंह ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और जदयू के वरिष्ठ नेता नीतीश कुमार से उनके आवास पर मुलाकात की। दोनों नेताओं की मुलाकात की तस्वीरें सामने आने के बाद बिहार के राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है। तस्वीर में अनंत सिंह हाथ जोड़कर नीतीश कुमार का अभिवादन करते नजर आ रहे हैं, जबकि नीतीश कुमार भी मुस्कुराते हुए उनका अभिवादन स्वीकार करते दिखाई दे रहे हैं। दोनों नेताओं के बीच हुई इस मुलाकात को लेकर फिलहाल कोई बड़ा राजनीतिक ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन जिस समय यह मुलाकात हुई है, उसे देखते हुए इसके राजनीतिक मायने तलाशे जा रहे हैं।

मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच आत्मीयता भी नजर आई। सामने आई तस्वीरों में नीतीश कुमार और अनंत सिंह मुस्कुराते हुए बातचीत करते दिख रहे हैं। अनंत सिंह पहले भी कई मौकों पर नीतीश कुमार के प्रति अपना सम्मान और समर्थन सार्वजनिक तौर पर जाहिर करते रहे हैं। ऐसे में इस मुलाकात ने एक बार फिर दोनों नेताओं के राजनीतिक रिश्ते को चर्चा में ला दिया है। जानकारी के अनुसार, अनंत सिंह ने नीतीश कुमार से मोकामा विधानसभा क्षेत्र से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत की। क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों, स्थानीय समस्याओं और लोगों से जुड़े विषयों को लेकर चर्चा हुई। विधायक के तौर पर अनंत सिंह लगातार मोकामा से जुड़े मुद्दों को उठाते रहे हैं। ऐसे में उनकी इस मुलाकात को क्षेत्र के विकास से जुड़े मामलों के संदर्भ में भी अहम माना जा रहा है। बातचीत के दौरान अनंत सिंह ने नीतीश कुमार के स्वास्थ्य की जानकारी भी ली।

इसके अलावा दोनों नेताओं के बीच राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर भी बातचीत हुई। हालांकि, मुलाकात के बाद ऐसा कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, जिससे किसी नए राजनीतिक फैसले या बदलाव की पुष्टि हो। फिलहाल इस मुलाकात को सामान्य राजनीतिक और व्यक्तिगत मुलाकात के तौर पर ही देखा जा रहा है। इसके बावजूद बिहार की मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों में नेताओं की हर अहम मुलाकात स्वाभाविक तौर पर चर्चा का विषय बन जाती है।

अनंत सिंह लंबे समय से नीतीश कुमार की राजनीतिक भूमिका की तारीफ करते रहे हैं। कई मौकों पर वह सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं कि उनके राजनीति में आने के पीछे नीतीश कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अनंत सिंह का कहना रहा है कि नीतीश कुमार ने बिहार के विकास को नई दिशा देने का काम किया। सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों पर भी अनंत सिंह कई बार नीतीश कुमार के काम की सराहना कर चुके हैं। वह यह भी कहते रहे हैं कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में कई स्तरों पर बदलाव देखने को मिला।

सपा विधायक इकबाल महमूद के नाम दर्ज जमीन पर बना 3 मंजिला मकान अवैध घोषित, 15 दिन में गिराने का नोटिस!

संभल, 20 अगस्त (एजेंसियां)। संभल में सपा विधायक नवाब इकबाल महमूद के नाम पर दर्ज जमीन पर बने हुए तीन मंजिला मकान को प्रशासन ने अवैध निर्माण घोषित कर दिया है। अवैध निर्माण को हटाने के लिए एसडीएम के द्वारा जारी किए गए आदेश के विरुद्ध की गई अपील को जिलाधिकारी की कोर्ट ने खारिज करते हुए अवैध निर्माण को ध्वस्त करने के आदेश को बरकरार रखा है। इसके बाद प्रशासन ने पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचकर तीन मंजिला अवैध निर्माण पर नोटिस चस्पा किया है। जिसमें प्रशासन के द्वारा 15 दिन के भीतर खुद ही अवैध निर्माण नहीं हटाने पर कार्यवाही की चेतावनी दी है।

दरअसल संभल विनिमय क्षेत्र कार्यालय के जेई की रिपोर्ट के आधार पर 22 जून 2022 को मैंने क्षेत्र कार्यालय की तरफ से मोहम्मद आरिफ, अय्यूब और मुतवल्ली नवाब इकबाल महमूद के नाम पर दर्ज जमीन पर 56एक्स60 फिट क्षेत्रफल में बने हुए तीन मंजिला मकान को लेकर नोटिस जारी किया गया था।

वंदे मातरम के दो पद ही गाएगी कांग्रेस

पार्टी ने दोहराया 1937 का फैसला; अय्यर ने सरकार को बताया मुसलमान विरोधी

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि पार्टी 'वंदे मातरम' के केवल पहले दो पद गाने की अपनी परंपरा पर कायम रहेगी। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पार्टी स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा तय किए गए रास्ते पर चलेगी, न कि केंद्र सरकार के नए प्रोटोकॉल के मुताबिक। वहीं, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने आरोप लगाया कि मुसलमानों के प्रति नफरत की वजह से 'वंदे मातरम' के पूरे पाठ को अनिवार्य किया गया है। कांग्रेस का यह रुख कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) के उस प्रस्ताव के एक दिन बाद सामने आया, जिसमें 1937 में लिए गए फैसले को दोहराया गया है।

उस समय सीडब्ल्यूसी ने तय किया था कि कांग्रेस के कार्यक्रमों में 'वंदे मातरम' के सिर्फ पहले दो पद ही गाए जाएंगे। यह फैसला ऐसे समय में चर्चा में है, जब केंद्र सरकार ने हाल ही में राष्ट्रगीत के पूर्ण गान को आधिकारिक प्रोटोकॉल का हिस्सा बनाया है। अय्यर बोले- टैगोर की सलाह पर हुआ था फैसला कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने कहा, 'मुझे बहुत खुशी है कि कल कांग्रेस ने मजबूती से फैसला किया कि हम 'वंदे मातरम' के सिर्फ पहले दो पद गाएंगे। मेरा मानना है कि 1937 में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की सलाह पर यह तय किया गया था कि हम सिर्फ पहले दो पद गाएंगे और आज हम फिर उसी रास्ते पर चल रहे हैं।' जब अय्यर से पूछा गया कि क्या सरकार ने मुसलमानों के प्रति नफरत की वजह से 'वंदे मातरम' का पूरा पाठ अनिवार्य किया है, तो उन्होंने पलटवार करते हुए कहा, 'और क्या?। वे सोचते हैं कि अगर आप मुसलमानों के खिलाफ हैं, तभी आप हिंदू हो सकते हैं, तभी आप भारतीय हो सकते हैं।' कांग्रेस नेता गुरदीप सिंह सप्पल ने कहा कि कांग्रेस कार्यसमिति ने तय किया है कि पार्टी उन नेताओं द्वारा दिखाए गए रास्ते पर चलेगी, जिन्होंने भारत को आजादी दिलाने के लिए संघर्ष किया था।

उन्होंने महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल और मौलाना आजाद का नाम लेते हुए कहा कि इन नेताओं के तय किए रास्ते से कांग्रेस पीछे नहीं हटेगी। सप्पल ने कहा कि जब इन नेताओं ने मिलकर 'वंदे मातरम' के दो-पद वाले संस्करण को राष्ट्रगीत का दर्जा दिया था, तो फिर वे देश को देशभक्ति का पाठ कैसे पढ़ा सकते हैं? उन्होंने सवाल उठाया कि जिन लोगों ने आजादी की लड़ाई में हिस्सा नहीं लिया, वे देशभक्ति का मतलब कैसे सिखा सकते हैं। बिहार कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शकील अहमद खान ने कहा कि कांग्रेस कार्यसमिति पार्टी के लिए सबसे बड़ी और सबसे सम्मानित संस्था है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं को रवींद्रनाथ टैगोर, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सुभाष चंद्र बोस और राजेंद्र प्रसाद जैसे महान नेताओं के विचारों और फैसलों का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इन नेताओं ने मिलकर कई महत्वपूर्ण फैसले लिए थे। ऐसे में उनके तय किए गए फैसलों का सम्मान करना और उनका पालन करना जरूरी है।

'बाबाजी मेरी जवानी के सपने मत देखो', बाबा रामदेव पर कंगना रनौत का पलटवार

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। हाल ही में बाबा रामदेव ने अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत पर गटर छाप वाले बयान पर कड़ी आपत्ति जताते हुए उनकी क्वालिफिकेशन पर सवाल उठाए थे। इसको लेकर कंगना रनौत ने बाबा रामदेव पर तीखा पलटवार किया है। कंगना रनौत ने सोशल मीडिया पर लिखा, बाबा जी, आप मेरी जवानी या बेडरूम के बारे में सपने मत देखो। कोई भी केवल अफवाहों और गॉसिप के आधार पर ही अंदाजा लगा सकता है। कम से कम मुझे झूठे या फ्रॉड मेडिकल दावों की वजह से कभी सुप्रीम कोर्ट से फटकार नहीं लगी। ये फैक्ट्स पर बेस्ड है, गॉसिप पर नहीं। तो मुझे कैरेक्टर पर ज्ञान मत दीजिए, मेरा चरित्र आपसे कहीं ज्यादा बेहतर है और यहां कोई धोखाधड़ी नहीं है। दरअसल, अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने जंतर-मंतर पर हुए छात्रों के आंदोलन के बाद इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी में युवा पीढ़ी, खासकर जेन जेड को "गटर जेनरेशन" कह दिया था, जिस पर खूब बवाल मचा था। फिल्म इंडस्ट्री के कई लोगों के अलावा राजनीतिक हस्तियों ने भी कंगना रनौत के इस बयान की आलोचना की।

अपने इस बयान को लेकर कंगना ने कोई माफी नहीं मांगी, बल्कि अपने गटर वाले बयान का बचाव किया। कंगना रनौत के इस बयान पर विवाद तब शुरू हुआ, जब एक न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में बाबा रामदेव से कंगना रनौत के 'गटर छाप' वाले बयान के बारे में पूछा गया था। इस दौरान बाबा रामदेव ने कड़ी निंदा करते हुए कहा था, उनका बचपन कैसा रहा है? उनकी जवानी कैसी रही है? उनके पहले के कारनामे कैसे रहे हैं? मैं ऐसे लोगों के बारे में बात नहीं करना चाहता।

जम्मू: वैष्णो देवी मंदिर में बड़ा बदलाव

अब मशीनें गिनेंगी माता का चढ़ावा, 15 दिन में खत्म होगी मैनुअल काउंटिंग

जम्मू, 20 अगस्त (एजेंसियां)। देशभर के प्रमुख धार्मिक स्थलों में चढ़ावे की सुरक्षा, चोरी और नकदी की गिनती को लेकर उठते सवालों के बीच श्री माता वैष्णो देवी मंदिर प्रबंधन ने एक बेहद अहम और बड़ा फैसला लिया है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड (एसएमवीडीएसबी) अब नकद चढ़ावे की पारंपरिक मैनुअल गिनती की व्यवस्था को पूरी तरह समाप्त कर इसे पूरी तरह से आधुनिक तकनीक पर आधारित बनाने जा रहा है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल और श्राइन बोर्ड के चेयरमैन मनोज सिन्हा के अनुसार, अगले लगभग 15 दिनों के भीतर मंदिर में नकद चढ़ावे की हाथों से होने वाली काउंटिंग बंद कर दी जाएगी। मंदिर की नई और आधुनिक व्यवस्था के तहत भवन और मुख्य परिसर में अत्याधुनिक कैश रीसाइक्लर मशीनें (सीआरएम) स्थापित की जा रही हैं।

श्राइन बोर्ड द्वारा फिलहाल दो मशीनें मंदिर परिसर में सफलतापूर्वक स्थापित की जा चुकी हैं। अब तक माता वैष्णो देवी भवन में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए जाने वाले नकद चढ़ावे की गिनती के लिए श्राइन बोर्ड के कर्मचारियों और विभिन्न बैंकों के अधिकारियों की मौजूदगी में लंबी प्रक्रिया चलती थी। नया सिस्टम पूरी तरह से लागू होने के बाद नोटों की गिनती शत-प्रतिशत स्वचालित होगी। बोर्ड कर्मचारियों और बैंक अधिकारियों की गिनती की प्रक्रिया में कोई सीधी भूमिका नहीं रहेगी। इससे चढ़ावे की गिनती न केवल कई गुना तेज होगी, बल्कि पूरी प्रणाली अधिक सुरक्षित, पारदर्शी और त्रुटिहीन बन जाएगी।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जानकारी दी कि मैनुअल काउंटिंग खत्म करने और मशीनों के इस्तेमाल का सुझाव श्राइन बोर्ड की एक उच्चस्तरीय बैठक के दौरान बोर्ड के ही एक सदस्य ने दिया था। बोर्ड ने इस दूरदर्शी प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार-विमर्श किया और चढ़ावे के प्रबंधन को शत-प्रतिशत पारदर्शी बनाने के लिए इसे लागू करने पर सहमति जताई।

पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति की हत्या की, शव को तुंगभद्रा नदी में फेंका

दावणगेरे, 20 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक के दावणगेरे जिले से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां के पमेनहल्ली गांव में एक घटना हुई है, जहां एक पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति की हत्या कर दी, क्योंकि पति को इस बात का पता चल गया था कि उसकी पत्नी के अवैध संबंध थे। हत्या के बाद दोनों ने मिलकर उसके शव को तुंगभद्रा नदी में फेंक दिया। पुलिस ने 36 साल के रघु की हत्या के आरोप में उसकी पत्नी श्रुति और उसके प्रेमी उबेदुल्लाह को अरेस्ट कर लिया है।पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, रघु के रोज शराब पीकर आने और अपने 2 बच्चों के सामने गाली गलौच और मारपीट करने से श्रुति परेशान रहने लगी थी।

इसी बीच एक अस्पताल में माली का काम करने वाले उबैदुल्लाह से उसकी मुलाकात हुई। उबैदुल्लाह श्रुति को आर्थिक रूप से मदद करने लगा और ये मुलाकात धीरे धीरे अवैध संबंध में बदल गई। जब इस बात की भनक उसके मजदूर पति रघु को लगी तो दोनों के बीच झगड़ा और भी बढ़ गया, जिसके बाद श्रुति और उबैदुल्लाह ने मिलकर रघु को रास्ते से हटाने की योजना बनाई। इस योजना के तहत 11 अगस्त को एक दोस्त के जरिये उबैदुल्लाह ने रघु को शराब के ठेके पर बुलाकर उसे खूब शराब पिलाई और फिर सुनसान जगह पर ले जाकर गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी, इसके बाद तीनों ने मिलकर रघु के शव को तुंगभद्रा नदी में फेंक दिया।

इसके बाद अनजान बनकर वो भी रघु के घरवालों के साथ मिलकर उसकी तलाश में जुट गई और पुलिस स्टेशन में मिसिंग रिपोर्ट भी लिखवा दी, श्रुति के गोलमोल जवाब और बदले हुए रुख से रघु के परिवार वालों को श्रुति पर ही शक होने लगा और उन्होंने श्रुति के खिलाफ भी पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। सख्ती से पूछताछ करने पर श्रुति ने अपना जुर्म कुबूल कर लिया, श्रुति के बयान के आधार पर उसके प्रेमी दोस्त उबैदुल्लाह इस अपराध में मदद के लिए सुरेश नाम के आरोपी को भी पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है।

महंगाई ने आम लोगों की रसोई का बजट बिगाड़ : जीतू पटवारी

भोपाल, 20 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने महंगाई को लेकर केंद्र और राज्य सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि महंगाई ने आम आदमी की रसोई का बजट बिगाड़ दिया है । कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पटवारी ने पटवारी ने बढ़ती महंगाई को लेकर कहा कि भाजपा सरकार के तथाकथित 'नए भारत' में आम आदमी की रसोई लगातार महंगी होती जा रही है। उन्होंने कहा कि खाद्य तेलों की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। सोयाबीन तेल के दाम में लगभग 12 प्रतिशत, मूंगफली तेल में 10 प्रतिशत और सरसों तेल में करीब 20 प्रतिशत तक वृद्धि का दावा करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार महंगाई पर नियंत्रण करने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। उन्होंने कहा कि चीनी के दाम भी बढ़े हैं और दूध की कीमतों में दो रुपए से तीन रुपए तक की वृद्धि हुई है।

दूसरी ओर किसानों को उनके दूध और कृषि उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है। सरकार द्वारा किसानों को बोनस देने के वादे भी पूरे नहीं किए गए। पटवारी ने कहा दालों के दामों में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है। तुअर - अरहर दाल लगभग 140 रुपए प्रति किलो तक पहुंचने का उल्लेख करते हुए उन्होंने सवाल किया कि जब किसान को उपज का उचित मूल्य पर नहीं मिल रहा , तो मिल और बाजार में वही उत्पाद महंगा क्यों हो रहा है? उन्होंने कहा कि सरकार की कृषि नीति में स्पष्ट विरोधाभास है।

किसान को अपनी फसल का उचित मूल्य नहीं मिल रहा, जबकि उपभोक्ता को वही वस्तु महंगे दामों पर खरीदनी पड़ रही है। यह स्थिति सरकार की कृषि और बाजार प्रबंधन व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

सरकारी अधिकारी के भ्रष्टाचार की खुली पोल

छापे में 18 करोड़ की संपत्ति का पता लगा, 2.5 करोड़ कैश बरामद

बेंगलुरु, 20 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक लोकायुक्त पुलिस ने बेंगलुरु के विशेष भूमि अधिग्रहण अधिकारी के खिलाफ आय से ज्ञात स्त्रोत से अधिक संपत्ति अर्जित के मामले सर्च किया। संबंधित आरोपी सरकारी अधिकारी के आवास, कार्यालय और उनके रिश्तेदारों के आवासों सहित 11 से अधिक स्थानों पर एक साथ तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उनके द्वारा अर्जित कुल 18 करोड़ रुपये की संपत्ति में से 13 करोड़ आय से अधिक अर्जित करने की जानकारी सामने आई। केएलए(.), पुलिस स्टेशन में सरकारी अधिकारी बी मल्लिकार्जुन के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आरोपी सरकारी अधिकारी के 11 स्थानों पर तलाशी के दौरान 2 मकान, 100 एकड़ 05 गुंटा कृषि भूमि जिसकी कीमत 14 करोड़ 28 लाख 57 हज़ार है को अटैच किया गया है।

साथ ही अधिकारी के आवास से 2 करोड़ 53 लाख रुपये नकद बरामद हुए हैं, 3,10,000 मूल्य के सोने और चांदी के आभूषण, 15,00,000 मूल्य के वाहन, 1,00,00,000 का बैंक बैलेंस, 33,40,535/- मूल्य का घरेलू सामान को भी भ्रष्ट कमाई की लिस्ट में शामिल किया गया है। मामले की आगे की जांच जारी है। इससे पहले बिहार का सरकारी इंजीनियर गोपाल कुमार धनकुबेर निकला था। उसके पास से इतनी संपत्ति बरामद हुई थी कि छापामारी करने वाली टीम भी हैरत में पड़ गई थी कि आखिर इतना पैसा कहां से आया। अगर गोपाल की नौकरी की बात करें तो उसने साल 2008 में बिहार सरकार में नौकरी शुरू की थी।

लेकिन जब उसके यहां छापा पड़ा तो अपनी ज्ञात आय से 2,00,61,000 रुपए अधिक की संपत्ति का पता लगा, जोकि गोपाल कुमार की ज्ञात आय से 81.5% अधिक है। गोपाल के खिलाफ जो छापेमारी हुई, उसमें 39,65,000 रुपए नकद, करीब 47,00,000 रुपए के आभूषण खरीदने से संबंधित इनवॉयस, सोने के आभूषण 424.08 ग्राम, जिनका वर्तमान मूल्य 60,47,000 रुपए है, चांदी के आभूषण, वजन करीब 1.00 किलोग्राम बरामद हुए। इसके अलावा माल में 2 व्यवसायिक दुकान मूल्य करीब 70,00,000/- रुपए, एक आवासीय भू-खण्ड 1.25 कट्ठा जिस पर जी+3 भवन निर्माणाधीन है, से संबंधित भू-खण्ड जिसका निबंधन मूल्य 35 लाख रुपए है, इसके अलावा 93 लाख रुपए अतिरिक्त मिले हैं। इतनी ज्यादा संपत्ति मिलने से छापेमारी टीम भी हैरान रह गई।

कर्नाटक में हादसों का गुरुवार : ट्रक से टकराई कार तो सड़क पर पलटी बस, पांच लोगों की मौत

बेंगलूरू, 20 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक के हावेरी और मंड्या जिलों में गुरुवार को हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं, 23 से अधिक अन्य लोग घायल हो गए। कर्नाटक के उडुपी जिले में एक अलग घटना में ब्रह्मावर कस्बे के पास एक निजी बस में आग लगने से सात यात्रियों की जान बाल-बाल बच गई। वहीं, हावेरी जिले के राणेबेन्नूर कस्बे के बाहरी इलाके में चालागेरी क्रॉस के पास गुरुवार तड़के एक कार खड़े ट्रक से जा भिड़ी, जिससे तीन लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

मृतकों की पहचान 27 वर्षीय सिद्धार्थ, 29 वर्षीय हसनमुखी और 51 वर्षीय यशोदा बाई के रूप में हुई है। तीनों दावणगेरे शहर के निवासी थे। घायलों सौंदर्या, सिंधु और एक वर्षीय काश्वाश्री को उपचार के लिए दावणगेरे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, कार राणेबेन्नूर से दावणगेरे की ओर जा रही थी, तभी वह सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। राणेबेन्नूर ग्रामीण पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डबल मर्डर और सुसाइड से सनसनी

बैंक कर्मी ने पहले पत्नी और बहन को मारी गोली, फिर की आत्महत्या

लखनऊ, 20 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी के गोमतीनगर में व्यस्ततम मिठाईवाला चौराहा गुरुवार को दिन में करीब 12 बजे गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज गया। यहां पति ने महिला बैंक कर्मी की दिनदहाड़े हत्या के बाद अवसाद में चल रही अपनी बहन को मौत के घाट उतारने के बाद आत्महत्या कर ली। आईसीआईसीआई बैंक मिठाईवाला चौराहा के बाहर पत्नी दिव्या मिश्रा की गोली मारकर हत्या करने के बाद मानस बाजपेई ने घटनास्थल से एक किलोमीटर दूर हुसड़िया चौराहे पर पहुंचकर बहन तूलिका को गोली मार दी। बहन की हत्या करने के बाद उसने आत्महत्या कर ली।

मानस बाजपेई और पत्नी दिव्या मिश्रा में विवाद चल रहा था और बहन की मानसिक स्थिति नहीं ठीक थी। पत्नी की हत्या के बाद मानस बाजपेई ने मोबाइल के वॉट्सऐप पर स्टेटस लगाया था। इसमें लिखा था- सुसाइड करने जा रहा हूं। दिव्या मिश्रा यूट्यूबर प्रज्ञा मिश्रा की बहन थी। उसने एक वर्ष पहले पति मानस से तलाक के लिए कोर्ट में अपील दायर की थी। इसके बाद से वह आलमबाग में रहती थी। पति मानस बाजपेई हुसड़िया चौराहे के पास अपनी बहन सीबा के किराए के मकान में रहता था। वह भारतीय स्टेट बैंक में काम करता था। मानस के माता-पिता की मौत हो चुकी है। आईसीआईसीआई बैंक मिठाईवाला चौराहा ब्रांच में रिलेशनशिप मैनेजर दिव्या मिश्रा को उसके पति मानस बाजपेई ने गोली मारी और फरार हो गया। बताया जा रहा है कि महिला ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था। उसको करीब 1.15 बजे लोहिया अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। महिला को आईसीआईसीआई बैंक के बाहर गोली मारी गई। आज तीन मौत से लखनऊ में सनसनी फैल गई। बैंक कर्मी महिला की हत्या की सूचना पर पुलिस के आला अधिकारी मौके पहुंचे। टीम जांच में जुटी थी कि सूचना मिली कि पत्नी के बाद बहन की हत्या करने वाले युवक ने आत्महत्या कर ली है।

'अनपढ़ लोग सरकार चला रहे हैं'

गन्ने से इथेनॉल बनाने को लेकर केजरीवाल ने केंद्र पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह सरकार पूरी तरह से अनपढ़ लोग चला रहे हैं। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि गन्ने से इथेनॉल बनाने की वजह से चीनी की कमी हो गई है। एक्स पर एक पोस्ट में केजरीवाल ने कहा, तेल आयात पर खर्च होने वाली विदेशी मुद्रा बचाने के लिए उन्होंने गन्ने से इथेनॉल बनाना शुरू किया। नतीजतन, चीनी की कमी हो गई है। अब वे उसी विदेशी मुद्रा का इस्तेमाल करके चीनी आयात करेंगे। उन्होंने आगे कहा, यह सरकार पूरी तरह से अनपढ़ लोग चला रहे हैं। किसी को नहीं पता कि अगर वे कुछ करते हैं तो क्या होगा। एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में, केजरीवाल ने सरकार पर अपनी ई20 पॉलिसी की आलोचना करने वाले सोशल मीडिया कंटेंट को हटाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि वह इस बारे में बात करना चाहते हैं कि देश में ई20 फ्यूल पॉलिसी कैसे लागू की जा रही है। अपने पोस्ट में वीडियो में एक चुटकुला सुनाते हुए उन्होंने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और पीएम मोदी की पुलिस फोर्स के बीच 'जंगल में छोड़े गए शेर को खोजने' का मुकाबला हुआ।

उन्होंने कहा कि जहां ट्रंप की पुलिस 24 घंटे में और पुतिन की पुलिस एक घंटे में शेर को ले आई, वहीं मोदी जी की पुलिस फोर्स को कई दिन लग गए और तलाशी के दौरान पता चला कि वे एक कुत्ते को पकड़े हुए थे, उसे बुरी तरह पीट रहे थे और उससे कह रहे थे कि 'मैं शेर हूं' बोलो। उन्होंने कहा, मोदी जी ने देश का यही हाल कर दिया है। 140 करोड़ लोगों को पीटा जा रहा है और उनसे कहा जा रहा है कि 'ई20 सही है' बोलो। उन्होंने पूछा, जो कोई भी ई20 के खिलाफ आवाज उठाता है। उसका पेज हटा दिया जाता है, उसका वीडियो डिलीट कर दिया जाता है। उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाती है। आप 140 करोड़ लोगों को कैसे दबाएंगे?

सीबीआई की वैधता के लिए 'डीएसपीई एक्ट' में होगा संशोधन, आधे देश में जांच ही नहीं कर सकती एजेंसी

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई की वैधता के लिए, केंद्र सरकार 'दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (डीएसपीई एक्ट)' में संशोधन करने पर विचार कर रही है। सीबीआई को डीएसपीई एक्ट के तहत शक्तियां मिलती हैं, जबकि इस एक्ट में 'सीबीआई' शब्द कहीं लिखा ही नहीं है। सीबीआई को राज्यों में किसी मामले की जांच के लिए वहां की सरकार से सहमति लेनी पड़ती है। मौजूदा समय में आठ राज्यों ने अपनी सहमति वापस ले ली है। सीबीआई निदेशक ने 8 जुलाई 2025 को 14 राज्यों के मुख्य सचिवों से डीएसपीई एक्ट की धारा 3 के अंतर्गत अपराधों की सीबीआई जांच के लिए सहमति पत्र जारी करने का अनुरोध किया था। इसका मतलब है कि सीबीआई को आधे देश में जांच करने का अधिकार ही नहीं है।

कुछ राज्यों ने दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (डीएसपीई अधिनियम) के तहत आवश्यक सामान्य सहमति वापस ले ली है। यह कदम निर्बाध जांच में एक बड़ी बाधा उत्पन्न करता है। हर बार नए केस की जांच के लिए विशिष्ट सहमति मांगना, इस प्रक्रिया में जांच एजेंसी का समय व्यर्थ होता है। दूसरी तरफ इसके चलते संसाधनों और जनशक्ति पर अनावश्यक दबाव पड़ता है, जांच की गुणवत्ता में बाधा आती है और केस की जांच को शीघ्रता से अंजाम तक पहुंचाना, इसमें देरी होती है।

ट्रंप की तारीफ पर शिवसेना (यूबीटी) ने उठाए चुनाव प्रक्रिया पर सवाल, कहा-भाजपा का एजेंट बन गया है चुनाव आयोग

मुंबई, 20 अगस्त (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत की चुनाव पद्धति की तारीफ को अपराधी द्वारा दूसरे को चरित्र प्रमाणपत्र बताया। पार्टी के मुखपत्र 'सामना' में गुरुवार को छपे संपादकीय में कहा गया कि पश्चिम बंगाल, बिहार और महाराष्ट्र में मतदाता बढ़ा-घटाकर चुनाव जीते गए। शिवसेना (यूबीटी) ने कहा कि महाराष्ट्र में 'एसआईआर' के खेल में सभी विपक्षी दलों को बहुत सावधान रहने की जरूरत है। महाराष्ट्र के 2 करोड़ मतदाताओं के नाम अब हटा दिए गए हैं। मतदाता सूची में भ्रष्टाचार और घोटाला ही भाजपा का नया हथियार है।

इस हथियार को अब कुंद करना होगा। पार्टी ने कहा, अगर डोनाल्ड ट्रंप को भारत की चुनाव पद्धति आदर्श और पारदर्शी लगती है, तो उन्हें भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को उनकी पूरी मशीनरी के साथ अमेरिका ले जाकर वहां चुनाव करवाने चाहिए। ज्ञानेश कुमार, ट्रंप को उनकी मर्जी के मुताबिक चुनाव करवाकर दिखाएंगे और भारत की महान लोकशाही की तरह अमेरिका की लोकशाही का भी बंटाधार कर देंगे, इसमें हमें कोई शक नहीं है। संपादकीय में कहा गया कि ट्रंप ने भारत की चुनाव पद्धति की प्रशंसा की है। इसकी जोरदार चर्चा भारतीय जनता पार्टी के लोगों ने शुरू कर दी है। यह एक अपराधी द्वारा दूसरे अपराधी को चरित्र प्रमाणपत्र देने जैसा है। शिवसेना (यूबीटी) ने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र में मतदाता सूचियों की विशेष गहन जांच (एसआईआर) अभियान के जरिए 2 करोड़ 7 लाख मतदाताओं को अयोग्य ठहराने का बड़ा काम चुनाव आयोग अंतिम चरण में ले आया है।

यह लोकशाही के लिए खतरनाक है। मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया जटिल और भ्रम पैदा करने वाली है। पार्टी ने कहा कि जिस राज्य में स्कूलों के हेडमास्टर शराब पीकर गिर पड़ते हैं, बच्चों के स्कूल पहुंचने के लिए रास्ते नहीं हैं, आश्रमशाला की लड़कियां सांप के काटने से मर जाती हैं, गरीबों को अपना जरूरी काम करवाने के लिए कदम-कदम पर रिश्वत देनी पड़ती है, उस राज्य का पिछड़ा हुआ मतदाता मतदाता पुनरीक्षण की लड़ाई में कहां टिक पाएगा? पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के समय 80 लाख मतदाताओं को हटाया गया और उसी के बल पर भाजपा सत्ता में आई। बिहार में भी वही खेला गया। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनावों के दौरान अचानक 42 लाख मतदाता बढ़ाकर चमत्कार कर दिया गया। ये 42 लाख मतदाता कहां से आए? उनका आगे-पीछे का ब्योरा महाराष्ट्र का चुनाव आयोग नहीं दे सका। संपादकीय में आरोप लगाया गया कि महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने अपने विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची घोटाले का सच बताया है। मतदाताओं को संरक्षण देना और उनके नाम पर शाम को फर्जी मतदान करवाना, ऐसे उद्योग तब चुनाव के समय करवाए गए।

इसे कोई आदर्श चुनाव पद्धति नहीं माना जा सकता। अब फिर से राज्य के 2 करोड़ से ज्यादा मतदाताओं का अस्तित्व खतरे में आ गया है। इस पर आयोग का कहना है कि 75.52 लाख मतदाताओं ने सूची में नाम दर्ज कराने में उदासीनता दिखाई। 17 लाख मतदाताओं के नाम डुप्लिकेट होने के कारण हटा दिए गए। अब एक स्वच्छ, पवित्र मतदाता सूची प्रकाशित होगी। शिवसेना (यूबीटी) ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में लाखों डुप्लिकेट मतदाताओं ने अलग-अलग जगहों पर मतदान किया। इसके सबूत देने के बावजूद चुनाव आयोग या कोर्ट ने दखल नहीं लिया।

भारत का पासपोर्ट रखकर दुख हो रहा उद्यमी

छोटे से देश ने किया 'बेइज्जत' तो भड़के मनोज अहिरवार

दिली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के त्रिपुरा राज्य के बराबर आकार वाले दक्षिण पूर्व एशियाई देश तिमोर लेस्ते एक युवा भारतीय युवा उद्यमी के साथ कथित दुर्व्यवहार का मामला सामने आया है। भारतीय उद्यमी मनोज अहिरवार ने सोशल मीडिया पर दावा किया है कि उन्हें तिमोर लेस्ते में लैंड करने के बाद भारतीय पासपोर्ट धारक होने के नाते दूसरे देश के नागरिकों के मुकाबले ज्यादा पूछताछ की गई। मनोज ने अहिरवार ने कहा कि उनसे इमिग्रेशन अधिकारियों ने होटल, कैश और रिटर्न टिकट को लेकर काफी देर तक सवाल जवाब किए।

वह भी तब जब तिमोर लेस्ते में भारतीय पासपार्ट धारकों के लिए वीजा ऑन अराइवल की सुविधा है। उन्होंने कहा, 'विश्वगुरु भारत का पासपोर्ट रखकर दुख हो रहा है।'मनोज अहिरवार ने कहा कि इमिग्रेशन अधिकारी उन्हें अलग ले गए और सवाल पर सवाल करते रहे। अहिरवार सिंगापुर में स्थित यूनिकसाइड.आईओ के

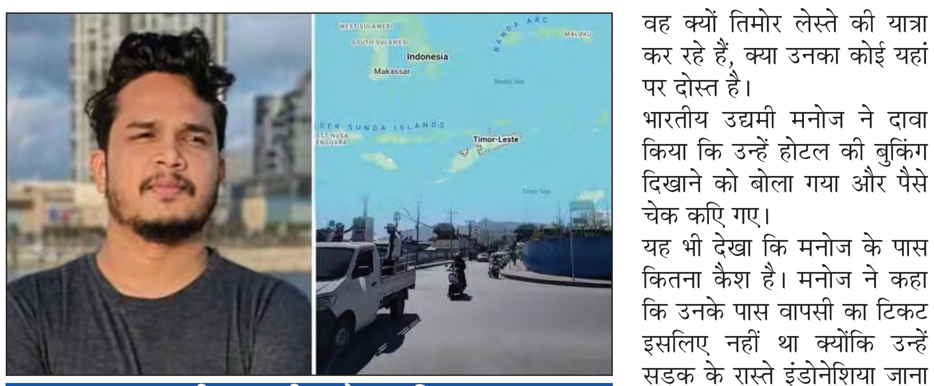

भारतीय उद्यमी मनोज अहिरवार

संस्थापक हैं। मनोज का कहना है कि वह अब तक 20 देशों की यात्रा कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि तिमोर लेस्ते उनके लिए 22वां देश था और जैसे ही वह दिली एयरपोर्ट पर उतरे उन्हें रोक दिया गया और अतिरिक्त पूछताछ की गई। मनोज ने आरोप लगाया कि भारतीय पासपोर्ट की वजह से उन्हें अतिरिक्त सुरक्षा जांच का सामना करना पड़ा।

मनोज ने बताया कि बाकी अन्य टूरिस्ट के पासपोर्ट पर बिना किसी विवाद के स्टांप लगाया जा रहा था। मनोज ने एक्स पर लिखा, 'तिमोर लेस्ते भारत समेत ज्यादातर देशों के नागरिकों को वीजा ऑन अराइवल की सुविधा देता है।

सभी को एयरपोर्ट पर वीजा ऑन अराइवल दे दिया गया। जब उन्होंने मेरा पासपोर्ट देखा तो वे मुझे दूसरी तरफ ले गए और अतिरिक्त पूछताछ की।' मनोज ने कहा कि उनसे यह पूछा गया कि क्या उनके पास आमंत्रण है और वह क्यों तिमोर लेस्ते की यात्रा कर रहे हैं, क्या उनका कोई यहां पर दोस्त है।

भारतीय उद्यमी मनोज ने दावा किया कि उन्हें होटल की बुकिंग दिखाने को बोला गया और पैसे चेक किए गए।

यह भी देखा कि मनोज के पास कितना कैश है। मनोज ने कहा कि उनके पास वापसी का टिकट इसलिए नहीं था क्योंकि उन्हें सड़क के रास्ते इंडोनेशिया जाना है। बस से इंडोनेशिया जाने के लिए स्टैंड पर जाने के बाद टिकट मिलेगा। इसके बाद तिमोर लेस्ते के अधिकारियों ने कहा कि उन्हें प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा सकती है।

इसके बाद मनोज से इंडोनेशिया का रिटर्न टिकट और ई वीजा मांगा गया। मनोज के पास संयोग से इंडोनेशिया का ई वीजा था। इसके बाद उन्हें तिमोर लेस्ते में प्रवेश करने दिया गया। मनोज को 30 दिन का तिमोर लेस्ते का वीजा दिया गया।

दो बाइक की टक्कर

एक युवक की मौत, सिर में लगी गंभीर चोट, दो लोग गंभीर रूप से घायल

जामताड़ा, 20 अगस्त (एजेंसियां)। जामताड़ा-मिहिजाम मुख्य मार्ग पर बेवा फाटक के पास गुरुवार को दो बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को जामताड़ा सदर अस्पताल पहुंचाया। मिहिजाम थाना क्षेत्र के गौराईनाला गांव निवासी उत्पल मंडल जामताड़ा से अपने घर लौट रहे थे। बेवा फाटक के पास उनकी बाइक की सामने से आ रही एक अन्य बाइक से जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में उत्पल के सिर और शरीर के अंदरूनी हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। सदर अस्पताल में डॉ. अताउल ने उनका उपचार शुरू किया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। दूसरी बाइक पर बिंदापाथर थाना क्षेत्र के भुगीकाटा निवासी सुधीर सिंह और करमाटांड़ थाना क्षेत्र के बनकटी निवासी कपिल राय सवार थे।

पाकिस्तान में चीन और तुर्की ने लगातार 60 घंटे तक उतारे हथियार?

ट्रांसपोर्ट प्लेन लगा रहे थे चक्कर, भारत अलर्ट

इस्लामाबाद, 20 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के अंदर चीन और तुर्की के विमानों ने लगातार 60 घंटों तक कोई ऑपरेशन चलाया है। दोनों देशों के विमान लगातार कुछ एयरलिफ्ट करते पाए गये हैं। हालांकि उनका क्या मकसद था, उन्होंने पाकिस्तान में क्या उतारा है इसके बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं मिल पाई है लेकिन भारत की एजेंसियां पूरी तरह से अलर्ट हैं। सूत्रों के हवाले से संभावना जताई है कि शायद दोनों देशों ने पाकिस्तान में सैन्य उपकरण उतारे हैं।

सुरक्षा सूत्रों का दावा है कि भारी मिलिट्री ट्रांसपोर्ट विमानों ने लगभग 60 घंटों के दौरान पाकिस्तानी एयरबेस के कई चक्कर लगाए हैं। एक सीनियर इंटेलिजेंस अधिकारी के हवाले से बताया है कि चीन के मिलिट्री विमानों को रावलपिंडी के पास पाकिस्तान के नूर खान एयरबेस और कराची के मसरूर एयरबेस पर उतरते देखा गया है। इस दौरान तुर्की के मिलिट्री

ट्रांसपोर्ट विमान भी शामिल थे।

रिपोर्ट में सुरक्षा सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि विमानों की आवाजाही का संबंध सैन्य उपकरणों जिनमें ड्रोन और रक्षा से जुड़ी अन्य सामग्री शामिल हैं उनके के ट्रांसपोर्टेशन से था। यह गतिविधि पाकिस्तान, चीन और तुर्की के बीच रक्षा के क्षेत्र में लगातार मजबूत होते रिश्तों के बीच हो रही है। इसका मतलब है कि तुर्की और चीन ने पाकिस्तान में भारी संख्या में हथियार भेजे हैं और भारत को लगातार अलर्ट रहने की जरूरत है।

पाकिस्तान लंबे समय से सैन्य साजो-सामान जैसे लड़ाकू विमान, एयर-डिफेंस सिस्टम और बिना पायलट वाले प्लेटफॉर्म के लिए चीन पर काफी हद तक निर्भर रहा है। पिछले साल भारत और पाकिस्तान के बीच हुई सैन्य झड़प के बाद से यह रिश्ता और भी गहरा हुआ है।

चीन ने माना है कि उस टकराव के दौरान उसके एविएशन इंडस्ट्री के कर्मचारियों ने पाकिस्तान को तकनीकी मदद दी थी।

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में मार गिराई थी फतह मिसाइल

अब इसके नेक्स्ट वैरिएंट का टेस्ट करेगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद, 20 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्या फतह-3 मिसाइल का परीक्षण करने जा रहा है? दरअसल पाकिस्तान ने 19-20 अगस्त के दौरान हवाई क्षेत्र के एक बड़े हिस्से पर रोक लगाते हुए 'नोटिस टू एयरमेन' यानि नोटम जारी किया है। इससे यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि देश अपनी 'फतह' सीरीज की मिसाइल प्रणालियों के परीक्षण की तैयारी कर रहा हो सकता है। पिछले साल पाकिस्तान ने फतह-2 मिसाइल भारत पर लॉन्च किया था जिसे सिरसा के ऊपर बराक एयर डिफेंस सिस्टम से इंटरसेप्ट किया गया था। यह नोटम लगभग 750 किलोमीटर के दायरे को कवर करता है। रक्षा विशेषज्ञों और इंटेलिजेंस इनपुट्स के मुताबिक इस लंबे एयरस्पेस ब्लॉक का सीधा संबंध पाकिस्तान की नई गाइडेड रॉकेट और सुपरसोनिक मिसाइल 'फतह-3' के संभावित सीक्रेट टेस्ट से जोड़ा जा रहा है।

'फतह' सीरीज की मिसाइलें पाकिस्तान की अपनी पारंपरिक सटीक-हमला क्षमता विकसित करने की कोशिशों का एक अहम हिस्सा बनकर उभरा है। ये सिस्टम पाकिस्तान आर्मी रॉकेट फोर्स कमांड (एआरएफसी) से जुड़े हैं जिसे सेना की लंबी दूरी तक पारंपरिक हमले करने की क्षमता को मजबूत करने के लिए बनाया गया है। पाकिस्तानी सेना अभी फतह-1 और फतह-2 सिस्टम का इस्तेमाल कर रही है जबकि देश की विकसित होती रॉकेट फोर्स में फतह-4 के शामिल होने की भी खबर है। फतह-3 और फतह-4- पाकिस्तान ने मई 2026 में फतह-3 सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का अनावरण किया था जिसे चीनी एचडी-1 मिसाइल पर आधारित बताया जा रहा है। वहीं कुछ खबरों में इसे फतह-4 क्रूज मिसाइल का टेस्ट भी कहा जा रहा है जिसकी मारक क्षमता ठीक 750 किलोमीटर बताई जाती है।

ब्रिटेन के राजा का खजाना ले जा रहे जहाज का 400 साल बाद चला पता

अंदर भरा था 5 टन सोना-चांदी

लंदन, 20 अगस्त (एजेंसियां)। ब्रिटिश खोजकर्ताओं ने दशकों की तलाश के बाद 400 साल पहले डूबे एक शाही जहाज का पता लगा लिया है। इसके अंदर करोड़ों की कीमत का खजाना होने का अनुमान है। एक रिपोर्ट के अनुसार, ब्लेसिंग ऑफ बर्नटआइलैंड नाम का यह जहाज जुलाई 1633 में चार्ल्स प्रथम के राज्याभिषेक के दौरे के दौरान स्कॉटलैंड के पास फर्थ ऑफ फोर्थ (उत्तरी सागर की खाड़ी) में डूब गया था। इस जहाज पर दर्जनों लोगों के साथ ही किंग चार्ल्स प्रथम की शाही संपत्ति से जुड़ा बड़ा खजाना मौजूद था।

माना जाता है कि जहाज के मलबे में 5 टन तक सोना और चांदी है। इसमें हेनरी अष्टम के लिए बनवाया गया डिनर सेट भी शामिल है। यह लकड़ी का जहाज बर्नटआइलैंड और लीथ के बीच यात्रा कर रहा था। हादसे में 33 यात्रियों और क्रू के सदस्यों की मौत

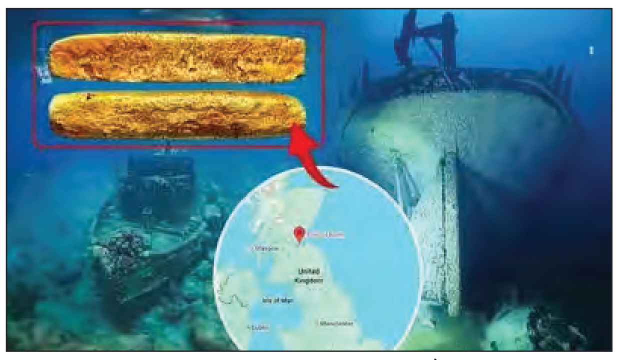

हो गई थी। सिर्फ दो सदस्य जिंदा बचे थे। पिछले 30 सालों से इस जहाज को खोजने के लिए वॉलंटियर्स की एक टीम काम कर रही थी, लेकिन मलबे की गहराई, फोर्थ नदी में लगातार बदलती गाद और साफ दिखाई न देने की वजह से इसे खोजना मुश्किल मुश्किल हो रहा था। अब बर्नटआइलैंड शहर से सिर्फ एक मील की दूरी पर शायद इसका मलबा मिल गया है। बर्नटआइलैंड ब्लेसिंग रिपोर्ट में बताया गया है कि जहाज के डूबने के समय शाही सामान की कीमत 100000 पाउंड थी, जो आज के हिसाब से कई सौ मिलियन पाउंड के बराबर है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 30 साल की खोज के बाद उस जहाज का मलबा मिल गया है। जल्द ही इस मलबे से चीजें निकालने का काम शुरू होने वाला है। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि जहाज का मलबा कैसे खोजा गया।

सीएमओ को नंगा करके मारने की धमकी

कांग्रेस नपा अध्यक्ष ने 20 मिनट में 55 बार गाली दी, मारने को डंडा मंगवाया, पेमेंट को लेकर विवाद

रायपुर, 20 अगस्त (एजेंसियां)। रायपुर जिले में अभनपुर नगर पालिका अध्यक्ष उत्रसेन गहिरवारे पर सीएमओ निलेश केरकेट्टा और सब इंजीनियर दुशांत चौहान से गाली-गलौज करने और मारपीट की धमकी देने का आरोप है। बताया जा रहा है कि बिना काम किए फंड से भुगतान कराने को लेकर अध्यक्ष और अधिकारियों के बीच विवाद हुआ था।

आरोप है कि भुगतान के लिए दबाव बनाने के बाद अध्यक्ष ने करीब 20 मिनट तक अधिकारियों से गाली-गलौज की। इस दौरान अध्यक्ष ने अधिकारियों को 55 बार गाली दी। उन्होंने अधिकारियों को धमकी देते हुए 'नंगा करके मारूंगा' कहा। इसके अलावा मारपीट करने के लिए डंडा मंगवाने का भी आरोप है।

इस मामले का पूरा वीडियो भी सामने आया है। अधिकारियों की शिकायत के बाद थाने में नगर पालिका अध्यक्ष के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। मामला अभनपुर थाना का है।

उत्रसेन गहिरवारे कांग्रेस पार्टी से हैं। इससे पहले रायपुर नगर निगम के वीर सावरकर नगर वार्ड से कांग्रेस पार्षद संदीप साहू पर भी महिला अफसर से गाली-गलौज करने और उन्हें जान से मारने की धमकी देने का आरोप है। इस मामले में संदीप साहू के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

अधिकारियों के मुताबिक, यह घटना 13 अगस्त की है। बिना काम किए फंड से भुगतान करने को लेकर नगर पालिका अध्यक्ष और अधिकारियों के बीच विवाद हुआ था। आरोप है कि भुगतान के लिए दबाव बनाने के बाद अध्यक्ष ने करीब 20 मिनट तक अधिकारियों के साथ गाली-गलौज की। शिकायत में कहा गया है कि अध्यक्ष ने अधिकारियों को धमकाते हुए 'नंगा करके मारूंगा' कहा।

ब्रिटेन के राजकुमार हैरी और मेगन बच्चों के साथ 6 साल बाद लौटेंगे ब्रिटेन

शाही परिवार में बढ़ेगा तनाव?

लंदन, 20 अगस्त (एजेंसियां)। ब्रिटेन के प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेगन ने अपने देश लौटने का फैसला किया है लेकिन वे शाही परिवार के कामकाजी सदस्यों के रूप में अपनी भूमिकाएं दोबारा नहीं संभालेंगे। ब्रिटेन की मीडिया ने बुधवार देर रात यह जानकारी दी है। समाचारपत्र 'डेली टेलीग्राफ' की खबर के अनुसार, दंपति के बच्चों प्रिंस आर्ची (सात) और प्रिंसेस लिलिबेट (पांच) का ब्रिटेन के विद्यालयों में दाखिला हो चुका है और वे सितंबर से अपनी पढ़ाई शुरू करेंगे। खबर के मुताबिक, यह परिवार लंदन के बाहर एक निजी आवास में रहेगा। हैरी और मेगन ने छह साल से अधिक समय पहले शाही जिम्मेदारियां छोड़ दी थीं और आर्थिक रूप से स्वतंत्र जीवन जीने के लिए कैलिफोर्निया चले गए थे।

प्रिंस हैरी ने वहां 'नेटफ्लिक्स'

और 'स्पॉटिफाई' जैसी कंपनियों के साथ आकर्षक करार किए थे। इसके बाद ब्रिटेन के शाही परिवार के अन्य सदस्यों के साथ उनके रिश्तों में तल्खी आई, लेकिन ऐसी खबरें सामने आईं कि हैरी ने सुलह की इच्छा जताई है ताकि वह अपने पिता महाराजा चार्ल्स तृतीय के साथ अधिक समय बिता सकें। महाराजा चार्ल्स तृतीय बीमार हैं और उनका कैंसर का इलाज चल रहा है। महाराजा चार्ल्स को रविवार को दंपति की ब्रिटेन लौटने की योजना की जानकारी दी गई। हालांकि, पिछले महीने हैरी और मेगन की ब्रिटेन यात्रा के दौरान उन्हें इस बारे में नहीं बताया गया था।

बकिंघम पैलेस की गैर-कामकाजी शाही सदस्यों से जुड़ी अटकलों पर टिप्पणी नहीं करने की नीति है। हैरी और मेगन के प्रतिनिधि ने भी इस मामले पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। हैरी और मेगन के ब्रिटेन छोड़कर अमेरिका जाने के बाद से ही शाही परिवार के साथ उनके संबंध उतार-चढ़ाव भरे रहे हैं। कैलिफोर्निया के मोंटेसिटो इलाके में रहने के बाद दोनों ने कई साक्षात्कारों और हैरी की संस्मरण पुस्तक 'स्पेयर' में शाही जीवन की पाबंदियों की आलोचना की थी।

दंपति ने आरोप लगाया था कि महल के अधिकारियों ने मेगन के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के प्रति संवेदनशीलता नहीं दिखाई।

उन्होंने यह भी दावा किया था कि मेगन जब गर्भवती थीं, उस दौरान शाही परिवार के एक सदस्य ने नस्लीय टिप्पणी की थी। मेगन खुद को मिश्रित नस्लीय पृष्ठभूमि का बताती हैं। इन तनावों के बीच हैरी का ब्रिटेन के अखबारों के खिलाफ कानूनी संघर्ष भी लंबे समय तक चला।

अमेरिका गल्फ देशों से सैनिकों को कम कर सकता है

ईरान जंग के चलते फैसला, यहां 20 सैन्य ठिकानों पर 40 हजार सैनिक तैनात

वॉशिंगटन, 20 अगस्त (एजेंसियां)। ईरान के साथ युद्ध के बाद अमेरिका फारस की खाड़ी (गल्फ) में अपनी सैन्य मौजूदगी कम करने पर विचार कर रहा है। वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, पेंटागन समीक्षा कर रहा है कि क्या अब गल्फ देशों में पहले जितने अमेरिकी सैनिक रखने की जरूरत है।

इसकी बड़ी वजह युद्ध में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को हुआ भारी नुकसान है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस दौरान 200 से ज्यादा अमेरिकी सैन्य सुविधाएं क्षतिग्रस्त या तबाह हुई हैं। फिलहाल अमेरिका जॉर्डन से लेकर ओमान तक फैले करीब 20 सैन्य ठिकानों पर लगभग 40 हजार सैनिक तैनात रखता है।

हालांकि, इस पर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। पेंटागन, ज्वाइंट स्टाफ और अमेरिकी सेंट्रल कमांड मिलकर यह आकलन कर रहे हैं कि युद्ध के बाद मध्य पूर्व में

अमेरिकी सैन्य तैनाती कैसी होनी चाहिए।

बहरीन में अमेरिकी नौसेना के फिफ्थ फ्लीट का मुख्यालय है। वहीं कुवैत, कतर, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और दूसरे गल्फ देशों में अमेरिका के बड़े सैन्य ठिकाने हैं।

अमेरिका कई दशकों से इन सैन्य ठिकानों के जरिए मिडिल ईस्ट में अपने सैन्य अभियान चलाता रहा है और क्षेत्र के सहयोगी देशों की सुरक्षा में मदद करता रहा है।

ईरान के साथ युद्ध के दौरान अमेरिका के कई सैन्य ठिकाने मिसाइल और ड्रोन हमलों की जद में आए। मार्च में कुवैत के एक सैन्य ठिकाने पर हुए हमले में 6 अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, युद्ध में 200 से ज्यादा अमेरिकी मिलिट्री फैसिलिटी को नुकसान पहुंचा। इस दौरान कुल 18 अमेरिकी सैनिकों की मौत हुई है। ईरान के हमलों से बचाव के लिए अमेरिकी सेना को 1000 से ज्यादा एयर डिफेंस इंटरसेप्टर मिसाइलें दागनी पड़ीं। इससे पैट्रियट और थाड जैसे एयर डिफेंस सिस्टम के मिसाइल भंडार पर दबाव बढ़ गया।

अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि भविष्य में ऐसे हमलों का खतरा कम करने के लिए सैनिकों और सैन्य उपकरणों की तैनाती पर दोबारा विचार करना जरूरी है। पेंटागन में इस समय कई प्रस्तावों पर चर्चा चल रही है। इनमें गल्फ देशों से कुछ सैनिकों और सैन्य उपकरणों को जॉर्डन, इजराइल या सऊदी अरब के रेड सी (लाल सागर) तट के करीब तैनात करने का सुझाव दिया गया है।

चीन बोला-जापान के पास 5500 परमाणु बम बनाने जितना प्लूटोनियम

चीनी राजदूत ने कहा- कभी भी परमाणु हथियार बना सकता है

बीजिंग, 20 अगस्त (एजेंसियां)। चीन ने जापान की परमाणु क्षमता को लेकर चिंता जताई है। रूस में चीन के राजदूत झांग हानहुई ने दावा किया कि जापान के पास करीब 44.4 टन अलग किया हुआ प्लूटोनियम है। उनके मुताबिक, इतनी मात्रा से सैद्धांतिक तौर पर करीब 5,500 परमाणु हथियार बनाए जा सकते हैं।

झांग ने रूसी सरकारी समाचार एजेंसी तास से बातचीत में कहा कि जापान के पास इस्तेमाल किए गए परमाणु ईंधन को दोबारा प्रोसेस करके उसमें से प्लूटोनियम निकालने की तकनीक भी है।

हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि जापान के पास 5,500 परमाणु हथियार हैं। यह चीन की ओर से प्लूटोनियम की मात्रा के आधार पर लगाया गया अनुमान है। जापान ने परमाणु हथियार रखने या बनाने की नीति नहीं अपनाई है।

प्लूटोनियम क्या होता है और जापान के पास इतना कैसे आया?

प्लूटोनियम एक रेडियोऐक्टिव तत्व है। यह परमाणु रिएक्टर में यूरेनियम के इस्तेमाल के दौरान बनता है।

इस्तेमाल किए गए परमाणु ईंधन को दोबारा प्रोसेस करके इसमें से प्लूटोनियम अलग किया जा सकता है।

जापान के पास इस्तेमाल किए गए परमाणु ईंधन को दोबारा प्रोसेस करने की तकनीक है। वह परमाणु ऊर्जा के लिए इस्तेमाल किए गए ईंधन को दोबारा संसाधित करके उसमें से प्लूटोनियम निकालता रहा है। इसी वजह से कई दशकों में जापान के पास प्लूटोनियम का बड़ा भंडार जमा हुआ है।

झांग हानहुई के मुताबिक, 2024 के अंत तक जापान के पास करीब 44.4 टन अलग किया हुआ प्लूटोनियम था।

इसके अलावा करीब 191 टन ऐसा प्लूटोनियम भी बताया गया है, जो अभी इस्तेमाल किए गए परमाणु ईंधन से अलग नहीं किया गया है।

दोनों आंकड़ों में अंतर समझना जरूरी है। 44.4 टन वह प्लूटोनियम है जिसे ईंधन से अलग किया जा चुका है, जबकि 191 टन अभी ईंधन में मौजूद बताया गया है।

होर्मुज में अमेरिका पर ईरान भारी पड़ रहा

ट्रम्प की धमकी के बावजूद जहाज ईरानी रूट से जा रहे, सिर्फ 3 ने ओमानी रास्ता चुना

वाशिंगटन, 20 अगस्त (एजेंसियां)। होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले ज्यादातर जहाज अपनी पहचान या रास्ता छिपा रहे हैं। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, 1 से 19 अगस्त के बीच 236 जहाज यहां से गुजरे, लेकिन 148 जहाजों की राह साफ तौर पर पता नहीं चल सकी।

इन आंकड़ों से संकेत मिलता है कि ट्रम्प की धमकियों के बावजूद कई जहाज ईरानी रास्ते का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे यह सवाल उठता है कि होर्मुज स्ट्रेट में इस समय अमेरिका का दबदबा ज्यादा है या ईरान का।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का दावा है कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले समुद्री यातायात पर अमेरिकी सेना का नियंत्रण है। उन्होंने यह भी संकेत दिया है कि अमेरिका इस इलाके की

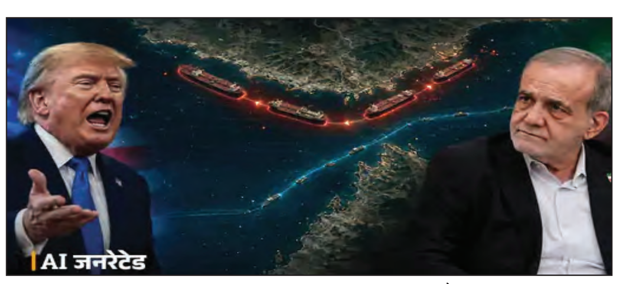

जिम्मेदारी अपने हाथ में लेने की कोशिश कर सकता है।

वहीं, ईरान का कहना है कि तेहरान की मंजूरी के बिना कोई जहाज होर्मुज स्ट्रेट से नहीं गुजर सकता। ऐसे में दोनों देशों के दावों के बीच सबसे बड़ा सवाल यही है कि वास्तव में इस रास्ते पर किसका कंट्रोल है।

ट्रम्प ने ओमान पर बमबारी की धमकी भी दी है। ओमान अमेरिका का सहयोगी है और होर्मुज स्ट्रेट के दूसरी तरफ ईरान के सामने स्थित है। स्ट्रेट का समुद्री इलाका ईरान और ओमान दोनों के अधिकार क्षेत्र में आता है।

ट्रम्प की धमकी का मकसद मस्कट को तेहरान के साथ होर्मुज स्ट्रेट का संयुक्त संचालन करने के समझौते से रोकना बताया गया है।

युद्ध शुरू होने से पहले होर्मुज को एक ही समुद्री रास्ता माना जाता था। जहाज तय रास्ते से गुजरते थे। उनका रास्ता बंदरगाह, जहाज के समझौते और सुरक्षा को देखकर तय होता था। लेकिन अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने के बाद यहां दो अलग रास्तों की बात होने लगी।

ईरानी रास्ता: यह होर्मुज के उत्तरी हिस्से में ईरान के तट के पास है। यह लारक और किश्म द्वीपों के करीब से गुजरता है और ईरान के बंदरगाहों और तेल टर्मिनलों तक जाता है।

ओमानी रास्ता: यह होर्मुज के दक्षिणी हिस्से में ओमान के करीब है और ईरान के तट से दूर है।

शॉर्ट सर्किट से दो घरों में लगी आग

चाईबासा, 20 अगस्त (एजेंसियां)। चाईबासा के गुवा थाना क्षेत्र के नानक नगर बाजार स्थित सेल आवासीय परिसर में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आने से दो श्रमिक दीपक लोहार और कालेश्वर हाजरा के घर पूरी तरह जलकर खाक हो गए। आग लगते ही दोनों घरों से धुआं और तेज लपटें उठने लगीं, जिसे देखकर आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे और अपने स्तर से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया।

ग्रामीणों ने पानी और उपलब्ध अन्य संसाधनों की मदद से आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि शुरुआती प्रयास सफल नहीं हो सके।

महाराष्ट्र के 5 सबसे पवित्र शिव मंदिरों के दर्शन करें, मिलेगा सावन में पुण्य

महाराष्ट्र के प्राचीन और अद्भुत शिवालयों व ज्योतिर्लिंगों के दर्शन की काफी महिमा है। वहीं सावन में विशेष तौर पर यहां दर्शन कर पुण्य प्राप्त किया जा सकता है। इस लेख में महाराष्ट्र के कुछ प्रमुख शिव मंदिरों के बारे में बता रहे हैं जहां सावन के सोमवार को दर्शन करना न केवल पुण्यदायी है, बल्कि आध्यात्मिक अनुभव से भरपूर भी होता है।

सावन का महीना भगवान शिव की आराधना के लिए सबसे पवित्र समय माना जाता है। इस दौरान भक्त विशेष रूप से सोमवार को व्रत रखते हैं और शिव मंदिरों में दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

महाराष्ट्र में कई प्रसिद्ध शिव मंदिर हैं जो अपनी धार्मिक महत्ता और वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध हैं। यहां 12 ज्योतिर्लिंगों में से सबसे अधिक ज्योतिर्लिंग भी स्थापित हैं, जिसमें त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग से भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग का नाम शामिल है। महाराष्ट्र के प्राचीन और अद्भुत शिवालयों व ज्योतिर्लिंगों के दर्शन की काफी महिमा है। वहीं सावन में विशेष तौर पर यहां दर्शन कर पुण्य प्राप्त किया जा सकता है। इस लेख में महाराष्ट्र के कुछ प्रमुख शिव मंदिरों के बारे में बता रहे हैं जहां सावन के सोमवार को दर्शन करना न केवल पुण्यदायी है, बल्कि आध्यात्मिक अनुभव से भरपूर भी होता है।

महाराष्ट्र के प्रमुख शिव मंदिर
त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग, नासिक

महाराष्ट्र के नासिक जिले में त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग स्थित है। यह मंदिर भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। गोदावरी नदी के किनारे स्थित यह मंदिर भगवान शिव के त्र्यम्बक रूप को समर्पित है। यहां सावन में भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं।

भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग, पुणे

त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग से लगभग 225 किमी दूर भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग स्थित है जो कि महाराष्ट्र के पुणे जिले के पास है। यह ज्योतिर्लिंग सह्याद्रि पर्वत श्रृंखला में स्थित है। घने जंगलों और हरियाली से घिरा यह मंदिर सावन में विशेष पूजा-अर्चना के लिए प्रसिद्ध है।

घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग, औरंगाबाद

महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग है जो कि 12वें ज्योतिर्लिंग के रूप में जाना जाता है और एलोरा की गुफाओं के पास स्थित है। यह मंदिर सावन में विशेष शिवभक्तों की भीड़ से भर जाता है।

औंढा नागनाथ ज्योतिर्लिंग

सतयुग से जुड़े औंढा नागनाथ ज्योतिर्लिंग का उल्लेख रामायण और महाभारत में भी मिलता है। मंदिर की वास्तुकला बेहद प्राचीन और अद्भुत है। मान्यता है कि यहीं पर पांडवों ने शिवजी की आराधना की थी। यह ज्योतिर्लिंग हिंगोली जिले में स्थित है और नांदेड़ से लगभग 50 किमी दूर है।

परली वैजनाथ ज्योतिर्लिंग

परली वैजनाथ ज्योतिर्लिंग बीड जिले में स्थित है और नजदीकी रेलवे स्टेशन परली वैजनाथ है। मान्यता है कि यहां भगवान शिव ने अमृत कलश स्थापित किया था, जिससे यह स्थल अमरत्व का प्रतीक बन गया। इस मंदिर में शिवलिंग पर जल चढ़ाने की अनुमति नहीं है, लेकिन भक्त बाहर से जल अर्पित कर सकते हैं।

धन-समृद्धि और अखंड सौभाग्य के लिए आज रखें वर लक्ष्मी व्रत?

यह व्रत मां लक्ष्मी के वरलक्ष्मी स्वरूप को समर्पित है। इस दिन धनप्राप्ति के लिए कुछ विशेष उपाय किए जाते हैं। इस व्रत का पालन करने से सुख समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

हिंदू धर्म में मां लक्ष्मी को धन, वैभव और समृद्धि की देवी माना जाता है। मां लक्ष्मी के विभिन्न स्वरूपों की पूजा का विशेष महत्व है। वरलक्ष्मी व्रत मां लक्ष्मी के वरलक्ष्मी स्वरूप को समर्पित है। देवी के इस स्वरूप की उपासना करने से सुख, समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

श्रावण महीने के आखिरी शुक्रवार को वरलक्ष्मी व्रत रखा जाता है। इस दिन मां लक्ष्मी के वरलक्ष्मी स्वरूप की पूजा की जाती है। मान्यता है कि मां वरलक्ष्मी अपने भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करती हैं और उन्हें सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देती हैं। इसी वजह से इस स्वरूप को 'वर + लक्ष्मी', यानी वरदान देने वाली मां लक्ष्मी कहा जाता है।

खासतौर पर विवाहित महिलाएं परिवार और पति की सुख-समृद्धि एवं

मंगलकामना के लिए यह व्रत रखती हैं। कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु और महाराष्ट्र में वरलक्ष्मी व्रत विशेष उत्साह के साथ मनाया जाता है। इन राज्यों में मुख्य रूप से विवाहित महिलाएं पति और परिवार के अन्य सदस्यों की खुशहाली के लिए मां वरलक्ष्मी की पूजा करती हैं।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, वरलक्ष्मी की पूजा करना अष्टलक्ष्मी की पूजा के समान माना जाता है। अष्टलक्ष्मी में धन (श्री), पृथ्वी (भू), विद्या (सरस्वती), प्रेम (प्रीति), यश (कीर्ति), शांति, संतोष (तुष्टि) और शक्ति (पुष्टि) का प्रतिनिधित्व करने वाले देवी स्वरूप शामिल होती हैं।

वरलक्ष्मी व्रत कथा
कुंडिनपुर की चारुमती की कथा

वरलक्ष्मी व्रत कथा कुंडिनपुर की एक भक्त और सुशील स्त्री चारुमती की है, जिसे देवी लक्ष्मी ने स्वप्न में दर्शन देकर यह व्रत रखने को कहा। चारुमती ने अपने नगर की स्त्रियों को एकत्र कर श्रद्धापूर्वक कलश की पूजा की। पूजा पूर्ण होते ही उन्हें स्वर्ण आभूषण, धन और हर सुख की प्राप्ति हुई — यह देवी का वचन है कि वरलक्ष्मी की सच्ची पूजा का प्रतिफल भरपूर मिलता है। व्रत के अंग के रूप में यह कथा पढ़ी जाती है।

महत्व — महालक्ष्मी की कृपा
यह व्रत क्यों रखा जाता है

वरलक्ष्मी की पूजा को अष्टलक्ष्मी — लक्ष्मी के आठ रूपों — की पूजा के समान माना जाता है, जो धन, साहस, संतान, अन्न, विद्या, विजय और समृद्धि की अधिष्ठात्री हैं। विवाहित महिलाएँ यह व्रत मुख्यतः अपने पति की दीर्घायु और कल्याण तथा गृहस्थी की सुख-शांति और समृद्धि के लिए रखती हैं। सबसे पवित्र मास श्रावण में पड़ने के कारण इस व्रत को भक्ति की ऋतु का अतिरिक्त पुण्य भी प्राप्त होता है।

केदारेश्वर मंदिर, पुणे

यह मंदिर महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में हरिश्चंद्रगढ़ किले में स्थित है और सावन के सोमवार को यहां लंबी कतारें देखने को मिलती हैं। यह एक रहस्यमय मंदिर है जो केवल एक स्तंभ पर टिका हुआ है। मंदिर चार युगों का प्रतिनिधित्व करने वाले चार स्तंभों में से एक पर खड़ा है और मान्यता है कि अगर यह आखिरी स्तंभ भी गिर गया तो कलयुग का अंत हो जाएगा।

कोविदार वृक्ष घर के इस दिशा में लगाएं

घर में कोविदार को लगाना बेहद शुभ माना जाता है। इसे सकारात्मकता, सुख-समृद्धि और सौभाग्य का प्रतीक माना गया है। ऐसे में कोविदार वृक्ष को घर की सही दिशा में लगाने से बेहद शुभ फल की प्राप्ति हो सकती है। शास्त्रों और वास्तु के अनुसार, इस पौधे को पूर्व दिशा में लगाना सबसे उत्तम माना गया है। यह दिशा सूर्यदेव की होती है। ऐसे में पूर्व दिशा में पौधा लगाने से जातक के घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। साथ ही, परिवार के सदस्यों की सेहत पर भी इसका अच्छा प्रभाव पड़ता है।

उत्तर दिशा में भी लगा सकते हैं कोविदार वृक्ष

अगर किसी कारण के चलते आप पूर्व दिशा में देव वृक्ष न लगा पाएं तो इसे घर की उत्तर दिशा में भी लगाया जा सकता है। इस दिशा का ज्योतिषशास्त्र और वास्तु में खास महत्व होता है, जिसे कुबेर देवता की दिशा भी कहा जाता है। साथ ही, इसी ओर से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है ऐसे में उत्तर दिशा में कोविदार का वृक्ष लगाने से जातक को आर्थिक समस्याओं से राहत मिल सकती है और धन-धान्य में वृद्धि होती है। इस शुभ और पवित्र पौधे को सही दिशा में लगाने से परिवार के सदस्यों पर भगवान की विशेष कृपा बनी रह सकती है।

कोविदार वृक्ष से जुड़े इन नियमों का रखें ख्याल

इस वृक्ष को घर की दीवारों से थोड़ी दूरी पर लगाना चाहिए क्योंकि, यह धीरे-धीरे काफी बड़ा हो जाता है। ऐसे में इसे थोड़ी दूरी पर लगाने से बाहर से आने वाली रोशनी सीधा घर में आएगी।

कोविदार वृक्ष को साफ स्थान पर लगाना चाहिए। साथ ही, इसके पास साफ-सफाई रखना जरूरी माना जाता है। हरा-भरा पेड़ घर में सौभाग्य लेकर आता है। ऐसे में इसमें समय-समय पर जल जरूर डालना चाहिए।

अगर कोविदार का पौधा पूरी तरह सूख जाए या इसके पत्ते खराब हो जाएं तो तुरंत वृक्ष को घर से हटा देना चाहिए। वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में सूखे हुए पौधे होने से इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

कोविदार वृक्ष को अपने मुख्य द्वार के ठीक सामने लगाने से बचना चाहिए क्योंकि, वास्तुशास्त्र में मेन गेट के सामने खंभा या पेड़ जैसा अवरोध होना शुभ नहीं माना जाता है। इससे घर में वास्तुदोष लग सकता है।

सावन में पारद शिवलिंग घर लाने की बना रहे हैं योजना?

वास्तु और ज्योतिषशास्त्र में पारद शिवलिंग को अत्यंत पवित्र और शुभ माना जाता है। अगर आप इस सावन पारद शिवलिंग की स्थापना करने का विचार बना रहे हैं तो इससे पहले कुछ आवश्यक नियम जरूर जान लें। पारद शिवलिंग की स्थापना और पूजा से जुड़ी बातों का ख्याल रखने से बेहद शुभ फल प्राप्त होता है और परिवार के सदस्यों पर शिवजी की कृपा बनी रहती है।

पारद शिवलिंग को ज्योतिष और वास्तुशास्त्र में बहुत ही पवित्र और शुभ माना जाता है। ऐसे में अगर आप इस सावन अपने घर में पारद शिवलिंग की स्थापना करने वाले हैं तो इससे पहले कुछ जरूरी नियमों को जरूर जान लेना चाहिए। यह शिवलिंग चांदी और पारे के मिश्रण से बना होता है। ऐसे में इसे घर में रखने से अत्यंत शुभ फल प्राप्त होता है और इसे बहुत शक्तिशाली माना जाता है। यही कारण है की पारद शिवलिंग की पूजा में कुछ गलतियां भूलकर भी नहीं करनी चाहिए। पवित्रता और शुद्धता के लिए इसमें शोधन, मर्दन, बंधन, मूर्छन और मारण, इन 5 प्रक्रियाओं को शामिल किया जाता है। ऐसे में वास्तु गुरु मान्या कहती हैं कि सावन में पारद शिवलिंग लाने से पहले इसे स्थापित करने और पूजा के नियमों को जरूर जान लेना चाहिए।

पारद शिवलिंग घर में रखने के नियम

माना जाता है की पारद शिवलिंग को रखने के लिए हमेशा मिट्टी के छोटे बर्तन या साफ थाली का प्रयोग करना चाहिए। इसे आप स्टील, तांबे या चांदी की थाली में भी स्थापित कर सकते हैं। साथ ही, इसके नीचे एक साफ वस्त्र या केले का पत्ता अवश्य रखें।

वास्तु गुरु मान्या बताती हैं कि पारद शिवलिंग को सही दिशा में रखना अत्यंत आवश्यक होता है।

वास्तुशास्त्र के अनुसार, पारद शिवलिंग को हमेशा पूर्व या उत्तर दिशा में रखना चाहिए। इन दिशाओं को बेहद शुभ और पवित्र माना जाता है।

घर में पूजा के समय शिवलिंग के ठीक सामने बैठकर पूजा करनी चाहिए। ऐसा करने से शुभ फल की प्राप्ति होती है। हालांकि, इस बात का ख्याल रखें की कभी भी शिवलिंग को सीधा फर्श पर नहीं रखना चाहिए।

पारद शिवलिंग पर क्या चढ़ाएं, क्या नहीं?

आटा चढ़ाएं : पारद शिवलिंग को आटा अर्पित किया जा सकता है। वास्तु गुरु मान्या के अनुसार, यह धरती से संबंधित होता है जिसके चलते इसे शिवजी पर अर्पित किया जा सकता है।

न चढ़ाएं दही और चीनी : माना जाता है कि ये दोनों चीजें धरती से जुड़ी से नहीं होती हैं और इन्हें एक प्रोसेस द्वारा बनाया जाता है। ऐसे में पारद शिवलिंग पर दही और चीनी नहीं अर्पित करना चाहिए।

पारद शिवलिंग सरल पूजा विधि

मान्यता है की घर में पारद शिवलिंग की पूजा के समय उन्हें जल, दूध और गंगाजल अर्पित करना चाहिए। संभव हो तो बेलपत्र और सफेद रंग के ताजे पुष्प शिवलिंग पर जरूर अर्पित करें क्योंकि, बेलपत्र शिवजी को अत्यंत प्रिय है।

पूजा के दौरान शिवलिंग पर चंदन अर्पित करना भी शुभ फलदायी माना जाता है।

जल, पुष्प आदि अर्पित करने के बाद शिवलिंग के सामने एक दीपक अवश्य जलाएं।

भगवान शिव के मंत्र 'ओम नमः शिवाय' का जप करें। ऐसा करने से शिवजी की कृपा प्राप्त हो सकती है।

पूजा के बाद इन बातों का रखें ध्यान

शिवजी की विधिपूर्वक पूजा करने के बाद कुछ बातों का ध्यान जरूर रखना चाहिए। शिवलिंग पर जल हमेशा धीरे और श्रद्धापूर्वक चढ़ाना चाहिए। बाद में इस जल को किसी पौधे की मिट्टी में डाल देना चाहिए। कभी भी किसी दूषित जगह पर जल न डालें। अगर आप पारद शिवलिंग इस सावन घर ला रहे हैं, तो इन नियमों का ध्यान जरूर रखें और साथ ही, नियमित शिवलिंग की विधि पूर्वक पूजा करें। माना जाता है कि ऐसा करने से शिवजी की कृपा परिवार के सदस्यों पर बनी रहती है।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 21 अगस्त - 2026

एनटीए सबक क्यों नहीं लेता?

परीक्षा केवल प्रश्नपत्र, परीक्षा केंद्र और परिणाम का नाम नहीं है। यह लाखों युवाओं की मेहनत, उम्मीद और भविष्य से जुड़ी व्यवस्था है। इसलिए जिस संस्था पर देश की बड़ी परीक्षाओं का दायित्व हो, उससे केवल परीक्षा कराने की अपेक्षा नहीं की जा सकती, बल्कि उससे विश्वसनीय, सुरक्षित और जवाबदेह व्यवस्था की उम्मीद भी स्वाभाविक है। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के मामले में आज यही सबसे बड़ा सवाल है। आठ वर्षों में एनटीए के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर की 270 से अधिक परीक्षाएं कराई गईं और इनमें 6.6 करोड़ से ज्यादा विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया। जाहिर है इतने बड़े पैमाने पर काम करने वाली संस्था के सामने चुनौतियां भी बड़ी होंगी। कोई भी व्यवस्था पूरी तरह त्रुटिहीन होने का दावा नहीं कर सकती, लेकिन उसकी असली परीक्षा इस बात से होती है कि गलती सामने आने के बाद वह उससे क्या सीखती है और उसे दोबारा रोकने के लिए क्या बदलती है। सुप्रीम कोर्ट में हालिया सुनवाई के दौरान यही चिंता प्रमुखता से सामने आई है। अदालत ने यह संकेत दिया है कि सुधारों को केवल तत्काल संकट से निपटने का जरिया नहीं बनाया जा सकता। उन्हें व्यवस्था का स्थायी हिस्सा बनाना होगा। सरकार से एनटीए में किए गए सुधारों का ठोस रोडमैप मांगना इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। जरूरत ऐसी व्यवस्था की है जो किसी विवाद के बाद ही सक्रिय न हो, बल्कि पहले से संभावित खामियों की पहचान कर उन्हें रोकने की क्षमता रखती हो। इस संदर्भ में संघ लोक सेवा आयोग यानी यूपीएससी से सीख ली जा सकती है। यूपीएससी इसलिए महत्वपूर्ण उदाहरण है कि उसने परीक्षा संचालन को केवल प्रश्नपत्र तैयार करने और परीक्षा कराने तक सीमित नहीं रखा। समय के साथ तकनीक, सुरक्षा और विशेषज्ञता में बदलावों को अपनी कार्यप्रणाली में शामिल किया। संस्थागत अनुभव का यही संचय किसी संस्था को मजबूत बनाता है। एनटीए को भी हर परीक्षा के अनुभव को अगली परीक्षा की तैयारी में बदलना होगा। तकनीक इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसी वर्ष यूपीएससी ने सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा में पहली बार परीक्षा केंद्रों पर उम्मीदवारों के रियल-टाइम फेस ऑथेंटिकेशन की व्यवस्था शुरू की। नेशनल ई-गवर्नेंस डिविजन के माध्यम से विकसित स्वदेशी प्रणाली का इस्तेमाल सभी 2,072 केंद्रों पर किया गया। इसका उद्देश्य फर्जी उम्मीदवारों और दूसरे तरह के फर्जीवाड़े पर रोक लगाना था। एनटीए के लिए भी तकनीक का अर्थ केवल ऑनलाइन प्रक्रिया नहीं, बल्कि पहचान की सुरक्षा, डेटा की गोपनीयता, प्रश्नपत्र की सुरक्षा और परीक्षा संचालन की निगरानी तक होना चाहिए। हालिया विवादों के बाद एनटीए में बदलाव की शुरुआत हुई है। करीब 600 सब्जेक्ट एक्सपर्ट हटाए गए हैं और नई नियुक्तियां की जा रही हैं। लेकिन एजेंसी की मानव संसाधन व्यवस्था पर अब भी बड़ा प्रश्न है। एनटीए में केवल 39 स्थायी पद होने और डेप्युटेशन तथा कॉन्ट्रैक्चुअल कर्मचारियों पर अधिक निर्भरता से संस्थागत निरंतरता प्रभावित हो सकती है। इसलिए सुधार का मतलब केवल कर्मचारियों को बदलना नहीं होना चाहिए। परीक्षा संस्था की मजबूती तभी मानी जाएगी जब हर विवाद के बाद सफाई देने के बजाय व्यवस्था पहले ही इतनी सक्षम हो कि विवाद की गुंजाइश नहीं न रहे। एनटीए को ऐसी संस्थागत व्यवस्था बनानी होगी जो वर्षों तक टिके। आखिर परीक्षा में बैठने वाला विद्यार्थी केवल प्रश्नों के उत्तर नहीं देता, वह व्यवस्था पर अपना भरोसा भी रखता है। उस भरोसे की रक्षा करना ही एनटीए की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

पीडीए के चक्रव्यूह में भाजपा का 'तावड़े दांव'

सुरेश गांधी

2019 में महाराष्ट्र की सियासत ने जिस विनोद तावड़े को चुनावी हाशिये पर धकेल दिया था, वही तावड़े अब भाजपा के सबसे बड़े चुनावी रण के सेनापति बनकर लौटे हैं। पांच साल पहले जिस राजनीतिक सफर पर विराम की आहट सुनाई दे रही थी, वह अब उत्तर प्रदेश की 403 सीटों की चुनावी कमान तक पहुंच चुका है। बिहार में संगठन, गठबंधन और बूथ मैनेजमेंट की परीक्षा में खरे उतरने के बाद भाजपा ने तावड़े के हाथों में यूपी की पतवार देकर साफ संकेत दिया है कि 2027 का मुकाबला नारों से ज्यादा सामाजिक गणित और संगठन की ताकत पर लड़ा जाएगा। यह नियुक्ति इसलिए भी अहम है क्योंकि यूपी में भाजपा के उस राजनीतिक मॉडल में दरार दिखाई दी है, जिसे 2014 में अमित शाह ने सामाजिक समीकरण और बूथ नेटवर्क के सहारे गढ़ा था। 2024 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के पीडीए —पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक—समीकरण ने भाजपा के मजबूत माने जाने वाले जनाधार को चुनौती दी। अब तावड़े के सामने केवल खिसके वोट बैंक को वापस लाने का सवाल नहीं, बल्कि बदल चुके सामाजिक समीकरणों के बीच भाजपा के लिए नया चुनावी गठजोड़ गढ़ने की चुनौती है। शांत स्वभाव, संगठन पर पकड़ और चुनावी माइक्रो-मैनेजमेंट के लिए पहचाने जाने वाले तावड़े को सरकार-संगठन के बीच तालमेल से लेकर सहयोगी दलों की गांठें खोलने, स्थानीय असंतोष साधने और बूथ तक कैडर में नई जान फूंकने तक कई मोर्चे संभालने होंगे। बिहार ने तावड़े को रणनीतिकार बनाया, अब यूपी तय करेगा कि वह भाजपा के कितने बड़े 'गेम चेंजर' हैं उत्तर प्रदेश की सियासत में चुनावी बिसात अभी पूरी तरह बिछी भी नहीं है, लेकिन भाजपा ने 2027 के रण का अपना सबसे महत्वपूर्ण मोहरा मैदान में उतार दिया है। बिहार में संगठन और चुनावी प्रबंधन की परीक्षा में खरे उतरे भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े को उत्तर प्रदेश का चुनाव प्रभारी बनाया जाना महज संगठनात्मक फेरबदल नहीं, बल्कि मिशन-2027 की रणनीति का स्पष्ट संकेत है। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की नई टीम के गठन के अगले ही दिन तावड़े को यूपी की कमान सौंपकर भाजपा ने बता दिया है कि इस बार लड़ाई केवल नारों और रैलियों की नहीं, बल्कि बूथ, सामाजिक समीकरण और चुनावी माइक्रो-मैनेजमेंट की होगी। तावड़े के साथ राष्ट्रीय मंत्री जगदीश ईश्वरभाई पटेल को सह-प्रभारी बनाया गया है। विजयंत पांडा के बाद करीब ढाई वर्ष से प्रदेश में स्थायी प्रभारी का पद खाली था। ऐसे में तावड़े की नियुक्ति इसलिए भी अहम है कि वह यूपी के लिए बिल्कुल नया चेहरा नहीं हैं। पिछले कुछ वर्षों से राष्ट्रीय संगठन की जिम्मेदारियों के साथ वह प्रदेश की चुनावी गतिविधियों से जुड़े रहे हैं। अब उसी अनुभव को औपचारिक जिम्मेदारी में बदल दिया गया है। भाजपा के लिए उत्तर प्रदेश की चुनावी कहानी में अमित शाह का नाम किसी राजनीतिक अध्याय की तरह दर्ज है। 2014 के लोकसभा चुनाव से पहले उन्हें यूपी का प्रभारी बनाया गया था। तब पार्टी लंबे राजनीतिक वनवास के बाद प्रदेश में वापसी की राह तलाश रही थी। शाह ने जातीय समीकरणों, बूथ प्रबंधन और संगठन विस्तार को एक साथ साधते हुए भाजपा की जमीन ऐसी तैयार की कि 2014 में भाजपा गठबंधन ने 80 में से 73 सीटें जीत लीं। इसके बाद 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 312 सीटों पर विजय हासिल कर सत्ता में वापसी की। लेकिन एक दशक बाद राजनीतिक जमीन बदल चुकी है। 2022 में भाजपा की सीटें घटकर 255 रह गईं और 2024 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी 37 सीटों के साथ प्रदेश की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, जबकि भाजपा 33 सीटों पर सिमट गई। यानी जिस सामाजिक गठजोड़ और संगठनात्मक ढांचे के सहारे भाजपा ने उत्तर प्रदेश में अपना दुर्ग बनाया था, उसमें विपक्ष ने सेंध लगाने की क्षमता दिखाई है। यही वह पृष्ठभूमि है जिसमें तावड़े की नियुक्ति को देखा जा रहा है। सवाल केवल यह नहीं कि वह भाजपा को चुनाव जिताएंगे या नहीं; बड़ा सवाल यह है कि क्या बिहार के रणनीतिकार तावड़े, उत्तर प्रदेश में अमित शाह की तरह कोई नया चुनावी मॉडल गढ़ पाएंगे? अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली समाजवादी पार्टी ने 2024 में पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक यानी पीडीए के राजनीतिक सूत्र को प्रभावी ढंग से चुनावी विमर्श में उतारा। इसका असर भाजपा के उस सामाजिक आधार पर भी पड़ा, जिसे वह लंबे समय से अपनी सबसे मजबूत पूंजी मानती रही है। खासकर गैर-यादव पिछड़ा वर्ग और गैर-जाटव दलित मतदाताओं के बीच विपक्ष की बढ़ी पहुंच भाजपा के लिए चुनौती बनी। ऐसे में तावड़े के सामने केवल पुराना वोट बैंक वापस लाने की चुनौती नहीं है, बल्कि सामाजिक समीकरण की नई भाषा गढ़ने का भी सवाल है। यही कारण है कि तावड़े की नियुक्ति को भाजपा की 'पीडीए की काट' तलाशने की कवायद से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि इसका जवाब किसी एक जाति या समुदाय के समीकरण में नहीं, बल्कि व्यापक सामाजिक प्रतिनिधित्व और संगठनात्मक पहुंच में तलाशना होगा। विनोद तावड़े की पहचान आक्रामक भाषण देने वाले नेता से अधिक एक शांत, धैर्यवान और संगठन-केंद्रित रणनीतिकार की रही है। एबीवीपी से राजनीतिक जीवन शुरू करने वाले तावड़े ने संगठन के छोटे से छोटे स्तर पर काम किया है। महाराष्ट्र भाजपा के महासचिव से मुंबई भाजपा अध्यक्ष, विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष, मंत्री और फिर राष्ट्रीय महामंत्री तक का सफर उनके संगठनात्मक अनुभव की लंबी पृष्ठभूमि बताता है। 2019 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का टिकट कटने के बाद उनका राजनीतिक भविष्य भले धुंधला दिखाई दिया हो, लेकिन उन्होंने सार्वजनिक असंतोष का रास्ता नहीं चुना। 2020 में राष्ट्रीय सचिव और 2021 में राष्ट्रीय महामंत्री बनने के बाद उनकी राष्ट्रीय भूमिका लगातार बढ़ती गई। हरियाणा से लेकर बिहार तक संगठनात्मक जिम्मेदारियों ने उन्हें राज्यों के अलग-अलग राजनीतिक चरित्र को समझने का अवसर दिया। बिहार में उनकी सबसे बड़ी परीक्षा गठबंधन और सामाजिक समीकरणों के बीच संतुलन साधने की थी। अब वही अनुभव उत्तर प्रदेश के कहीं अधिक बड़े राजनीतिक कैनवास पर आजमाया जाएगा। उत्तर प्रदेश का चुनाव केवल 403 विधानसभा सीटों का गणित नहीं है। यह क्षेत्र, जाति, स्थानीय नेतृत्व, धार्मिक-सामाजिक समीकरण, किसान, युवा, महिला, रोजगार, कानून-व्यवस्था और सरकार के प्रति स्थानीय धारणा जैसे असंख्य मुद्दों का जोड़ है। तावड़े को सबसे पहले भाजपा के बूथ नेटवर्क को चुनावी ऊर्जा में बदलना होगा। पन्ना प्रमुख से लेकर मंडल और जिला संगठन तक कार्यकर्ताओं की सक्रियता सुनिश्चित करनी होगी। सत्ता में लंबे समय तक रहने के बाद स्थानीय विधायकों के प्रति पैदा हुई नाराजगी को समझना होगा और टिकट वितरण में जीत की संभावना तथा संगठन की अपेक्षाओं के बीच संतुलन बैठाना होगा। यही नहीं, भाजपा के सहयोगी दलों—निषाद पार्टी, अपना दल (एस), सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी और राष्ट्रीय लोकदल—के साथ सीटों तथा सामाजिक प्रतिनिधित्व का संतुलन भी साधना होगा। बिहार में गठबंधन प्रबंधन का अनुभव यहां उनके लिए उपयोगी हो सकता है, लेकिन यूपी के सहयोगी समीकरण कहीं अधिक बहुस्तरीय हैं।

जिन्होंने हमें संभाला, अब उन्हें संभालने की हमारी बारी

योगेश कुमार गोयल

किसी भी परिवार की वास्तविक समृद्धि केवल उसकी आर्थिक संपन्नता से नहीं बल्कि उसके बुजुर्गों की मौजूदगी, अनुभव और आशीर्वाद से मापी जाती है। उम्र के साथ शरीर भले ही कमजोर हो जाए लेकिन जीवन के दशकों से अर्जित अनुभव, धैर्य, दूरदृष्टि और रिश्तों को संभालने की क्षमता किसी अमूल्य धरोहर से कम नहीं होती। वरिष्ठ नागरिक केवल परिवार के अतीत के साक्षी नहीं बल्कि वर्तमान के मार्गदर्शक और भविष्य के लिए अनुभव की जीवंत पाठशाला होते हैं। इसी भाव को केंद्र में रखकर 21 अगस्त को विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस के रूप में बुजुर्गों के सम्मान, उनकी समस्याओं और उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता का अवसर माना जाता है। अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने 19 अगस्त 1988 को एक घोषणा पर हस्ताक्षर कर 21 अगस्त को वरिष्ठ नागरिक दिवस के रूप में मान्यता दी थी।

वृद्धावस्था जीवन का वह पड़ाव है, जिसमें व्यक्ति को सबसे अधिक जरूरत होती है सम्मान की, अपनत्व की, सुरक्षा की और यह महसूस करने की कि समाज में उसकी उपयोगिता अभी समाप्त नहीं हुई है। आधुनिक जीवनशैली, तेजी से बढ़ता शहरीकरण, रोजगार के लिए पलायन और संयुक्त परिवारों के कमजोर पड़ते ढांचे ने बुजुर्गों के सामने नई चुनौतियां खड़ी की हैं। कई वरिष्ठ नागरिकों को शारीरिक बीमारियों के साथ अकेलेपन, आर्थिक असुरक्षा, डिजिटल दुनिया से दूरी, सामाजिक अलगाव और भावनात्मक उपेक्षा का सामना करना पड़ता है। संयुक्त राष्ट्र भी बढ़ती उम्र के साथ स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, आवास, परिवहन, परिवार और सामाजिक संबंधों पर पड़ने वाले प्रभावों को महत्वपूर्ण वैश्विक चुनौती मानता है। दुनिया में 65 वर्ष या उससे अधिक आयु के लोगों की संख्या 1980 के लगभग 26 करोड़ से बढ़कर 2021 में 76.1 करोड़ हो गई थी और 2050 तक वैश्विक आबादी में उनका हिस्सा लगभग 17 प्रतिशत पहुंचने का अनुमान है। भारत के संदर्भ में यह चुनौती और अधिक महत्वपूर्ण है। देश में जीवन प्रत्याशा बढ़ रही है और वरिष्ठ नागरिकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसे में वृद्धावस्था को बोझ की तरह देखने के बजाय इसे जीवन के सक्रिय, सम्मानजनक और उत्पादक चरण के रूप में स्वीकार करना होगा। केंद्र सरकार की अटल वयो अभ्युदय योजना का उद्देश्य भी वरिष्ठ नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है, जिसके अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों के लिए आवास एवं देखभाल सेवाएं, राज्य कार्ययोजनाएं, सहायक उपकरण तथा सक्रिय एवं स्वस्थ वृद्धावस्था से जुड़े विभिन्न घटक शामिल हैं। भारत में 2026 तक 60 वर्ष से अधिक आयु की आबादी लगभग 17.3 करोड़ पहुंचने का अनुमान लगाया है। वरिष्ठ नागरिकों की आर्थिक सुरक्षा भी अत्यंत महत्वपूर्ण प्रश्न है। वृद्धावस्था में नियमित आय का स्रोत समाप्त होने अथवा कम होने से जीवनयापन कठिन हो सकता है। विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर बुजुर्गों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाएं महत्वपूर्ण सहारा बनती हैं। राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम के अंतर्गत वृद्धावस्था पेंशन जैसी व्यवस्थाएं जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिकों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास करती हैं। इसके साथ ही बैंकिंग और पेंशन व्यवस्था तक आसान पहुंच, वित्तीय साक्षरता तथा डिजिटल लेन-देन में सुरक्षित प्रशिक्षण भी आज की आवश्यकता है क्योंकि साइबर धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों में वरिष्ठ नागरिक विशेष रूप से संवेदनशील हो सकते हैं।स्वास्थ्य वरिष्ठ नागरिकों की सबसे बड़ी जरूरतों में शामिल है। उम्र बढ़ने के साथ मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, गठिया, दृष्टि संबंधी समस्याएं, सुनने की क्षमता में कमी और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियों का जोखिम बढ़ सकता है। भारत सरकार का 'नेशनल प्रोग्राम फॉर हैल्थ केयर ऑफ द एल्डरली' वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुलभ, किफायती और समग्र स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। इसके अंतर्गत स्वास्थ्य संवर्धन, रोकथाम, रोगों का निदान एवं उपचार, पुनर्वास, डे-केयर तथा जरूरत के अनुसार घर पर देखभाल जैसी सेवाओं की परिकल्पना की गई है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए केवल चिकित्सा सुविधा पर्याप्त नहीं है, उन्हें सामाजिक और भावनात्मक सुरक्षा भी चाहिए। बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार, उपेक्षा, आर्थिक शोषण और अकेलापन ऐसी समस्याएं हैं, जिन पर परिवार और समाज दोनों को गंभीरता से विचार करना होगा। किसी बुजुर्ग की बात को इसलिए खारिज कर देना कि वे पुराने विचारों के हैं, उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाता है। नई पीढ़ी और वरिष्ठ पीढ़ी के बीच संवाद की कमी अनेक पारिवारिक तनावों को जन्म देती है। आवश्यकता इस बात की है कि घरों में बुजुर्गों को निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा बनाया जाए, उनकी राय सुनी जाए और उनके अनुभवों को सम्मान दिया जाए।

डिजिटल युग में वरिष्ठ नागरिकों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाना भी जरूरी है। मोबाइल बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन स्वास्थ्य सेवाएं, सरकारी पोर्टल और वीडियो कॉल जैसी सुविधाएं उनके जीवन को आसान बना सकती हैं लेकिन डिजिटल जानकारी के अभाव में वे ठगी का शिकार भी हो सकते हैं। इसलिए परिवार के युवा सदस्यों को चाहिए कि वे बुजुर्गों को तकनीक से दूर रखने के बजाय उन्हें सुरक्षित डिजिटल व्यवहार सिखाएं, जैसे ओटीपी साझा न करना, अनजान लिंक पर क्लिक न करना, बैंक संबंधी जानकारी किसी को न देना और संदिग्ध कॉल की सूचना तुरंत संबंधित संस्था को देना। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बुजुर्गों की देखभाल को केवल सरकारी योजनाओं का विषय नहीं बनाया जा सकता। सरकार सामाजिक सुरक्षा दे सकती है, स्वास्थ्य सुविधाएं विकसित कर सकती है और कानून बना सकती है लेकिन बुजुर्गों को वास्तविक अपनापन परिवार ही दे सकता है। दिन में कुछ मिनट उनके साथ बैठना, उनकी बातें सुनना, उनके साथ भोजन करना, उन्हें बाहर घुमाना, उनकी दवाओं और स्वास्थ्य जांच का ध्यान रखना तथा उनकी पसंद-नापसंद का सम्मान करना किसी महंगी सुविधा से अधिक मूल्यवान हो सकता है। आज जरूरत ऐसी सामाजिक व्यवस्था बनाने की है, जहां वृद्धावस्था को निर्भरता का पर्याय न माना जाए। जिन लोगों ने अपने जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष परिवार, समाज और राष्ट्र के निर्माण में लगाए हैं, उन्हें जीवन के अंतिम पड़ाव में सम्मान, सुरक्षा और सहभागिता मिलना उनका अधिकार है, उपकार नहीं। विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस का वास्तविक संदेश यही है कि बुजुर्गों को केवल एक दिन सम्मानित करने से हमारी जिम्मेदारी पूरी नहीं होती। उनके प्रति सम्मान हमारे व्यवहार, पारिवारिक संस्कार और सामाजिक नीतियों का स्थायी हिस्सा बनना चाहिए। जिस घर में बुजुर्ग मुस्कुराते हैं, वहां पीढ़ियों के बीच अनुभव और ऊर्जा का सुंदर संवाद बना रहता है।

बिगड़े बोल, गायब होते सवाल

कुमार कृष्णन

राजनीति में शब्दों की अपनी मर्यादा होती है। लोकतंत्र में असहमति जितनी जरूरी है, असहमति व्यक्त करने की भाषा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। सत्ता से सवाल पूछना, विरोधियों की नीतियों की आलोचना करना और जनप्रतिनिधियों के कामकाज पर तीखा हमला करना लोकतांत्रिक अधिकार है। मगर जब तर्क की जगह व्यक्तिगत कटाक्ष, चरित्र पर टिप्पणी और अपमानजनक उपमाएं लेने लगें, तो विवाद केवल दो व्यक्तियों के बीच नहीं रहता। वह सार्वजनिक जीवन की भाषा और लोकतांत्रिक संस्कृति का आईना बन जाता है।

बिहार के गोपालपुर विधानसभा क्षेत्र में सामने आया ताजा राजनीतिक विवाद इसी व्यापक संकट की ओर इशारा करता है। पूर्व जदयू विधायक गोपाल मंडल ने नागपंचमी और विषहरी पूजा के मौके पर गोपालपुर के वर्तमान जदयू विधायक और ऊर्जा मंत्री शैलेश कुमार उर्फ बूलो मंडल तथा जदयू सांसद अजय मंडल पर तीखा हमला करते हुए दोनों की तुलना कथित तौर पर 'गोरा नाग' और 'काला नाग' से की और कहा कि दोनों डसने का काम करते हैं। अपने बेबाक और विवादित बयानों के लिए चर्चित रहे गोपाल मंडल की यह टिप्पणी स्थानीय राजनीति में स्वाभाविक रूप से चर्चा का विषय बनी है।

नागपंचमी और विषहरी पूजा के संदर्भ में सांप की उपमा शायद राजनीतिक व्यंग्य को अधिक तीखा और सुर्खियों योग्य बनाने का तरीका हो। मगर सवाल यह है कि क्या राजनीतिक विरोध को व्यक्त करने के लिए ऐसी भाषा जरूरी है? यदि वर्तमान विधायक या सांसद के कामकाज से पूर्व विधायक को असहमति है, तो उनके पास सवालों की पूरी जमीन मौजूद है। क्षेत्र में बिजली की स्थिति क्या है? विकास योजनाओं की प्रगति कितनी है? रोजगार, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और सिंचाई की समस्याओं पर क्या काम हुआ? गंगा के कटाव और बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए क्या स्थायी उपाय हुए? सांसद ने क्षेत्र की समस्याओं को संसद में कितनी गंभीरता से उठाया? इन सवालों के जवाब राजनीति को सार्थक बनाते।

लेकिन 'गोरा नाग' और 'काला नाग' की उपमा इन सवालों को पीछे धकेल देती है।यही वह बिंदु है जहां गोपाल मंडल का बयान बिहार की सीमा से बाहर निकलकर देश में तेजी से फैलती एक समान राजनीतिक-सामाजिक प्रवृत्ति से जुड़ जाता है। हाल में भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत तथा योगगुरु बाबा रामदेव के बीच 'गटर जेनरेशन' को लेकर हुई जुबानी जंग को ही लें। कंगना ने नई पीढ़ी, खासकर युवाओं के एक वर्ग के संदर्भ में 'गटर जेनरेशन' जैसी टिप्पणी की। इस पर रामदेव ने आपत्ति जताई। जवाब में कंगना ने उनके बयान को निजी जीवन की सीमा पार करने वाला बताते हुए उनकी 'जवानी' और 'शयनकक्ष' से जुड़े संकेतों पर पलटवार किया तथा पतंजलि से संबंधित न्यायिक विवादों का भी उल्लेख किया।

यहां भी मूल मुद्दा पीछे छूट गया। युवाओं के व्यवहार, छात्र आंदोलनों या नई पीढ़ी की राजनीतिक चेतना पर बहस हो सकती थी। सवाल उठाया जा सकता था कि आज का युवा आंदोलन किस तरह बदल रहा है, सामाजिक माध्यमों ने राजनीतिक भागीदारी को कैसे प्रभावित किया है और युवाओं की बेचैनी के पीछे बेरोजगारी, शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं और भविष्य की असुरक्षा कितनी बड़ी वजह है। मगर बहस धीरे-धीरे निजी जिंदगी और चरित्र तक पहुंच गई। गोपाल मंडल के बयान और कंगना-रामदेव विवाद के बीच यही साझा सूत्र है-मुद्दा कुछ और था, लेकिन भाषा ने उसे कुछ और बना दिया।

राजनीति और सार्वजनिक जीवन में यह बदलाव अचानक नहीं आया है। सामाजिक माध्यमों ने राजनीतिक संवाद की गति तो बढ़ाई ही है, उसकी प्रकृति भी बदल दी है। गंभीर तर्क को पढ़ने और समझने में समय लगता है, लेकिन एक तीखा वाक्य कुछ ही क्षण में हजारों लोगों तक पहुंच सकता है। इसलिए सार्वजनिक व्यक्तित्वों के सामने एक प्रलोभन पैदा हुआ है-ऐसा कुछ कहा जाए जो बहस को जन्म दे, विवाद खड़ा करे और सुर्खियां बटोरे। 'वायरल' होना कई बार राजनीतिक सफलता का नया पैमाना बन गया है।

इसका परिणाम यह है कि सार्वजनिक विमर्श में उत्तेजना बढ़ रही है और विचार घट रहे हैं। नेता और सार्वजनिक व्यक्तित्व जानते हैं कि किसी योजना की विफलता पर पांच मिनट का तथ्यात्मक भाषण शायद सीमित चर्चा पैदा करेगा, लेकिन किसी प्रतिद्वंद्वी को अपमानजनक उपमा देने वाला एक वाक्य रातोंरात सुर्खियां बना सकता है। मीडिया और सामाजिक माध्यमों की तत्काल प्रतिक्रिया इस प्रवृत्ति को और बढ़ाती है। लेकिन लोकतंत्र को वायरल वाक्यों से नहीं चलाया जा सकता।गोपालपुर के लोगों के लिए यह ज्यादा महत्वपूर्ण है कि उनके विधायक और सांसद ने क्षेत्र के लिए क्या किया, न कि यह कि किसे किस तरह का नाग कहा गया। इसी तरह देश के युवाओं के लिए यह जानना ज्यादा महत्वपूर्ण है कि शिक्षा और रोजगार के मोर्चे पर सरकारों की नीति क्या है, न कि कोई उन्हें किस अपमानजनक विशेषण से संबोधित करता है। कंगना रनौत एक अभिनेत्री होने के साथ निर्वाचित सांसद भी हैं। इसलिए उनकी सार्वजनिक भाषा की जिम्मेदारी सामान्य सामाजिक माध्यम उपयोगकर्ता से अधिक है।

तमिलनाडु में महिला कर्मचारी को तीसरे बच्चे के जन्म पर तीन महीने का मातृत्व अवकाश

अनिकेत सिंह

तमिलनाडु में सरकारी नौकरी करने वाली महिला के यहां तीसरे बच्चे का जन्म होने पर मातृत्व अवकाश एक वर्ष करने के फैसले से तमिलनाडु ने पूरे देश का ध्यान खींचा है। तमिलनाडु में जन्मदर घटने के कारण यह कदम उठाया गया है। एक वर्ष का मातृत्व अवकाश देने वाला तमिलनाडु पहला राज्य है। सरकारी नौकरी में मिलने वाली अनेक सुविधाओं में यह एक और बढ़ोत्तरी है। निजी कंपनियों में गर्भवती महिलाओं को सीमित छुट्टियां मिलती हैं, जबकि श्रम कार्य से जुड़ी महिलाएं प्रसव के आखिरी दिनों तक काम करती रहती हैं और नवजात के जन्म के बाद एक सप्ताह में ही उसे लेकर सब्जियां बेचने सहित अन्य कामों में लग जाती हैं।

तमिलनाडु की विजय सरकार ने तीसरे बच्चे के पालनपोषण के लिए एक वर्ष के वेतन सहित अवकाश देकर स्वागत योग्य कदम उठाया है, लेकिन निजी क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं के लिए भी गर्भावस्था सुरक्षा के बारे में विचार करना जरूरी था। लिमिटेड कंपनियों में मातृत्व अवकाश मिलता है। कुछ कंपनियों में छोटे बच्चों के लिए डे-केयर सेंटर होते हैं, जहां बच्चों के लिए विशेष व्यवस्था रहती है और उनकी मां दिन में पांच-छह बार उनसे मिलने आ सकती हैं। इन्फोसिस कंपनी में ऐसी व्यवस्था है, जिसे हम पहले से शिशुगृह कहते आए हैं।

कानून के अनुसार दो से अधिक बच्चे होने पर भी 12 सप्ताह का मातृत्व अवकाश मिलता है। तमिलनाडु के मानव संसाधन मंत्री सारथकुमार ने इसमें वृद्धि करके एक वर्ष का अवकाश दिया है। तमिलनाडु ने 365 दिनों के मातृत्व अवकाश की घोषणा उस समय की, जब विजय की पार्टी टीवीके की महिला विधायक आर. पल्लवी अपने छोटे बच्चे को लेकर विधानसभा पहुंची थीं। उन्होंने सदन की कार्यवाही में भाग लिया, जबकि पास के कमरे में एक केयरटेकर बच्चे की देखभाल कर रहा था। कुछ लोगों ने आलोचना करते हुए कहा कि पल्लवी दिखावा कर रही हैं। इस पर पल्लवी ने कहा था कि बच्चे को कहीं छोड़कर आना संभव नहीं है, महिला नेताओं की स्थिति समझने के बाद ही आलोचना करें। हालांकि पल्लवी पहली ऐसी महिला नेता नहीं हैं, जो विधानसभा या संसद में तीन महीने से छोटे बच्चे को लेकर पहुंची हों। वर्ष 2010 में इटली की राजनेता लिसिया रोंज़ुली अपनी 44 दिन की बेटी को लेकर यूरोपीय संसद में पहुंची थीं। 2010 से 2013 के दौरान विक्टोरिया संसद की कार्यवाही देखते-देखते बड़ी हुईं, ऐसा कहा जा सकता है। लिसिया यह दिखाना चाहती थीं कि काम और घर-परिवार के बीच संतुलन बनाया जा सकता है।

न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जैसिंडा आर्डर्न दुनिया की पहली ऐसी प्रधानमंत्री थीं, जो अपने तीन महीने के छोटे बच्चे को लेकर न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा में शामिल हुई थीं। जब उन्होंने नेल्सन मंडेला पीस समिट में अपना भाषण दिया, तब उनका तीन महीने का बच्चा उनके पास खड़े पार्टनर के साथ था। भारत में भी लालू प्रसाद यादव की बेटी और सांसद मीसा भारती अपने केवल दो महीने के बेटे को लेकर संसद में आई थीं।

छोटे बच्चे को संसद में साथ लाने का कोई विशेष अर्थ नहीं होता, लेकिन समाचारों की दुनिया में बने रहने के लिए ऐसा प्रयास किया जाता है। दुनिया के कुछ देशों में पहले बच्चे के जन्म से ही एक वर्ष से अधिक का मातृत्व अवकाश दिया जाता है। ये देश अपनी आबादी बढ़ाने के लिए प्रयास कर रहे हैं।एस्टोनिया, बुल्गारिया, स्वीडन, नॉर्वे आदि में एक वर्ष से अधिक का मातृत्व अवकाश दिया जाता है। एस्टोनिया में तो डेढ़ वर्ष की छुट्टी दी जाती है। बुल्गारिया में 410 दिन, जबकि स्वीडन में 480 दिनों का मातृत्व अवकाश मिलता है। जापान और दक्षिण कोरिया में भी एक वर्ष का मातृत्व अवकाश मिलने लगा है। आंध्र प्रदेश में राज्य सरकार ने उन दंपतियों के लिए विभिन्न प्रोत्साहन घोषित किए हैं, जो तीसरा बच्चा पैदा करते हैं।

पीला रजिस्टर

डॉ सुरेश कुमार मिश्रा

छोटी लाइन के उस पुराने रेलवे स्टेशन के कोने पर बने पूछताछ केंद्र की मेज पर एक मोटा पीला रजिस्टर सालों से वैसे ही जमा हुआ था जैसे किसी दफ्तर की फाइल पर भ्रष्टाचार की परत जमी होती है। उस रजिस्टर के पन्ने वक्त की धूल और सरकारी सुस्ती से इतने कड़े हो चुके थे कि उन्हें पलटना किसी बूढ़े की याददाश्त खंगालने जैसा दुष्कर कार्य था और उसकी जिल्द का धागा अपनी मर्यादा खोकर बाहर लटक रहा था। उस स्टेशन पर दिन भर में केवल दो ही गाड़ियाँ रुकती थीं जो अक्सर समय की पाबंदी को अपनी तौहीन समझती थीं लेकिन वहाँ के एकमात्र क्लर्क हरगोविंद बाबू हर सुबह आठ बजे दफ्तर खोलते ही सबसे पहले उस पीले रजिस्टर को ऐसे सहलाते थे जैसे कोई नेता चुनाव से पहले गरीब के पैर छूता हो। गाँव के लोग जब भी अपने रिश्तेदारों को ठिकाने लगाने या मालगाड़ी के आने का काल्पनिक समय पूछने आते तो हरगोविंद बाबू को उसी रजिस्टर के पन्ने पलटते हुए पाते थे जैसे वे उसमें मोक्ष का मार्ग खोज रहे हों। सफेद बेदाग कुर्ते में लिपटे हरगोविंद बाबू की आँखें हमेशा उस रजिस्टर की आखिरी लाइन पर टिकी रहती थीं जहाँ नीली स्याही से कुछ लिखा था क्योंकि भारत में सच अक्सर आखिरी लाइनों में ही दम तोड़ता है। वे रोज दोपहर की कड़कती धूप से लेकर ढलती शाम तक उसी रजिस्टर को सामने रखकर वैसे ही बैठे रहते थे जैसे कोई ईमानदार आदमी अपनी बेबसी लेकर कचहरी में बैठता है। जब भी कोई नया टीटीई या स्टेशन मास्टर वहाँ तैनात होकर आता तो वह इस पीले रजिस्टर को देखकर ऐसे चौंकता था जैसे किसी आधुनिक मॉल में कोई आदमी लँगोटी पहनकर घुस आया हो। गाँव का चपरासी मन्नू जब चाय का कुल्हड़ लेकर आता जो चाय कम और गर्म पानी का विज्ञापन ज्यादा लगती थी तो हरगोविंद बाबू उससे बड़ी बेताबी से पूछते कि क्यों रे मन्नू आज उस बड़े शहर से आने वाली पैसेंजर गाड़ी में कोई नया नाम दर्ज हुआ या आज भी वही पुराना पन्ना खाली रह गया। मन्नू बस एक लंबी साँस खींचकर अपनी नजरें झुका लेता था क्योंकि सच बोलना सरकारी कर्मचारी के धर्म के खिलाफ होता है। स्टेशन पर आने वाले तमाम ग्रामीणों के लिए वह पीला रजिस्टर किसी रहस्यमयी किताब की तरह बन चुका था जिसका सच जानना उतना ही कठिन था जितना कि किसी सरकारी योजना का लाभ लेना। गाँव में हाल ही में आए नए स्टेशन मास्टर श्यामाचरण जी बहुत ही व्यावहारिक और कड़क मिजाज के इंसान थे जिन्हें दफ्तर की मेज पर किसी फालतू सामान का रखा होना ज़रा भी बर्दाश्त नहीं होता था क्योंकि वे अनुशासन को अपनी निजी संपत्ति समझते थे। श्यामाचरण जी जब भी अपने केबिन से बाहर आते तो उनकी नजर उस फटे-पुराने पीले रजिस्टर पर पड़ती और उनका पारा ऐसे चढ़ जाता था जैसे मई की दुपहरी में किसी घाघ नेता का अहंकार चढ़ता है। एक दिन जब धूप अपने शबाब पर थी और स्टेशन का प्लेटफॉर्म वैसे ही सुनसान था जैसे किसी ईमानदार आदमी का घर होता है तो श्यामाचरण जी कड़े कदमों से पूछताछ केंद्र की खिड़की के पास पहुँचे। उन्होंने चश्मे के ऊपर से घूरते हुए बहुत ही कड़े लहजे में पूछा कि हरगोविंद बाबू आप रोज इस सड़े-गले पीले रजिस्टर को मेज पर सजाकर क्यों बैठते हैं जबकि यह तो किसी बीते हुए जमाने का खारिज हो चुका रद्दी का पुलिंदा है जो सिर्फ दीमकों का पेट भर सकता है।

'वाइब' से सामने आया कलाकारों का लुक, एक्शन मोड में दिखीं प्रीति जिंटा

कुणाल खेमू की आगामी फिल्म 'वाइब' का पोस्टर मेकर्स ने रिलीज कर दिया है। इस फिल्म में कुणाल खेमू समेत प्रीति जिंटा, स्पर्श श्रीवास्तव और वंशिका धीर अहम किरदारों में नजर आएंगे। जानें फिल्म में क्या है खास?

पोस्टर में क्या दिखा?

फिल्म 'वाइब' के पोस्टर अनुसार कहानी चार दोस्तों के इर्द-गिर्द घूमती है। इन किरदारों की सीधी साधी जिंदगी में अचानक से मोड़ आता है। फिल्म मजबूत दोस्ती और एक दूसरे का साथ निभाने के बारे में है। पोस्टर में तीनों दोस्त किसी मुसीबत में फंसे हुए नजर आ रहे हैं।

जहां प्रीती जिंटा लेडी बॉस की तरह दिख रही हैं। वहीं कुणाल खेमू किसी का सामना करते नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही वंशिका धीर शॉक में नजर आ रही हैं और स्पर्श श्रीवास्तव नीचे बैठे हुए हैं।

फिल्म 'वाइब' कब होगी रिलीज?

फिल्म 'वाइब' का लेखन और निर्देशन दोनों कुणाल खेमू ने किया है। फिल्म में प्रीति जिंटा, स्पर्श श्रीवास्तव और वंशिका धीर मुख्य किरदारों में है। 'वाइब' का निर्माण कुणाल खेमू और चिराग निहलानी ने ड्रोंगो फिल्म्स के बैनर तले किया है। फिल्म 18 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

स्टार कास्ट का वर्कफ्रंट

फिल्म 'वाइब' से कुणाल खेमू एक बार फिर निर्देशन में वापसी कर रह हैं। उनकी आखिरी फिल्म 'मडगांव एक्सप्रेस' थी। अभिनेत्री प्रीति जिंटा कई साल बाद किसी कॉमेडी किरदार में दिखाई देंगी। हाल ही में प्रीति ने 'बांटवारा 1947' में अभिनय किया था। वंशिका धीर इस फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। 'लापता लेडीज' फेम स्पर्श श्रीवास्तव का यह बॉलीवुड में दूसरा बड़ा प्रोजेक्ट है। इससे पहले उन्होंने 'ए वतन मेरे वतन' (2024) और 'कॉलर बॉम्ब' (2021) जैसी फिल्मों में भी काम किया है।

सीजेपी के विरोध प्रदर्शन पर अब क्यों सुरेश ओबेरॉय ने उठाए सवाल?

बॉलीवुड सेलेब्स को भी दिखाया आइना

कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन को सोनाक्षी सिन्हा, शबाना आजमी और प्रकाश राज, विशाल डडलानी समेत कई बॉलीवुड कलाकरों ने समर्थन दिया था। कुछ सोशल मीडिया पर सपोर्ट कर रहे थे तो कुछ दिल्ली के जंतर-मंतर पर पहुंचे थे। हाल ही में सुरेश ओबेरॉय ने इस मामले पर बात की है। उन्होंने कलाकारों के इस समर्थन पर सवाल उठाए हैं।

क्या सुरेश ओबेरॉय ने बॉलीवुड कलाकारों को मुर्ख कहा?

सुरेश ओबेरॉय कहते हैं, 'हम जिम्मेदार लोग हैं। दुनिया आपकी बात सुनती है और आप जो कहते हैं, उसे मानती है। कुछ भी बोलने से पहले, आपको रिसर्च करनी चाहिए, देखना और समझना चाहिए कि इसके पीछे कौन है, कौन-कौन शामिल है। क्या वह सभी नीट छात्र हैं या उनमें राजनेता, पत्थर फेंकने वाले या हंगामा करने वाले लोग शामिल हैं? जब तक आपको पता न हो, आप इतनी मुखरता से कैसे बोल सकते हैं?'

वह आगे कहते हैं, 'अगर मुझे किसी चीज के बारे में पता नहीं है तो मैं उस पर बात नहीं करूंगा। मैं कहूंगा कि मुझे इसके बारे में पता नहीं है।'

क्या सीजेपी की फंडिंग पर भी अभिनेता से सवाल उठाए?

वह सीजेपी की फंडिंग पर भी सवाल करते हैं। वह कहते हैं, 'मैं कभी किसी विरोध प्रदर्शन में शामिल नहीं हो सकता। मेरा काम एक्टिंग करना है, इसलिए मैं एक्टिंग करूंगा। एक्टिविस्ट बनने का क्या मतलब है? किसी भी चीज की मांग करने का एक तरीका होता है। यह कैसा तरीका है? मुझे यह पसंद नहीं है।' वह आगे कहते हैं, 'रातों-रात स्टार बनना चाहते हैं, इसलिए पत्थर फेंकते हैं और स्टार बन जाते हैं। पुलिस पर हमला करना बिल्कुल बेतुका है। आपको ऐसा नहीं करना चाहिए।'

करियर फ्रंट पर क्या कर रहे हैं सुरेश ओबेरॉय?

सुरेश ओबेरॉय साल 2023 में फिल्म 'एनिमल' में नजर आए थे, वह रणबीर कपूर के दादा के रोल में दिखे थे। आज रिलीज हुई फिल्म 'खलीफा' भी वह नजर आए हैं, इस मलयालम फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन और मोहनलाल ने अहम भूमिका निभाई है।

सलमान की याचिका पर हटवाया गया काला हिरण का टीजर

प्रोड्यूसर ने हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी

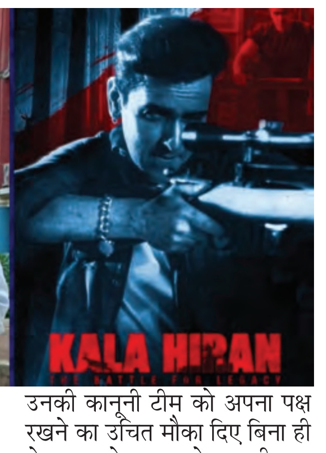

फिल्म निर्माता अमित जानी ने अपनी फिल्म 'काला हिरणः द बैटल फॉर लिगेसी' का टीजर हटाने के दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की है। हाईकोर्ट ने सलमान खान की याचिका पर सुनवाई करते हुए टीजर और इससे जुड़ी प्रचार सामग्री हटाने का निर्देश दिया था।

यह फिल्म बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान से जुड़े 1998 के चर्चित काले हिरण के शिकार मामले से प्रेरित बताई जा रही है। सलमान की शिकायत के बाद हाईकोर्ट ने उनके व्यक्तित्व अधिकारों के कथित उल्लंघन का हवाला देते हुए प्रचार सामग्री हटाने का आदेश दिया था। जानी ने अपनी अपील में कहा है कि यह आदेश अनुचित सेंसरशिप है और उनके अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार को सीमित करता है। उनका कहना है कि सार्वजनिक रिकॉर्ड और ऐतिहासिक कानूनी मामलों पर किसी का एकाधिकार नहीं हो सकता।

जानी ने हाईकोर्ट के आदेश को जल्दबाजी बताया

कानूनी विवाद के बीच फिल्म निर्माता की सुरक्षा को लेकर भी चिंता सामने आई है। जानी का दावा है कि संगठित आपराधिक समूहों ने उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकियां दी हैं। इन समूहों ने उनसे फिल्म प्रोजेक्ट छोड़ने की मांग की है। जानी ने अपील में कहा कि हाईकोर्ट ने उनकी कानूनी टीम को अपना पक्ष रखने का उचित मौका दिए बिना ही रोक लगाने का आदेश जारी कर दिया।

सलमान की याचिका पर टीजर और इंटरव्यू हटाने का आदेश

यह घटनाक्रम उस आदेश के बाद सामने आया है, जो हाईकोर्ट ने सलमान खान की व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा की मांग वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया था। 27 जुलाई को दिल्ली हाईकोर्ट ने फिल्म 'काला हिरणः द बैटल फॉर लेगेसी' के टीजर को सोशल मीडिया से हटाने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि अगर प्रोड्यूसर 24 घंटे के अंदर टीजर के लिंक नहीं हटाते हैं, तो एक्स (ट्विटर) और यूट्यूब जैसी इंटरनेट कंपनियों को इसे हटाने के आदेश दिए जाएंगे।

जस्टिस ज्योति सिंह ने फिल्म के प्रोड्यूसर अमित जानी के रवैये पर कड़ी नाराजगी जताई। अदालत ने कहा कि आरोपी हर दिन अपनी सीमाएं पार कर रहा है और खुद को कानून से ऊपर समझ रहा है। जज ने टिप्पणी की कि किसी सामान्य नागरिक के साथ भी ऐसा बर्ताव नहीं किया जा सकता। साख बनाने में बहुत मेहनत लगती है और एक बार छवि खराब होने के बाद उसे वापस पाना आसान नहीं होता।

अदालत ने फिल्म निर्माता अमित जानी के दिए इंटरव्यू भी हटाने का निर्देश दिया था। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा था कि किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा की सुरक्षा जरूरी है। कोर्ट ने फिल्म में अभिनेता के संदर्भ दिखाई देने पर चिंता भी जताई थी।

सलमान ने लगाए ये आरोप

लमान खान के पक्ष के वकीलों ने कोर्ट को बताया कि टीजर में एक किरदार को सलमान जैसी शक्ल और उनका मशहूर ब्रेसलेट पहनाकर दिखाया गया है। इससे स्पष्ट होता है कि फिल्म सलमान खान और 1998 के काला हिरण केस पर आधारित है। सलमान की ओर से बताया गया कि उन्होंने पहले प्रोड्यूसर को लीगल नोटिस भेजा था, लेकिन अमित जानी ने एक इंटरव्यू में उस नोटिस को फाड़ दिया और इंटरनेट पर धमकियां मिलने का दावा करने लगे।याचिका में यह भी कहा गया है कि एक पोस्टर में किरदार राइफल पकड़े दिखाया गया है। सलमान ने दावा किया है कि इस तरह के चित्रण से लोग भ्रमित हो सकते हैं। याचिका में आगे कहा गया है कि यह बात खास तौर पर महत्वपूर्ण है, क्योंकि 1998 के मामले से जुड़ी आर्म्स एक्ट की कार्यवाही में सलमान खान बरी हो चुके हैं।

्रोड्यूसर की दलील- किसी का नाम इस्तेमाल नहीं हुआ

सुनवाई के दौरान प्रोड्यूसर अमित जानी के वकील ने पक्ष रखते हुए कहा कि फिल्म में सलमान खान का नाम कहीं इस्तेमाल नहीं हुआ है। टीजर में किसी एआई (AI) या डीपफेक तकनीक का प्रयोग भी नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक टीजर है और सार्वजनिक घटनाओं पर फिल्म बनाने से किसी के पर्सनल राइट्स का हनन नहीं होता। हालांकि, कोर्ट ने इस दलील को खारिज करते हुए कहा कि मामला अदालत में लंबित रहने के दौरान ऐसी चीजें सार्वजनिक करना अवमानना के दायरे में आता है।

राज कुंद्रा करने वाले थे आत्महत्या

जेल में खबर मिली कि शिल्पा शेट्टी देने वाली हैं तलाक, कहा- मुझे लगा जिंदगी में कुछ नहीं बचा

बिजनेसमैन-एक्टर राज कुंद्रा ने हालिया इंटरव्यू में 2021 में पोर्नोग्राफी केस में गिरफ्तारी और मुंबई की आर्थर रोड जेल में बिताए 63 दिनों को अपनी जिंदगी का सबसे मुश्किल दौर बताया। उन्होंने बताया है कि जेल में रहते हुए उन्हें खबर मिली कि पत्नी शिल्पा शेट्टी उन्हें तलाक देने वाली हैं। खबर मिलने के बाद उन्होंने सुसाइड करने का मन बना लिया था।

राज ने कहा कि जेल में उन्हें मीडिया के जरिए पता चला कि शिल्पा शेट्टी उन्हें छोड़ रही हैं और दोनों का तलाक हो रहा है। राज ने कहा, "उस रात मैं सो नहीं पाया, क्योंकि मुझे अपनी जिंदगी खत्म करने का मन हो रहा था। मुझे लगा कि जीने का कोई मतलब नहीं है। मेरे लिए मेरी पत्नी और मेरा परिवार सबसे ज्यादा जरूरी हैं। मुझे लगा कि मैं अपनी जान दे दूं। सच में लगा कि आत्महत्या कर लूं।"

शिल्पा से मुलाकात के बाद बदला मन

राज ने बताया है कि तलाक की खबर मिलने के अगले दिन उनकी शिल्पा से फोन पर बात हुई। पूछे जाने पर शिल्पा ने कहा, "यह बकवास खबर है। मैं तुम्हारे साथ हूं। मुझे तुम पर भरोसा है। इसकी चिंता मत करो।"

राज ने कहा कि शिल्पा की इस बात से उन्हें बहुत हिम्मत मिली। उन्होंने बताया, "मैंने सोचा कि तुम जो तोड़ना चाहते हो, तोड़ दो। मेरी पत्नी मेरे साथ है। मैं पूरी दुनिया का सामना कर सकता हूं। मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता।"

63 दिन पारले-जी और पानी पीकर सर्वाइव किया

आर्थर रोड जेल में बिताए समय को याद करते हुए राज ने वहां की हालत को बेहद मुश्किल बताया। उन्होंने कहा कि वे जेल का खाना नहीं खा पाते थे। राज के मुताबिक, उन्होंने 63 दिनों के दौरान ज्यादातर पारले-जी बिस्किट और पानी के सहारे गुजारा किया। उन्होंने यह भी दावा किया कि जेल में उनका वजन करीब 17-18 किलो कम हो गया था।

फिल्म यूटी69 में बताया कैसा था जेल का अनुभव

3 नवंबर 2023 को UT69 फिल्म रिलीज हुई थी, जो राज कुंद्रा के जेल जाने और जेल के अनुभव पर आधारित थी। इस फिल्म में खुद राज कुंद्रा लीड रोल में थे।

राज कुंद्रा और शिल्पा शेट्टी ने साल 2009 में शादी की थी। इस शादी से कपल को दो बच्चे वियान और समीशा हैं। राज की दो शादियां हुई थीं। उनकी पहली शादी कविता कुंद्रा से हुई। कुछ साल बाद दोनों अलग हो गए।

एक्ट्रेस आएशा खान की तस्वीरों से सगाई की चर्चा : मिस्ट्री मैन के साथ डायमंड रिंग फ्लॉन्ट की, करण औजला से जुड़ा नाम

रणवीर सिंह की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'धुरंधर' के हिट गाने 'शरारत' में नजर आईं आयशा खान सगाई की तस्वीरों से सुर्खियों में आ गई हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में सोशल मीडिया पर सगाई की थीम जैसी तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें वो डायमंड रिंग भी फ्लॉन्ट करती दिखी हैं। हालांकि कई फैंस का मानना है कि ये उनके किसी गाने का पब्लिसिटी स्टंट हो सकता है। वहीं कुछ लोग तस्वीरों में दिखे मिस्ट्री मैन की तुलना सिंगर करण औजला से कर रहे हैं।

आएशा खान की पोस्ट में राखी सावंत, अर्चना गौतम, रश्मि देसाई जैसे सेलेब्स ने उन्हें कमेंट कर बधाई दी। रश्मि ने लिखा है, दुआ है तुम्हारे सारे सपने पूरे हों। वहीं अर्चना ने आएशा को मुबारकबाद दी।

क्या आएशा खान ने कर ली है सगाई?

आएशा खान की ये तस्वीरें किसी जूलरी ब्रांड का प्रमोशन हो सकती हैं। उन्होंने अपनी पोस्ट के कैप्शन में एक जूलरी ब्रांड को मेंशन करते हुए लिखा है, अपनी

परफेक्ट डायमंड एंगेजमेंट रिंग यहां पाइए।

धुरंधर के शरारत गाने से मिली पहचान

'धुरंधर' के गाने 'शरारत' में आयशा खान क्रिस्टल डिसूजा के साथ नजर आई थीं। गाना जबरदस्त हिट रहा और आएशा को देश भर में पहचान मिल गई। इस गाने को यूट्यूब पर 810 मिलियन व्यूज मिल चुके हैं।

गाने में पीरियड होने का खुलासा कर हुई थीं ट्रोल

आयशा ने कहा था, 'शूटिंग दो दिन चली। यह बहुत ही व्यस्तता भरा था। शूटिंग के दौरान मुझे पीरियड्स हो रहे थे और आप जानते हैं कि आप फूले हुए होने के कारण अपना बेस्ट परफॉर्मेंस नहीं कर पा रहे होते हैं।'

उन्होंने आगे कहा था, 'काश, मैं अपने पूरे जोश में होती। दो दिन में इतना सारा काम था, समय बहुत कम था। हम बहुत थक गए थे, इतना नाचने के बाद हमारी हड्डियां दुख रही थीं।' इस बयान के बाद आएशा खान को ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था।

ट्रोलिंग पर दिया था बेबाक बयान

मोजो स्टोरी की समिट में आयशा ने कहा कि सोशल मीडिया पर लोग उनके कपड़ों को लेकर भी कमेंट करते हैं। उन्होंने कहा, "मैं इंस्टाग्राम पर लगभग हर दिन अपनी बॉडी को लेकर सेक्शुअल कमेंट्स का सामना करती हूं। अगर मैं नॉर्मल टॉप पहनती हूं तो लोगों को समस्या होती है। अगर मैं स्कर्ट पहनती हूं तो भी लोगों को दिक्कत होती है। मुझे कुछ पोस्ट करने से पहले भी सोचना पड़ता है।"

उन्होंने कहा कि कई बार इस तरह की बातें उन्हें इमोशनली परेशान करती हैं। उनके मुताबिक अगर किसी को कपड़े पहनने या फोटो पोस्ट करने से पहले सोचना पड़े, सिर्फ इसलिए कि लोग उसे सेक्शुअल तरीके से देखेंगे, तो यह एक दुखद स्थिति है।

कॉकरोच जनता पार्टी के प्रोटेस्ट से चर्चा में रहीं

आएशा खान कॉकरोच जनता पार्टी के प्रोटेस्ट का हिस्सा बनी थीं, जहां उन्हें डीटेन किया गया था। वीडियो सामने आने के बाद आएशा की जमकर सराहना हुई थी।

रणदीप हुड्डा गरीबी में मेल सेक्स वर्कर बनने निकले : बाढ़ में उतरकर पीड़ितों को खाना बांटा

बॉलीवुड के संजीदा एक्टर्स में शुमार रणदीप हुड्डा आज 50 साल के हो गए हैं। पर्दे पर अपनी दमदार एक्टिंग और सीरियस किरदारों से पहचान बनाने वाले रणदीप की असल जिंदगी का एक पहलू इंसानियत से भरा भी है। जब भी देश के किसी कोने में आपदा आई या लोग तकलीफ में दिखे, रणदीप ग्लैमरस दुनिया से दूर जमीनी स्तर पर मदद के लिए सबसे आगे खड़े नजर आए। हाल ही में असम में आई भीषण बाढ़ के दौरान भी रणदीप हुड्डा का यही मानवीय चेहरा देखने को मिला। जब बाढ़ के पानी ने असम के कई इलाकों को डुबा दिया, तो रणदीप सोशल मीडिया पर केवल दुख जताकर नहीं रुके।

वे सीधे असम के शिवसागर जिले पहुंचे। यहां वे खुद पानी में उतरे और पीड़ितों को राहत सामग्री बांटी। रेलवे स्टेशन पर बनाए गए राहत कैंपों में रह रहे पीड़ित परिवारों के बीच पहुंचकर उन्होंने भोजन परोसा और लंगर की व्यवस्था संभाली।

नासिक के सूखे में टैंकर लेकर पहुंचे थे

रणदीप हुड्डा का राहत कार्यों में जुटना हाल की घटना तक सीमित नहीं है। वे लंबे समय से संकट के समय जमीनी स्तर पर सेवा करते आए हैं। 2018 में जब केरल भीषण बाढ़ की चपेट में था और लाखों लोग बेघर हो गए थे, तब रणदीप सीधे केरल के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचे थे। संस्था खालसा एड के साथ मिलकर उन्होंने राहत शिविरों में हजारों लोगों के लिए खाना पकाने से लेकर बांटने तक का काम किया था। बड़े-बड़े बर्तनों में खाना बनाते और बाढ़ पीड़ितों को भोजन परोसते हुए उनकी तस्वीरें भी सामने आईं।

केरल के बाद साल 2019 में जब महाराष्ट्र का नासिक जिला भयंकर सूखे की चपेट में था, तब भी रणदीप राहत लेकर पहुंचे। नासिक के वेले गांव में स्थिति इतनी गंभीर थी कि पीने के पानी के कुएं पूरी तरह सूख चुके थे और ग्रामीण बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे थे।

रणदीप खुद उस गांव में ग्रामीणों के लिए रोज 25 से 30 पानी के टैंकरों का इंतजाम कराया। 2025 में पंजाब में आई बाढ़ के दौरान भी वे प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचे और राहत सामग्री बांटी।

वीकेंड पर करते हैं बीच की सफाई, UN ने बनाया ब्रांड एंबेसडर

रणदीप हुड्डा सिर्फ प्राकृतिक आपदाओं में ही नहीं, बल्कि पर्यावरण और वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए भी सक्रिय रहे हैं। मुंबई के वर्सोवा बीच और मीठी नदी के सफाई अभियान में वे लगातार पर्यावरण कार्यकर्ता अफरोज शाह के साथ मिलकर खड़े रहे। वीकेंड्स पर जब अन्य बॉलीवुड सेलिब्रिटीज पार्टियों में व्यस्त रहते थे, तब रणदीप सुबह-सुबह वर्सोवा बीच पर ग्लव्स पहनकर कचरा और प्लास्टिक उठाते नजर आते थे।

पर्यावरण के प्रति उनके इसी काम को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने उन्हें 'जलीय प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण' (CMS) के लिए अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया था। वे खुद बताते हैं कि उन्हें बचपन से ही जानवरों और प्रकृति से गहरा लगाव रहा है।

खर्च निकालने के लिए मेल सेक्स वर्कर बनने निकले

रणदीप ने यह खुलासा किया था कि उन्होंने जिगोलो बनने के लिए कोशिश भी की थी। रणदीप ने ऑस्ट्रेलिया में रेस्टोरेंट में बर्तन धोए, वेटर का काम किया, कार वाशिंग सेंटर में गाड़ियां धोईं और देर रात तक टैक्सी भी चलाई। संघर्ष इतना बढ़ गया था कि एक वक्त पैसों की सख्त किल्लत के कारण उन्होंने जिगोलो (मेल सेक्स वर्कर) बनने के बारे में भी गंभीरता से सोचा था।

एयरलाइन कंपनी में नौकरी, थिएटर से मिला पहला ब्रेक

ऑस्ट्रेलिया से पढ़ाई पूरी कर जब रणदीप भारत लौटे, तो उन्होंने मुंबई में एक एयरलाइन कंपनी में मार्केटिंग की नौकरी शुरू कर दी। नौकरी के साथ-साथ वे थिएटर और मॉडलिंग भी कर रहे थे। एक दिन रणदीप मुंबई में एक प्ले की रिहर्सल कर रहे थे, तभी मशहूर डायरेक्टर मीरा नायर की नजर उन पर पड़ी। मीरा नायर उनके अभिनय और पर्सनालिटी से काफी प्रभावित हुईं।

मीरा नायर ने रणदीप को अपनी आने वाली फिल्म 'मानसून वेडिंग' (2001) के ऑडिशन के लिए बुलाया। ऑडिशन में रणदीप का काम पसंद आया और उन्हें एनआरआई रिश्तेदार राहुल चड्ढा के किरदार में कास्ट कर लिया गया। इस तरह साल 2001 में रणदीप हुड्डा ने बॉलीवुड में अपना पहला कदम रखा।

35 हजार रुपए का कॉन्ट्रैक्ट किया, 4 साल तक काम नहीं मिला

'मानसून वेडिंग' के बाद रणदीप को उम्मीद थी कि उन्हें बॉलीवुड में काम मिलने लगेगा, लेकिन उनके करियर में एक बड़ा अड़ंगा आ गया। उस दौरान मशहूर डायरेक्टर रामगोपाल वर्मा ने रणदीप का एक नाटक देखा और उनसे प्रभावित होकर उन्हें अपनी गैंगस्टर फिल्म के लिए साइन कर लिया। रामगोपाल वर्मा ने रणदीप के साथ 35,000 रुपए महीने का एक एक्सक्लूसिव कॉन्ट्रैक्ट साइन कराया। शर्त यह थी कि जब तक रामगोपाल वर्मा की फिल्म पूरी नहीं हो जाती, रणदीप किसी दूसरे बैनर की फिल्म में काम नहीं कर सकते। इस कॉन्ट्रैक्ट के कारण रणदीप के हाथ से कई बड़ी फिल्में निकल गईं। आखिरकार 2005 में जाकर रामगोपाल वर्मा ने फिल्म 'D' बनाई। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई।

'वन्स अपॉन अ टाइम इन मुंबई' से बदला करियर का ग्राफ

लगातार असफलताओं के बाद साल 2010 में मिलन लुथरिया की फिल्म 'वन्स अपॉन अ टाइम इन मुंबई' रणदीप के करियर में टर्निंग प्वाइंट साबित हुई। फिल्म में उन्होंने एसीपी विल्सन का ईमानदार किरदार निभाया था। अजय देवगन और इमरान हाशमी जैसे बड़े स्टार्स की मौजूदगी के बावजूद रणदीप ने अपनी दमदार एक्टिंग से आलोचकों और दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा।

इस फिल्म की सफलता के बाद उन्होंने 'साहब बीवी और गैंगस्टर', 'जन्नत 2' और 'जिस्म 2' जैसी फिल्मों में अपनी अदाकारी का प्रदर्शन किया।

'हाईवे' के लिए धूप में सनबर्न कराया, वोदका पीकर किरदार में ढले

रणदीप हुड्डा को बॉलीवुड का एक ऐसा मेथड एक्टर माना जाता है जो किरदार में ढलने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। साल 2014 में आई इम्तियाज अली की फिल्म 'हाईवे' में रणदीप ने महावीर भाटी नाम के एक एरोगेंट किडनैपर का किरदार निभाया था। इस किरदार की तैयारी के लिए रणदीप ने बेहद अजीब और कठिन तरीके अपनाए।

काठमांडू जेल में 'बिकिनी किलर' से 10 मिनट की मुलाकात

साल 2015 में आई फिल्म 'मैं और चार्ल्स' में रणदीप ने दुनिया के सबसे शातिर क्रिमिनल और 'बिकिनी किलर' के नाम से मशहूर चार्ल्स शोभराज का किरदार निभाया था।

उस वक्त चार्ल्स शोभराज नेपाल की काठमांडू जेल में बंद था। काफी कोशिशों और कानूनी प्रक्रियाओं के बाद रणदीप को काठमांडू की सेंट्रल जेल में चार्ल्स शोभराज से मिलने की इजाजत मिली। रणदीप जब जेल पहुंचे, तो चार्ल्स उनसे करीब 7 फीट की दूरी पर खड़ा था। रणदीप ने बताया था कि शुरुआत में चार्ल्स ने उन्हें नहीं पहचाना। फिर रणदीप ने उन्हें अपने और फिल्म के बारे में बताया। चार्ल्स ने रणदीप से पूछा कि उन्होंने किरदार की तैयारी कहां से की, जिस पर रणदीप ने कहा कि इंटरनेट पर उपलब्ध उनके पुराने वीडियोज से। इसके बाद चार्ल्स शोभराज ने फिल्म के पोस्टर पर रणदीप को अपना ऑटोग्राफ भी दिया था।

सुष्मिता सेन से रिश्ता टूटने को बताया टर्निंग पॉइंट

रणदीप हुड्डा की पर्सनल और लव लाइफ भी काफी उतार-चढ़ाव भरी रही है। साल 2006 में आई फिल्म 'कर्मा और होली' के सेट पर उनकी मुलाकात बॉलीवुड एक्ट्रेस और पूर्व मिस यूनिवर्स सुष्मिता सेन से हुई थी। शूटिंग के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और उन्होंने करीब 3 साल तक एक-दूसरे को डेट किया। सुष्मिता सेन के साथ ब्रेकअप के बाद रणदीप काफी अकेले पड़ गए थे। हालांकि, बाद में रणदीप ने कई इंटरव्यूज में माना कि सुष्मिता के साथ हुआ ब्रेकअप उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ। उन्होंने कहा कि ब्रेकअप के बाद वे अपने काम और एक्टिंग करियर को लेकर ज्यादा सीरियस हो गए और अपना पूरा ध्यान फिल्मों पर लगा दिया।

सुष्मिता के अलावा रणदीप का नाम एक्ट्रेस नीतू चंद्रा के साथ भी लंबे वक्त तक जुड़ा। 'मर्डर 3' की शूटिंग के दौरान अदिति राव हैदरी के साथ भी उनके लिंकअप की खबरें आईं, हालांकि रणदीप ने इन बातों पर कभी खुलकर कोई कमेंट नहीं किया।

रणदीप हुड्डा के बर्थडे पर लिन लैशराम ने लुटाया प्यार बोलीं- आपकी मासूमियत हमेशा बनी रहे

अभिनेता रणदीप हुड्डा गुरुवार को 50वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रहे हैं। 20 साल से ज्यादा लंबे फिल्मी सफर में रणदीप ने कई तरह के किरदार निभाए हैं और अपनी अलग पहचान बनाई है। जन्मदिन पर उनकी पत्नी और अभिनेत्री लिन लैशराम ने सोशल मीडिया पर कुछ ऐसी तस्वीरें और वीडियो शेयर कीं, जिनमें रणदीप अपनी बेटी न्योमिका और अपने पालतू जानवरों के साथ नजर आ रहे हैं। इसके साथ लिन ने प्यार भरा मैसेज भी लिखा। लिन ने लिखा, "न्योमिका के पापा को जन्मदिन की शुभकामनाएं। आपका आइसक्रीम का बाउल हमेशा भरा रहे और तुम्हें कभी कैलोरी गिनने की जरूरत न पड़े। जंगलों में और भी बहुत सारे घर हों, घूमने के लिए खेत हों और दुनिया के हर कोने में एडवेंचर हों।" लिन ने अपने पोस्ट में लिखा, "आप कभी अपनी खूबसूरत मासूमियत न खोएं। आपके अंदर जो जिज्ञासा, उत्साह और अलग अंदाज है, वही आपको खास बनाता है। मेरी कामना है कि आपकी जिंदगी अच्छे दोस्तों, खुशहाल परिवार, हंसी और ढेर सारे प्यार से भरी रहे।"

अपने मैसेज के आखिर में लिन ने दोनों की अब तक की यात्रा और साथ में बनाई गई यादों को याद किया। उन्होंने लिखा, "हम अब तक जिन जगहों पर गए हैं और वहां जो यादें बनाई हैं, वे मेरे लिए खास हैं। अभी कुछ जगह ऐसी है, जहां हमारा घूमना बाकी है। आई लव यू।"

रणदीप और लिन की प्रेम कहानी भी काफी दिलचस्प है। दोनों की पहली मुलाकात दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह के थिएटर ग्रुप 'मोटले' में हुई थी। इसी दौरान दोनों एक-दूसरे को जानने लगे और धीरे-धीरे उनके बीच दोस्ती हुई और फिर प्यार हो गया। कोरोना महामारी के दौरान जब देश में लॉकडाउन लगा था, तब दोनों ने साथ रहना शुरू किया।

इसके बाद रणदीप और लिन ने 29 नवंबर 2023 को शादी कर ली। दोनों ने मणिपुर में पारंपरिक मैतेई रीति-रिवाज से शादी की थी। शादी की तस्वीरों में दोनों पारंपरिक कपड़ों में नजर आए थे। उनकी शादी के बाद उनकी जिंदगी में एक और बड़ी खुशी आई, जब दोनों माता-पिता बने।

मार्च में रणदीप और लिन की बेटी न्योमिका का जन्म हुआ। रणदीप ने सोशल मीडिया के जरिए बेटी के जन्म की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि उनकी बेटी का जन्म उनके पिता के जन्मदिन के दिन हुआ।

आम्रपाली दुबे की इंस्टाग्राम फैमिली हुई 60 लाख की फैंस को कहा-'तहे दिल से धन्यवाद'

भोजपुरी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री आम्रपाली दुबे फैंस के बीच अपने काम के साथ-साथ सोशल मीडिया सक्रियता के लिए भी जानी जाती हैं। अब अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर एक नया मुकाम हासिल कर लिया है। दरअसल, इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री के 60 लाख फॉलोअर्स हो गए हैं। गुरुवार को अभिनेत्री ने खुशी एक पोस्ट के जरिए फैंस के साथ शेयर की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे 'तितली शहर' में शानदार एक्सप्रेशन के साथ लिपसिंक करती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने फैंस को धन्यवाद देते हुए लिखा, ₹60 लाख की मजबूत इंस्टाग्राम फैमिली बन गई है। सभी को इतना प्यार देने के लिए तहे दिल से धन्यवाद।₹ अभिनेत्री आम्रपाली इन दिनों सोशल मीडिया बयानों और जियो हॉटस्टार शो 'भोजपुरी बवाल' पर अपने द्वारा दिए गए बयानों को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। दरअसल, अभिनेत्री ने शो मे कहा कि वह बिना शादी किए मां बनना चाहती हैं, जिस पर उनके परिवार ने ऐतराज जताया है। हालांकि, बाद में उनकी मां इस बात से राजी हो गई।

इसके साथ ही शो के प्रोमो में दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' के साथ उनके रिश्तों और गॉसिप को लेकर भी नोंकझोंक और भावुक पल देखने को मिले हैं। दिनेश लाल यादव निरहुआ और आम्रपाली दुबे ने साल 2014 की फिल्म 'निरहुआ हिंदुस्तानी' से साथ काम करना शुरू किया था और करीब 35 फिल्मों में पति-पत्नी का किरदार निभाया है।

फिल्मों में लगातार साथ काम करने और शादी के सीन्स होने के कारण अक्सर दोनों की गुप्त शादी या अफेयर की खबरें आती रहती हैं, जिन्हें दोनों ने हमेशा खारिज किया है। हालांकि, आम्रपाली ने स्पष्ट भी किया है कि निरहुआ का परिवार उनके अपने परिवार जैसा है और वह उनके बच्चों के काफी करीब हैं, लेकिन उनके बीच पेशेवर रिश्ते से बढ़कर कुछ नहीं है।

हाल ही में अभिनेत्री काजल राघवानी ने शो भोजपुरी बवाल में दोनों की रिश्ते को लेकर बात की। साथ ही, काजल राघवानी ने दोनों के रिश्ते को लेकर बात की थी। उन्होंने रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' में आम्रपाली दुबे से यह सवाल किया था कि क्या वह दिनेश लाल यादव (निरहुआ) को लेकर उनसे असुरक्षित महसूस करती हैं और क्या आम्रपाली की वजह से निरहुआ उनके साथ फिल्में नहीं करते हैं।

प्रिया भवानी शंकर ने 'इरुमुड़ी' के सफर को बताया बेहद खास, बोलीं-'फिल्म से कहीं ज्यादा यादें लेकर लौटी हूं'

दक्षिण भारतीय फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री प्रिया भवानी शंकर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'इरुमुड़ी' को लेकर चर्चा में हैं। निर्देशक शिव निर्वाण की इस फिल्म में वह अभिनेता रवि तेजा के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। वह फिल्म में कावेरी का किरदार निभा रही हैं, जो एक अच्छी पत्नी और मां है। अपने किरदार को लेकर उन्होंने कहा कि कावेरी उनके लिए बहुत खास है। प्रिया भवानी शंकर ने कहा, कावेरी मेरे लिए बहुत खास किरदार रहा है। जब मैंने कहानी सुनी और शिव निर्वाण की बनाई भावनाओं की दुनिया को समझा, तो मुझे ऐसी सच्ची और दमदार कहानी का हिस्सा बनकर बहुत खुशी हुई।

'इरुमुड़ी कट्टू' के रिश्तों में गर्मजोशी और भावनाएं हैं। इसी वजह से कावेरी का किरदार निभाने का सफर मेरे लिए बहुत खास रहा. फिल्म में रवि तेजा के साथ काम करने का मौका मिलने पर भी प्रिया काफी खुश नजर आईं। उन्होंने कहा, रवि तेजा के साथ काम करना मेरे लिए बहुत अच्छा अनुभव रहा। उनके काम करने के तरीके में सहजता है। इसकी वजह से हमारे साथ वाले सीन काफी आरामदायक और मजेदार रहे। डायरेक्टर को हर किरदार की भावनाओं को लेकर बहुत साफ समझ थी और उनके विजन के हिसाब से काम करना मेरे लिए बहुत खूबसूरत अनुभव रहा।

उन्होंने कहा, इस सफर के दौरान मैंने अपने साथी कलाकारों और टीम के साथ बहुत सारी यादें बनाई। शूटिंग के दौरान कई मजेदार पल आए, खूब हंसी-मजाक हुआ और टीम के बीच ऐसी बातें भी हुईं, जो मेरे लिए निजी याद बन गईं।

अभिनेत्री ने कहा, जब हमने आखिरकार फिल्म की शूटिंग पूरी की तो मुझे एहसास हुआ कि हम इस सफर से फिल्म के अलावा भी कितना कुछ अपने साथ लेकर जा रहे हैं। हमने बहुत सारे सीन शूट किए, हजारों यादें बनाईं, और साथ में हंसी के बहुत सारे पल बिताए। यह उन यात्राओं में से एक थी, जहां जिन लोगों के साथ आप काम करते हैं, वे आपकी यादों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाते हैं। यह सच में बहुत खूबसूरत सफर रहा। प्रिया ने फिल्म के निर्माता नवीन येरनेनी और वाई. रवि शंकर का भी शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा, मुझे इस फिल्म का हिस्सा बनने का मौका देने के लिए मैं दोनों की आभारी हूं।

राष्ट्रीय पुरस्कार जीत चुके संगीतकार जी. वी. प्रकाश कुमार ने संगीत को भावनात्मक और मजबूत बनाया। मुझे उम्मीद है कि दर्शक फिल्म के किरदारों और उसमें दिखाई गई भावनाओं से जुड़ पाएंगे। यह फिल्म 21 अगस्त 2026 यानी आज दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो गयी है।

मैं सिंगिंग को करियर के तौर पर अपनाने के लिए तैयार नहीं था : शान

प्लेबैक सिंगर शान ने अपनी सुरीली आवाज और अलग-अलग तरह के गानों से भारतीय संगीत की दुनिया में खास पहचान बनाई है। एक समय ऐसा था, जब उन्हें खुद पर भरोसा नहीं था कि वह भी इसी क्षेत्र में अपनी जगह बना पाएंगे। उन्हें लगता था कि वह अपने परिवार में संगीत के मामले में सबसे कमजोर कड़ी हैं। इसके चलते वह शुरुआत में गायकी में करियर नहीं बनाना चाहते थे। शान ने फिल्म ट्रेड एक्सपर्ट कोमल नाहटा के पॉडकास्ट 'गेम चेंजर्सः द म्यूजिक सीरीज' में शुरुआती दिनों और संगीत के सफर के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि उनके पिता संगीतकार और अच्छे गायक थे। इसके अलावा उनके दादा, मां और बहन भी अच्छा गाते थे। ऐसे माहौल में बड़े होने के बावजूद, उन्हें लगता था कि उनकी गायकी परिवार के बाकी सदस्यों के मुकाबले कमजोर है।

शान ने कहा, मैं अपने परिवार में संगीत के मामले में सबसे कमजोर कड़ी था। मेरे पिता संगीतकार और बहुत अच्छे गायक थे। मेरे दादा, मां और बहन भी अच्छे गायक थे। सच कहूं तो मुझे हमेशा लगता था कि संगीत के मामले में मैं अपने परिवार में सबसे कमजोर था।

उन्होंने कहा, बड़े होते समय मेरे अंदर विद्रोही सोच थी। मैं पत्रकारिता और विज्ञापन करना चाहता था, इसलिए मेरा ध्यान उन चीजों की तरफ था। गायकी मेरे लिए स्वाभाविक रूप से आई। मैंने इसके लिए कोई प्रशिक्षण नहीं लिया था।

शान ने आगे कहा, लोग अक्सर मानते हैं कि गायकी की प्रतिभा परिवार से मिलती है, लेकिन मैं इसे जेनेटिक चीज नहीं मानता। मैं इसे कंडीशनिंग मानता हूं। जिस माहौल में कोई बच्चा बड़ा होता है, उसका असर भी उसकी प्रतिभा पर पड़ता है। घर में लगातार संगीत का माहौल होने की वजह से मेरे अंदर भी गायकी धीरे-धीरे आती गई।

शान ने कहा, मुंबई में रहने और माता-पिता के गायक होने की वजह से मुझे कम उम्र में ही गाने के कई मौके मिलने लगे थे। हालांकि, उस समय मैंने कई मौकों को ठुकरा दिया था। मैं गायकी को करियर के तौर पर अपनाने के लिए तैयार नहीं था। बाद में लगातार मिलते अवसरों के कारण मैंने आखिरकार इसे स्वीकार कर लिया।

उन्होंने बताया कि उनकी मां कोरस सिंगर थीं और उनके पिता से संगीत की दुनिया में कई लोग परिचित थे। जब उन लोगों को पता चला कि शान और उनकी बहन भी गा सकते हैं, तो उन्हें बहुत कम उम्र में विज्ञापनों के लिए गाने का मौका मिला।

'दिल तो पागल है' के सेट पर पहली बार करिश्मा-गीता की मुलाकात

1997 में रिलीज हुई यश चोपड़ा की फिल्म 'दिल तो पागल है' ने प्यार, दोस्ती और डांस को एक साथ पर्दे पर बेहद खूबसूरत अंदाज में पेश किया था। फिल्म के कलाकारों के साथ इससे जुड़े कई लोग भी आज तक इसकी यादें अपने साथ लिए हुए हैं। अब अभिनेत्री करिश्मा कपूर और कोरियोग्राफर गीता कपूर ने भी फिल्म से जुड़ा एक पुराना किस्सा साझा किया है। दोनों ने बताया कि उनकी पहली मुलाकात उस समय हुई थी, जब गीता अपने करियर की शुरुआत कर रही थीं और करिश्मा पहले से ही एक बड़ी स्टार बन चुकी थीं। यह यादें डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5' के एक एपिसोड में साझा की गई। शो के इस एपिसोड की थीम 'इंडिया वाला डांस' थी। इसी दौरान करिश्मा और गीता ने 'दिल तो पागल है' के गाने 'प्यार कर' की शूटिंग के दिनों को याद किया और बताया कि दोनों की पहली मुलाकात कैसे हुई थी।

गीता ने कहा, "साल 1996 में जब 'दिल तो पागल है' की शूटिंग चल रही थी, तब मैं बतौर असिस्टेंट कोरियोग्राफर करियर की शुरुआत कर रही थी। मैं फिल्म के 'प्यार कर' गाने के सीक्वेंस पर काम कर रही थी। इसी दौरान मेरी मुलाकात करिश्मा से हुई। उस समय करिश्मा पहले से ही एक बड़ी और जानी-मानी स्टार थीं। उन्होंने मेरे साथ बहुत प्यार और सम्मान से व्यवहार किया।"

गीता ने पहली मुलाकात को याद करते हुए आगे बताया, "मुझे आज भी करिश्मा की पहली झलक याद है। उन्होंने उस समय हल्के नीले रंग का गाउन पहना हुआ था और वह बेहद खूबसूरत लग रही थीं। करिश्मा तब भी बहुत खूबसूरत थीं और आज भी हैं। एक नई असिस्टेंट होने के बावजूद मुझे उनकी तरफ से कभी ऐसा महसूस नहीं हुआ कि वह किसी बड़ी स्टार से बात कर रही हैं।"

इसके बाद करिश्मा कपूर ने भी गीता के साथ काम करने का अनुभव साझा किया। उन्होंने कहा, "भले ही हम दोनों ने कभी किसी फिल्म में साथ काम नहीं किया, लेकिन मैंने कई स्टेज शो साथ किए हैं। गीता एक ऐसी कोरियोग्राफर हैं, जो कलाकारों से उनकी पूरी क्षमता के हिसाब से काम करवाती हैं।"

करिश्मा ने एक मजेदार किस्सा सुनाते हुए कहा, "एक स्टेज शो के दौरान बाकी कलाकारों को आसान डांस स्टेप दिए जा रहे थे, लेकिन गीता ने मुझे काफी मुश्किल स्टेप दिया। मुझे समझ ही नहीं आया कि मेरे साथ ऐसा क्यों हो रहा है। मैंने गीता से शिकायत करते हुए पूछा कि बाकी लोगों को आसान स्टेप दिए गए हैं, तो मुझे इतना मुश्किल स्टेप क्यों दिया गया है?"

करिश्मा ने कहा, "इस पर गीता ने मुझे भरोसा दिलाया कि मैं ये मुश्किल स्टेप कर सकती हूं।"

‘धमाल 4’ के डायरेक्टर इंद्र कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज
डिस्ट्रीब्यूटर ने लगाए करोड़ों की धोखाधड़ी के आरोप

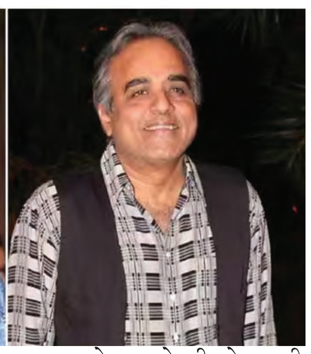

‘धमाल 4’ के डायरेक्टर-प्रोड्यूसर इंद्र कुमार के खिलाफ FIR दर्ज हुई है। यह खबर ऐसे समय आई है, जब उनकी हालिया रिलीज ‘धमाल 4’ ने वर्ल्डवाइड 229.91 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन किया है। एक फिल्म डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने इंद्र कुमार के खिलाफ करोड़ों की धोखाधड़ी के संगीन आरोप लगाए हैं।

आरोप फिल्म के राइट्स बेचने से जुड़े हैं, जिसमें कंपनी ने 1.50 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। वहीं, इस मामले में प्रोड्यूसर अशोक ठकेरिया का नाम भी सामने आया है और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

1.50 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप

फिल्म 'धमाल' के डिस्ट्रीब्यूशन, डिजिटल और कॉपीराइट राइट्स बेचने के नाम पर कथित धोखाधड़ी के मामले में डायरेक्टर इंद्र कुमारऔर प्रोड्यूसर अशोक ठकेरिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। अंधेरी वेस्ट स्थित फिल्म डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी 'ग्रैंड मास्टर' के मालिक 53 साल के विकास बलदेवराज साहनी ने आरोप लगाया है कि उनके साथ करीब 1.50 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की गई।

2019 में हुई थी राइट्स की डील

एफआईआर के मुताबिक, 15 अक्टूबर 2019 को 'ग्रैंड मास्टर' और 'मारुति इंटरनेशनल' के बीच एक समझौता हुआ था। इसके तहत संजय दत्त, अरशद वारसी और रितेश देशमुख स्टारर 'धमाल' के वर्ल्डवाइड डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स और कॉपीराइट 1.50 करोड़ रुपये में स्थायी तौर पर खरीदे गए थे। विकास बलदेवराज का दावा है कि डील के समय उन्हें बताया गया था कि फिल्म के अधिकार किसी अन्य पार्टी को नहीं बेचे गए हैं।

विकास के अनुसार, बाद में 'ग्रैंड मास्टर' को पता चला कि फिल्म के लाइफटाइम OTT और डिजिटल राइट्स 2015 में ही 'शेमारू एंटरटेनमेंट' को दिए जा चुके थे। जनवरी 2020 में अशोक ठकेरिया ने कथित तौर पर एग्जिबिटर के ऑफिस जाकर इस पुराने समझौते की जानकारी दी। इसके बाद 29 अक्टूबर 2020 को मारुति इंटरनेशनल और शेमारू के बीच एक सप्लीमेंट्री एग्रीमेंट भी हुआ, जिसमें निर्माता के पास सिर्फ एक सैटेलाइट चैनल के अधिकार रहने की बात कही गई।

कॉपीराइट सर्टिफिकेट भी मिला

विकास साहनी के मुताबिक, 'ग्रैंड मास्टर' ने 20 मार्च 2020 को फिल्म के सिनेमैटोग्राफ कॉपीराइट के लिए आवेदन किया था। बाद में 28 अप्रैल 2023 को कॉपीराइट ऑफिस ने कंपनी को CF-5230/2023 सर्टिफिकेट जारी किया। शिकायतकर्ता का दावा है कि फिल्म का ओरिजिनल नेगेटिव और कॉपीराइट से जुड़े दस्तावेज उनके पास हैं और उन्होंने पुलिस को अपनी ओनरशिप के समर्थन में कई दस्तावेज सौंपे हैं।

करोड़ों के नुकसान का दावा

शिकायतकर्ता का आरोप है कि कथित धोखाधड़ी के चलते ग्रैंड मास्टर की दूसरे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के साथ प्रस्तावित बिजनेस डील्स रद्द हो गईं, जिससे कंपनी को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ। पुलिस ने 17 अगस्त 2026 को इंद्र कुमार और अशोक नवलकुमार ठकेरिया के खिलाफ BNS की धारा 318(4) और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

2007 से शुरू हुआ ‘धमाल’ का सफर, 4 फिल्मों तक पहुंची फ्रेंचाइजी

धमाल फ्रेंचाइजी की शुरुआत साल 2007 में हुई थी। पहली फिल्म 'धमाल' 7 सितंबर 2007 को रिलीज हुई थी। इसके बाद 'डबल धमाल' 24 जून 2011 को सिनेमाघरों में आई। करीब आठ साल बाद 'टोटल धमाल' 22 फरवरी 2019 को रिलीज हुई, जिसमें अनिल कपूर और माधुरी दीक्षित भी नजर आए। इसके बाद 'धमाल 4'10 जुलाई 2026 को रिलीज हुई, यानी पिछली फिल्म के करीब सात साल बाद यह फ्रेंचाइजी बड़े पर्दे पर वापस आई।

'पापा ने बहन को 1 रुपये में हलवाई को बेचा' : कंगना शर्मा
दिल दहला देने वाली कहानी बयां की

ग्रेट ग्रैंड मस्ती' जैसी फिल्म के अलावा 'मोना होम डिलीवरी', 'ब्लैकमेल' और 'लेट्स प्ले ब्लाइंड' जैसी वेब सीरीज में नजर आईं एक्ट्रेस कंगना शर्मा ने एक इंटरव्यू में अपनी दिल दहला देने वाली कहानी बयां की है। कंगना ने बताया कि उनके पिता उन्हें, उनकी मां और बहन को बहुत पीटते थे। कंगना के मुताबिक, पिता ने तो उनकी बहन को एक रुपये में एक हलवाई के हाथों बेच दिया और गंदी-गंदी बातें सुनाते हुए कहा था कि तुम कोठा खोल लो। कंगना शर्मा बहन की दर्दनाक आपबीती बताते हुए रो पड़ीं। आज कंगना के पास रुपया-पैसा सब है, पर बहन की कमी खलती है और पछतावा होता है कि वह बहन को बचा नहीं पाईं। बहन के साथ क्या कुछ हुआ था, इसका खौफनाक वाकया कंगना ने सिद्धार्थ कनन को दिए इंटरव्यू में बताया है।

बहन के मुंह में कपड़ा था, हाथ बांधे थे और पति जबरदस्ती कर रहा था

कंगना शर्मा ने बताया, 'जिस घर में मेरी बहन की शादी हुई, बाद में पता चला कि वहां वैश्यावृति का काम होता है। हमारे यहां शादी के बाद फर्स्ट नाइट पर सुलाया नहीं जाता दूल्हा-दुल्हन को...उस दिन छापे-वापे लगते हैं। अगले दिन जब दुल्हन पगफेरे के बाद ससुराल वापस आती है, तब उनकी फर्स्ट नाइट होती है। तो पगफेरे पर मैं बहन के साथ उसके ससुराल गई थी। मैं 14 साल की थी और रात में वॉशरूम जाने के लिए उठी। मैंने देखा कि मेरी बहन के मुंह में कपड़ा डाला हुआ था, हाथ बांधे हुए थे और वो इंटिमेट एक्ट कर रहे थे। वो पहली रात थी। मैं डर गई। मैंने किसी को कुछ नहीं बताया। मेरी बहन भी डर गई थी। वो मुझसे बोली कि तू कैसे भी करके मुझे घर ले चल। मैं कुछ नहीं कर सकी। मैं छोटी थी मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा था।'

घर में कई तहखाने बने थे जहां से लोग निकल रहे थे

कंगना ने आगे बताया, 'उसके ससुर आए और बोले कि आ जाओ तुम्हें घर दिखाता हूं। मेरी बहन बोली कि नहीं, नहीं इसको घर नहीं देखना। ये ठीक है इसको मेरे साथ ही छोड़ दो। तो मैंने कहा कि नहीं, नहीं मैं तो देखूंगी घर मौसा जी के साथ। तो वो मुझे नीचे लेकर गए। एक तहखाना बना हुआ, दूसरा और तीसरा तहखाना बना हुआ है। वहां से लोग निकल रहे हैं। तो मेरी बहन मेरा हाथ छुड़वाकर मुझे वहां से ऊपर लेकर आ गई। वो बोली कि घर चलते हैं, फिर बात करते हैं।'

पापा ने बहन को थप्पड़ मारा, खून बहने लगा, वो वापस ससुराल गई

कंगना के मुताबिक, उनकी बहन उन्हें लेकर घर वापस आ गई और पिता से मना कर दिया कि वह ससुराल नहीं जाएगी। लेकिन पिता ने थप्पड़ मारा और फिर खूब सुनाया। कंगना के मुताबिक, बहन के ससुरालवाले उसे नशे की गोलियां और न जाने क्या-क्या चीजें देकर वेश्यावृत्ति का काम करवाते थे। वह बोलीं, 'फिर हम घर गए और मेरी बहन ने बोला कि पापा मैं अब उस घर में नहीं जाऊंगी। तो मेरे पापा ने उसे थप्पड़ मारा। उसकी नाक से खून आया बहुत। पापा बोले कि तुम लड़कियां कहीं नहीं टिकोगी। अब शादी हो गई है और तुम्हें वहां पर भी नहीं टिकना है। तो फिर वापस वो चली गई। एक हफ्ते तक उसका कुछ अता पता नहीं था। उस टाइम एसटीडी फोन यूज होते थे। मैंने मम्मी से बोला कि मम्मी घर ठीक नहीं है। मुझे ठीक नहीं लग रहा। मैंने बात नहीं बताई। एक हफ्ते तक हम बहन को कॉल करते रहे, करते रहे पर कुछ पता ही नहीं चला।'

एक साल तक बिस्तर पर रही बहन, नशे की गोलियां देते थे

वह आगे बोलीं, 'फिर मेरे पापा गए। मेरी बहन साइड से दूसरे घर में चिट्ठियां डालती थी कि मुझे बचा लो। मेरे घरवालों को बता दो, मुझे बचा लो। मेरे पापा गए तो उन्हें घर से निकाल दिया। पापा को कुछ एक्टिविटी वहां दिखी तो वो गए अंदर। मेरी बहन बोली कि कैसे भी करके वहां से निकालें। मेरी बहन इतने ट्रॉमा में थी कि एक साल तक बेड से नहीं उठी। बाद में पता चला कि उसे नशे की गोलियां देते थे। पता नहीं क्या क्या चीजें मिलाकर देते थे। भगवान जाने क्या हुआ था उसके साथ।'

हलवाई से 1 रुपये में शादी करवा दी, उसने भी जबरदस्ती की

कंगना ने बताया कि पापा ने उनकी बहन का तलाक करवा दिया, लेकिन फिर एक एक रुपये में किसी हलवाई के साथ शादी करवा दी और उसने पहली ही रात उनकी बहन के साथ जबरदस्ती की। कंगना के मुताबिक, जब बहन ने तुरंत शादी से इनकार किया तो पापा ने उसे गंदी-गंदी बातें बोलीं और गालियां दी थीं। कंगना बोलीं, 'पापा ने उसका तलाक करवा दिया, लेकिन फिर से उसकी शादी करवा दी। वो एक रुपया देकर आ गए और हलवाई के साथ शादी फिक्स कर दी। बहन ने मना किया और कहा कि मैं तैयार नहीं हूं, तो पापा ने कहा कि तो फिर कोठा खोल लो, तुम ये हो, तुम रं**यां हो। हमसे अगर कुछ भी गलती हो गई तो गंदा-गंदा बोलते थे। गालियां देते थे।'

बहन को कैंसर और टीबी हुआ, मौत हो गई

'हलवाई से शादी हो गई तो उसने पहली रात में ही शुरू कर दिया और बोलने लगा कि पहले वाले के साथ तो करवाकर आ गई। उसके साथ करके आई है तो यहां भी कर। बहन ने कहा कि मुझे टाइम दो थोड़ा। मुझे फिजिकल टच से डर लगता है। वहां से दो साल के अंदर उसकी ऐसी हालत हो गई कि उसे टीबी हो गया, उसको कैंसर भी हो गया और हमें पता तक नहीं चला। उसे कुछ दिखता नहीं था। आज तक मुझे इस बात का पछतावा है कि मैं अपनी बहन को नहीं बचा पाई।'

जेपीएससी विवाद में हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

11वीं-13वीं परीक्षा और नियुक्तियां रद्द करने के सरकार के आदेश पर रोक

रांची, 20 अगस्त (एजेंसियां)। जहां एक ओर रांची में सीजीएल परीक्षा रद्द किए जाने के बाद चयनित अभ्यर्थियों का आंदोलन चल रहा है। वहीं, झारखंड हाईकोर्ट से एक बड़ी खबर सामने आई है। प्रदेश में जारी परीक्षा विवाद के बीच हाईकोर्ट ने 11वीं-13वीं जेपीएससी परीक्षा और नियुक्तियां रद्द करने के राज्य सरकार के आदेश पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने फूड सेफ्टी ऑफिसर्स की नियुक्तियां रद्द करने के आदेश के क्रियान्वयन पर भी रोक लगा दी है।

बुधवार को हाईकोर्ट में दो याचिकाएं दायर की गई थी

झारखंड सरकार की ओर से 11वीं से 13वीं जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा रद्द किए जाने के फैसले के खिलाफ झारखंड हाईकोर्ट में बीते दिन बुधवार को दो अलग-अलग रिट याचिकाएं दायर की गई थीं। वहीं, खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी परीक्षा रद्द किए जाने के खिलाफ भी हाईकोर्ट में एक रिट याचिका दाखिल की गई थी।

इस दौरान जेएएस अधिकारी सूर्य प्रकाश कुजूर ने कहा था कि हमें सरकार की ओर से देर रात करीब 12:30 या 1 बजे नोटिस मिला था। जब हमें 11वीं से 13वीं

जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा रद्द किए जाने की जानकारी मिली तो हम पूरी तरह टूट गए थे। हमने कभी नहीं सोचा था कि हमारे साथ ऐसा कुछ हो सकता है।

गौरतलब है कि झारखंड परीक्षा विवाद को लेकर हुए छात्र आंदोलन के दबाव के बाद प्रदेश सरकार को 45 परीक्षाएं रद्द और स्थगित करनी पड़ी है। सरकार को झुकना पड़ा। इस सच को हलक से नीचे उतारने में सरकार को 25 दिन से ज्यादा का समय लग गया। बता दें कि परीक्षा विवाद को लेकर हुए बड़े आंदोलन के बाद जब सरकार ने सच स्वीकार किया तो परिणाम सामने आया 22 परीक्षाओं का रद्दीकरण, छह परीक्षाओं का स्थगन और 17 आयोजित परीक्षाओं की सीआईडी जांच का फैसला लिया था। लोगों को लगने लगा था कि झारखंड का छात्र आंदोलन खत्म हो जाएगा। सरकार ने मांगे मान ली हैं। लेकिन सीजीएल परीक्षा के चयनित अभ्यर्थियों ने विरोध शुरू कर दिया। परीक्षा रद्द किए जाने के बाद चयनित अभ्यर्थियों के आंदोलन का आज तीसरा दिन है। रांची में अभ्यर्थियों का जमावड़ा लगा हुआ है। ऐसे में सरकार के सामने चुनौतियां कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अभ्यर्थियों ने सरकार से नियुक्तियां रद्द करने के फैसले को वापस लेने की मांग की है। प्रदर्शन के दौरान कुछ अभ्यर्थियों ने गले में फंदा डालकर विरोध जताया और कहा कि सरकार नौकरी नहीं दे सकती तो उन्हें फांसी दे दे।

झारखंड हाईकोर्ट द्वारा राज्य सरकार के 11वीं और 13वीं जेपीएससी परीक्षा एवं नियुक्तियां रद्द करने के आदेश पर रोक लगाए जाने को लेकर झारखंड कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने कहा कि सरकार भी कोर्ट के फैसले को स्वीकार करेगी और हम सभी इसे स्वीकार करते हैं। मेरा मानना है कि जांच से परत-दर-परत सारी बातें सामने आएंगी। उसके बाद ही इस मामले में कुछ कहा जा सकता है। प्रथम दृष्टया सरकार को लगा कि इन परीक्षाओं में भी कुछ गड़बड़ियां थीं, इसलिए इन्हें रद्द किया गया। कोर्ट के समक्ष रखी गई दलीलों के आधार पर ही संभवतः आदेश पर रोक लगाई गई है। मेरा मानना है कि छात्रों को भी न्याय के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाना चाहिए।

शराब घोटाला, रामगोपाल अग्रवाल के घर ईडी की रेड

रायपुर-धमतरी में कार्रवाई, धरने पर बैठे कांग्रेसी, दुर्ग में रिद्धि-सिद्धि बिल्डर्स के घर दबिश

धमतरी, 20 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में शराब घोटाला मामले में ईडी की रेड पड़ी है। रायपुर, दुर्ग-भिलाई और धमतरी में सुबह ईडी के अफसरों ने दबिश दी। अलग-अलग ठिकानों पर दस्तावेजों और रिकॉर्ड की जांच की गई।

रायपुर में कांग्रेस नेता रामगोपाल अग्रवाल के अनुपम नगर स्थित निवास और धमतरी में सिहावा रोड स्थित उनके घर पर 9 घंटे तक कार्रवाई चली। टीम अपने साथ कुछ अहम दस्तावेज लेकर गई है। रामगोपाल अग्रवाल को शराब, कोल और कस्टम मिलिंग घोटाले में आरोपी बनाया गया है। 8 दिन पहले ही ईडी ने उन्हें गिरफ्तार कर रायपुर कोर्ट में पेश किया था।

धमतरी में रामगोपाल अग्रवाल के घर ईडी की कार्रवाई के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ता धरने पर बैठ गए। कार्यकर्ताओं ने ईडी और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। मौके पर विधायक, जिलाध्यक्ष समेत कई कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रायपुर के रवि नगर स्थित कारोबारी अनूप अग्रवाल के घर पर भी ईडी की टीम पहुंची है। अनूप अग्रवाल रामगोपाल अग्रवाल के करीबी माने जाते हैं।

टीम घर के अंदर दस्तावेजों और रिकॉर्ड की जांच कर रही है।

वहीं, दुर्ग में बिल्डर सजल जैन और विश्वास गुप्ता के घर पर सुबह करीब 6 बजे ईडी की टीम पहुंची। करीब 7 अफसरों की टीम दोनों ठिकानों पर जांच कर रही है। कार्रवाई फिलहाल जारी है। जैन और विश्वास गुप्ता कांग्रेस के पूर्व कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल के करीबी माने जाते हैं।

ऐसी चर्चा है कि कई अधिकारियों का पैसा भी दोनों के रियल एस्टेट कारोबार में लगा हुआ है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

धमतरी में रामगोपाल अग्रवाल के घर ईडी की दबिश के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ता धरने पर बैठ गए। ईडी और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कांग्रेस प्रवक्ता शैलेश नितिन त्रिवेदी ने कहा कि रामगोपाल पहले से ईडी की हिरासत में हैं, ऐसे में उनके परिवार के घर छापा मारकर परिजनों को परेशान करना गलत है। कार्रवाई से कांग्रेस और व्यापारी वर्ग में नाराजगी है।

विधायक ओंकार साहू ने कहा कि परिवार को अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा है। कांग्रेस पूरे प्रदेश में इस कार्रवाई का विरोध करेगी। जिलाध्यक्ष तारिणी चंद्राकर ने आरोप लगाया कि भाजपा राजनीतिक द्वेष के चलते केंद्रीय एजेंसी का दुरुपयोग कर रही है। कांग्रेस इसका जवाब आंदोलन के जरिए देगी।

जानकारी के मुताबिक ईडी की टीम सुबह दुर्ग के गांधी चौक स्थित जय आनंद परिसर, जैन गली और डॉक्टर ताम्रकार के समीप सजल जैन से जुड़े परिसरों में पहुंची। इसके अलावा शनिचरी बाजार स्थित श्रीराम हार्डवेयर में भी विश्वास गुप्ता से जुड़े ठिकाने पर जांच की जानकारी सामने आई है।

बताया जा रहा है कि टीम अलग-अलग कार्यालयों और आवासीय परिसरों में दस्तावेज, कारोबारी लेन-देन और वित्तीय रिकॉर्ड खंगाल रही है। सजल जैन का संबंध रिद्धि-सिद्धि बिल्डर्स से बताया जाता है, जबकि विश्वास गुप्ता भी इसी बिल्डर समूह से जुड़े पार्टनर रहे हैं।

हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि ईडी की कार्रवाई किस मामले में और किन वित्तीय लेन-देन को लेकर की जा रही है।

एजेंसी की ओर से भी अभी कोई विस्तृत आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

इलाज में लापरवाही से 4 मौतें

इंजेक्शन लगाने और ऑपरेशन के बाद गई जान, मृतकों में 2 महिला-2 बच्चे शामिल

बलरामपुर/मनेंद्रगढ़, 20 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में इलाज के दौरान लापरवाही के 4 अलग-अलग मामले सामने आए हैं, जिनमें 4 लोगों की मौत हुई है। मृतकों में 2 महिला और 2 बच्चे शामिल हैं। कोंडागांव जिले में एक लैब टेक्नीशियन ने 32 वर्षीय महिला को इंजेक्शन लगाया, जिसके बाद उसकी मौत हो गई।

बलरामपुर जिले में कथित झोलाछाप डॉक्टर के इलाज के बाद 3 साल के बच्चे ने दम तोड़ दिया, जबकि मनेंद्रगढ़ के एक निजी हॉस्पिटल में ऑपरेशन के बाद 35 वर्षीय महिला की जान चली गई। वहीं, सुकमा जिले के कोंटा अस्पताल में 5वीं की छात्रा को मलेरिया बताकर जिला अस्पताल किया रेफर किया गया, जहां बच्चे की मौत हो गई। परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की। सभी मामलों में परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाते हुए दोषी पर कार्रवाई की मांग की है।

कोंडागांव जिले के विश्रामपुरी में ग्राम पिटेचुआ कोटवारपारा की रहने वाली मिथिला नेताम (35) सर्दी-खांसी से परेशान थी। पति सुनील कुमार नेताम 18 अगस्त की सुबह उसे ब्लड टेस्ट कराने के लिए लैब टेक्नीशियन सहदेव वर्मा के घर ले गए थे। आरोप है कि ब्लड सैंपल लेने के बाद सहदेव वर्मा ने मिथिला के हाथ में इंजेक्शन लगाया।

परिजनों का कहना है कि इंजेक्शन लगने के कुछ ही देर बाद मिथिला की तबीयत अचानक बिगड़ गई और वह बेहोश हो गई। हालत गंभीर होने पर परिजन उसे तुरंत विश्रामपुरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। विश्रामपुरी के बीएमओ डॉ. अनुराग भारती ने जांच की बात कही है।

कुख्यात सुशील मूंछ, चीनू पंडित से जुड़े मामले की सुनवाई नहीं करेंगे जज रवि कुमार दिवाकर

वापस लिया गया केस

मुजफ्फरनगर, 20 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर के जज रवि कुमार दिवाकर एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार उनकी चर्चा उनसे करीब 100 केस वापस लिए जाने को लेकर हो रही है। दरअसल, हाल के समय में अपर जिला जज एवं सत्र न्यायालय फास्ट ट्रैक कोर्ट संख्या-3 के जज रवि कुमार दिवाकर खूब सुर्खियों में बने हुए हैं। उन्होंने पांच माह में नौ गंभीर मामलों की तेजी से सुनवाई की। इन मामलों में जज रवि कुमार दिवाकर ने 22 दोषियों को फांसी की सजा सुना दी। इसको लेकर लगातार सवाल खड़े हुए हैं। लगातार गरमाई चर्चा के बीच जिला जज बीरेंद्र कुमार सिंह ने फास्ट ट्रैक कोर्ट में चल रहे करीब 100 मुकदमों को रिकॉल किया है। इसमें कुख्यात सुशील मूंछ और चीनू पंडित जैसे अपराधियों से जुड़े केस भी शामिल हैं।

जिला जज ने फास्ट ट्रैक कोर्ट में चल रहे मामलों को रिकॉल करते हुए दूसरे कोर्ट में ट्रांसफर कर दिया है। ट्रांसफर किए गए केसों में कुख्यात बदमाश सुशील मूंछ, चर्चित शौकीन गैंग और चीनू पंडित जैसे दुर्दांत अपराधियों पर दर्ज हत्या आदि जैसे मामले भी शामिल हैं। जिला जज के फैसले के पीछे की वजह सामने नहीं आई है। हालांकि, जज रवि कुमार दिवाकर के पिछले पांच माह में 9 अलग-अलग मामलों में 22 दोषियों को फांसी की सजा सुनाने के मामले का जिक्र जरूर होने लगा है।

जज दिवाकर ने जिन मामलों में फांसी की सजा सुनाई है, उनमें हत्या समेत कई गंभीर आपराधिक प्रकरण शामिल रहे हैं। जज के लगातार कड़े फैसलों के बीच उनकी कोर्ट से 100 मुकदमों को वापस लेने का मुद्दा गरमा गया है।

जज रवि कुमार दिवाकर की कोर्ट से मुकदमों को वापस लिए जाने के कारण स्पष्ट नहीं हुए हैं। मुकदमों के ट्रांसफर का प्रशासनिक और न्यायिक आधार भी स्पष्ट नहीं हुआ है। हालांकि, न्यायिक अधिकारी रवि कुमार दिवाकर के हालिया कड़े फैसलों ने मुजफ्फरनगर ही नहीं, पूरे प्रदेश में चर्चा तेज की हुई है। गंभीर आपराधिक मामलों में त्वरित सुनवाई और दोष सिद्ध होने पर कठोर दंड दिए जाने को लेकर उनके फैसलों की चर्चा लगातार हो रही है।

अपर जिला जज एवं सत्र न्यायालय फास्ट ट्रैक कोर्ट संख्या-3 के जज रवि कुमार दिवाकर की कोर्ट में वर्ष 2007, 2011, 2013, 2014, 2015-16, 2017, 2019-2020 और 2026 तक के हत्या के कई केसों की सुनवाई चल रही थी।

फैमिली से दूरी : लड़खड़ाती पार्टी और रियलिटी शो!

कहानी तेज प्रताप यादव के अकेलेपन की

पटना, 20 अगस्त (एजेंसियां)। लालू प्रसाद के नेतृत्व वाली आरजेडी के प्रमुख चेहरों में से एक रहे बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव का राजनीतिक दायरा मई 2025 में पार्टी से उनके नाटकीय निष्कासन और उसी वर्ष बाद में हुए राज्य विधानसभा चुनावों में उनकी हार के बाद से लगातार सिकुड़ता जा रहा है। लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद और राबड़ी देवी के बड़े बेटे तेज प्रताप भले ही अपनी राजनीतिक स्थिति को फिर से हासिल करने की कोशिश कर रहे हों, लेकिन उन्होंने खुद को व्यस्त रखने के तरीके भी खोज लिए हैं। नियमित रूप से सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने से लेकर रियलिटी टीवी शो 'भोजपुरी बावाल' में अभिनय करने तक।

पिछले हफ्ते, 9 अगस्त को, 38 वर्षीय तेज प्रताप यादव ने X पर एक पोस्ट में लिखा कि बहुत जल्द, पूरा देश और पूरा एशिया कुछ नया देखने वाला है। मल्लिका शेरावत के साथ कुछ खास और ताजा आने वाला है। फिलहाल, यह एक रहस्य है... इसलिए धैर्य रखें और अपने चेहरे पर ज्यादा चिंता न दिखाएं। बिहार के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री और दो बार के विधायक शायद इन गतिविधियों में खुद को व्यस्त रख रहे हों, लेकिन हाल के वर्षों में उनकी राजनीतिक साख में काफी गिरावट आई है। मई 2025 में अनुष्का यादव प्रकरण के बाद उन्हें पार्टी से निष्कासित किया गया। उसके बाद विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने अपनी पार्टी जनशक्ति जनता दल का निर्माण किया। कई उम्मीदवार उतारे।

मोदी सरकार के कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगी 3 राज्यों की सरकारें

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस शासित कर्नाटक, केरल और तेलंगाना की सरकारें केंद्र के हाल में पारित माइंस एंड मिनरल्स (डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन) अमेंडमेंट एक्ट को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की तैयारी में हैं। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, तीनों राज्यों की ओर से दायर की जाने वाली याचिका तैयार कर ली गई है और इसे अगले कुछ दिनों में शीर्ष अदालत में दाखिल किया जा सकता है। कांग्रेस का आरोप है कि नए कानून के जरिए राज्यों की खनिजों और खनिज-युक्त जमीन पर टैक्स, सेस या अन्य लेवी लगाने की शक्तियों को सीमित किया गया है। पार्टी का कहना है कि यह प्रावधान राज्यों की वित्तीय स्वायत्तता पर सीधा असर डालता है।

यह कानून संसद के हाल में संपन्न मॉनसून सत्र में विपक्ष के विरोध के बीच पारित हुआ था। विपक्षी दलों ने विधेयक को आगे की जांच के लिए संसदीय स्थायी समिति के पास भेजने की मांग की थी। हालांकि, लोकसभा में विधेयक करीब पांच मिनट में पारित हो गया। राज्यसभा में करीब

50 मिनट की चर्चा के बाद इसे मंजूरी दी गई, जिसमें 12 सदस्यों ने बहस में हिस्सा लिया। बाद में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विधेयक को मंजूरी दे दी।

कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि नए कानून का मकसद 2024 में सुप्रीम कोर्ट की नौ सदस्यीय संविधान पीठ के उस महत्वपूर्ण फैसले के प्रभाव को खत्म करना है, जिसमें राज्यों के खनिजों पर रॉयल्टी से अलग टैक्स लगाने के अधिकार को बरकरार रखा गया था। संविधान पीठ ने स्पष्ट किया था कि रॉयल्टी टैक्स नहीं है और खनिज अधिकारों पर टैक्स लगाने की राज्यों की शक्ति अलग है। कांग्रेस का तर्क है कि संसद के नए कानून के जरिए उस संवैधानिक स्थिति को बदलने की कोशिश की गई है। पार्टी इसी आधार पर इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की तैयारी कर रही है।

नए कानून को लेकर सबसे बड़ी चिंता खनिज संपदा वाले राज्यों की संभावित राजस्व हानि को लेकर है। खासतौर पर लौह अयस्क के बड़े उत्पादक कर्नाटक के लिए इसके दूरगामी वित्तीय प्रभाव पड़ने की आशंका जताई जा रही है। केरल कांग्रेस के नेताओं ने भी कानून को संघीय ढांचे के खिलाफ बताया है। केरल के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने पहले कहा था कि कानून राज्यों के खनिजों पर उनके अधिकार और स्वामित्व को प्रभावित करता है और इससे राज्यों के अधिकारों में कटौती होती है।

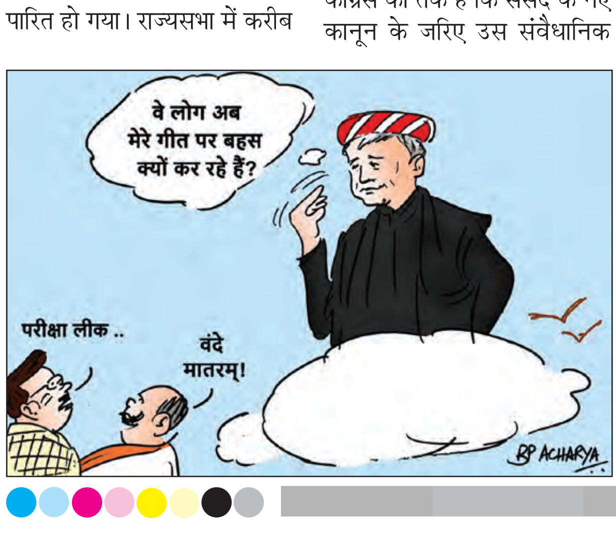

हाईकोर्ट ने पूछा-टेंडर हो चुका तो अनुमति में लेटलतीफी क्यों

बिलासपुर, 20 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने 124 करोड़ रुपए की लागत से फायर ब्रिगेड गाड़ियों और उपकरणों की खरीदी में हो रही देरी पर नाराजगी जताई है। कोर्ट ने राज्य शासन के गृह सचिव और वित्त सचिव को व्यक्तिगत शपथपत्र के साथ जवाब पेश करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 31 अगस्त को होगी। दरअसल प्रदेश में दमकल वाहनों, आधुनिक फायर उपकरणों और पर्याप्त स्टाफ की कमी को लेकर हाईकोर्ट में जनहित याचिका पर सुनवाई चल रही है। पिछली सुनवाई के दौरान जून में राज्य शासन ने कोर्ट को बताया था कि 124 करोड़ रुपए के नए फायर उपकरण और वाहनों की खरीदी के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। शासन ने जल्द ही गाड़ियां और उपकरण उपलब्ध कराने की बात कही थी। बुधवार को डिवीजन बेंच में मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान बताया गया कि सबसे कम दर वाली कंपनी के साथ अब तक एग्रीमेंट ही नहीं हो सका है। समय सीमा बीत जाने के कारण अवधि बढ़ाने की फाइल गृह और वित्त विभाग में अटकी हुई है। डीजीपी ने जून में ही समय सीमा बढ़ाने की अनुमति मांगी थी, जो अब तक लंबित है।

गर्भवती को चारपाई पर लिटाकर उफनता नाला पार कराया

वाराणसी/कानपुर, 20 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी में लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। 13 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। 84 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। काशी में विश्वनाथ मंदिर का गंगा द्वार बंद कर दिया गया। मणिकर्णिका-हरिश्चंद्र घाट के शवदाह स्थल जलमग्न हो गए। हरिश्चंद्र घाट पर गलियों और सीढ़ियों में, जबकि मणिकर्णिका घाट पर छत पर अंतिम संस्कार हो रहा है।

चित्रकूट में मंदाकिनी, अयोध्या में सरयू और गोंडा में घाघरा नदी खतरे के निशान को पार कर गई है। चित्रकूट में मंदाकिनी का पानी बाजार तक पहुंच गया है। सड़कों पर नावें चल रही हैं। गुप्त गोदावरी की दोनों गुफाएं पर्यटकों के लिए बंद कर दी गई हैं। यहां बारिश से नाला उफान पर आ गया। नाले पर बनी पुलिया डूब गई। इसके चलते ग्रामीणों ने गर्भवती महिला को चारपाई पर लिटाकर नाला पार कराया और अस्पताल ले गए।

प्रयागराज में 3 दिनों से हो रही बारिश के चलते दारागंज, करेली और सलोरी जैसे इलाकों में घरों में 3-3 फीट पानी भर गया है। 2 हजार से ज्यादा छात्रों ने हॉस्टल छोड़ दिया है। गंगा-यमुना भी उफान पर हैं।

गंगा का पानी लेटे हनुमान मंदिर कॉरिडोर तक पहुंच गया है। कल सुबह तक गंगा हनुमानजी का जलाभिषेक कर सकती हैं। कानपुर देहात में बारिश के चलते कच्चे मकान की छत गिर गई। एक महिला मलबे में दब गई। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोगों ने रेस्क्यू किया। इसका वीडियो भी सामने आया है। बिजनौर में खो नदी उफान पर है। शिव मंदिर और आम के पेड़ नदी में समा गए।

गुरुवार शाम को आगरा-बरेली में बारिश हुई। सुबह संभल और झांसी में बरसात हुई थी। मौसम विभाग (आईएमडी) ने आज प्रदेश के 63 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है।

इनमें 9 जिलों में भारी बारिश का रेड अलर्ट है। प्रयागराज में 12वीं, जबकि कौशांबी और चंदौली में 8वीं तक के स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। पिछले 48 घंटे में बारिश के चलते मकान ढहने से 6 लोगों की मौत हो गई। मिर्जापुर में 3, जौनपुर में 2 और अमेठी में 1 की मौत हुई है।

इस जन्म में नहीं बनेगी सपा की सरकार

ओपी राजभर ने अखिलेश यादव पर बोला हमला, आजम-अब्बास पर भी बरसे

मऊ, 20 अगस्त (एजेंसियां)। मऊ के रतनपुरा विकासखंड में एक कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में पहुंचे सूबे के पंचायती राजमंत्री और सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश राजभर ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा है। 2027 के चुनाव को लेकर तो राजभर ने सपा को यहां तक कह दिया है कि 27 तो छोड़िए इस जन्म में ही सपा की सरकार नहीं बनेगी।

ओमप्रकाश का यह बयान सिर्फ सपा और अखिलेश तक ही सीमित नहीं रहा बल्कि उनके इस बयान के लपेटे में खुद उन्हीं के पार्टी के विधायक अब्बास अंसारी और सपा नेता आजम खान भी आए।

मीडिया से बातचीत के दौरान ओमप्रकाश राजभर ने राहुल गांधी पर भी जमकर निशाना हमला

बोला और कहा कि राहुल गांधी सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के किसी भी देश में जाते हैं तो देश का अपमान करते हैं।

मीडिया से बातचीत के दौरान सुभासपा प्रमुख ने तो अखिलेश यादव के पीडीए का नया फार्मूला बताने के साथ ही उनके राजनैतिक भविष्य की भी भविष्यवाणी कर डाली। राजभर ने कहा कि अखिलेश यादव जिस पीडीए की बात करते हैं वो तो उनके पीट देगा अहीर और पीट देगा अल्पसंख्यक से ही परेशान है। तो वो उन्हें वोट कहां से देगा। राजभर ने कहा कि आज सपा के पास पिछड़ों का कोई चेहरा नहीं ही नहीं है, जो उन्हें अगले चुनाव में वोट दिला सके।

क्योंकि सपा ने पूर्वांचल में जो सीटें जीती हैं। वो सुभासपा यानी उनकी देन है। लेकिन उन्होंने पिछड़ों को धोखा देने का काम किया है। इसीलिए वो 27 में नहीं बल्कि अगले जन्म में अपने जीत की तैयारी करें।

सुभासपा विधायक अब्बास अंसारी को लेकर ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि वो भले ही उनकी पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़कर विधायक बन गए हैं। लेकिन वे वास्तव में समाजवादी पार्टी के विधायक हैं और उन्हीं का गुणगान करते हैं।

अब्बास को पार्टी से निष्कासित करने के सवाल पर राजभर ने कहा कि अब चुनाव में कितना दिन बचा ही है, चुनाव आयोग खुद सबकी सदस्यता को रद्दकर मामले को ठंडा कर देगा।

रेलवे कर्मचारी के बंद घर में लाखों की चोरी

धनबाद, 20 अगस्त (एजेंसियां)। धनबाद के धनसार थाना क्षेत्र स्थित यमुना विहार कॉलोनी में एक रेलवे कर्मचारी के बंद आवास में लाखों की चोरी हो गई। चोरों ने घर से करीब 20 लाख रुपये के सोने-चांदी के आभूषण और 50 हजार रुपये नकद चुरा लिए।

कौआ भगाने के चक्कर में मुंबई लोकल ट्रेन में एक यात्री की चली गई जान

मुंबई, 20 अगस्त (एजेंसियां)। मुंबई की लाइफलाइन कही जाने वाली लोकल ट्रेन में हैरान करने वाली घटना सामने आई है। गुरुवार को बांद्रा और माहिम स्टेशनों के बीच चलती लोकल ट्रेन में बहस के बाद सफर कर रहे एक यात्री ने दिव्यांग यात्री को धक्का दे दिया। इससे उसकी मौत हो गई। जीआरपी ने आरोपी अमजद शेख को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में उसने जीआरपी को बताया कि वह कोच में घुस आए कौए को भगा रहा था। इस चक्कर में धक्का लगा और कोई गिर गया। पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, शेख ने जांचकर्ताओं को बताया कि वह चर्चगेट दरगाह के पास फुटपाथ पर रहता है। उसने दावा किया कि उसे लगा कि ट्रेन के कोच में एक कौआ घुस आया है।

एआई यूज करने वाली कंपनी पर लगे टैक्स

आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने दिया सुझाव

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। हाल के वर्षों में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस यानी एआई का यूज तेजी से बढ़ा है। इसके कारण बड़ी संख्या में नौकरियां जाने की आशंका है। इस बीच आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने एआई टैक्स का सुझाव दिया है। इसके तहत, जब भी कंपनियां किसी इंसान के काम की जगह एआई का इस्तेमाल करेंगी, तो उन्हें ज्यादा टैक्स देना पड़ सकता है। उनका प्रस्ताव है कि एआई के इस्तेमाल पर शुरू में कम टैक्स लगाया जाना चाहिए और इसे बाद में बढ़ाया जाना चाहिए। रघुराम राजन ने हाल में प्रकाशित एक लेख 'कंपनियाँ एआई से होने वाले जॉब संकट को कैसे कम कर सकती हैं?'में सुझाव दिया कि सरकारें कंपनियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले एआई टोकन पर टैक्स लगा सकती हैं। साथ ही वे कंपनियों के वर्कर्स ॉको फिर से ट्रेनिंग देने और उन्हें बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए इंसेंटिव भी दे सकती हैं।

कर्मचारी वर्सेज एआई

उन्होंने कहा, 'ऐसी दुनिया में जहां सरकारें पहले से ही पैसे की कमी से जूझ रही हैं, बराबरी का माहौल बनाने का एक तरीका यह है कि कोई कंपनी जो एआई टोकन इस्तेमाल करती है, उस पर टैक्स लगाया जाए।' उनका कहना है कि जब कोई कंपनी किसी व्यक्ति को काम पर रखती है, तो उसे सोशल-सिक्योरिटी कंट्रीब्यूशन और नौकरी से जुड़े दूसरे खर्च उठाने पड़ते हैं। एआई का इस्तेमाल से उसका यह खर्च बच जाएगा।आरबीआई के पूर्व गवर्नर ने लिखा, 'अमेरिका की एक कंपनी हर कर्मचारी के लिए सोशल-सिक्योरिटी पेमेंट करती है, लेकिन एआई के लिए नहीं।' उनका प्रस्ताव है कि एआई के इस्तेमाल पर शुरू में कम टैक्स लगाया जाए। फिर जैसे-जैसे रोजगार पर टेक्नोलॉजी के असर का प्रभाव नजर आए, उस हिसाब से इसे धीरे-धीरे बढ़ाया जाए।

एआई का असर

उन्होंने कहा कि एआई की वजह से नौकरियों पर असर पड़ना तय है। लेकिन कोई नहीं जानता कि यह कितनी तेजी से होगा, कितना आगे जाएगा और किन सेक्टर पर सबसे ज्यादा असर डालेगा। बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि अलग-अलग कंपनियां अपने कामकाज में इस टेक्नोलॉजी को कितनी तेजी से अपनाती हैं। कई कंपनियां अभी भी एआई को आजमा रही हैं। राजन का कहना है कि कॉम्पिटिशन का दबाव आखिरकार कंपनियों को एआई का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करने के लिए मजबूर करेगा। उन्होंने कहा कि चीजों में समय लगता है। जो कंपनियां टेक्नोलॉजी में माहिर नहीं हैं, उन्हें ज्यादा समय लगेगा।

आरबीआई नीतिगत दर में बदलाव को लेकर 'वेट एंड वॉच' मोड में: एमपीएस मिनट्स

मुंबई, 20 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि वह नीतिगत दर में किसी भी बदलाव के लिए महंगाई की दिशा को लेकर और अधिक स्पष्टता आने तक इंतजार करना पसंद करेंगे। इसमें मौजूदा या इससे ऊंचे स्तरों पर महंगाई के आंकड़ों के बने रहने, पूर्वानुमान और उस संभावित स्तर को शामिल किया जाएगा, जिस पर महंगाई सामान्य होकर स्थिर हो सकती है। बुधवार को जारी मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के मिनट्स में यह जानकारी दी गई। मल्होत्रा ने कहा कि ऊंची महंगाई मुख्य रूप से आपूर्ति-पक्ष के झटकों से प्रेरित है और फिलहाल इस बात के सीमित संकेत हैं कि कीमतों का दबाव व्यापक रूप ले रहा है। हालांकि, उन्होंने कहा कि सतर्क रहने की जरूरत है, क्योंकि खाद्य पदार्थों, ईंधन और अन्य इनपुट की ऊंची कीमतों के व्यापक महंगाई में बदलने और महंगाई संबंधी उम्मीदों के अस्थिर होने का जोखिम बना हुआ है। उन्होंने कहा कि यदि इन जोखिमों के वास्तविक रूप लेने के कोई संकेत मिलते हैं तो नीतिगत सख्ती की जरूरत पड़ सकती है। एमपीसी सदस्य नागेश कुमार ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से पैदा हुई चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों, खासकर कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, व्यापार नीति से जुड़ी अनिश्चितताओं और मानसून को प्रभावित करने वाले अल नीनो से पैदा हुए कृषि जोखिमों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने मजबूती दिखाई है।एमपीसी के एक अन्य सदस्य इंद्रनील भट्टाचार्य ने कहा कि उच्च आवृत्ति वाले आर्थिक संकेतक और कंपनियों के शुरुआती नतीजे बताते हैं कि पहली तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था के औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों की गतिविधियों में मजबूत गति बनी हुई है। निवेश की गति भी कायम रही, जिसे पूंजीगत वस्तुओं के उत्पादन, लगातार बढ़ते कर्ज और सरकार के पूंजीगत व्यय पर निरंतर जोर से समर्थन मिला। बाहरी मोर्चे पर वस्तुओं और सेवाओं के मजबूत निर्यात ने पहली तिमाही में ऊंचे आयात के प्रभाव को कम किया। एमपीसी सदस्य पूनम गुप्ता ने कहा कि जून 2026 में वैश्विक अनिश्चितताओं में कुछ कमी आने के बाद जुलाई में वे फिर बढ़ गईं। घरेलू स्तर पर हाल के हफ्तों में बारिश की मात्रा और उसके वितरण में सुधार हुआ है। इसके अलावा, कई उच्च आवृत्ति वाले आर्थिक संकेतक लगातार मजबूती और गतिशीलता दिखा रहे हैं, जिससे आर्थिक विकास की गति को समर्थन मिल रहा है। इन सभी घटनाक्रमों को मिलाकर देखें तो इस साल आर्थिक विकास का परिणाम जून की मौद्रिक नीति में लगाए गए अनुमान से कुछ बेहतर रह सकता है, जबकि महंगाई मामूली रूप से कम रह सकती है।अन्य सदस्यों में सौगत भट्टाचार्य ने कहा कि 2026 में अब तक वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में बाजार में तेज और लगातार उतार-चढ़ाव, महंगाई को लेकर बनी चिंताएं और नीतिगत उम्मीदों में बदलाव देखने को मिला है। भारत में भी महंगाई और आर्थिक विकास की स्थिति को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। वहीं, राम सिंह ने कहा कि महंगाई की दिशा पर करीबी नजर रखने की जरूरत है और घरेलू आर्थिक परिस्थितियों में महंगाई तथा विकास, दोनों मोर्चों पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

बाजार में सात दिन की गिरावट थमी

सेंसेक्स 628 अंक उछला, निफ्टी 24,200 के पार

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार ने गुरुवार को जोरदार वापसी की। लगातार सात दिनों की गिरावट के बाद सेंसेक्स और निफ्टी तेजी से ऊपर चढ़े। सेंसेक्स 628.04 अंक बढ़कर 77,537.72 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 153.55 अंक की बढ़त के साथ 24,231.85 पर पहुंच गया। निफ्टी ने 24,200 के स्तर को पार कर सात दिन के गिरावट के सिलसिले को तोड़ दिया।

बाजार में सकारात्मक माहौल दिखा, जिसमें अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में गिरावट, शॉर्ट कवरिंग और अन्य कारकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। क्षेत्रीय विस्तार भी काफी हद तक सकारात्मक रहा। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र सबसे मजबूत रहा। इसके बाद वित्तीय सेवाएं, निजी बैंक और कुछ खपत संबंधी सूचकांकों में तेजी देखी गई। रियल एस्टेट, मीडिया और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भी ऊपर चढ़े। स्वास्थ्य सेवा और फार्मा क्षेत्रों ने मामूली बढ़त दर्ज की। तेल और गैस तथा धातु जैसे कुछ क्षेत्र कमजोर रहे, जिससे पता चलता है कि बिकवाली सीमित और केंद्रित थी।

बाजार में आज तेजी क्यों आई?

आज शेयर बाजार में तेजी के कई प्रमुख कारण रहे। अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में गिरावट ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया। रुपये में मजबूती भी बाजार के लिए सकारात्मक संकेत थी। शॉर्ट कवरिंग ने भी बाजार को ऊपर उठाने में मदद की। विदेशी संस्थागत निवेशकों की खरीदारी ने भी बाजार को सहारा दिया। इसके अतिरिक्त, सकारात्मक वैश्विक संकेतों ने भी भारतीय बाजार में उत्साह भरा।

किन क्षेत्रों ने बाजार को सहारा दिया?

क्षेत्रीय स्तर पर सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र ने सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। वित्तीय सेवाएं और निजी बैंक भी मजबूत स्थिति में रहे। खपत संबंधी सूचकांकों में भी खरीदारी देखने को मिली। रियल एस्टेट, मीडिया और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के शेयरों में भी बढ़त दर्ज की गई। स्वास्थ्य सेवा और फार्मा क्षेत्रों ने भी मामूली लाभ कमाया। इन क्षेत्रों में आई तेजी ने बाजार की समग्र धारणा को मजबूत किया। वैश्विक बाजारों में भी मिश्रित रुझान देखने को मिला।

टोक्यो समय के अनुसार दोपहर 1:20 बजे तक एसएंडपी 500 वायदा 0.2 फीसदी बढ़ा। निक्केई 225 वायदा (ओएसई) में 1 फीसदी, जापान का टॉपिक्स 0.9 फीसदी और ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.1 फीसदी ऊपर चढ़े। हांगकांग का हैंग सेंग 1.1 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ, जबकि शंघाई कंपोजिट में 0.3 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सुर्य	सिंह	मे
चंद्र	वृश्चिक	मे
मंगल	मिथुन	मे
बुध	कर्क	मे
गुरु	कर्क	मे
शुक्र	कन्या	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय		
सिंह---	05-48	बजे
कन्या--	07-54	बजे
तुला----	08-58	बजे
वृश्चिक--	12-09	बजे
धनु----	14-24	बजे
मकर--	16-28	बजे
कुंभ---	18-20	बजे
मीन---	19-57	बजे
मेष----	21-33	बजे
वृष-----	23-17	बजे
मिथुन--	01-20	बजे
कर्क-----	03-36	बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
सूर्योदय 06-01
सूर्यास्त. 18-42
दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
मास - श्रावण शुक्ल पक्ष शुक्रवार 21 August 2026
तिथि - नवमीं 23-36 रात्रि तक उपरान्त दशमीं
नक्षत्र - अनुराधा 11-52 तक उपरान्त ज्येष्ठा
योग - वैधृति 05-18 तक उप विष्कुंभ
करण - बालव 10-26 तक उप कौलव
विशेष: सर्वार्थ सिद्धि योग 11-53 से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 10-45 से 12-19 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
चंचल	06 -01 - 07-36	शुभ
लाभ	07-36 - 09-10	शुभ
अमृत	09-10 - 10-45	शुभ
काल	19-45 - 12-19	अशुभ
शुभ	12-19 - 13-54	शुभ
रोग	13-54 - 15-28	अशुभ
उत्पात	15-28 - 17-03	अशुभ
चंचल	17-03 - 18-42	शुभ

रात का चौघड़िया		
रोग	18-42 - 20-03	अशुभ
काल	20-03 - 21-28	अशुभ
लाभ	21-28 - 22-54	शुभ
उत्पात	22-54 - 00-19	अशुभ
शुभ	00-19 - 01-45	शुभ
अमृत	01-45 - 03-10	शुभ
चंचल	03-10 - 04-36	शुभ
रोग	05-36 - 06-01	अशुभ

चीनी से चावल तक... क्या देश के फूड प्रोडक्शन पर भारी पड़ रहा है इथेनॉल बनाना? हर तरफ दाम बढ़े

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। सरकार देश में इस समय इथेनॉल प्रोडक्शन पर काफी जोर दे रही है। इथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल में इसका तेजी से इस्तेमाल हो रही है। कई सवालों के बाद भी ई20 पेट्रोल की बिक्री जारी है और सरकार ई100 पेट्रोल बेचने की तैयारी में है। वहीं दूसरी ओर इथेनॉल बनाने में इस्तेमाल होने वाली गन्ने और चावल की फसल के इस्तेमाल पर उलटा असर दिखाई दे रहा है। इथेनॉल बनाने में गन्ने का इस्तेमाल होने के कारण देश में चीनी की कमी नजर आ रही है, जिससे इसकी कीमत बढ़ गई है। वहीं चावल की सप्लाई भी प्रभावित हो रही है। इसे लेकर दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी मोदी सरकार पर हमला बोला है।

विदेशी मुद्रा बचाने पर फोकस

इथेनॉल बनाने में गन्ने के रस का इस्तेमाल कच्चे माल के रूप में होता है। वहीं टूटे हुए चावल और मक्का से भी इथेनॉल बनाया जा रहा है। सरकार का तर्क है कि पेट्रोल में इथेनॉल के इस्तेमाल से कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम होगी जिससे विदेशी मुद्रा की बचत होगी। वहीं ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन घटाना और किसानों को उपज का बेहतर मूल्य देना भी इथेनॉल प्रोडक्शन में शामिल है।

चीनी की कीमत बढ़ी

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गन्ने का ज्यादा इस्तेमाल इथेनॉल में होने के कारण चीनी बनने की क्षमता प्रभावित हुई है। सरकार ने चीनी मिलों से कहा था कि वे चीनी के पेराई सत्र को 15 दिन पहले यानी अक्टूबर में ही शुरू करें, जिसकी संभावना बहुत कम नजर आ रही है। ऐसे में चीनी के दाम आसमान पर पहुंच गए हैं। पिछले करीब 15 दिनों में चीनी 17 से 20 रुपये किलोग्राम महंगी हो गई है। 15 दिन पहले रिटेल में चीनी की कीमत 48 रुपये किलो थी जो अब बढ़कर 62 से 65 रुपये प्रति किलो हो गई है। नतीजा यह कि घर की चाय से लेकर चॉकलेट, दूध, खीर, जूस और मिठाई तक हर चीज में महंगाई का असर दिख रहा है।

स्टॉक लिमिट पर रोक

चीनी की बढ़ती कीमतों को देखते हुए सरकार ने थोक व्यापारियों के लिए चीनी की स्टॉक लिमिट को थोड़ा और टाइट कर दिया गया है।

भारत सरकार के आदेश के अनुसार चीनी के जो भी विक्रेता हर महीने 10 टन से ज्यादा चीनी बेचते हैं, अब वे 15 दिनों से अधिक का स्टॉक नहीं रख सकेंगे।

यह फैसला अगले महीने की पहली तारीख से लागू हो रहा है।

चावल की कीमतें एक साल के हाई पर

असर सिर्फ चीनी पर ही नहीं, बल्कि चावल पर भी दिखाई दे रहा है। भारत के चावल की निर्यात कीमतों में इस सप्ताह तेजी देखने को मिली है। भारतीय चावल की कीमतें करीब एक साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। सीमित आपूर्ति, नई फसल को लेकर चिंता और अफ्रीकी देशों से बनी हुई मांग ने कीमतों को समर्थन दिया है। वहीं, वियतनाम के चावल की कीमतों में लगातार तीसरे सप्ताह बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ग्लोबल सप्लाई पर मौसम का असर भी दिखाई दे रहा है।

केजरीवाल ने साधा निशाना

चीनी की बढ़ती कीमतों के बीच दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में पूछ है, 'मोदी सरकार या फिर अनपढ़ सरकार?'उन्होंने आगे लिखा, 'ये लोग विदेशी मुद्रा बचाने के लिए गन्ने से इथेनॉल बना रहे थे। अब देश में चीनी की कमी हो गई है और सिर्फ 17 दिनों में दाम 20 रुपये बढ़ गए हैं। अब हालात ऐसे हो गए हैं कि वही विदेशी मुद्रा फूंक कर चीनी आयात करने की नौबत आ गई है। ये सरकार है या मजाक?'

चांदी 9,260 बढ़कर 2.38 लाख पर पहुंची

10 ग्राम सोने का दाम 3,519 बढ़कर 1.57 लाख हुआ, इस साल 1.70 लाख तक जा सकता है

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतें 20 अगस्त को बढ़ गई हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, एक किलो चांदी की कीमत 9,260 रुपए बढ़कर 2.38 लाख रुपए पहुंच गई है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 3,519 रुपए बढ़कर 1.57 लाख रुपए हो गया है। इस महीने यानी अगस्त में 20 दिन में सोना 15 हजार और चांदी 20 हजार रुपए महंगी हो चुकी है। एक्सपर्ट्स के अनुसार सोना इस साल के आखिर तक 1 लाख 70 हजार रुपए तक जा सकता है। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 24 हजार रुपए महंगा हो चुका है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.57 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.38 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

2036 तक 20 ट्रिलियन की इकोनॉमी बनेगा भारत!

जानिए वे '20 बड़े सुधार' जो बदल देंगे देश की तस्वीर

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। इक्विरस की एक रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार, भारत 2036 तक 20 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बन सकता है, लेकिन इसके लिए किसी एक ग्रोथ ड्राइवर पर निर्भर रहने के बजाय बड़े पैमाने पर सुधारों की जरूरत होगी. एएनआई की रिपोर्ट में इंफ्रास्ट्रक्चर, कैपिटल मार्केट, ह्यूमन कैपिटल, सर्विस सेक्टर, शहरी गवर्नेंस और व्यापक रियल इकॉनमी से जुड़े 20-पॉइंट वाले एजेंडे का जिक्र किया गया है. रिपोर्ट में कहा गया है कि इन क्षेत्रों में लगातार सुधार लागू करने से भारत अगले दशक में तेजी से विकास के रास्ते पर आगे बढ़ सकता है. भारत की इकोनॉमी, जिसका मौजूदा अनुमान लगभग 3.7 ट्रिलियन डॉलर है, को 20 ट्रिलियन डॉलर के लेवल तक पहुंचने के लिए लगभग 5.5 गुना बढ़ना होगा. डॉलर के हिसाब से इसका मतलब है कि सालाना लगभग 18 फीसदी की नॉमिनल ग्रोथ की जरूरत होगी. इक्विरस ने चीन के अनुभव का हवाला देते हुए कहा कि ऐसी रफ्तार हासिल करना मुश्किल तो है, लेकिन नामुमकिन नहीं. रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने लगभग 1.7 ट्रिलियन डॉलर के शुरुआती स्तर से लगातार 11 वर्षों तक डॉलर के हिसाब से सालाना लगभग 18 फीसदी की ग्रोथ हासिल की थी. सुधार के एजेंडे में ऐसे उपाय शामिल हैं जिनका मकसद सरकारी खजाने पर अतिरिक्त बोझ डाले बिना निवेश को बढ़ावा देना है. उदाहरण के लिए, फ्यूल को गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स के दायरे में लाना भी प्रस्तावों में शामिल है. रिपोर्ट में राज्यों से यह भी कहा गया है कि वे अपने बजट में तय किए गए कैपिटल खर्च का पूरा इस्तेमाल करें. इक्विरस का अनुमान है कि अगर राज्य अपने प्लान किए गए और असल कैपिटल खर्च के बीच के अंतर को ही खत्म कर दें, तो बिना नया कर्ज लिए जीडीपी में लगभग 5.2 ट्रिलियन रुपए जोड़े जा सकते हैं.

एक और प्रस्ताव सिंगापुर के टेमासेक की तर्ज पर भारत का सॉवरेन फंड बनाने का है. सरकार पब्लिक सेक्टर की कंपनियों में अपनी इक्विटी हिस्सेदारी को इस फंड में डाल सकती है, जिससे लगभग 249 अरब डॉलर की शुरुआती पूंजी (सीड कैपिटल) बन सकती है. इससे मिलने वाली रकम इंफ्रास्ट्रक्चर और दूसरी अहम जरूरतों के लिए फंडिंग का एक लगातार जरिया बन सकती है. रिपोर्ट में भारत के कैपिटल मार्केट को और मजबूत करने की भी काफी गुंजाइश दिखती है.

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
अगर किसी के साथ इन दिनों आपके सम्बन्ध सही नही हैं तो आज उनसे इस बारे में बात कर सकते हैं । उनकी भी बात ध्यानपूर्वक सुनें । सामने वाले को ना तो इतनी छूट दें की आपको रोंदकर आगे बढ़ जाए,ना ही बहुत रुखा व्यवहार करना ठीक होगा । ऑफिस में आज किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात सम्भव है,सतर्क और सक्रिय रहें ।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
आप आज ऊर्जा से भरे हैं,आपके आकर्षण और कुशलता से आज घर-ऑफिस में सब प्रभावित होंगे । अपने दोस्तों या किसी ख़ास के साथ बाहर घुमने जाकर मजे करें । दिन शांत और तनावरहित रहेगा । आज अच्छा वित्तीय लाभ होने की सम्भावना तो बनी हुई है,लेकिन अपने खरीदारी के खर्चो पर भी नजर रखें ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आप आज थोड़ी सी गंभीर मानसिक स्थिति में रहेंगे । आपको आज जीवन के व्यावहारिक मुद्दों पर ध्यान देना होगा । लेकिन आप विश्वास और आशावादिता से भरपूर हैं और गहरे भावनात्मक स्तर पर भी मौके लेने के लिए तैयार हैं । आपका कोई करीबी आपके लक्ष्यों और उद्देश्यों के लिए अपनी चिंता जाहिर करेगा,उन्हें अपनी स्थिति समझाने के लिए समय निकालें ।

कर्क (ही, हू, हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज का दिन बहुत व्यस्त रहेगा । बहुत सारे काम कतार में हैं । हालाँकि आप अपनी तरफ से उन सब कामों को निपटाने की पूरी कोशिश करेंगे फिर भी सम्भावना यही है कि सब काम पूरे नही हो पायेंगे और आपको इस कारण तनाव होगा । काम पूरे करने में और किसी की सहायता लेने से ना हिचकें,नही तो आप समय पर काम पूरा नही कर पायेंगे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आप अपने विस्तृत होते हुए परिवेश के बारे में बहुत अच्छा अनुभव करेंगे लेकिन आपके परिजन इसी को लेकर निराश होंगे । जो आप करना चाहते हैं ,उसके लिए स्वयम को समर्पित कर दें । पर्दे के पीछे काम न करें,आप जो भी कर रहे हैं,उसके बारे में जानने दें । अपनी जीवन में आये किसी नए दोस्त से आपको काफी लगाव का अनुभव होगा ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज चलते हुए सावधान रहें । हलकी खरोचें आ सकती हैं । न चाहते हुए भी आप किसी करीबी को बातों-बातों में नाराज कर सकते हैं । आज केवल अपने काम से ही मतलब रखना उपयुक्त रहेगा । सिनेमा या किसी और मनोरंजक कार्यकलाप में समय बिता सकते हैं ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आप एक पारिवारिक व्यक्ति हैं । पारिवारिक मूल्य ही आपकी सफलता का श्रोत हैं । ,आज भी शुभ की शुरुआत आपके घर से ही होगी और आपको नयी कामयाबी दिलाएगी । आप विशेष लय में हैं । आज का दिन सार्थक होगा । मुश्किल समय में भी अपनी मुस्कान और होसला बनाये रखें । आपकी सकारात्मक दृष्टि आपको औरों से अलग मुकाम पर ले जायेगी ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
दिन के आगे बढने के साथ चिंता भी बढ़ेगी । लेकिन लक्ष्य प्राप्त करने तक हिम्मत ना छोड़ें । हारना या जीतना नही,आपके प्रयास सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं । आपने निरंतर प्रयास किये हैं ,लेकिन अभी इन्हें बनाये रखना होगा । समस्याओं की तह तक जाने की कोशिश करें ताकि इन्हें हमेशा के लिए ख़तम कर सकें ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
एकरसता आपको अच्छी न लगती । इससे आप बोर अनुभव करते हैं । आज आप काफी खुश और फ्लर्ट वाले मूड में होंगे । अपनी दिनचर्या बदलें । इसमें फिटनेस को जगह दें । किसी मनोरंजक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं । आपके नए विचार से वरिष्ठ अधिकारी प्रभावित होंगें । ऑफिस में नयी पहचान

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज का दिन तारीफ और प्रशंसा से भरा रहेगा । आपके बेहतरीन कामों के लिए पुरस्कार भी मिल सकते हैं । आपकी सच के साथ बने रहने की खासियत से आप अपने से प्रतिस्पर्धा करने वाले कई लोगों के रोल-मॉडल बन पायेंगे । आज कोई फैसला कार्यान्वित करने से पहले एक बार फिर से सोच लें ।

कुंभ (गु, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
आज आप अपने घर की साज सज्जा ,कपड़ों और सौंदर्य प्रसाधनों पर काफी खर्च कर सकते हैं । हालाँकि आप अपने खर्च को फिजूलखर्ची की सीमा तक पहुचने से पहले नियंत्रित कर पायेंगे । अपने किसी ख़ास को कोई कीमती उपहार दे सकते हैं,जो उसे बहुत अच्छा लगेगा । हालांकि अपनी भावनाओं को बोलकर व्यक्त करने से आपकी बात अधिक सार्थक लगेगी ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आप बहुत दिनों से आज के दिन के लिए बचत करते आ रहे हैं । आज कोई ऐसी ख़ुशी की खबर मिलेगी जो आपके होठो पर मुस्कान और आँखों में आंसू ले आएगी ।आज आप पुरे दिन दोस्तों और सम्बन्धियों से घिरे रहेंगे|समय मजे में बीतेगा लेकिन अपने स्व। स्थ्य का ध्यान जरूर रखें ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

स्काईवेज आईपीओ : ईओडब्ल्यू की जांच और एईओ सर्टिफिकेट रद्द होने जैसे बड़े जोखिम

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। अगले हफ्ते इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) लाने जा रही स्काईवेज एयर सर्विसेज लिमिटेड ने सेबी ने पास जमा कराए आधिकारिक दस्तावेजों में बताया है कि आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा कंपनी और उसकी सहायक कंपनी ब्रेस पोर्ट लॉजिस्टिक्स लिमिटेड के खिलाफ धोखाधड़ी, अधिक बिलिंग, जालसाजी और आपराधिक साजिश के आरोपों के संबंध में जांच की जा रही है। स्काईवेज एयर सर्विसेज लिमिटेड का आईपीओ निवेशकों के लिए 24 अगस्त से खुल रहा है और 27 अगस्त तक खुला रहेगा। इसका प्राइस बैंड 131-138 रुपए प्रति इक्विटी शेयर है। इस इश्यू में 2.89 करोड़ इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू और 1.33 करोड़ शेयरों का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) शामिल है। आईपीओ दस्तावेज में बताया गया यह जोखिम यूके की पीजी पेपर कंपनी लिमिटेड की शिकायत पर दिल्ली की ईओडब्ल्यू द्वारा 12 दिसंबर, 2025 को दर्ज की गई एफआईआर नंबर 0172/2025 से जुड़ा है। इस एफआईआर में स्काईवेज एयर सर्विसेज को आरोपी नंबर 3 और उसकी सब्सिडियरी ब्रेस पोर्ट लॉजिस्टिक्स लिमिटेड को आरोपी नंबर 2 बताया गया है। 11 अगस्त, 2026 को दाखिल आरएचपी में इस एफआईआर का जिक्र कंपनी और उसकी सब्सिडियरी के खिलाफ चल रही आपराधिक कार्यवाही के तौर पर किया गया है।आरएचपी और रिप्रेजेंटेशन में बताए गए आरोपों के अनुसार, पीजी पेपर ने आरोप लगाया है कि स्काईवेज ग्रुप की कंपनियों (जिनमें ब्रेस पोर्ट, आरआईवी वर्ल्डवाइड लिमिटेड.यूके और स्काईवेज एसएलएस लॉजिस्टिक्स जीएमबीएच शामिल हैं) ने मिली-जुली साजिश के जरिए फ्रेट का काम हासिल किया। इसमें बढ़ा-चढ़ाकर फ्रेट इनवॉइस बनाना, कथित रिश्वतखोरी, धोखाधड़ी और गलत जानकारी देना शामिल था। शिकायतकर्ता का आरोप है कि 2021 से इन तीन सब्सिडियरी कंपनियों के जरिए 800 करोड़ रुपए से ज्यादा का कारोबार हुआ और उन्हें कम से कम 44.20 करोड़ रुपए का सीधा नुकसान हुआ। पीजी पेपर की ओर से सेबी को दिए गए रिप्रेजेंटेशन में यह भी आरोप लगाया गया है कि ब्रेस पोर्ट और स्काईवेज ने मिलकर कंपनी से लगभग 44.20 करोड़ रुपए ज्यादा की इनवॉइसिंग की। पीजी पेपर ने आरोप लगाया कि माल ढुलाई के खर्च को जानबूझकर बढ़ाया गया था। कुछ मामलों में तो यह मौजूदा बाजार दरों से लगभग 40 प्रतिशत से लेकर 300 प्रतिशत तक ज्यादा था। साथ ही, आरोप है कि माल ढुलाई की व्यवस्था से जुड़े एक कर्मचारी को लालच देकर कंपनी की आंतरिक जांच-पड़ताल की प्रक्रियाओं को दरकिनार किया गया। एफआईआर में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और भारतीय न्याय संहिता के तहत आपराधिक विश्वासघात, धोखाधड़ी, जालसाजी, जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल और आपराधिक साजिश से जुड़ी धाराओं का जिक्र किया गया है। दस्तावेजों में एक और अहम जोखिम की ओर इशारा किया गया है, जो एफआईआर के बाद होने वाली रेगुलेटरी कार्रवाई से जुड़ा है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेस एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) ने 14 मई, 2026 को स्काईवेज के 'ऑथराइज्ड इकोनॉमिक ऑपरेटर-एलओ' सर्टिफिकेट को सस्पेंड करने और उसे रद्द करने का प्रस्ताव देते हुए एक नोटिस जारी किया। जांच के नतीजे आने तक कंपनी का एईओ-एलओ स्टेटस 4 मई, 2026 से रद्द बना हुआ है। स्काईवेज ने 28 जुलाई, 2026 को संबंधित अथॉरिटी को अपना जवाब सौंपा था और यह मामला अभी भी बकाया है। हालांकि, संपर्क करने पर कंपनी ने आईएएनएस के सवालों पर कोई टिप्पणी नहीं की।

'स्कूलों की हालत बदतर, इस्तीफा दें शिक्षा मंत्री'

सचिन पायलट ने पंचायत चुनाव को लेकर भी बोला तीखा हमला

जयपुर, 20 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और टोंक विधायक सचिन पायलट ने कहा कि राजस्थान में सरकारी स्कूलों की हालत बहुत बदतर है। लेकिन, सरकार सुधार करने की बजाय अपनी नाकामियों को छिपाने में लगी हुई है। सरकार ऐसे आदेश निकाल रही है, ताकि स्कूलों की वास्तिव स्थिति प्रदेश की जनता के सामने ना आ सकें। ये बिल्कुल अस्वीकार्य है। शिक्षा मंत्री को अपना इस्तीफा देना चाहिए। साथ ही सचिन पायलट ने पंचायत चुनाव को लेकर भी भजनलाल सरकार पर तीखा हमला बोला।

राजस्थान विधानसभा के बाहर कांग्रेस विधायकों के साथ धरने पर बैठे सचिन पायलट ने मीडिया से चर्चा के दौरान कहा कि पूरे राजस्थान में स्कूलों की हालत खराब है। कहीं छत गिर रही हैं तो कहीं बच्चे धरना दे रहे हैं। लेकिन, सरकार हालात सुधारने के बजाय लोगों को स्कूलों में आने से रोक रही है और फोटोग्राफी पर बैन लगा रही है। अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए आदेश जारी कर रही है। हाईकोर्ट ने भी सरकार की खिंचाई करते हुए स्कूलों को बेहतर बनाने का निर्देश दिया है। इसके बावजूद सरकार शिक्षा, बच्चों की सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं को लेकर गंभीर नहीं है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के अधिकतर सरकारी स्कूल जर्जर हालत में है। झालावाड़ में कई बच्चों की मौत हो गई। अब ऐसा कानून बना दिया कि लोगों को कुछ पता ही न चले। ये बिल्कुल अस्वीकार्य है। शिक्षा मंत्री को अपना इस्तीफा देना चाहिए। सरकार बैकपुट पर है। कांग्रेस राज में जो स्कूल खोले गए थे, भजनलाल सरकार उन स्कूलों को बंद करने में लगी हुई है। ये गलती छिपाने में लगे हुए है। सरकार बौखलाई हुई है। इनके पास ना जवाब है, ना फंड और ना ही नियत है। अगर सरकार चाहे तो स्कूलों की हालत सुधार कर सकती है, लेकिन ये करना ही नहीं चाहते है।

नगर निकाय और पंचायत चुनाव को लेकर सचिन पायलट ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की पूरी तैयारी है। हमारे सारे नेता और कार्यकर्ता, प्रभारी मिलकर बैठक कर चुके है। चुनाव को लेकर आरक्षण लॉटरी निकली चुकी है। लेकिन, सरकार जानबूझकर पंचायत चुनाव में देरी करना चाहती है। ये लोग वन नेशन वन इलेक्शन की बात कर रहे थे, लेकिन सिर्फ शहरों में ही चुनाव कराने की बात कर रहे है। हमारी पार्टी निकाय चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है और अच्छे बहुमत के साथ कांग्रेस आएगी।

बीजेपी के नेता कह रहे हैं कि दिल्ली के इशारे पर प्रदर्शन हो रहा है। कांग्रेसियों ने जैसे दिल्ली में सदन नहीं चलने दिया, वैसे ही राजस्थान में भी विधानसभा सत्र नहीं चलने दे रहे हैं। इस सवाल के जवाब में सचिन पायलट ने कहा कि केरल में बच्चों पर एके-47 से गोली चलाई गई और दिल्ली में पानी की बौछार व लाठीचार्ज किया गया। इसमें एक नौजवान की आंख तक चली गई। राहुल गांधी ने जब इसका जवाब मांगा तो कोई जवाब नहीं दिया गया। दिल्ली पुलिस किसके इशारे पर काम कर रही है? सरकार सदन में जवाब देने से बचती रही। सदन चलाना सरकार की जिम्मेदारी है। अगर आप तानाशाहीपूर्ण रवैया अपनाएंगे तो सदन कैसे चल सकता है?

रेलवे का बड़ा फैसला: 9450 करोड़ का प्रोजेक्ट मंजूर

4 राज्यों में बढ़ेगी कनेक्टिविटी; हजारों गांवों को होगा फायदा

जयपुर, 20 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की समिति ने भारतीय रेलवे के क्षमता विस्तार के लिए लगभग 9,450 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत वाली चार प्रमुख मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की है। प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत तैयार इन परियोजनाओं को वर्ष 2030-31 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

बता दें कि यह योजना पश्चिम बंगाल, ओडिशा, तमिलनाडु और आंध्रप्रदेश के 8 जिलों को कवर करेगी, जिससे रेलवे नेटवर्क में लगभग 410 किलोमीटर नई ट्रैक क्षमता जुड़ेगी। अनुमोदित चार मुख्य रेल मार्ग निम्नलिखित हैं।

खड़गपुर – भद्रक (रानीताल) चौथी लाइनः 173 किमी (पश्चिम बंगाल एवं ओडिशा)

भद्रक – हरिदासपुर चौथी लाइनः 75 किमी (ओडिशा)

गुम्मिडिपुंडी – गुडुर तीसरी और चौथी लाइनः 90 किमी (आंध्र प्रदेश एवं तमिलनाडु)

कटक – पारादीप (बडाबन्धा) तीसरी और चौथी लाइनः 72 किमी (ओडिशा)

इन रेल परियोजनाओं के माध्यम से लगभग 60 लाख की आबादी वाले 6,448 गांवों की कनेक्टिविटी में सीधा सुधार होगा। इससे क्षेत्र में रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे, जो स्थानीय निवासियों को आत्मनिर्भर बनाने में मदद करेगा। इसके अतिरिक्त, यात्रियों और माल परिवहन दोनों के लिए परिचालन सुव्यवस्थित होगा और मार्गों पर भीड़भाड़ कम होगी। यह विस्तार कई महत्वपूर्ण धार्मिक और प्राकृतिक पर्यटन स्थलों तक पहुंच को आसान बनाएगा। इनमें कुलडीहा वन्यजीव अभयारण्य, भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान, पुलिकट झील, नेलपट्टू पक्षी अभयारण्य, ललितगिरि (बौद्ध स्थल), चांदीपुर और तलसारी-उदयपुर समुद्र तट शामिल हैं। साथ ही मां भद्रकाली, मां धमराई, पंचलिंगेश्वर, भगवान वीरराघव पेरुमल, गदा कुजंगा जगन्नाथ, सरला और धबलेश्वर जैसे प्रमुख मंदिरों तक रेल पहुंच सुलभ होगी। ये रेल मार्ग कोयला, लौह अयस्क, सीमेंट, लोहा और इस्पात, कंटेनर, ऑटोमोबाइल और अनाज जैसी आवश्यक वस्तुओं के परिवहन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। नेटवर्क विस्तार से प्रति वर्ष 76 मिलियन टन की अतिरिक्त माल ढुलाई क्षमता प्राप्त होगी, जिससे देश की लॉजिस्टिक्स लागत में कमी आएगी।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह कदम बेहद प्रभावकारी साबित होगा। ट्रेन से माल ढुलाई बढ़ने के कारण लगभग 13 करोड़ लीटर तेल आयात की बचत होगी और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में लगभग 65 करोड़ किलोग्राम की कमी आएगी, जो कि 2.60 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है।

सीजीपी प्रवक्ता आशुतोष रांका की शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को खुली चुनौती, बोले- 10 बेहतरीन स्कूल दिखा दीजिए

जयपुर, 20 अगस्त (एजेंसियां)। कॉकरोच जनता पार्टी के सह-संयोजक आशुतोष रांका ने एलान किया कि उनकी पार्टी पूरे राजस्थान में सरकारी स्कूलों का निरीक्षण जारी रखेगी। राजस्थान शिक्षा विभाग द्वारा बिना पूर्व अनुमति के बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक लगाने के बाद, अब सीजेपी और शिक्षा विभाग के बीच सीधा टकराव देखने को मिल रहा है।

बता दें कि आशुतोष रांका ने राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को चुनौती देते हुए कहा कि वे मजबूत बुनियादी ढांचे वाले 10 बेहतरीन सरकारी स्कूलों के नाम बताएं। सीजेपी की टीम वहां जाकर भी उनकी स्थिति जनता के सामने रखेगी।

आशुतोष रांका ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, मदन दिलावर जी, आपके लिए मेरा एक प्रस्ताव है। अपने कार्यकाल में बनीं 10 सबसे बेहतरीन स्कूलों के नाम बताइए। मेरी पूरी टीम वहां भी दौरा करेगी। क्या आपके पास दिखाने के लिए ऐसी 10 स्कूलें भी नहीं हैं? अगले कुछ दिनों में हम पूरे राजस्थान के स्कूलों का दौरा करेंगे।

रांका ने बताया कि उनकी संस्था को जर्जर और बदहाल स्कूलों के निरीक्षण के लिए 9 जिलों से अनुरोध मिले हैं। प्रशासन पर कार्रवाई का दबाव बनाने के लिए सीजेपी की टीमें जल्द ही जयपुर, अजमेर, जोधपुर, उदयपुर, धौलपुर, भरतपुर, कोटा, बाड़मेर और हनुमानगढ़ के स्कूलों का दौरा करेंगी। हालांकि, रविवार शाम होते-होते शिक्षा विभाग ने एक आदेश जारी कर दिया। इसके तहत बिना प्रिंसिपल की पूर्व अनुमति के किसी भी बाहरी व्यक्ति के स्कूल परिसर में प्रवेश पर रोक लगा दी गई है।

बच्चों की गोपनीयता और सुरक्षा का हवाला देते हुए बिना मंजूरी के फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी और बच्चों के इंटरव्यू पर प्रतिबंध लगाया गया है। नियमों का उल्लंघन करने पर प्रिंसिपल पुलिस की मदद से भारतीय न्याय संहिता 2023, पॉक्सो एक्ट और आईटी एक्ट के तहत कानूनी कार्रवाई कर सकते हैं।

बताते चलें कि यह आदेश तब आया, जब सोशल मीडिया पर स्थानीय लोगों द्वारा बनाए गए कुछ वीडियो वायरल हुए थे। इनमें दिखाया गया था कि चारदीवारी न होने के कारण लोग आसानी से सरकारी स्कूलों में दाखिल हो रहे थे। इस पूरे विवाद पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर और विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

पूर्व महाराजा गज सिंह की संपत्ति हड़पने की साजिश

जाली कागजात बनाकर बेची जमीन, केस दर्ज

जोधपुर, 20 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व सांसद गज सिंह के नाम से जारी आम मुख्तारनामा का कथित दुरुपयोग कर उनकी संपत्तियां हड़पने और फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बेचने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पूर्व राजपरिवार के आम मुख्तियार डॉ. महेंद्र सिंह तंवर की ओर से जोधपुर के उदयमंदिर थाने में मामला दर्ज कराया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, 15 अक्टूबर 2015 को पूर्व गज सिंह ने दिलीप सिंह को आम मुख्तारनामा दिया था। आरोप है कि यह मुख्तारनामा केवल न्यायालयों में मुकदमों की पैरवी, दस्तावेजों पर हस्ताक्षर और न्यायिक कार्यों तक सीमित था। इसके बावजूद दिलीप सिंह ने अन्य आरोपियों के साथ मिलकर मार्च 2016 को बिना किसी अधिकार के फर्जी बेचान इकरारनामे तैयार किए।

शिकायत में साल 2016 में सोजत, चंडलाई, सोड़ावास और जोधपुर क्षेत्र की कई जमीनों के फर्जी तरीके से बेचने का उल्लेख किया गया है। आरोप है कि इन सौदों में करोड़ों रुपए की संपत्ति को खुर्द-बुर्द किया गया और दस्तावेजों का कूटरचित तरीके से इस्तेमाल किया गया। इसमें कमल कंवर, ऊषा कंवर, कैलाश कंवर, प्रियंका कंवर, जेठाराम, भवानी सिंह, दमयंती, गणपतलाल, रविंद्र गौड़ और भरत कुमार समेत 10 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। रिपोर्ट में आरोप है कि पूर्व सांसद सिंह ने दिलीप सिंह को आम मुख्तारनामा सम्पत्तियां बेचने के लिए नहीं दिया था। इसके बावजूद छल-कपट कर सम्पत्ति का बेचान किया गया। आरोपियों ने इकरारनामों को रजिस्टर्ड नहीं कराया गया।

आरोपियों की ओर से हाल ही में डीआजी स्टांप कार्यालय में टैक्स जमा कराने के लिए आवेदन किया गया। कुछ इकरारनामों से संबंधित टैक्स जमा भी करा दिया गया। आरोप है कि दस साल बाद टैक्स जमा कराने के पीछे आरोपियों की मंशा कूटरचित इकरारनामों से सम्पत्ति का बेचान करना है।

नारायणपुर में चोरों का आतंक: बच्चे की गर्दन पर चाकू लगाकर 53 हजार रुपए चुराए

अलवर, 20 अगस्त (एजेंसियां)। नारायणपुर उपखंड क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में डर का माहौल है। ग्राम पंचायत मुण्डावरा में अज्ञात चोरों ने दो मकानों को निशाना बनाया। एक वारदात में चोर घर के पीछे बने जंगले के रास्ते छत पर पहुंचे और जीना (सीढ़ी) से नीचे उतरकर अलमारी में रखे 53 हजार रुपए चोरी कर लिए। इस दौरान घर में मौजूद महिला और उसके छोटे बच्चे को चोरों ने डराया-धमकाया।

परिजनों के अनुसार, पुरणमल जाट पुत्र श्योनाथ गढ़वाल की पुत्रवधू अपने छोटे बच्चे को दूध पिलाने के लिए कमरे में गई थी। महिला जैसे ही चौक में पहुंची, वहां तीन लोग खड़े दिखाई दिए। आरोप है कि चोरों ने महिला के मुंह पर रुमाल रख दिया, जिससे वह बेहोशी जैसी हालत में हो गई।

महिला ने जब विरोध करने या शोर मचाने की कोशिश की तो आरोपियों ने उसके छोटे बच्चे की गर्दन पर चाकू लगा दिया। इससे महिला डर गई और चुपचाप बैठ गई। इसके बाद चोरों ने घर की अलमारी में भैंस खरीदने के लिए रखे 53 हजार रुपए निकाले और उसी रास्ते से छत पर पहुंचकर जंगले के जरिए फरार हो गए।

वारदात के बाद महिला ने परिजनों को पूरी घटना बताई। परिवार के लोग जागे और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर रात में नारायणपुर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुके थे। घटना के बाद परिवार के लोग सहमे हुए हैं। परिवार की ओर से अज्ञात लोगों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कराया गया है।

इसी रात क्षेत्र के एक अन्य मकान में भी चोरी हुई। मकान मालिक रामस्वरूप जाट के अनुसार, बहू मीरा देवी भैंस का दूध निकालकर मकान में रखने गई तो घर की सीमेंट की जाली उखड़ी हुई मिली। अंदर जाकर देखने पर तीन लोहे के संदूक गायब मिले। घर का सामान मकान के पीछे खेत में बिखरा हुआ था। चोर संदूकों में रखी चांदी की कड़ी, सोने का ताबीज, करीब 5 किलो देशी घी, 25 हजार रुपए नकद और अन्य सामान चोरी कर ले गए।

दोनों घटनाओं की सूचना मिलने पर नारायणपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। थानाधिकारी रोहिताश कुमार ने बताया कि अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ चोरों का पता लगाने में जुटी है।

पूर्व मेयर धर्मेंद्र गहलोत ने दो नोटिस के बाद भाजपा से इस्तीफे की घोषणा की

अजमेर, 20 अगस्त (एजेंसियां)। निकाय चुनाव से पहले अजमेर भाजपा में सियासी हलचल बढ़ गई है। पूर्व मेयर धर्मेंद्र गहलोत ने दो नोटिस के बाद भाजपा से इस्तीफे की घोषणा की। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष पर गंभीर आरोप लगाए। एक दिन पहले ही उन्हें नागौर की चुनावी जिम्मेदारी मिली थी।

निकाय चुनाव से पहले अजमेर भाजपा में अंदरूनी खींचतान एक बार फिर खुलकर सामने आ गई है। पूर्व मेयर धर्मेंद्र गहलोत ने भाजपा से इस्तीफा देने की घोषणा कर दी है। इस्तीफे का ऐलान करते हुए गहलोत ने विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ नाराजगी जाहिर की और उन पर गंभीर आरोप लगाए।

बताया जा रहा है कि स्वायत्त शासन विभाग की ओर से जारी किए गए दो नोटिस के बाद गहलोत ने यह कदम उठाने की घोषणा की। इस घटनाक्रम के बाद गहलोत और विधानसभा अध्यक्ष के बीच चल रहे विवाद को लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं।

खास बात यह है कि भाजपा संगठन ने एक दिन पहले ही धर्मेंद्र गहलोत को आगामी निकाय चुनाव के मद्देनजर नागौर जिले की जिम्मेदारी सौंपी थी। पार्टी की ओर से महत्वपूर्ण चुनावी जिम्मेदारी मिलने के अगले ही दिन गहलोत के इस्तीफे की घोषणा ने सियासी हलकों में हलचल बढ़ा दी है।

गहलोत के इस्तीफे के ऐलान के बाद अब सवाल उठ रहे हैं कि क्या उनका यह फैसला केवल स्वायत्त शासन विभाग के नोटिस का नतीजा है या इसके पीछे अजमेर भाजपा में लंबे समय से चली आ रही अंदरूनी खींचतान भी वजह है।

पूर्व मेयर के इस कदम से निकाय चुनाव से पहले अजमेर भाजपा की राजनीति में नया मोड़ आ गया है। गहलोत की ओर से लगाए गए आरोपों और इस्तीफे पर भाजपा संगठन की प्रतिक्रिया का इंतजार है। फिलहाल उनके इस्तीफे की घोषणा के बाद अजमेर से लेकर नागौर तक भाजपा की सियासत में चर्चाएं तेज हो गई हैं।

पुलिस एसआई 3500 रुपए को रिश्वत लेते गिरफ्तार

अलवर, 20 अगस्त (एजेंसियां)। कोटपूतली में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने रिश्वतखोरी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस उप निरीक्षक को 3,500 रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान राजेन्द्र सिंह के रूप में हुई है। वह कोटपूतली पुलिस थाने में उप निरीक्षक के पद पर तैनात है। एसीबी ने आरोपी से रिश्वत की राशि बरामद कर ली है और मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

एसीबी के अनुसार, अलवर प्रथम चौकी को एक परिवादी ने शिकायत दी थी। शिकायत में बताया गया कि उसने बैंक के खिलाफ न्यायालय के माध्यम से कोटपूतली थाने में मुकदमा दर्ज करवाया था। इस मामले की जांच उप निरीक्षक राजेन्द्र सिंह कर रहे थे। आरोप है कि मुकदमे में आगे की कार्रवाई करने के बदले उप निरीक्षक ने परिवादी से 5,000 रुपए रिश्वत की मांग की।

शिकायत मिलने के बाद एसीबी चौकी अलवर प्रथम ने 19 अगस्त को रिश्वत की मांग का सत्यापन करवाया। सत्यापन के दौरान आरोपी द्वारा परिवादी से 5,000 रुपए रिश्वत मांगना पाया गया। इसी दौरान आरोपी ने 1,500 रुपए रिश्वत की राशि प्राप्त कर ली थी। बाकी 3,500 रुपए बाद में लेना तय हुआ था।

मांग की पुष्टि होने के बाद एसीबी ने ट्रैप की योजना बनाई। उप महानिरीक्षक पुलिस डॉ. रामेश्वर सिंह के सुपरविजन में एसीबी चौकी अलवर प्रथम के प्रभारी शब्बीर खान, उप अधीक्षक पुलिस के नेतृत्व में गुरुवार को कार्रवाई की गई।

टोंक-जयपुर के बाद अब श्रीगंगानगर में पीएम फसल बीमा में फर्जीवाड़ा

उठाया 31 लाख का क्लेम; मंत्री ने लिया बड़ा एक्शन

जयपुर, 20 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में फर्जीवाड़े का दायरा बढ़ता जा रहा है। टोंक और जयपुर जिले के बाद श्रीगंगानगर जिले में भी बीमा पॉलिसियों के नाम पर बड़ा खेल सामने आया है। सूरतगढ़ के कालूसर गांव में एक ही खसरे की 10.37 हेक्टेयर जमीन पर कई पॉलिसियां बनाकर वास्तविक क्षेत्रफल से करीब सात गुना अधिक भूमि का बीमा करा दिया गया। इस फर्जीवाड़े के जरिए किसानों ने 31.15 लाख रुपए से अधिक का क्लेम भी उठा लिया।

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीना तक भी मामला पहुंचा है। इसके बाद आरोपियों के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराने के आदेश दिए हैं। पड़ताल में यह बात सामने आई है कि खसरा नंबर 281/91 की वास्तविक भूमि के मुकाबले करीब सात गुना अधिक क्षेत्रफल पर अलग-अलग पॉलिसियां जारी कर फसल बीमा कराया गया। इसी भूमि पर अन्य किसानों की ओर से कराई गई कुछ पॉलिसियां बीमा कंपनी ने रिजेक्ट कर दी गई थीं। फर्जीवाड़ा करने के आरोपी टोंक जिले की मालपुरा तहसील के किसान मुकेश सैनी, सीताराम सैनी और फूलचन्द एवं जयपुर जिले के दीपक सैनी एवं विनिता सैनी और फर्जीवाड़ा करने वाली सीएससी (ई-मित्र) संचालकों के खिलाफ मामला दर्ज कराया जा रहा है। आरोप है कि कृषक बनवारी लाल ने अपने खसरा नंबर 281/91 की 10.37 हेक्टेयर भूमि पर ऋणी किसान के रूप में मूंगफली का फसल बीमा करवाया। इसी खसरे पर सीएससी (ई-मित्र) संचालक विकास कुमार के माध्यम से भी 10.37 हेक्टेयर और बिजेश के माध्यम से 10.30 हेक्टेयर क्षेत्रफल का अलग-अलग बीमा करवाया गया। इन तीनों पॉलिसियों के आधार पर बनवारी लाल ने 23 लाख 35 हजार 319 रुपए का बीमा क्लेम प्राप्त किया। इसी खसरा भूमि को बनवारी लाल की ओर से रिछपाल को बटाई पर दिया गया था। रिछपाल ने भी इसी मूंगफली का बीमा करवाया और 7,80,195 रुपए का क्लेम प्राप्त किया। इस प्रकार इन दोनों के माध्यम से प्राप्त क्लेम की राशि 31 लाख 15 हजार 514 रुपए सामने आई है। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीना कहना है कि प्रधानमंत्री फसल बीमा सहित किसी भी सरकारी योजना में किसी भी प्रकार का फर्जीवाड़ा या दुरुपयोग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इधर, खरीफ 2026 के लिए टोंक जिले की मालपुरा तहसील और जयपुर जिले की शाहपुरा तहसील में फर्जी फसल बीमा कराने की गोपनीय सूचना की जांच में शिकायत सही पाई जाने के बाद कृषि विभाग ने सख्त एक्शन लिया है। आयुक्त कृषि नरेश कुमार गोयल की ओर से फर्जीवाड़ा करने वाले किसानों टोंक जिले की मालपुरा तहसील के मुकेश सैनी पुत्र फूलचन्द सैनी, सीताराम सैनी पुत्र फूलचन्द सैनी और फूलचन्द पुत्र हजारी लाल सैनी और जयपुर जिले के दीपक सैनी पुत्र दिनेश सैनी और विनिता सैनी पत्नी सीताराम सैनी, सीएससी (ई-मित्र) एवं अन्य किसानों के विरूद्व पुलिस थाने में केस दर्ज करवाकर कठोर कार्यवाही के लिए निर्देश जारी किए गए हैं।

एक ही खसरे पर कई बीमा पॉलिसियां : 31.15 लाख रुपये का फर्जी क्लेम; एफआईआर के निर्देश

श्रीगंगानगर, 20 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में फर्जीवाड़े का मामला सामने आने का सिलसिला जारी है। टोंक और जयपुर के बाद अब श्रीगंगानगर जिले में भी बीमा पॉलिसियों के नाम पर गड़बड़ी सामने आई है। सूरतगढ़ तहसील के कालूसर गांव में वास्तविक क्षेत्रफल से करीब सात गुना अधिक जमीन का फसल बीमा कराकर 31.15 लाख रुपये से ज्यादा का क्लेम उठाने का मामला सामने आया है। कृषि विभाग ने मामले में आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। कालूसर गांव के खसरा नंबर 281/91 की कुल भूमि 10.37 हेक्टेयर है। इसके बावजूद इसी जमीन पर अलग-अलग पॉलिसियां जारी कराकर बीमा क्लेम लिया गया। प्राथमिक जांच के अनुसार कृषक बनवारी लाल ने अपनी 10.37 हेक्टेयर जमीन पर ऋणी किसान के रूप में मूंगफली की फसल का बीमा कराया।

बनवारी लाल ने सीएससी यानी ई-मित्र संचालक विकास कुमार के माध्यम से 10.37 हेक्टेयर और संचालक बिजेश के माध्यम से 10.30 हेक्टेयर जमीन का अलग-अलग बीमा कराया। इन पॉलिसियों के आधार पर बनवारी लाल ने कुल 23,35,319 रुपये का बीमा क्लेम हासिल किया। मामला यहीं नहीं रुका। बनवारी लाल ने इसी खसरा नंबर की जमीन रिछपाल नामक व्यक्ति को बटाई पर दे रखी थी। रिछपाल ने भी इसी जमीन पर बोई गई मूंगफली की फसल का बीमा करा लिया। इस पॉलिसी के आधार पर उसे 7,80,195 रुपये का बीमा क्लेम मिला। इस तरह दोनों ने मिलकर कुल 31,15,514 रुपये का अनुचित लाभ उठाया।

वीडियो कॉल पर आपत्तिजनक बातें करने वाला एएसआई गिरफ्तार, महिला को झूठे केस में फंसाने की देता था धमकी

नागौर, 20 अगस्त (एजेंसियां)। विवाहिता से आपत्तिजनक बातचीत व वीडियो कॉल के जरिए हरकत करने के आरोप में गिरफ्तार तत्कालीन गोटन तथा हाल जसनगर थाना के एएसआई रामनिवास को न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय ने उसे जेल भेज दिया। पीड़िता ने हाल ही में नागौर के एएसपी आशाराम चौधरी के समक्ष पेश होकर मदद की गुहार लगाई थी। पीड़िता ने आरोप लगाया कि एएसआई उसे लगातार परेशान कर रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एएसपी ने जांच कर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद गोटन थाने में एएसआई रामनिवास के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। पुलिस के अनुसार महिला ने उसके खिलाफ एएसपी आशाराम चौधरी के सोमवार को परिवाद दिया था। उसके आधार पर दर्ज रिपोर्ट में पीड़िता ने बताया कि पारिवारिक विवाद के चलते वह अपने मकान में अकेली रहती थी। पति की ओर से परेशान करने पर वह मदद के लिए नागौर जिले के गोटन थाने पहुंची। वहां पर तैनात एएसआई रामनिवास इनाणिया ने उसके परिजनों को महिला को परेशान नहीं करने की हिदायत दी।

सजा भी, सुधार भी, कोटा में दुष्कर्म के दोषी किशोर को रोज 2 घंटे पढ़ाई और 3 घंटे पौधरोपण करना होगा, फिर होगी जेल

कोटा, 20 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा स्थित पॉक्सो कोर्ट ने नाबालिग से दुष्कर्म के एक मामले में ऐतिहासिक और सुधारात्मक फैसला सुनाया है। अदालत ने 17 वर्षीय दोषी किशोर को 20 साल के कठोर कारावास की सजा तो दी है, लेकिन उसे सुधारने का एक अनोखा मौका भी प्रदान किया है। दरअसल, कोर्ट के आदेश अनुसार जब तक दोषी 21 वर्ष का नहीं हो जाता, तब तक उसे जेल के बजाय बाल सुधार गृह में रखा जाएगा। यहां उसे रोजाना अनिवार्य रूप से 2 घंटे पढ़ाई और 3 घंटे पौधरोपण व समाज सेवा करनी होगी। बताया जा रहा है कि पॉक्सो कोर्ट क्रम-2 के न्यायाधीश पवन अग्रवाल ने दोषी की मानसिक और शारीरिक स्थिति का बारीकी से आकलन करते हुए यह अनूठा आदेश दिया है। अदालत का मुख्य उद्देश्य किशोर को उसकी गलती का अहसास कराना और उसे मुख्यधारा में लौटने का अवसर देना है।

दोषी किशोर 21 साल की उम्र तक बाल सुधार गृह में रहेगा। साथ ही उसे प्रतिदिन 5 घंटे सुधारात्मक कार्यों में व्यतीत करने होंगे। 21 वर्ष की आयु पूरी होने के बाद ही उसे 20 वर्ष की शेष सजा काटने के लिए सामान्य जेल में शिफ्ट किया जाएगा। किशोर को प्रतिदिन 2 घंटे किसी तकनीकी या अन्य शैक्षणिक संस्थान में शिक्षा ग्रहण करनी होगी। रोजाना 2 घंटे पौधरोपण का कार्य करना होगा। किशोर को प्रतिदिन शाम को 1 घंटे किसी आश्रय स्थल या 'अपना घर' जैसी संस्था में सामाजिक कार्यकर्ता की निगरानी में निस्वार्थ सेवा देनी होगी।

जनस्वास्थ्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं : सीपी बी. सुमति

भारी मात्रा में मिलावटी मशाला जब्त

हैदराबाद, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जनस्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर मिलावटी खाद्य पदार्थ तैयार करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मलकाजगिरी पुलिस कमिश्नर बी. सुमति ने चेतावनी दी कि लोगों के स्वास्थ्य को खतरे में डालकर अवैध मुनाफा कमाने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

पुलिस कमिश्नर के प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण में एसओटी मलकाजगिरी और फूड एडल्टरेशन सर्विलांस टीमों ने गुरुवार को मेडिपल्ली थाना क्षेत्र के श्रीनिवास नगर कॉलोनी स्थित साई तिरुमला एंटरप्राइजेज पर छापा मारा। विश्वसनीय सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में हल्दी, मिर्च, धनिया और गरम मसाला पाउडर को निर्धारित खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन किए बिना अस्वच्छ परिस्थितियों में तैयार कर पैक किए जाने का मामला सामने आया। जांच के दौरान सबसे चौंकाने वाला खुलासा मिर्च पाउडर में हुआ। पुलिस के अनुसार, मिर्च पाउडर में करीब 30 प्रतिशत आरा मिल की लकड़ी का बुरादा (सॉ डस्ट) मिलाया जा रहा था। इसके अलावा नामी ब्रांडों से मिलते-जुलते नकली पैकेट और लेबल लगाकर घटिया उत्पादों को बाजार में ब्रांडेड सामान के रूप में बेचने की तैयारी की जा रही थी।

पुलिस ने कार्रवाई के दौरान 2,300 किलो हल्दी पाउडर, 3,350 किलो मिर्च पाउडर, 5,140 किलो धनिया पाउडर और 100 किलो गरम मसाला जब्त किया। कुल 10,890 किलो यानी 10.89 टन मसाला सामग्री जब्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 25 लाख रुपये बताई गई है। टीमों ने उत्पादन और पैकिंग में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल, तैयार पाउडर, पैकिंग सामग्री और मशीनों की भी जांच की। इस मामले में सत्यनारायण और रुद्रशेखर नामक दो लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। जब्त सामग्री को मेडिपल्ली थाने में सुरक्षित रखा गया है। खाद्य मिलावट, गलत ब्रांडिंग तथा खाद्य पदार्थों के अवैध निर्माण और बिक्री से संबंधित लागू कानूनों के तहत आगे की कार्रवाई की जा रही है। सीपी बी. सुमति ने कहा कि उपभोक्ताओं के विश्वास का फायदा उठाकर मिलावटी खाद्य पदार्थ बाजार में उतारना गंभीर अपराध है। उन्होंने कहा कि सुंदर पैकेट या किसी प्रसिद्ध ब्रांड से मिलता-जुलता नाम देखकर लोग आसानी से उत्पाद पर भरोसा कर लेते हैं और इसी भरोसे का गलत फायदा उठाया जा रहा है। ऐसे मामलों की जड़ तक पहुंचकर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने उपभोक्ताओं से पैकेज्ड खाद्य पदार्थ खरीदते समय केवल पैकेट और ब्रांड नाम पर भरोसा नहीं करने की अपील की। खरीदारी से पहले ब्रांड नाम, निर्माण तिथि, समाप्ति या 'बेस्ट बिफोर' तिथि, बैच नंबर और एफएसएसएआई संबंधी विवरण अवश्य जांचने की सलाह दी गई। पैकिंग या लेबलिंग संदिग्ध होने अथवा उत्पाद की गुणवत्ता पर संदेह होने पर उसे नहीं खरीदने और संबंधित अधिकारियों को सूचना देने को कहा गया। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि मिलावटी खाद्य पदार्थों का निर्माण, भंडारण, पैकिंग या बिक्री होते दिखाई देने पर नागरिक पुलिस को सूचना दें। संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी 8712662111 नंबर पर देने की अपील की गई।इस अभियान में उप्पल जोन डीसीपी के. सुरेश कुमार, एसओटी डीसीपी के. मनोहर, मेडिपल्ली एसीपी बी. मोहन कुमार सहित एसओटी मलकाजगिरी, एसओटी उप्पल जोन और फूड एडल्टरेशन सर्विलांस टीमों के अधिकारी व कर्मचारी शामिल रहे। सीपी बी. सुमति ने दोहराया कि लोगों तक पहुंचने वाला भोजन स्वच्छ और सुरक्षित होना चाहिए। जनस्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले किसी भी अवैध कारोबारी को बख्शा नहीं जाएगा और मिलावट करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

सचिन सावंत ने भद्राद्रि कोत्तागुडेम जिले के कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक की

खम्मम, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एआईसीसी सचिव एवं तेलंगाना कांग्रेस के सह-प्रभारी सचिन सावंत ने बुधवार को खम्मम स्थित कांग्रेस मुख्यालय में भद्राद्रि कोत्तागुडेम जिले की जिला राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक में भाग लिया। बैठक के दौरान सचिन सावंत ने जिले के कांग्रेस नेताओं एवं जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर जमीनी स्तर की राजनीतिक स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने स्थानीय राजनीतिक परिस्थितियों, पार्टी संगठन की स्थिति तथा विभिन्न मुद्दों पर नेताओं के विचारों को समझा और उनसे महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त किए। बैठक में तेलंगाना के राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, जिला कांग्रेस अध्यक्ष थोटा देवी प्रसन्ना, विधायक पायम वेंकटेश्वरलु, विधायक कोरम कनकैया, विधायक जारे आदिनारायण सहित जिले के अन्य प्रमुख कांग्रेस नेता उपस्थित रहे।सचिन सावंत ने कहा कि जिला स्तर के नेताओं के साथ इस तरह की बैठकें जमीनी राजनीतिक परिस्थितियों को समझने और पार्टी संगठन को और मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

भट्टी ने केंद्र-राज्य विवादों के निष्पक्ष और कानूनी समाधान की मांग की

हैदराबाद, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि सहकारी संघवाद की भावना केंद्र और राज्यों के बीच मुद्दों को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने और लिए गए निर्णयों के शीघ्र कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने में निहित है। उन्होंने कहा कि किसी संघीय प्रणाली की असली परीक्षा यह है कि जब विभिन्न राज्यों के हित आपस में टकराते हैं तो वह निष्पक्ष और कानूनी समाधान खोजने में सक्षम हो। भट्टी विक्रमार्क ने ये टिप्पणी गुरुवार को तमिलनाडु के महाबलीपुरम में आयोजित 31वीं दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में की। इस बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने की और इसमें आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू, कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, केरल के मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशान, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन और अन्य नेता शामिल हुए। बैठक में बोलते हुए भट्टी ने कहा कि सच्चे संघवाद के लिए ऐसी संस्थाओं की आवश्यकता होती है जो निष्पक्ष, कानूनी और प्रभावी तरीके से विविध हितों का समन्वय करने में सक्षम हों। कृष्णा नदी के जल विवाद पर उन्होंने कहा कि तेलंगाना का रुख स्पष्ट है और राज्य मौजूदा कानूनी प्रक्रियाओं के अनुसार अपने उचित हिस्से की मांग के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने निचले राज्यों के अधिकारों को प्रभावित करने वाली एकतरफा कार्रवाइयों को रोकने का आह्वान किया और इस बात पर जोर दिया कि कृष्णा बेसिन के सभी राज्यों पर समान सिद्धांत लागू होने चाहिए। उन्होंने बताया कि तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के बीच कृष्णा नदी के जल के आवंटन का मामला वर्तमान में कृष्णा जल विवाद न्यायाधिकरण-II के समक्ष है और उन्होंने स्थापित कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से शीघ्र समाधान का आह्वान किया। भट्टी विक्रमार्क ने पलामुरु-रंगा रेड्डी और नक्कलगंडी लिफ्ट योजनाओं में तेलंगाना के हितों की रक्षा करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

उन्होंने केंद्र से कालेश्वरम और पलामुरु-रंगा रेड्डी लिफ्ट सिंचाई परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता बढ़ाने का आग्रह किया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कालेश्वरम बांध पर जीर्णोद्धार कार्य चल रहा है और तुम्मिदिहेट्टी में प्राणहिता-चेवेल्ला परियोजना को पुनर्जीवित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने केंद्र से पालमुरु-रंगा रेड्डी लिफ्ट योजना के शेष कार्यों को पूरा करने में सहयोग देने का आग्रह किया ताकि परियोजना का पूर्ण उपयोग हो सके। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014 के 12 साल बाद भी तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के बीच कई मुद्दे अनसुलझे हैं। उन्होंने अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार इन मुद्दों का अंतिम समाधान खोजने का आह्वान किया। भट्टी विक्रमार्क ने यह भी घोषणा की कि तेलंगाना हैदराबाद में 32वीं दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की बैठक की मेजबानी करने के लिए तैयार है।

पोंगुलेटी ने खुली बहस नहीं की, भाजपा के महेश्वर रेड्डी का आरोप

हैदराबाद, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । भाजपा विधायक दल के नेता अलेटी महेश्वर रेड्डी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने अपने खिलाफ लगे भ्रष्टाचार के आरोपों पर खुली बहस से परहेज किया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा नेता के विधानसभा मीडिया प्वाइंट पर दस्तावेजी सबूतों के साथ इंतजार करने के बावजूद मंत्री अनुपस्थित रहे। महेश्वर रेड्डी ने कहा कि वह और अन्य भाजपा विधायक और एमएलसी दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक मंत्री के आरोपों पर जवाब का इंतजार करते रहे। उन्होंने पोंगुलेटी को धारा 22ए के तहत भूमि संबंधी कथित अनियमितताओं, संपत्ति हस्तांतरण, कथित लेन-देन और कमीशन के आरोपों पर स्पष्टीकरण देने की चुनौती दी।

ओडिशा में पहली बार होगा अखिल भारतीय जनसंपर्क सम्मेलन

भुवनेश्वर/ हैदराबाद 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ओडिशा के राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति ने गुरुवार को राजभवन में 48वें अखिल भारतीय जनसंपर्क सम्मेलन-2026 (एआईपीआरसी) का आधिकारिक पोस्टर और ब्रोशर जारी किया। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मेलन ओडिशा में पहली बार आयोजित होने जा रहा है। पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) द्वारा आयोजित तथा पीआरएसआई भुवनेश्वर चैप्टर की मेजबानी में तीन दिवसीय सम्मेलन 25 से 27 दिसंबर 2026 तक भुवनेश्वर में होगा। सम्मेलन में जनसंपर्क, कॉरपोरेट संचार, मीडिया, सरकार, शिक्षा और उद्योग जगत से जुड़े विशेषज्ञ एवं पेशेवर देशभर से भाग लेंगे। सम्मेलन का विषय 'नवगुंजरा—पब्लिक रिलेशंस इन द एज ऑफ एआई' रखा गया है। ओडिशा की प्रसिद्ध नवगुंजरा कलाकृति से प्रेरित यह विषय कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मानवीय बुद्धिमत्ता के समन्वय के साथ रचनात्मकता, नैतिकता, सांस्कृतिक समझ और संवेदनशीलता के महत्व को रेखांकित करता है। राज्यपाल ने कहा कि ओडिशा में पहली बार इस राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी गौरव की बात है। उन्होंने सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए पीआरएसआई और भुवनेश्वर चैप्टर को शुभकामनाएं दीं। पीआरएसआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजीत पाठक ने कहा कि सम्मेलन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से उत्पन्न अवसरों के साथ जनसंपर्क के नैतिक, सांस्कृतिक और मानवीय मूल्यों पर भी चर्चा होगी।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

PUB/581

ई-नीलामी सूचना सं. वाय/सी.ई-आक्शन/एचवायबी/2025-26, दि.19-08-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे द्वारा आईआरईपीएस वेबसाइटः www.ireps.gov.in के ई-नीलामी लीजिंग माड्यल के माध्यम से मोबाइल एस्सेट्स, छिटपुट स्थैतिक सेवा, पीएमबीजेके की वाणिज्यिक प्रचार संविदाओं तथा हैदराबाद डिवीजन पर आउट आफ होम केटगिरी प्रदान हेतु ई-नीलामी आमंत्रित हैं। ई-नीलामी अनुसूची का विवरण निम्न प्रकार है।

क्रम सं.1, श्रेणीः एडीवीटी-एचवायबी-बीएमओ-ओएसएन-135-26-1 (एडवर्टाइजिंग- ओम स्टेशन परिसरों पर (नान-डिजीटल), सूची संख्याः एचवायबी-मिक्स्ड-075, कार्य विवरणः आरडीएन केटगिरी के तहत स्टेटिक मीडिया के माध्यम से स्टेशन परिसरो पर विज्ञापन अधिकार, नीलामी तिथिः 26-08-2026, नीलामी शुरु समयः 11.00 बजे, नीलामी बंद समयः 11.30 बजे।

क्रम सं.2, श्रेणीः एमएसएस-एचवायबी-एफएम-एसटीजीइएन-103-25-1 (छिटपुट स्थैतिक-सेवाएं-स्थैतिक जनरल), सूची संख्याः एचवायबी-मिक्स्ड-075, कार्य विवरणः फलकनुमा स्टेशनों के परिसंचरण क्षेत्र में चाट स्टाल/ड्राइव इन्स सहित फूड ट्रक (24*7 ग्राहकों की सेवा में रत) फूड ट्रक्स/ज्यूस बार का संचालन & रखरखाव, नीलामी तिथिः 26-08-2026, नीलामी शुरु समयः 11.00 बजे, नीलामी बंद समयः 11.40 बजे।

क्रम सं.3, श्रेणीः एमएसएस-एचवायबी-एसटीपीडी-पीएस-123-26-1 (छिटपुट स्थैतिक-सेवाएं-प्रीमियम स्टोर्स), सूची संख्याः एचवायबी-मिक्स्ड-075, कार्य विवरणः मेट्टुगुडा रेलवे स्टेशनों के परिसरों के परिसंचरण क्षेत्र में प्रीमियम ब्राण्ड स्टोर्स/स्टाल्स/आउटलेट्स, नीलामी तिथिः 26-08-2026, नीलामी शुरु समयः 11.00 बजे, नीलामी बंद समयः 11.50 बजे

क्रम सं.4, श्रेणीः एमएसएस-एचवायबी-बीएमओ-एसटीजीइएन-128-26-1 (छिटपुट स्थैतिक-सेवाएं-स्थैतिक जनरल), सूची संख्याः एचवायबी-एमएसएस-बीएमओ, कार्य विवरणः बोलारम स्टेशनों के परिसंचरण क्षेत्र में चाट स्टाल / ड्राइव इन्स सहित फूड ट्रक (24*7 ग्राहकों की सेवा में रत) फूड ट्रक्स/ज्यूस बार का संचालन & रखरखाव , नीलामी तिथिः 31-08-2026, नीलामी शुरु समयः 11.30 बजे, नीलामी बंद समयः 12.00 बजे।

क्रम सं.5, श्रेणीः एमएसएस-एचवायबी-बीएमओ-एसटीजीइएन-127-26-1 (छिटपुट स्थैतिक-सेवाएं-स्थैतिक जनरल), सूची संख्याः एचवायबी-एमएसएस-बीएमओ, कार्य विवरणः बोलारम स्टेशनों (पश्चिम की तरफ) के परिसंचरण क्षेत्र के एलसी 250 के बाजू में, चाट स्टाल / ड्राइव इन्स सहित फूड ट्रक (24*7 ग्राहकों की सेवा में रत) फूड ट्रक्स/ज्यूस बार का संचालन & रखरखाव , नीलामी तिथिः 31-08-2026, नीलामी शुरु समयः 11.30 बजे, नीलामी बंद समयः 12.10 बजे।

क्रम सं.6, श्रेणीः एडीवीटी-आइएनटी-206103-3-26-1 (रेल के भीतर-विज्ञापन व्यवस्था), सूची संख्याः एचवायबी-एनएफआर-077, कार्य विवरणः वंदे भारत एक्सप्रेस रेल सं.20703 /20704 केसीजी-वाईपीआर-केसीजी में इनफोटेनमेन्ट मैगजिन के वितरण का ठेका। नीलामी तिथिः 01-09-2026, नीलामी शुरु समयः 15.00 बजे, नीलामी बंद समयः 15.30 बजे।

क्रम सं.7, श्रेणीः पार्किंग-एचवायबी-एसआरएनआर-एमएक्स-113-26-1 (पार्किंग-मिक्स्ड), सूची संख्याः एचवायबी-पीआरकेजी-एसआरएनआर, कार्य विवरणः (डिवीजन हैदराबाद) क्षेत्र-147 स्के.मीटर्स में श्रीरामनगर पर दुपहिया & चौपहिया वाहनों के लिए पार्किंग लाट या स्थल। नीलामी तिथिः 03-09-2026, नीलामी शुरु समयः 12.00 बजे, नीलामी बंद समयः 12.30 बजे।

क्रम सं.8, श्रेणीः एडीवीटी-एचवायबी-एसएफएक्स-ओएच124-25-1 (एडवर्टाइजिंग आउट आफ होम), सूची संख्याः एचवायबी-एसएफआर-077, कार्य विवरणः सफिलगुडा, दयानंद नगर, रामकृष्णापुरम रेलवे स्टेशन पर आउट आफ होम केटगिरी के तहत विज्ञापन अधिकार। नीलामी तिथिः 01-09-2026, नीलामी शुरु समयः 15.00 बजे, नीलामी बंद समयः 15.40 बजे।

क्रम सं.9, श्रेणीः एडीवीटी-आयएनटी-202068-25-1 (रेल के भीतर एडवर्टाइजिंग, फुल फेस), सूची संख्याः एचवायबी-मिक्स्ड-076, कार्य विवरणः रेल का बाहरी भाग रेल सं.12789/12790 काचीगुडा-मुरुडेश्वर-काचीगुडा & 22715 / 22716 काचीगुडा-मदुराई-काचीगुडा एक्सप्रेस, नीलामी तिथिः 02-09-2026, नीलामी शुरु समयः 11.00 बजे, नीलामी बंद समयः 11.30 बजे।

क्रम सं.10, श्रेणीः एडीवीटी-आयएनटी-206103-2-26-1 (रेल के भीतर एडवर्टाइजिंग), सूची संख्याः एचवायबी-मिक्स्ड-076, कार्य विवरणः रेल सं.20703/ 20704 काचीगुडा (केसीजी) यशवंतपुर (वाइपीआर) वंदे भारत एक्सप्रेस के लिए विनाइल रैपिंग माध्यम से विज्ञापन। रेल के भीतर की तरफ ही विज्ञापनों की व्यवस्था। नीलामी तिथिः 02-09-2026, नीलामी शुरु समयः 11.00 बजे, नीलामी बंद समयः 11.40 बजे।

क्रम सं.11, श्रेणीः एडीवीटी-इबीडब्ल्यू-324769-1-26-1 {रेल के बाहरी तरफ एडवर्टाइजिंग(खिडकी के नीचे)? सूची संख्याः एचवायबी-मिक्स्ड-076, कार्य विवरणः रेल सं. 12789/12790 काचीगुडा-मुरुडेश्वर-काचीगुडा एक्सप्रेस & रेल सं.22715-22716 के बाहरी तरफ एडवर्टाइजिंग, एरिया 3053.86 स्के.मीटर्स। नीलामी तिथिः 02-09-2026, नीलामी शुरु समयः 11.00 बजे, नीलामी बंद समयः 11.50 बजे।

क्रम सं.12, श्रेणीः एमएसएस-एचवायबी-डीवायइ-बीएस95--25-1 {छिटपुट स्थैतिक सेवाएं-बैटरी स्वैपिंग स्टेशंस? सूची संख्याः एचवायबी-मिक्स्ड-076, कार्य विवरणः दयानंद नगर रेलवे स्टेशन पर बैटरी स्वैपिंग ठेका सुविधा। नीलामी तिथिः 02-09-2026, नीलामी शुरु समयः 11.00 बजे, नीलामी बंद समयः 12.00 बजे।

क्रम सं.13, श्रेणीः एमएसएस-एचवायबी-युआर-एसटीजीइएन-121--26-1 {छिटपुट स्थैतिक सेवाएं-बैटरी स्थैतिक जनरल? सूची संख्याः एचवायबी-मिक्स्ड-074, कार्य विवरणः संबंधित स्टेशनों के परिसंचरण क्षेत्र में चाट स्टाल/ड्राइव इन्स सहित फूड ट्रक (24*7 ग्राहकों की सेवा में रत) फूड ट्रक/ज्यूस बार का संचालन & रखरखाव। नीलामी तिथिः 02-09-2026, नीलामी शुरु समयः 11.00 बजे, नीलामी बंद समयः 12.10 बजे।

क्रम सं.14, श्रेणीः पीएमबीजेके-एचवायबी-3--25-1 {पीएमबीजेके-प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र? सूची संख्याः एचवायबी-पीएमबीजेके-एमडीएनआर, कार्य विवरणः एमबीएनआर रेलवे स्टेशन पर प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्रों {पीएमबीजेके ? की स्थापना करना & संचालन करना। नीलामी तिथिः 02-09-2026, नीलामी शुरु समयः 12.00 बजे, नीलामी बंद समयः 12.30 बजे।

क्रम सं.15, श्रेणीः एमएसएस-एचवायबी-बीएमओ-जीजेड-125--26-1 {छिटपुट स्थैतिक सेवाएं-गेमिन्ग झोन? सूची संख्याः एचवायबी-एनएफआर-मिक्स्ड, कार्य विवरणः बोलारम रेलवे स्टेशन पर गेमिन्ग झोन। नीलामी तिथिः 03-09-2026, नीलामी शुरु समयः 11.00 बजे, नीलामी बंद समयः 11.30 बजे।

A675 वरिष्ठ विभागीय वाणिज्य प्रबंधक, हैदराबाद

उत्तर प्रदेश के डुमरियागंज से सांसद जगदंबिका पाल ने आज लोक भवन, हैदराबाद में तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से मुलाकात की।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

PUB/583

सं.-सी/सी/210/जेटीबीएस/2026, दि.19-08-2026

आपके परिसरों से अनारक्षित टिकेट्स जारी करने का सुअवसर दमरे, सिकंदराबाद डिवीजन के विभिन्न स्थानों पर जन-साधारण टिकेट बुकिंग सेवकों (जेटीबीएस) की नियुक्ति-आवेदन आमंत्रित भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद डिवीजन, दमरे- दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा दमरे, सिकंदराबाद डिवीजन के 89 स्थानों पर 104 जनसाधारण टिकेट बुकिंग सेवकों (जेटीबीएस) संबध्द ठेका प्रदान हेतु कम्प्युटरीकृत अनारक्षित टिकेटिंग प्रणाली (युटीएस) के माध्यम से अनारक्षित/जनरल टिकेट्स जारी करने के लिए, तत्संबंधित अपने-अपने परिसरों के सफलतम आवेदकों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

आवेदन प्रपत्र, पात्रता मानदंड & अन्य विवरण वेबसाइटः www.scr.indianrailways.gov.in से डाउन कर सकते हैं।

आवेदन प्रस्तुति की अंतिम तिथिः09-09-2026 के 12.00 बजे।

तत्संबंधित मुहरबंद आवेदनों को, वरिष्ठ वाणिज्यिक प्रबंधक का कार्यालय, सिकंदराबाद डिवीजन, पहली मंजिल, संचालन भवन, सिकंदराबाद-500071 पर दि.09-09-2026 के 12.00 बजे या इससे पहले, प्रेषित कर सकते हैं/सुपुर्द कर सकते हैं।

यदि, तत्संबंधित अंतिम तिथि को सरकारी छुट्टी होने पर, अगला कार्यदिवस अंतिम तिथि होगा। देरी से प्राप्त/विलंब से जुडे आवेदनों को अस्वीकार किया जायेगा। आवेदनों को दि.09-09-2026 के 12.30 बजे खोला जायेगा।

तथापि रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए, किसी भी या सभी आवेदनों को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है। तत्संबंधित निर्णय ही अंतिम होगा।

अधिक जानकारी हेतु कृपया किसीभी कार्यालयीन दिन में अधोहस्ताक्षरी से संपर्क करें।

हमारे वेबसाइटः www.scr.indianrailways.gov.in पर जाएं।

A677 वरिष्ठ विभागीय वाणिज्य प्रबंधक, सिकंदराबाद

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

PUB/582

सं.-सी/सी/210/एसटीबीए/2026, दि.19-08-2026

दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद डिवीजन के विविध स्थानों पर स्टेशन टिकेट बुकिंग एजेंट्स (एसटीबीए) की भर्ती हेतु निविदाएं आमंत्रित

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे द्वारा तीन (3) वर्षों की अवधि हेतु कमीशन आधार पर, अनारक्षित टिकेटिंग प्रणाली (युटीएस) के माध्यम से अनारक्षित/जनरल टिकेट्स जारी करने के लिए, सिकंदराबाद डिवीजन के 34 (चौंतीस) एनएसजी-4, 5 & 6 कैटगिरी स्टेशनों पर स्टेशन टिकेट बुकिंग एजेंट्स (एसटीबीए) की भर्ती हेतु मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1, कार्य विवरणः तीन वर्षों की अवधि के लिए, कमीशन आधार पर, मौजूदा काउन्टर से अनारक्षित टिकटों को जारी करने हेतु स्टेशन टिकेट बुकिंग एजेन्ट की भर्ती। निविदा अवधिः तीन (03) वर्ष, एनएसजी-4 हेतु अग्रधनः रु.10,000.00, एनएसजी-5 हेतु अग्रधनः रु.5,000.00, एनएसजी-6 हेतु अग्रधनः रु.2,000.00, निविदा प्रपत्र मूल्यः रु.शून्य।

आवेदन प्रपत्र, योग्यता मानदंड & अन्य विवरण वेबसाइटः www.scr.indianrailways.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं।

आवेदन प्रस्तुति की **अंतिम तिथिः09-09-2026 के 15.00** बजे।

निविदाओं को दि. 09-09-2026 के 15.30 बजे खोला जायेगा।

मुहरबंद निविदा प्रपत्रों को अग्रधन सहित, टेंडर हाल, हैदराबाद डिवीजन कम्पाउण्ड, सिकंदराबाद-500071 पर स्थित सील्ड टेंडर बाक्स में **09-09-2026 के 15.00** बजे या इससे पहले डालना चाहिए। यदि अंतिम तिथि को सरकारी छुट्टी होने पर अगला कार्यदिवस अंतिम तिथि होगा। विलंब/देरी से प्राप्त आवेदनों को स्वीकार नही किया जायेगा।

तथापि रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए किसी भी या सभी आवेदनों को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है। तत्संबंधित निर्णय अंतिम होगा। अधिक जानकारी हेतु कृपया किसीभी कार्यालयीन दिन में अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर संपर्क कर सकते हैं।

हमारे वेबसाइटःwww.scr.indianrailways.gov.in पर जाएं।

A676 वरिष्ठ विभागीय वाणिज्य प्रबंधक, सिकंदराबाद

शहरी बुनियादी ढांचे के कायापलट के लिए 7,469 करोड़ रुपये की मंजूरी

अमरावती, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । आंध्र प्रदेश सरकार ने हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (एचएम) के तहत राज्य भर में शहरी बुनियादी ढांचे को उन्नत करने के लिए 7,469.46 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं, जिसमें सड़कों, जल निकासी, पार्कों, स्ट्रीट लाइटिंग और केंद्रीय डिवाइडर पर विशेष ध्यान दिया गया है। नगर प्रशासन एवं शहरी विकास विभाग ने मंत्रिमंडल की मंजूरी और वित्त विभाग की सहमति के बाद 19 अगस्त को सरकारी आदेश संख्या 1067 के माध्यम से इस परियोजना को मंजूरी दी। इस पैकेज में पूंजीगत कार्यों के लिए 5,500 करोड़ रुपये और 10 वर्षों में ब्याज के लिए 1,969.46 करोड़ रुपये शामिल हैं। एचएएम पहल 40,743.67 करोड़ रुपये के एक व्यापक शहरी अवसंरचना कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसमें सभी 123 शहरी स्थानीय निकाय शामिल हैं। सरकार ने शहरी सड़कों में 4,388 किलोमीटर की कमी के साथ-साथ जल आपूर्ति, सीवेज और जल निकासी नेटवर्क में भी बड़ी कमियों की पहचान की है।कुल आवंटित पूंजी में से 4,655.82 करोड़ रुपये नालियों वाली सड़कों पर, 509.12 करोड़ रुपये पार्कों पर, 247.28 करोड़ रुपये स्ट्रीट लाइटिंग पर और 87.78 करोड़ रुपये केंद्रीय डिवाइडर पर खर्च किए जाएंगे। इस कार्यक्रम में 4,388 किलोमीटर सड़कें, 541 पार्क, 20,340 स्ट्रीट लाइटिंग पॉइंट और 1,186.56 किलोमीटर डिवाइडर शामिल हैं। वित्तपोषण मॉडल के तहत, एलआरएस/बीपीएस फंड के माध्यम से अग्रिम रूप से 2,200 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए जाएंगे, जबकि शेष 3,300 करोड़ रुपये रियायतकर्ताओं द्वारा वित्तपोषित किए जाएंगे और 10 वर्षों में चुकाए जाएंगे। रियायतकर्ता एक दशक तक संचालन और रखरखाव का कार्य भी वहन करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्यक्रम सभी 123 स्थानीय स्थानीय निकायों (यूएलबी) के लिए तैयार किए गए बुनियादी ढांचे की कमियों के आकलन पर आधारित है और मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की "स्वर्ण आंध्र 2047" योजना के अनुरूप है। योजनाबद्ध, रहने योग्य और निवेश के लिए तैयार शहरों के निर्माण की परिकल्पना। अमरावती में 66,802.20 करोड़ रुपये की

महेश बैंक द्वारा खम्मम में ग्राहक संवाद सभा सम्पन्न

हैदराबाद, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। महेश बैंक द्वारा अपने ग्राहकों, व्यावसायिक सहयोगियों, सामाजिक बन्धुओं से संवाद की प्रक्रिया में तीसरी सभा का आयोजन खम्मम में किया गया । संवाद सभा में महेश बैंक के चेयरमैन सीए मुरली मनोहर पलोड, निदेशक मण्डल के सदस्य देवेन्द्र झँवर, कविता तोष्णीवाल, जनरल मैनेजर ऑपरेशंस श्रीनिवास एवं जनरल मैनेजर क्रेडिट कमलकिशोर राठी, विजयकुमार झँवर, मुरलीधर भूतड़ा, चैम्बस ऑफ कामर्स के अध्यक्ष लोखेल्ली प्रवीणकुमार, मंत्री जी.वाई. नरेश, कल्ला पापा राव, भद्रादी बैंक के निदेशक चैनसिंह आदि ने भाग लिया ।

संवाद सभा को सम्बोधित करते हुए बैंक के चेयरमैन सीए मुरली मनोहर पलोड ने बताया कि बैंक द्वारा ग्राहक संवाद सभा के माध्यम से क्षेत्रीय व्यापारियों, व्यापारिक संगठनों, आदि से सम्पर्क साधने का उद्देश्य हैं । उन्होंने कहा कि महेश बैंक ने खम्मम शाखा का शुभारम्भ खम्मम टाऊन को-आपरेटिव बैंक को टेकओवर कर किया था । बैंक की खम्मम शाखा पिछले 34 वर्षों से क्षेत्रिय बन्धुओं को अपनी सेवाएँ प्रदान कर रही है । निदेशक देवेन्द्र झँवर ने सभी से बैंक से पुनः जुडने का आग्रह किया । उन्होंने बैंक द्वारा उत्कृष्ट सेवाएँ प्रदान करने का आश्वासन दिया । निदेशक कविता तोष्णीवाल ने बताया कि संवाद सभा के माध्यम से हमें ग्राहको द्वारा फीडबैक प्राप्त हो रहा जिससे हमे बैंक की सेवाओं को और अधिक उत्कृष्ट बनाने में मदद मिलेगी ।

पारसीगुटा स्थित श्री आईमाताजी मंदिर मे नवनिर्मित वातानुकुलित फंक्शन हॉल एवं मेन गेट बोर्ड का गुरुवार प्रात: शुभवेला मे पंडित हिमांशु के मंत्रोच्चारण से पूजा-अर्चनाकर शुभारम्भ कार्यक्रम मे उपस्थित अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, उपाध्यक्ष मुलाराम सोयल, सचिव नारायणलाल काग, कोषाध्यक्ष खंगारसिंह लचेटा, सहसचिव हीराराम खंडाला, सलाहकार चोलाराम हाम्बड़, जसवंत कुमार देवड़ा, मनोनित सदस्य कालुराम काग, महिला अध्यक्षा सुशीला देवड़ा, मोहनलाल, नारायणलाल आगलेचा, भोलाराम, सोहनलाल सोलंकी, वोराराम देवड़ा व अन्य ।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

भ्रूण लिंग परीक्षण

इनमें मेडिकल जानकारी और संवेदनशीलता की जरूरत हो सकती है।

बेंच ने कहा, इस एक्ट के तहत जांच करने की जिम्मेदारी पुलिस की नहीं है। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि कानून के मुताबिक पुलिस सिर्फ सहायक के तौर पर मदद करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह रोक केवल पीसीपीएनडीटी एक्ट के तहत आने वाले अपराधों पर लागू होगी। यानी पुलिस सामान्य आपराधिक कानून में सामने आए मामलों की जांच और मुकदमा चला सकती है। पुलिस सीधे तौर पर न तो एफआईआर कर सकती है और न ही डॉक्टरों या अस्पतालों के खिलाफ एक्शन ले सकती है। बेंच ने कहा की यह कानून मेडिकल नॉलेज से जुड़ा है, इसलिए ऐसे मामलों में पुलिस की सहायता लेने से बचा जाना चाहिए।

35 साल बाद भी ...

'सिर्फ प्रियंका और मैं जानते हैं आपने क्या सहा?'

इस मौके पर राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपनी मां के लिए लिखे संदेश में कहा,'मां, मैंने आपको और पापा को आखिरी बार 35 साल से भी अधिक समय पहले साथ देखा था। जिस दिन से पापा हमें छोड़कर गए, उस दिन से मैंने आपको जिंदगी की ओर से सामने आई हर चुनौती का सामना अटूट साहस और गरिमा के साथ करते देखा है।'सिर्फ प्रियंका और मैं ही वास्तव में जानते हैं कि आप किन परिस्थितियों से गुजरी हैं और पापा के बाद आपकी जिंदगी कितनी कठिन रही। मैं खुश हूं और मुझे इस बात पर बेहद गर्व है कि आपकी कहानी 'बिलॉन्गिंग: अ जर्नी ऑफ लव' आखिरकार उन लाखों लोगों तक पहुंचेगी, जो आपसे प्यार करते हैं। मैं जानता हूं कि आपके जैसी निजी जीवन को हमेशा अपने तक रखने वाली शख्सियत के लिए दुनिया के सामने अपनी खूबसूरत कहानी रखना कितना कठिन रहा होगा।'

राजीव गांधी के जन्मदिन पर राहुल का भावुक संदेश

राहुल गांधी ने अपने संदेश में कहा कि आज, अपने पिता राजीव गांधी के जन्मदिन पर, वह कल्पना कर सकते हैं कि 'पापा ऊपर से मुस्कुरा रहे होंगे और अपनी खूबसूरत सोनिया को गर्व से देख रहे होंगे।'राजीव गांधी का जन्म 1944 में आज ही के दिन हुआ था।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

त्रिसा-गायत्री बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में

जापान की सातवीं सीड जोड़ी को हराया

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। भारत की त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप में विमेंस डबल्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में गुरुवार को 39वीं सीड भारतीय जोड़ी ने प्री-क्वार्टर फाइनल में 7वीं सीड जापान की रिन इवानागा और की नाकानिशी को 21-16, 21-12 से हराया।

इससे पहले राउंड ऑफ 32 में त्रिसा-गायत्री ने अमेरिका की 16वीं सीड लॉरेन लाम और एलीसन ली को 21-15, 21-12 से हराया था।

भारत के और आज 4 मुकाबले होंगे। इनमें आयुष शेट्टी मेंस सिंगल्स में खेलेंगे। वहीं विमेंस डबल्स में त्रिसा जॉली-गायत्री गोपीचंद और मेंस डबल्स में ध्रुव कपिला-तनिषा क्रास्टो की जोड़ी उतरेगी।

मेंस सिंगल्स के राउंड ऑफ 16 में आयुष शेट्टी का मुकाबला इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से होगा। आयुष ने पिछले राउंड में श्रीलंका के दमिंदु अबिविक्रमा को 21-8, 21-10 से हराया था। इससे पहले उन्होंने वर्ल्ड नंबर-1 और डिफेंडिंग चैंपियन चीन के शी यू ची को हराकर बड़ा उलटफेर किया था।

मेंस डबल्स के राउंड ऑफ 16 में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का मुकाबला मलेशिया के जुनैदी अरिफ और रॉय किंग याप से होना है। भारतीय जोड़ी को पिछले राउंड में स्कॉटलैंड के एलेक्जेंडर डन और एडम प्रिंगल के खिलाफ वॉकओवर मिला था।

विमेंस डबल्स के राउंड ऑफ 16 में ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी जापान की रिन इवानागा और की नाकानिशी से भिड़ेगी।

मिक्स्ड डबल्स के राउंड ऑफ 16 में ध्रुव कपिला और तनिषा क्रास्टो का मुकाबला चीन के गुओ शिन वा और चेन फांग हुई से होगा। ध्रुव और तनिषा ने पिछले मैच में मकाऊ के लियोंग लोक चोंग और एन वेंग ची को 21-11, 21-11 से हराया था।

प्रज्ञानानंदा सिंकफील्ड कप में दूसरे नंबर पर रहे

वेस्ली सो ने खिताब जीता, तान झोंगयी ने दूसरा केर्न्स कप जीता

सेंट लुइस, 20 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के आर प्रज्ञानानंदा सिंकफील्ड कप चेस टूर्नामेंट में खिताब जीतने से चूक गए। क्लासिकल मुकाबलों के बाद प्रज्ञानानंदा और अमेरिका के वेस्ली सो 5.5-5.5 अंक के साथ संयुक्त रूप से टॉप पर रहे। इसके बाद खिताब के लिए दो रैपिड प्लेऑफ खेली गईं, लेकिन दोनों ड्रॉ रहीं। फिर आर्मगडन में भी मुकाबला ड्रॉ रहा। काले मोहरों से खेलने के कारण सो को विजेता घोषित किया गया।

यह वेस्ली सो का तीसरा सिंकफील्ड कप खिताब है। उन्होंने इससे पहले 2016 और 2025 में भी यह टूर्नामेंट जीता था। उन्हें 87,500 डॉलर की पुरस्कार राशि मिली।

आर्मागडन में प्रज्ञानानंदा ने सफेद मोहरों से खेला, इसलिए उन्हें जीतना जरूरी था। सो के पास काले मोहरे थे और उनके लिए ड्रॉ पर्याप्त था। मुकाबला ड्रॉ रहा और टाईब्रेक के नियम के अनुसार काले मोहरों से खेलने वाले सो चैंपियन बन गए।

वेस्ली सो पूरे सिंकफील्ड कप में अजेय रहे। उन्होंने 12 बाजियों में 2 जीत दर्ज कीं और 10 मुकाबले ड्रॉ खेले। यह उनका सिंकफील्ड कप में तीसरा खिताब है। इससे पहले उन्होंने 2016 और 2025 में यह ट्रॉफी जीती थी।

खिताब से चूकने के बावजूद प्रज्ञानानंदा ने ग्रैंड चेस टूर फाइनल में जगह बनाई है। फाइनल में उनके साथ वेस्ली सो, फैबियानो कारुआना और विंसेंट केमर होंगे। जीसीटी फाइनल 22 अगस्त से शुरू होगा।

महिलाओं के केर्न्स कप में चीन की ग्रैंडमास्टर तान झोंगयी ने 6.5 अंक के साथ दूसरी बार खिताब जीता। उन्होंने अंतिम राउंड में स्टेवरौला त्सोलाकिडो से हार के बावजूद ट्रॉफी अपने नाम की। उनकी निकटतम प्रतिद्वंद्वी अमेरिका की एलिस ली ने कैरिसा यिप के खिलाफ ड्रॉ खेला, जिससे तान का शीर्ष स्थान बरकरार रहा। तान को 65,000 डॉलर की पुरस्कार राशि मिली।

एलिस ली ने कैरिसा यिप के खिलाफ ड्रॉ खेलकर अपने करियर का पहला ग्रैंड मास्टर नॉर्म हासिल किया। यह उपलब्धि उन्होंने 16 साल की उम्र में हासिल की। एलिस ली के ड्रॉ से तान झोंगयी को भी केर्न्स कप जीतने में मदद मिली।

मिक्स्ड डिसेबिलिटी क्रिकेट

लॉर्ड्स में भारत ने गांगुली जैसा जश्न मनाया

बालकनी में खिलाड़ियों ने शर्ट लहराई, इंग्लैंड को 118 रन से हराया

लॉर्ड्स, 20 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय मिक्स्ड डिसेबिलिटी क्रिकेट टीम ने सातवें और आखिरी टी-20 इंटरनेशनल में इंग्लैंड को 118 रन से हरा दिया। भारत ने इस जीत के बाद लॉर्ड्स की बालकनी में सौरव गांगुली जैसा शर्ट लहराकर जश्न मनाया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 206 रन बनाए। अर्जुन गावरे ने 44 गेंदों पर 68 रन बनाए, जबकि कप्तान माजिद मागरे ने सिर्फ 19 गेंदों पर नाबाद 63 रन की पारी खेली।

इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम 88 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत की ओर से हिलाल अहमद वानी ने 21 रन देकर 4 विकेट और जयेश परमार ने 14 रन देकर 3 विकेट लिए।

भारत ने सात मैचों की सीरीज का सातवां मुकाबला जीता, लेकिन इंग्लैंड ने सीरीज 4-3 से अपने नाम की। भारतीय खिलाड़ियों ने लॉर्ड्स में जीत का जश्न खास अंदाज में मनाया।

डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया ने एक्स पर खिलाड़ियों और अधिकारियों का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें सभी लॉर्ड्स की ऐतिहासिक बालकनी में अपने ब्लेजर उतारकर जश्न मनाते नजर आए।

यह जश्न 2002 में इसी मैदान पर इंग्लैंड को हराकर नेटवेस्ट ट्रॉफी जीतने के बाद सौरव गांगुली के मशहूर शर्ट लहराने वाले सेलिब्रेशन की याद दिलाता है।

डीसीसीआई ने लिखा, जब लॉर्ड्स में भारत जीतता है, तो जश्न का अंदाज अलग होता है। लॉर्ड्स की बालकनी में क्रिकेट की खुशी का यह खास पल था। कोट उतर गए, उत्साह बढ़ गया और तिरंगा गर्व से लहरा रहा था। 118 रन और एक ऐसा जश्न, जिसे भुलाया नहीं जा सकेगा।

मिक्स्ड डिसेबिलिटी क्रिकेट फॉर्मेट में अलग-अलग तरह की अक्षमताओं वाले खिलाड़ी एक साथ खेलते हैं। इसमें शारीरिक, सुनने और सीखने से जुड़ी समस्याओं वाले खिलाड़ी शामिल होते हैं।

पाकिस्तान लीड्स टेस्ट के पहले ही दिन बैकफुट पर

171 रन पर ऑलआउट, 6 बैटर्स डबल डिजिट नहीं पहुंचे; इंग्लैंड 112/2

लीड्स, 20 अगस्त (एजेंसियां)। ओपनर बेन डकेट ने 15 और इमिलिओ गै ने 33 रन बनाए। मोहम्मद अब्बस और मोहम्मद अली को एक-एक विकेट मिला।

पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही। टीम ने पहली ही बॉल पर विकेट गंवा दिया। जब ऑली रॉबिन्सन ने फुलर लेंथ की बॉल पर अजान अवैस को जीरो पर एलबीडब्ल्यू कर दिया। उनकी जगह बैटिंग करने उतरे कप्तान शान मसूद भी 5 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। उन्हें भी रॉबिन्सन ने पगबाधा कराया। लंच ब्रेक तक पाकिस्तान का स्कोर 23/2 रहा। हालांकि, बारिश के कारण काफी देर तक खेल को रोकना पड़ा था। बारिश के कारण लौटी पाकिस्तानी टीम की ओर से अब्दुल्लाह शफीक ने फिफ्टी लगाई। जबकि, ओपनर इमाम उल हक ने 42 रन जोड़े। दोनों ने 91 रन की पार्टनरशिप की। इस साझेदारी को ऑली रॉबिन्सन ने तोड़ा। उन्होंने शफीक को बोल्ड किया। शफीक के आउट होने के बाद टीम की हालत और खराब हो गई। उसने टी-ब्रेक होने तक 150 रन के स्कोर पर 7 विकेट गंवा दिए थे। पहले दिन के दूसरे सेशन में पाकिस्तानी टीम ने 127 रन बनाने में 5 विकेट गंवाए।

बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास की जन्मतिथि पर विवाद : जम्मू कोर्ट ने पुलिस को जांच के आदेश दिए, 3 सितंबर तक रिपोर्ट मांगी

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास की जन्मतिथि को लेकर विवाद सामने आया है। जम्मू की स्पेशल रेलवे मजिस्ट्रेट कोर्ट ने उनकी जन्मतिथि में हेरफेर के आरोपों की प्रारंभिक पुलिस जांच के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने नवाबाद पुलिस को मामले की जांच कर 3 सितंबर 2026 या उससे पहले रिपोर्ट पेश करने को कहा है।

मन्हास जम्मू-कश्मीर से बीसीसीआई अध्यक्ष बनने वाले पहले व्यक्ति हैं। उन्हें सितंबर 2025 में इस पद के लिए चुना गया था। वे पूर्व भारतीय फर्स्ट-क्लास क्रिकेटर हैं और अपने क्रिकेट करियर में जम्मू-कश्मीर और दिल्ली को रिप्रेजेंट कर चुके हैं।

मामला पूर्व डिप्टी और जम्मू-कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन के पूर्व संयुक्त मानद सचिव सुदर्शन मेहता की शिकायत के बाद सामने आया।

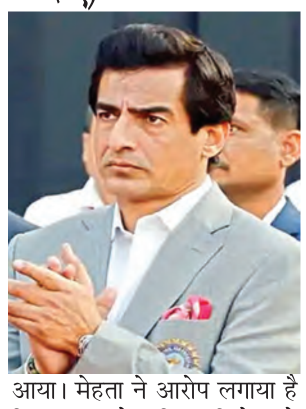

मेहता ने आरोप लगाया है कि मन्हास ने जूनियर क्रिकेट में राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंटों के लिए पात्रता हासिल करने के उद्देश्य से अपनी जन्मतिथि से जुड़े अलग-अलग रिकॉर्ड इस्तेमाल किए।

हालांकि, कोर्ट ने अभी मन्हास को दोषी नहीं माना है और न ही सीधे एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। अदालत ने पहले प्रारंभिक जांच के निर्देश दिए हैं। जांच में आरोपों और उपलब्ध दस्तावेजों की पुष्टि के बाद आगे की कार्रवाई तय होगी।

शिकायतकर्ता के मुताबिक, मन्हास की जन्मतिथि अलग-अलग रिकॉर्ड में अलग दर्ज है। शिकायत में महाराजा हरि सिंह एग्रीकल्चर कॉलेजिएट स्कूल, नागबनी के रिकॉर्ड का हवाला दिया गया है, जिसमें उनकी जन्मतिथि 9 दिसंबर 1977 बताई गई है। वहीं, दिल्ली एंड डिसर्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन की आधिकारिक वेबसाइट पर उनकी जन्मतिथि 12 अक्टूबर 1979 दर्ज होने का दावा किया गया है।

यानी दोनों रिकॉर्ड में करीब दो साल का अंतर है। यही अंतर शिकायत का मुख्य आधार है।

मेहता ने इन आरोपों के आधार पर धोखाधड़ी, चीटिंग और जालसाजी से जुड़े प्रावधानों के तहत केस दर्ज करने की मांग की थी। शिकायत में आईपीसी की धाराओं 415, 420 और 462 का उल्लेख किया गया है और इनके संबंधित बीएनएस प्रावधानों का भी जिक्र है।

हरियाणा का नेशनल मेडलिस्ट रेसलर ड्रग तस्करी में गिरफ्तार

झारखंड से लाकर अखाड़ों में सप्लाई किया; कोर्ट भगोड़ा घोषित कर चुकी, 3 साल से फरार था

पानीपत, 20 अगस्त (एजेंसियां)। रोहतक के नेशनल मेडलिस्ट पूर्व रेसलर अमित श्योराण (31) को नशा तस्करी में गिरफ्तार किया गया है। ये कार्रवाई दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रॉन्च और झारखंड पुलिस ने संयुक्त रूप से की।

पूछताछ में उसने बताया कि दिल्ली और हरियाणा के अखाड़ों में पहलवानों को अफीम सप्लाई करता था। झारखंड के राजेश नाग से उसे ये अफीम मिलती थी। इससे पहले झारखंड पुलिस राजेश नाग को भी गिरफ्तार कर चुकी है।

अमित 2013 में नेशनल कैडेट कुश्ती प्रतियोगिता में ब्रॉन्ज मेडल जीत चुका है। इसके बाद कुश्ती छोड़कर नशे के धंधे में उतर गया। उस पर झारखंड के धुर्वा थाने में एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज है, 6 दिसंबर 2023 को अपराधी घोषित किया गया।

कोर्ट से भगोड़ा घोषित करने के बाद ही पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, अमित श्योराण पर 6 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि क्राइम ब्रांच से अमित के रानीबाग-पीतमपुरा एरिया से आने की सूचना मिली थी। यहां वह अपने किसी रिश्तेदार से मिलने वाला था। इसके बाद 18 अगस्त की रात करीब 10 बजे मधुबन चौक मेट्रो स्टेशन के पास उसकी घेराबंदी की गई। अमित के वहां पहुंचते ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया, दिल्ली पुलिस ने अब उसे झारखंड पुलिस को सौंप दिया है।

अमित ने 2008 में कुश्ती शुरू की: अमित का जन्म 1994 में रोहतक के एक साधारण परिवार में हुआ था। 14 साल की उम्र में 2008 में कुश्ती शुरू की थी। इसके बाद कई साल लगातार प्रैक्टिस की और कई स्टेट व नेशनल लेवल की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया।

नेशनल लेवल पर ब्रॉन्ज मेडल जीता: पुलिस पूछताछ में सामने आया, अमित 2013 में कन्याकुमारी में हुई नेशनल कैडेट रेसलिंग चैंपियनशिप में तीसरा स्थान हासिल किया था। इसके बाद कुछ सालों तक उसने कुश्ती जारी रखी। फिर दिल्ली के बार और नाइट क्लब में बाउंसर की नौकरी करने लगा।

रांची में नशा तस्करों की जुड़ा: पुलिस के अनुसार, इसके बाद अधिक पैसा कमाने के लालच में ड्रग सप्लाई नेटवर्क से जुड़ गया। इस धंधे में वो पहले रंजीत नाम के व्यक्ति के संपर्क में आया। रंजीत ने उसे रांची में अफीम तस्करों से मिलवाया। यहां से उसने अफीम खरीदकर हरियाणा, दिल्ली के अखाड़ों में सप्लाई की।

अमित का साथी गिरफ्तार हो चुका: सूत्रों की मानें तो ये अफीम उसे तस्कर राजेश नाम से मिलती थी, मामले में 20 अप्रैल 2023 को राजेश को भी गिरफ्तार किया जा चुका है।

नंबर-1 सबालेंका सिनसिनाटी ओपन से बाहर

ज्वेरेव उलटफेर का शिकार, 25वें रैंक के टॉमी पॉल ने हराया; स्वियातेक क्वार्टर फाइनल में

मेसन, 20 अगस्त (एजेंसियां)। सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में दो बड़े उलटफेर देखने को मिले। विमेंस सिंगल्स में दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका को चेक गणराज्य की 18 साल की सारा बेजलेक ने 7-6, 6-4 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

वहीं, मेंस सिंगल्स में दुनिया के नंबर-3 खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज्वेरेव को अमेरिका के टॉमी पॉल ने 4-6, 7-6, 6-4 से शिकस्त देकर बाहर कर दिया। पॉल फिलहाल वर्ल्ड रैंकिंग में 25वें नंबर पर हैं।

दूसरी ओर, डिफेंडिंग चैंपियन इगा स्वियातेक ने फ्रांस की डियान पैरी को सीधे सेटों में 6-3, 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

ज्वेरेव और टॉमी पॉल के बीच मुकाबला दूसरे सेट के दौरान बारिश के कारण करीब 90 मिनट तक रुका रहा। बारिश के बाद मैच दोबारा शुरू होने पर पॉल ने शानदार वापसी की और मुकाबले को निर्णायक सेट तक पहुंचाया।

ज्वेरेव ने पहला सेट 6-4 से जीता था। दूसरे सेट में पॉल ने कड़ा संघर्ष किया और टाई-ब्रेकर में ज्वेरेव का मैच प्वाइंट बचाते हुए सेट 7-6 (6) से अपने नाम कर लिया। इसके बाद निर्णायक सेट में ज्वेरेव 4-2 से आगे हो गए, लेकिन पॉल ने जोरदार वापसी करते हुए लगातार चार गेम जीते और सेट 6-4 से जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

टॉमी पॉल का अगला मुकाबला इटली के फ्लेवियो कोबोली से होगा। कोबोली ने स्पेन के राफेल जोदार को 4-6, 7-6 (3), 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

विमेंस सिंगल्स में सबालेंका ने पहले सेट में 5-1 की बढ़त बना ली थी, लेकिन बेजलेक ने वापसी करते हुए सेट टाई-ब्रेकर तक पहुंचाया और 9-7 से जीत लिया।

दूसरे सेट में भी बेजलेक ने सबालेंका की सर्विस तीन बार तोड़ी। उन्होंने 6-4 से सेट जीतकर अपने करियर की टॉप-10 खिलाड़ी के खिलाफ पहली जीत दर्ज की। अब क्वार्टर फाइनल में बेजलेक का सामना अमेरिका की मेडिसन कीज से होगा।

सबालेंका के लिए यह हार यूएस ओपन से पहले चिंता बढ़ाने वाली है। वे पिछले हफ्ते टोरंटो में चौथे राउंड में हार गई थीं। इससे पहले विंबलडन के चौथे दौर और फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में भी उन्हें हार मिली थी।

नंबर-7 सीड और डिफेंडिंग चैंपियन इगा स्वियातेक ने डियान पैरी को 6-3, 6-3 से हराया। यह उनकी लगातार नौवीं जीत है। इसके साथ ही स्वियातेक डब्ल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट में 30वीं बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं। स्वियातेक का क्वार्टर फाइनल में सामना एलेना रिबाकिना से होगा। दोनों के बीच पिछले हफ्ते टोरंटो के फाइनल में भी मुकाबला हुआ था, जहां स्वियातेक ने जीत दर्ज की थी। स्वियातेक ने टोरंटो खिताब जीतने के बाद सिंसिनाटी में भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है।

पिता के निधन के बाद पहली बार लियोनल मेसी ने दागा गोल

क्या वापसी के साथ लौट आया है पुराना जादू?

मियामी, 20 अगस्त (एजेंसियां)। लियोनल मेसी ने मैदान पर वापसी करते हुए एक बार फिर अपनी क्लास दिखाई। इंटर मियामी और फिलाडेल्फिया यूनियन के बीच खेला गया मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा, लेकिन मैच में मेसी का प्रदर्शन चर्चा का केंद्र रहा। उन्होंने एक गोल करने के साथ एक असिस्ट भी किया। मेसी ने 21वें मिनट में शानदार क्रॉस दिया, जिसे लुइस सुआरेज ने आगे बढ़ाते हुए डेनियल पिंटर के पास पहुंचाया और उन्होंने इंटर मियामी के लिए गोल कर दिया। इसके पांच मिनट बाद 26वें मिनट में मेसी ने खुद गोल दाग दिया।

मेसी ने बॉक्स के अंदर बाईं ओर से गेंद हासिल की और अपने पसंदीदा बाएं पैर का इस्तेमाल करते हुए शानदार शॉट लगाया। गेंद घुमाव लेते हुए सीधे गोल के कोने में जा पहुंची। यह मेसी का अपने पिता जॉर्ज मेसी के निधन के बाद पहला गोल है। जॉर्ज मेसी का सात अगस्त को निधन हुआ था। पिता के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए मेसी ने आठ अगस्त को मॉन्टेरी के खिलाफ इंटर मियामी का मुकाबला नहीं खेला था। इसके बाद

उन्होंने 12 अगस्त को लियोन के खिलाफ मैच में बतौर सब्स्टीट्यूट 45 मिनट मैदान पर बिताए थे।

मेसी इस सीजन मेजर लीग सॉकर में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। वह 17 मैचों में 13 गोल और नौ असिस्ट कर चुके हैं। फिलाडेल्फिया यूनियन के खिलाफ छह मैचों में उनके नाम अब छह गोल और चार असिस्ट हो गए हैं। इंटर मियामी के लिए यह मैच ऐसे समय आया जब टीम लगातार तीन मुकाबले हार चुकी थी। इसमें लीग्स कप में मैक्सिकन क्लबों के खिलाफ मिली दो हार भी शामिल थीं। इससे पहले मियामी को नैशविले के हाथों 1-4 से हार मिली थी।

इंटर मियामी ने शुरुआती बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन फिलाडेल्फिया यूनियन ने जोरदार वापसी की। इंडियाना वासिलेव ने पहले हाफ में गोल कर स्कोर 1-1 किया। इसके बाद 58वें मिनट में 18 वर्षीय डिफेंडर नील पियरे ने हेडर से गोल कर यूनियन को 2-1 से आगे कर दिया। हालांकि इंटर मियामी ने बाद में बराबरी कर ली और मुकाबला 2-2 पर खत्म हुआ। मैच के इंजरी टाइम में यानिक ब्राइट और यूनियन के 16 वर्षीय मिडफील्डर कैवन सुलिवन को मैदान के बाहर हुई झड़प के बाद रेड कार्ड दिखाया गया।

डूरंड कप: ईस्ट बंगाल फाइनल में, पेनाल्टी शूटआउट में एससी दिल्ली को हराया

कोलकाता, 20 अगस्त (एजेंसियां)। ईस्ट बंगाल एफसी ने रोमांचक मुकाबले में एससी दिल्ली को पेनाल्टी शूटआउट में 5-4 से हराकर 135वें इंडियन ऑयल डूरंड कप के फाइनल में जगह बना ली। बुधवार को विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में खेले गए पहले सेमीफाइनल में निर्धारित 90 मिनट तक दोनों टीमें गोल नहीं कर सकीं। इसके बाद फैसला पेनाल्टी शूटआउट से हुआ, जहां गोलकीपर प्रभसुखन सिंह गिल ईस्ट बंगाल की जीत के सबसे बड़े नायक बने। मैच के दौरान भी गिल ने एससी दिल्ली के रोड्रिगिन्हो की पेनाल्टी बचाकर टीम को संकट से निकाला। शूटआउट में उन्होंने जुआन सेबास्टियन पेना का पेनाल्टी प्रयास रोक दिया। इसके बाद कप्तान मोहम्मद बासिम राशिद ने निर्णायक पेनाल्टी को गोल में बदलकर लाल-पीली जर्सी वाली टीम को फाइनल का टिकट दिलाया। ईस्ट बंगाल ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और मैच में कई मौके बनाए। 16वें मिनट में बासिम राशिद की फ्री-किक क्रॉसबार से टकराई। इसके बाद जेसिन टी.के. का प्रयास भी गोलपोस्ट के बाहर से टकराकर निकल गया। दूसरे हाफ में राशिद का एक और शक्तिशाली शॉट पोस्ट से टकराया। मैच का सबसे बड़ा मौका एससी दिल्ली को 33वें मिनट में मिला, जब रोड्रिगिन्हो को पेनाल्टी मिली। हालांकि, गिल ने बाईं ओर शानदार डाइव लगाकर उनका शॉट रोक दिया। दूसरे हाफ में भी दोनों टीमों ने कई हमले किए, लेकिन कोई गोल नहीं हो सका। पेनाल्टी शूटआउट में ईस्ट बंगाल के अनवर अली, रोहित दानू, लालचुंगनुंगा, क्रिस्टोफर जेम्स इकोनोमिडिस और बासिम राशिद ने गोल किए। एससी दिल्ली के पेना का प्रयास गिल ने रोक दिया। ईस्ट बंगाल अब रविवार, 23 अगस्त को होने वाले फाइनल में गुरुवार को शिलांग में मोहन बागान सुपर जायंट और मौजूदा चैंपियन नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से भिड़ेगा।

22ए जमीन मामलों पर हर शिकायत का समाधान किया जाए

अधिकारियों को मंत्री पोंगुलेटी के निर्देश

हैदराबाद, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। 22ए निषिद्ध भूमि से जुड़े मामलों में लोगों को राहत और न्याय दिलाने के लिए तेलंगाना सरकार ने कार्रवाई तेज कर दी है। राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि कॉल सेंटर पर आने वाली प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उसके समाधान तक लगातार निगरानी की जाए। उन्होंने कहा कि वास्तविक हकदारों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। मंत्री ने बुधवार को अधिकारियों के साथ टेलीकॉन्फ्रेंस के दौरान 22ए मामलों की समीक्षा की। उन्होंने चार जिलों में मौजूदा स्थिति, लंबित आवेदनों, कॉल सेंटर पर प्राप्त शिकायतों और उनके निस्तारण की जानकारी ली।

अधिकारियों ने बताया कि अब तक करीब 400 कॉल प्राप्त हो चुकी हैं। पोंगुलेटी ने कहा कि प्रत्येक शिकायत को दर्ज करने के बाद संबंधित तहसीलदार, आरडीओ और सब-रजिस्ट्रार को तत्काल भेजा जाए। अधिकारी यह जांच करें कि संबंधित भूमि 22ए सूची में क्यों शामिल की गई, आवेदक की पात्रता क्या है और शिकायत में कितनी सच्चाई है। उन्होंने जांच के बाद स्पष्ट कारणों के साथ निर्णय लेने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि

शिकायत दर्ज कराने के बाद लोगों को बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ने चाहिए। सब-रजिस्ट्रार, तहसीलदार, आरडीओ और कलेक्टर स्तर पर लंबित आवेदनों के साथ पिछले दो-तीन दिनों में प्राप्त नए आवेदनों का भी तत्काल निस्तारण किया जाए। उन्होंने 22ए मामलों के समाधान को विशेष टास्क मानकर काम करने तथा राजस्व और स्टांप एवं पंजीकरण विभागों के अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कोई भी व्यक्ति राजस्व कार्यालय से अपनी समस्या के समाधान का भरोसा लेकर बाहर निकले। अधिकारियों को सरकारी नीतियों के अनुरूप कार्य करते हुए जनता का विश्वास जीतने की भी हिदायत दी गई।

पीडीएस का चावल दूसरी जगह भेजने के आरोप में व्यापारी गिरफ्तार

आदिलाबाद, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को इंदरवेल्ली मंडल केंद्र में पीडीएस (पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम) का चावल दूसरी जगह भेजने के आरोप में एक व्यापारी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने 150 क्विंटल चावल ज़ब्त किया।

पुलिस ने बताया कि चिंतावर संतोष को पीडीएस का चावल दूसरी जगह भेजने के आरोप में पकड़ा गया।

पुलिस की जांच के दौरान संतोष अनाज जमा करके उसे बेचकर मुनाफ़ा कमाते हुए पाया गया। आगे की कार्रवाई के लिए चावल सिविल सप्लाई विभाग को सौंप दिया गया।

आम नागरिक बनकर बाइक से निकले सीपी सज्जनार

केबीआर पार्क वन-वे ट्रैफिक का लिया जायजा

हैदराबाद, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार, आईपीएस ने गुरुवार को बिना किसी सुरक्षा तामझाम के आम नागरिक की तरह सिविल ड्रेस में बाइक से शहर में लागू किए गए नए वन-वे ट्रैफिक व्यवस्था का जमीनी निरीक्षण किया।

उन्होंने केबीआर पार्क के आसपास यातायात व्यवस्था का खुद जायजा लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।सुबह करीब 10 बजे सीपी सज्जनार बाइक से रोड नंबर-45 से जुबली चेकपोस्ट, वेंकटगिरी, केबीआर पार्क मुख्य गेट, मुग्धा जंक्शन, बसवतारकम, अग्रसेन चौराहा और फिल्मनगर जंक्शन होते हुए फिर रोड नंबर-45 तक गए। उन्होंने इस मार्ग का दो बार निरीक्षण करते हुए विभिन्न स्थानों पर यातायात की स्थिति देखी। इसके बाद दोपहर के समय भी उन्होंने अलग-अलग जंक्शनों पर ट्रैफिक प्रवाह का जायजा लिया।

इस दौरान उन्होंने अग्रसेन चौराहा, फिल्मनगर, जर्नलिस्ट कॉलोनी, जुबली चेकपोस्ट और केबीआर पार्क मुख्य गेट पर ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों से बातचीत कर जमीनी स्थिति की जानकारी ली। सीपी सज्जनार ने कहा कि केबीआर पार्क के आसपास नई वन-वे व्यवस्था सुचारु रूप से चल रही है। बुधवार से लागू की गई इस व्यवस्था के पहले दिन लेन परिवर्तन को लेकर वाहन चालकों को कुछ परेशानी हुई थी, लेकिन गुरुवार तक यातायात सामान्य और व्यवस्थित हो गया। वाहन चालकों को असुविधा न हो, इसके लिए सभी प्रमुख जंक्शनों पर स्पष्ट साइन बोर्ड लगाए गए हैं और पर्याप्त पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। उन्होंने बताया कि जीएचएमसी और निर्माण एजेंसी के साथ समन्वय कर परियोजना के कार्यों को जल्द पूरा करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से निर्माण कार्य पूरा होने तक सहयोग करने और यातायात पुलिस के निर्देशों का पालन करने की अपील की।

पंडुग सायन्ना की जयंती और पुण्यतिथि अब सरकारी स्तर पर मनाई जाएगी

हैदराबाद, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के प्रसिद्ध जननायक और 'तेलंगाना रॉबिनहुड' के रूप में लोकप्रिय पंडुग सायन्ना की जयंती और पुण्यतिथि अब राज्य सरकार आधिकारिक रूप से मनाएगी। इस संबंध में सरकार ने गुरुवार को आधिकारिक आदेश जारी कर दिए। यह निर्णय पशुपालन, डेयरी विकास, मत्स्य, खेल एवं युवा सेवा मंत्री वाकिटि श्रीहरि की पहल के बाद लिया गया है। सरकारी आदेश के अनुसार प्रत्येक वर्ष 22 अक्टूबर को पंडुग सायन्ना की जयंती और 10 दिसंबर को उनकी पुण्यतिथि सरकारी स्तर पर आयोजित की जाएगी। इन अवसरों पर राज्य सरकार की ओर से आधिकारिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। हाल ही में मंत्री वाकिटि श्रीहरि के नेतृत्व में मुदिराज समाज के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से मुलाकात कर पंडुग सायन्ना की जयंती और पुण्यतिथि को आधिकारिक रूप से मनाने की मांग की थी। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल की मांग पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बाद सरकार ने अब औपचारिक आदेश जारी कर दिए हैं। मंत्री वाकिटि श्रीहरि ने इस निर्णय के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पंडुग सायन्ना जैसे वीर योद्धा के संघर्ष और बलिदान को राज्य सरकार द्वारा आधिकारिक मान्यता दिया जाना बहुजन समाज के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि पंडुग सायन्ना किसी एक क्षेत्र तक सीमित जननायक नहीं थे, बल्कि उन्होंने वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। उनका जीवन, संघर्ष और बलिदान आज की पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक है। मंत्री ने कहा कि पंडुग सायन्ना की जयंती और पुण्यतिथि को सरकारी स्तर पर मनाने की मुदिराज समाज की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी होना खुशी की बात है। उन्होंने इसे बहुजन संघर्ष की भावना और ऐतिहासिक योगदान को सम्मान देने वाला महत्वपूर्ण निर्णय बताया। सरकार के इस फैसले से मुदिराज समाज के साथ-साथ पंडुग सायन्ना के समर्थकों और बहुजन वर्गों में खुशी की लहर है।

22ए निषिद्ध भूमि सूची के नाम पर कांग्रेस सरकार पर भूमि घोटाले का आरोप

भाजपा सांसद डॉ. के. लक्ष्मण का बड़ा बयान

हैदराबाद, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा सांसद डॉ. के. लक्ष्मण ने तेलंगाना में 22ए निषिद्ध भूमि सूची के नाम पर कांग्रेस सरकार पर बड़े पैमाने पर भूमि घोटाले और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि राज्य में 'प्रजापालन' के बजाय 'लूट की सरकार' चल रही है और राजस्व विभाग लोगों की संपत्तियों की रक्षा करने के बजाय उन्हें परेशान कर रहा है।

आज जारी बयान में डॉ. लक्ष्मण ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी का घर भी 22ए निषिद्ध सूची में शामिल होना सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के माफी मांगने और मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी द्वारा निजी जमीनों को रातोंरात 22ए सूची में शामिल किए जाने के पीछे साजिश की बात कहे जाने का हवाला देते हुए सरकार से जवाब मांगा। उन्होंने आरोप लगाया कि हैदराबाद, रंगारेड्डी और मेडचल क्षेत्रों में बड़ी संख्या में निजी जमीनों को 22ए के विवाद में फंसाया जा रहा है।

भाजपा सांसद ने दावा किया कि जमीन को सूची से हटाने के नाम पर लोगों और बिल्डरों से 30 से 40 प्रतिशत तक कमीशन या हिस्सेदारी मांगने की शिकायतें सामने आ रही हैं। डॉ. लक्ष्मण ने कहा कि मंजूरियों, बैंक ऋण और पंजीकरण के बावजूद संपत्तियों को अचानक निषिद्ध सूची में शामिल करना संविधान के अनुच्छेद 300ए के तहत संपत्ति के अधिकार का उल्लंघन है। उन्होंने आरोप लगाया कि गरीबों और मध्यमवर्गीय लोगों के छोटे-छोटे भूखंडों को भी 22ए सूची में डालकर उन्हें परेशान किया जा रहा है।

उन्होंने सरकार से मांग की कि कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद 22ए सूची से हटाई गई जमीनों का श्वेतपत्र जारी किया जाए और बड़े भूखंडों, कंपनियों तथा कथित बेनामी संपत्तियों की जानकारी सार्वजनिक की जाए।

उन्होंने 22ए से जुड़े आरोपों की उच्च न्यायालय के मौजूदा न्यायाधीश से व्यापक जाच कराने की चुनौती दी।डॉ. लक्ष्मण ने कहा कि भाजपा गांवों और शहरों में सरकार की कथित भूमि नीतियों के खिलाफ आंदोलन करेगी और प्रभावित लोगों को न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रखेगी।

उन्होंने चेतावनी दी कि गरीब और मध्यमवर्गीय लोगों की जमीनों पर कब्जे के प्रयासों के खिलाफ जनता का आक्रोश सरकार के लिए भारी पड़ेगा।

टीपीसीसी अनुशासन समिति को मंत्री कोंडा सुरेखा ने भेजा जवाब

स्पष्टीकरण को स्वीकार करते हुए मामले को समाप्त करने की मांग

हैदराबाद, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की वन, पर्यावरण एवं देवदाय-धर्मादाय मंत्री कोंडा सुरेखा ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) की अनुशासन समिति द्वारा जारी नोटिस का जवाब देते हुए गुरुवार को अपना स्पष्टीकरण भेज दिया। मंत्री ने अपना जवाब अनुशासन समिति के अध्यक्ष मल्लू रवि को पत्र के माध्यम से भेजा है। अपने पत्र में मंत्री सुरेखा ने कहा कि 19 अगस्त को उनके जन्मदिन के अवसर पर राज्यभर में 'कोंडा' परिवार के समर्थकों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए तथा सेवा कार्य भी किए। उन्होंने बताया कि उनके पैतृक क्षेत्र गीसुगोंडा से उनकी बेटी कोंडा सुस्मिता पटेल का विशेष जुड़ाव है। इसी कारण वहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों द्वारा आयोजित जन्मदिन समारोह में उनकी बेटी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई थीं। मंत्री ने स्पष्ट किया कि कार्यक्रम के दौरान उनकी बेटी द्वारा दिए गए बयान पूरी तरह उनके व्यक्तिगत विचार थे। उन्होंने कहा कि पारिवारिक संबंधों के आधार पर किसी व्यक्ति के व्यक्तिगत विचारों के लिए दूसरे व्यक्ति को राजनीतिक रूप से जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं है। इसी आधार पर उनसे स्पष्टीकरण मांगना भी न्यायसंगत नहीं है। कोंडा सुरेखा ने अपने पत्र में कहा कि उनकी बेटी के बयान के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराना प्राकृतिक न्याय की भावना के अनुरूप नहीं है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व और पार्टी की अनुशासनात्मक व्यवस्था के प्रति उनके मन में पूरा सम्मान है। मंत्री ने अनुशासन समिति से लोकतांत्रिक मूल्यों और वास्तविक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए मामले पर विचार करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि उक्त मामले में उनकी कोई भूमिका नहीं है, इसलिए उनके खिलाफ जारी नोटिस को वापस लिया जाना चाहिए। मंत्री सुरेखा ने समिति से सम्मानपूर्वक आग्रह किया कि उनके स्पष्टीकरण को स्वीकार करते हुए मामले को समाप्त किया जाए और नोटिस वापस लेने की कार्रवाई की जाए।

गणेश उत्सव-2026 को लेकर जीएचएमसी ने तैयारियां तेज कीं

आयुक्त ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गणेश उत्सव-2026 को शांतिपूर्ण और सुचारु ढंग से संपन्न कराने के लिए ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जीएचएमसी आयुक्त आरवी कर्णन ने गुरुवार को मुख्यालय में अतिरिक्त आयुक्तों, जोनल आयुक्तों और विभिन्न विभागाध्यक्षों के साथ समीक्षा बैठक कर व्यापक तैयारियों की समीक्षा की।

इस वर्ष विनायक चतुर्थी 14 सितंबर को और गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन 25 सितंबर को होगा।

नए जोड़े गए सर्किलों, जोन और क्षेत्रों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं तथा गणेश प्रतिमाओं की आवाजाही को देखते हुए विशेष व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए गए हैं। आयुक्त ने सभी जोनल आयुक्तों को पुलिस, अग्निशमन, सिंचाई, ट्रांसको, आरएंडबी, मेट्रो रेलऔर पर्यटन सहित संबंधित विभागों के साथ समन्वय बैठकें आयोजित करने को कहा। जुलूस मार्गों, विसर्जन स्थलों, यातायात प्रबंधन, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था, बिजली आपूर्ति, चिकित्सा सुविधाओं और आपातकालीन सेवाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। बालापुर गणेश जुलूस और विसर्जन व्यवस्था के लिए उत्सव समितियों, पुलिस तथा संबंधित विभागों के साथ विशेष समन्वय तंत्र बनाया जाएगा। सड़क, बैरिकेडिंग, क्रेन, बिजली, पानी, स्वच्छता और आपात सेवाओं से जुड़े मामलों के त्वरित समाधान की व्यवस्था की जाएगी। उत्सव के दौरान रियल-टाइम निगरानी और त्वरित कार्रवाई के लिए कंट्रोल रूम संचालित किया जाएगा। टैंक बंड पर भी कंट्रोल रूम के साथ प्रमुख झीलों और विसर्जन स्थलों पर स्थायी एवं मोबाइल क्रेन तैनात की जाएंगी। जीएचएमसी द्वारा गणेश एक्शन टीमें, चौबीसों घंटे सफाई कर्मचारी, मोबाइल शौचालय, फॉगिंग टीमें, नावें, तैराक, जीवन रक्षक उपकरण, एंबुलेंस और पैरामेडिकल स्टाफ उपलब्ध कराया जाएगा। जुलूस मार्गों की सड़क मरम्मत और क्रेन संबंधी कार्य 13 सितंबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

बाइक दुर्घटना में दो युवकों की मौत

जोगुलम्बा गडवाल, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जुराला प्रोजेक्ट रोड पर बाइक के बेकाबू होकर साइड रेलिंग से टकराने से दो युवकों की मौत हो गई और एक अन्य युवक घायल हो गया। मृतकों की पहचान शिवा (20) और गणेश (19) के रूप में हुई है। घायल युवक का नाम श्रीकांत है और वे सभी शादनगर के रहने वाले हैं। माना जा रहा है कि तीनों बुधवार रात शदनगर से जुराला प्रोजेक्ट घूमने गए थे। यह घटना तब हुई जब उनकी बाइक एक स्पीड ब्रेकर से टकराकर बेकाबू हो गई। अंततः, यह साइड रेलिंग से टकरा गई और तीनों युवकों को गंभीर चोटें आईं।

स्थानीय लोगों ने तुरंत उन्हें गडवाल के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, हालत बिगड़ने पर उन्हें महबूबनगर के सरकारी जनरल अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। खबरों के अनुसार, इलाज के दौरान शिवा और गणेश की मौत हो गई।

कानून-व्यवस्था पर बीआरएस नेताओं ने सरकार को घेरा

पूर्व विधायक गोंगिडी सुनीता ने लगाए आरोप

हैदराबाद, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस की पूर्व विधायक गोंगिडी सुनीता ने तेलंगाना में बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी सरकार पर तीखा हमला बोला। तेलंगाना भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में लगातार हत्याओं और महिलाओं के खिलाफ अपराधों के बावजूद सरकार गंभीरता से कार्रवाई नहीं कर रही है।

सुनीता ने कहा कि ऐसा लगता है कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कानून-व्यवस्था को भगवान भरोसे छोड़ दिया है। उन्होंने शाबाद में एक ही परिवार की छह महिलाओं की हत्या का हवाला देते हुए कहा कि राज्य में महिलाओं की सुरक्षा की स्थिति बेहद चिंताजनक है। उन्होंने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी मुख्यमंत्री के साथ-साथ गृह मंत्री और शिक्षा मंत्री के रूप में भी विफल साबित हुए हैं।

उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के कार्यकाल में महिलाओं की सुरक्षा के लिए शी-टीम्स का गठन किया गया था, लेकिन वर्तमान सरकार में महिलाओं को पर्याप्त सुरक्षा नहीं मिल रही है। सुनीता ने आरोप लगाया कि गांवों में ड्रग्स, गांजा और शराब के बढ़ते इस्तेमाल से युवा प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में बड़ी मात्रा में ड्रग्स बरामद होने के बावजूद सरकार केवल बयानबाजी तक सीमित है। सुनीता ने नलगोंडा जिले के कोंडामल्लेपल्ली में स्कूल प्रिंसिपल रूपा रेड्डी की हत्या का उल्लेख करते हुए मामले में ड्रग्स माफिया के संभावित संबंध और किसी साजिश के कोण से भी जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि पॉक्सो कानून के तहत आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। जेडपी की पूर्व अध्यक्ष तुला उमा ने भी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य में शिक्षकों और महिलाओं को सुरक्षा नहीं मिल रही है। उन्होंने ऑनलाइन अश्लीलता बढ़ने और बच्चों के मोबाइल फोन के अत्यधिक प्रभाव पर चिंता जताई। दोनों नेताओं ने महिलाओं के खिलाफ अपराध, ड्रग्स और कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर सरकार से ठोस कार्ययोजना लागू करने तथा अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी सरकार में अपराधों में वृद्धि हुई है और मुख्यमंत्री को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देना चाहिए।

राजीव गांधी की जयंती पर कांग्रेस नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती के अवसर पर सरकारी सलाहकार वी. हनुमंत राव के नेतृत्व में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान राजीव गांधी की प्रतिमा पर पुष्पमालाएं अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं, जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर वी. हनुमंत राव ने कहा कि भारत में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र के विकास की नींव मजबूत करने में राजीव गांधी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने कहा कि युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अधिक भागीदारी का अवसर देने के लिए मतदान की न्यूनतम आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष करने का ऐतिहासिक निर्णय भी राजीव गांधी के कार्यकाल में लिया गया था। राजीव गांधी की स्मृति में वी. हनुमंत राव के नेतृत्व में 'राजीव गांधी सद्भावना रन' का भी आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और रैली के रूप में आगे बढ़े। प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय ध्वज और कांग्रेस पार्टी के झंडे लेकर कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में कई जनप्रतिनिधियों, कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने राजीव गांधी के देश के प्रति योगदान और सेवाओं को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि राजीव गांधी ने आधुनिक भारत के निर्माण और युवाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की थी। नेताओं ने कहा कि देश के लिए बलिदान देने वाले महान नेताओं के जीवन और देशभक्ति की भावना से वर्तमान पीढ़ी को अवगत कराना आवश्यक है। इस अवसर पर जग्गा रेड्डी, शब्बीर अली, अनिल कुमार यादव, रामुलु नायक, जी. निरंजन, फिरोज खान, मेट्टु साई कुमार, राजैया, दीपक, जॉन, खालिद, सैफुल्ला, बोल्लु किशन, आर. लक्ष्मण यादव, अफसर, यूसुफ जई, शंभुल और श्रीकांत गौड़ सहित अन्य नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की भी बड़ी भागीदारी रही।

टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने निजामाबाद के नेताओं के साथ मिलकर, निजामाबाद के राजीव चौरास्ता पर पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न राजीव गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

पुलिस की नौकरी का झांसा देकर युवक को ठगने वाला गिरफ्तार

आदिलाबाद, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को गुडीहथनूर मंडल केंद्र में पुलिस विभाग में नौकरी दिलाने के बहाने एक नौकरी चाहने वाले को ठगने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ़्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि मन्नर गाँव के पैड राजू को उसी गाँव के स्वप्निल से पुलिस की नौकरी दिलाने का वादा करके 1 लाख रुपये लेने और उसे ठगने के आरोप में पकड़ा गया।

राजू की बातों पर भरोसा करके, स्वप्निल ने 2018 में अपनी माँ के खाते से 1 लाख रुपये ट्रांसफर किए। हालाँकि, राजू ने तब से न तो नौकरी दिलाई और न ही पैसे लौटाए। स्वप्निल की शिकायत के आधार पर राजू के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। जाँच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने लोगों को सलाह दी कि वे पुलिस की नौकरियों के लिए बिचौलियों पर भरोसा न करें। उन्होंने लोगों से आधिकारिक सूचनाओं और भर्ती प्रक्रिया पर भरोसा करने का आग्रह किया।

भीमपुर मंडल में बाघ के पैरों के निशान से दहशत

आदिलाबाद, 20 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को भीमपुर मंडल के कुछ हिस्सों में बाघ का डर फैल गया। स्थानीय लोगों का दावा है कि उन्होंने भीमपुर मंडल के भीमपुर अर्ली (टी) गाँव के बाहरी इलाके में एक छोटी पहाड़ी और खेतों में बाघ के पैरों के निशान देखे, जिससे किसानों में दहशत फैल गई। एक किसान ने अपने खेत में निशान देखने के बाद शोर मचाया। उसने बताया कि एक जंगली सूअर का शिकार करने के बाद बाघ जंगल में चला गया। उन्होंने वन अधिकारियों से बाघ को दूसरी तरफ भेजने का आग्रह किया।

वन अधिकारियों ने कहा कि हो सकता है कि महाराष्ट्र के यवतमाल जिले में स्थित टिपेश्वर टाइगर रिज़र्व से एक बाघ अपने इलाके की तलाश में पेनगंगा नदी पार करके भीमपुर के अर्ली (टी) और गुंजाला गाँवों के जंगलों की ओर आ गया हो। उन्होंने बताया कि जानवरों को ट्रैक करने वालों को काम पर लगाया गया है और बाघ की गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए सीसीटीवी कैमरा ट्रैप लगाए गए हैं। उन्होंने किसानों से बाघ की गतिविधियों को लेकर सावधान रहने को कहा। इस बीच, निवासियों ने बताया कि उन्हें चिंतालामानेपल्ली मंडल में आदिपेल्ली और डब्बा गाँवों के बीच बाघ के पैरों के निशान मिले। उन्होंने कहा कि बाघ की गतिविधियों को देखते हुए उन्हें खेती का काम करने में डर लग रहा है। उन्होंने अधिकारियों से बाघ को ट्रैक करने और किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान को रोकने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि 2024 में ईसगाँव में कपास की कटाई के दौरान एक महिला की बाघ के हमले में मौत हो गई थी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.